



महाराष्ट्र शासन

कार्यक्रम अंदाजपत्रक

२०२३-२०२४

नगरविकास विभाग

**PERFORMANCE BUDGET
2023-2024**

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

२०२३

शासकीय मध्यवर्ती मुद्रणालय, मुंबई

कार्यक्रम अंदाजपत्रक

२०२३-२०२४

नगरविकास विभाग

**PERFORMANCE BUDGET
2023-2024**

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

(तीन)

अनुक्रमणिका

| | पृष्ठे |
|--|--------|
| १. समग्र कार्यक्रम | १ |
| २. महानगरपालिका/नगरपरिषदा/ नगर पंचायती दर्शविणारे विवरणपत्र | २ |
| ३. कार्यक्रमावरील खर्च (बाह्य सहाय्यित प्रकल्प) | १६ |
| ४. कार्यक्रमावरील खर्च (केंद्र पुरस्कृत) | १७ |
| ५. कार्यक्रमावरील खर्च (राज्य स्तर) | २० |
| ६. कार्यक्रमावरील खर्च (जिल्हा स्तर) | २५ |
| ७. अनिवार्य खर्च | २६ |
| ८. इतर महत्त्वाचे निर्णय/कार्यक्रम | २९ |
| ९. अग्निसंरक्षण | ३३ |
| १०. नगरपालिका प्रशासन | ४९ |
| ११. नगर आणि प्रादेशिक नियोजन | ६१ |
| १२. नवीन नगरांचा विकास | १११ |
| १३. नागपूर सुधार प्रन्यास | ११४ |
| १४. नागरी परिवहन | ११९ |
| १५. नागरी जमीन कमाल मर्यादा | १२७ |
| १६. मंत्रालय (नगरविकास विभाग) | १३१ |
| १७. कार्यक्रमावरील खर्चाच्या तरतुदी | १३५ |

समग्र कार्यक्रम

सन २०११ च्या जनगणनेनुसार राज्यातील ४५ टक्के इतकी लोकसंख्या नागरी भागात वास्तव्य करते. हे प्रमाण देशातील इतर राज्यांपेक्षा सर्वात अधिक आहे. महाराष्ट्राची एकूण लोकसंख्या ११.२३ कोटी असून नागरी क्षेत्रातील लोकसंख्या ५.०८ कोटी आहे.

राज्यातील शहरी विभागाचा शास्त्रशुद्ध पायावर विकास करण्याची जबाबदारी महाराष्ट्र शासनाच्या नगरविकास विभागाकडे सोपविण्यात आली आहे. या विभागाचा संबंध मुख्यत्वे खालील गोष्टींशी येतो :-

(१) नगरपालिका प्रशासन (अग्निसंरक्षण व नियंत्रण तसेच नगरपालिका व नगरपरिषद यांना देय असलेले वित्तीय सहाय्य जमसे धरून).

(२) नगर व प्रादेशिक नियोजन

(३) नवीन शहरांचा व इतर विभागांचा विकास

(४) नागरी परिवहन योजना

(५) वरील सर्व बाबींवर मंत्रालयीनस्तरावर प्रशासकीय नियंत्रण.

राज्यात सध्या २८ महानगरपालिका अस्तित्वात आहेत. त्यांची यादी पृ. ३ वरील प्रपत्र १ येथे दिली आहे. मुंबई महानगरपालिकेचा कारभार “ मुंबई महानगरपालिका अधिनियम, १८८८ ” नुसार चालतो. उर्वरित महानगरपालिकांचा कारभार “ महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, १९४९ ” नुसार चालतो.

राज्यात सध्या ३८६ नगरपरिषदा व नगरपंचायती आहेत. त्यांचा दर्जा निहाय (अ, ब व क वर्ग) यादी पृ.-४ वरील प्रपत्र-२ येथे दिली आहे. नगरपरिषदांचा कारभार, “ महाराष्ट्र नगरपरिषद, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम, १९६५ ” नुसार चालतो.

थोडक्यात राज्यात सध्या एकूण ४१४ नागरी संस्था अस्तित्वात आहेत.

या शिवाय राज्यात सध्या खालील “ विशेष नियोजन प्राधिकरणे ” अस्तित्वात आहेत :-

- (१) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (२) पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (३) नागपूर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (४) नाशिक महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (५) औरंगाबाद महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (६) शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ
- (७) नागपूर सुधार प्रन्यास
- (८) पिंपरी-चिंचवड नवनगर विकास प्राधिकरण
- (९) कोल्हापूर नागरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण
- (१०) तुळजापूर शहर विकास प्राधिकरण
- (११) पैठण आपेगांव शहर विकास प्राधिकरण
- (१२) पंढरपूर शहर विकास प्राधिकरण

२. सन २०२२-२०२३ या आर्थिक वर्षामध्ये नगरविकास विभागाचे एकूण अर्थसंकल्पाचे आकारमान रु. ४४३०६.१६ कोटी इतके आहे. यामध्ये अनिवार्य (Committed) अनुदानाचा रु. ३१८६२.८० कोटी तर कार्यक्रमावरील खर्च (Scheme) अनुदान रु. १२४४३.३६ कोटी समावेश होतो.

३. नगरविकास विभागाने सन २००२-२००३ वर्षापासून विभागामार्फत राबविण्यात येणाऱ्या योजनांच्या अंमलबजावणीसाठी आमूलाग्र बदल केले असून आर्थिक विकेंद्रीकरणाच्या धोरणास अनुसरून विभागाच्या अर्थसंकल्पातील बहुतांश अनुदाने ही खालील स्तरावरील क्षेत्रीय अधिकाऱ्यांकडे सुपूर्द केलेली आहेत :-

(अ) संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय.

(ब) संचालक, नगररचना, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.

(क) संचालक, अग्निशमन सेवा.

(ड) विभागीय आयुक्त/जिल्हाधिकारी.

(इ) राज्य अभियान संचालक.

(फ) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण.

राज्यातील विभागनिहाय, जिल्हानिहाय महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायती दर्शविणारे विवरणपत्र

| विभाग | जिल्हा | महानगरपालिका | ‘अ’ वर्ग नगरपरिषदा | ‘ब’ वर्ग नगरपरिषदा | ‘क’ वर्ग नगरपरिषदा | नगरपंचायती | एकूण |
|------------|-------------------------|--------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|------------|------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| कोकण | मुंबई शहर व मुंबई उपनगर | १ | ० | ० | ० | ० | १ |
| | ठाणे | ६ | २ | ० | ० | २ | १० |
| | पालघर | १ | ० | २ | १ | ४ | ८ |
| | रायगड | १ | ० | १ | ९ | ६ | १७ |
| | रत्नागिरी | ० | ० | २ | २ | ५ | ९ |
| | सिंधुदुर्ग | ० | ० | ० | ३ | ५ | ८ |
| | एकूण | १ | २ | ५ | १५ | २२ | ५३ |
| नाशिक | नाशिक | २ | ० | ४ | ६ | ६ | १७ |
| | अहमदनगर | १ | ० | ३ | ८ | ४ | १६ |
| | नंदुरबार | ० | १ | १ | २ | १ | ५ |
| | धुळे | १ | ० | २ | ० | २ | ५ |
| | जळगाव | १ | १ | ५ | १० | ३ | २० |
| | एकूण | ५ | २ | १५ | २६ | १६ | ६४ |
| पुणे | पुणे | २ | १ | ४ | ८ | ४ | १९ |
| | सांगली | १ | ० | २ | ४ | ५ | १२ |
| | सातारा | ० | १ | २ | ६ | ७ | १६ |
| | सोलापूर | १ | १ | ३ | ७ | ६ | १८ |
| | कोल्हापूर | २ | ० | १ | ९ | ३ | १५ |
| | एकूण | ६ | ३ | १२ | ३४ | २५ | ८० |
| औरंगाबाद | औरंगाबाद | १ | ० | ४ | २ | २ | ९ |
| | परभणी | १ | ० | ३ | ४ | १ | ९ |
| | हिंगोली | ० | ० | २ | १ | २ | ५ |
| | जालना | ० | १ | ० | ३ | ५ | ९ |
| | नांदेड | १ | ० | १ | ११ | ४ | १७ |
| | लातूर | १ | १ | १ | २ | ५ | १० |
| | उस्मानाबाद | ० | १ | ० | ७ | २ | १० |
| | बीड | ० | १ | ३ | २ | ५ | ११ |
| | एकूण | ४ | ४ | १४ | ३२ | २६ | ८० |
| अमरावती | बुलढाणा | ० | ० | ७ | ४ | २ | १३ |
| | अमरावती | १ | १ | २ | ७ | ४ | १५ |
| | यवतमाळ | ० | १ | ४ | ५ | ७ | १७ |
| | वाशीम | ० | ० | २ | २ | २ | ६ |
| | अकोला | १ | ० | ३ | २ | १ | ७ |
| | एकूण | २ | २ | १८ | २० | १६ | ५८ |
| नागपूर | नागपूर | १ | ० | ४ | १० | ९ | २१ |
| | भंडारा | ० | ० | २ | २ | ३ | ७ |
| | गोंदिया | ० | १ | ० | २ | ५ | ०८ |
| | वर्धा | ० | २ | १ | ३ | ४ | १० |
| | चंद्रपूर | १ | ० | ३ | ७ | ७ | १८ |
| | गडचिरोली | ० | ० | १ | २ | ९ | १२ |
| | एकूण | २ | ३ | ११ | २६ | ३७ | ७९ |
| एकूण बेरीज | २८ | १६ | ७५ | १५३ | १४२ | ४१४ | |

प्रपत्र १

महानगरपालिकांची यादी

| अ. क्र. | महानगरपालिकेचे नाव | जिल्हा |
|------------------------|-------------------------------------|-----------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| महानगरपालिका—२८ | | |
| १ | बृहन्मुंबई महानगरपालिका | मुंबई आणि मुंबई उपनगर |
| २ | ठाणे महानगरपालिका | ठाणे |
| ३ | कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका | ठाणे |
| ४ | नवी मुंबई महानगरपालिका | ठाणे |
| ५ | उल्हासनगर महानगरपालिका | ठाणे |
| ६ | भिवंडी-निजामपूर महानगरपालिका | ठाणे |
| ७ | मिरा-भाईंदर महानगरपालिका | ठाणे |
| ८ | पनवेल महानगरपालिका | रायगड |
| ९ | वसई-विरार महानगरपालिका | पालघर |
| १० | नाशिक महानगरपालिका | नाशिक |
| ११ | मालेगाव महानगरपालिका | नाशिक |
| १२ | अहमदनगर महानगरपालिका | अहमदनगर |
| १३ | धुळे महानगरपालिका | धुळे |
| १४ | जळगाव महानगरपालिका | जळगाव |
| १५ | पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका | पुणे |
| १६ | पुणे महानगरपालिका | पुणे |
| १७ | सांगली-मिरज-कुपवाड शहर महानगरपालिका | सांगली |
| १८ | सोलापूर महानगरपालिका | सोलापूर |
| १९ | कोल्हापूर महानगरपालिका | कोल्हापूर |
| २० | इचलकरंजी महानगरपालिका | कोल्हापूर |
| २१ | औरंगाबाद महानगरपालिका | औरंगाबाद |
| २२ | नांदेड-वाघाळा महानगरपालिका | नांदेड |
| २३ | अमरावती महानगरपालिका | अमरावती |
| २४ | अकोला महानगरपालिका | अकोला |
| २५ | नागपूर महानगरपालिका | नागपूर |
| २६ | परभणी महानगरपालिका | परभणी |
| २७ | लातूर महानगरपालिका | लातूर |
| २८ | चंद्रपूर महानगरपालिका | चंद्रपूर |

प्रपत्र २

नगरपरिषदांची यादी

| अ. क्र. | नगरपरिषदेचे नाव | जिल्हा |
|--------------------------------|-------------------------|------------|
| (१) | (२) | (३) |
| ‘ अ ’ वर्ग नगरपरिषदा—१६ | | |
| १ | अंबरनाथ नगरपरिषद | ठाणे |
| २ | कुळगाव-बदलापूर नगरपरिषद | ठाणे |
| ३ | भुसावळ नगरपरिषद | जळगाव |
| ४ | नंदुरबार नगरपरिषद | नंदुरबार |
| ५ | सातारा नगरपरिषद | सातारा |
| ६ | बाशी नगरपरिषद | सोलापूर |
| ७ | बारामती नगरपरिषद | पुणे |
| ८ | जालना नगरपरिषद | जालना |
| ९ | बीड नगरपरिषद | बीड |
| १० | उदगीर नगरपरिषद | लातूर |
| ११ | उस्मानाबाद नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १२ | अचलपूर नगरपरिषद | अमरावती |
| १३ | यवतमाळ नगरपरिषद | यवतमाळ |
| १४ | वर्धा नगरपरिषद | वर्धा |
| १५ | हिंगणघाट नगरपरिषद | वर्धा |
| १६ | गोंदिया नगरपरिषद | गोंदिया |

नगरपरिषदांची यादी—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|--------------------------------|--------------------------|---------------|
| ‘ ब ’ वर्ग नगरपरिषदा—७५ | | |
| १ | डहाणू नगरपरिषद | पालघर |
| २ | पालघर नगरपरिषद | पालघर |
| ३ | खोपोली नगरपरिषद | रायगड |
| ४ | चिपळूण नगरपरिषद | रत्नागिरी |
| ५ | रत्नागिरी नगरपरिषद | रत्नागिरी |
| ६ | मनमाड नगरपरिषद | नाशिक |
| ७ | येवला नगरपरिषद | नाशिक |
| ८ | सिन्नर नगरपरिषद | नाशिक |
| ९ | ओझर नगरपरिषद | नाशिक |
| १० | शहादा नगरपरिषद | नंदूरबार |
| ११ | दोंडाईचा-वरवाडे नगरपरिषद | धुळे |
| १२ | शिरपूर-वरवाडे नगरपरिषद | धुळे |
| १३ | अमळनेर नगरपरिषद | जळगाव |
| १४ | चाळीसगाव नगरपरिषद | जळगाव |
| १५ | चोपडा नगरपरिषद | जळगाव |
| १६ | पाचोरा नगरपरिषद | जळगाव |
| १७ | जामनेर नगरपरिषद | जळगाव |
| १८ | श्रीरामपूर नगरपरिषद | अहमदनगर |
| १९ | संगमनेर नगरपरिषद | अहमदनगर |
| २० | कोपरगाव नगरपरिषद | अहमदनगर |
| २१ | दोंड नगरपरिषद | पुणे |
| २२ | लोणावळा नगरपरिषद | पुणे |
| २३ | तळेगाव-दाभाडे नगरपरिषद | पुणे |
| २४ | चाकण-पुणे नगरपरिषद | पुणे |
| २५ | कराड नगरपरिषद | सातारा |
| २६ | फलटण नगरपरिषद | सातारा |
| २७ | इस्लामपूर नगरपरिषद | सांगली |
| २८ | विटा नगरपरिषद | सांगली |
| २९ | पंढरपूर नगरपरिषद | सोलापूर |
| ३० | अकलूज नगरपरिषद | सोलापूर |

नगरपरिषदांची यादी—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|-------------------------------------|-------------------------|---------------|
| ‘ ब ’ वर्ग नगरपरिषदा—७५—चालू | | |
| ३१ | अक्कलकोट नगरपरिषद | सोलापूर |
| ३२ | जयसिंगपूर नगरपरिषद | कोल्हापूर |
| ३३ | सिल्लोड नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ३४ | कन्नड नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ३५ | पैठण नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ३६ | वैजापूर नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ३७ | अहमदपूर नगरपरिषद | लातूर |
| ३८ | गंगाखेड नगरपरिषद | परभणी |
| ३९ | जितूर नगरपरिषद | परभणी |
| ४० | सेलू नगरपरिषद | परभणी |
| ४१ | हिंगोली नगरपरिषद | हिंगोली |
| ४२ | बसमतनगर नगरपरिषद | हिंगोली |
| ४३ | अंबेजोगाई नगरपरिषद | बीड |
| ४४ | माजलगाव नगरपरिषद | बीड |
| ४५ | परळी-वैजनाथ नगरपरिषद | बीड |
| ४६ | देगलूर नगरपरिषद | नांदेड |
| ४७ | बुलढाणा नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ४८ | चिखली नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ४९ | खामगाव नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ५० | मलकापूर नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ५१ | मेहकर नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ५२ | शेगाव नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ५३ | नांदुरा नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ५४ | अकोट नगरपरिषद | अकोला |
| ५५ | मुर्तिजापूर नगरपरिषद | अकोला |
| ५६ | बाळापूर नगरपरिषद | अकोला |
| ५७ | कारंजा नगरपरिषद | वाशिम |
| ५८ | वाशिम नगरपरिषद | वाशिम |
| ५९ | अंजनगाव-सुर्जी नगरपरिषद | अमरावती |
| ६० | वरुड नगरपरिषद | अमरावती |
| ६१ | वणी नगरपरिषद | यवतमाळ |
| ६२ | पुसद नगरपरिषद | यवतमाळ |
| ६३ | दिग्रस नगरपरिषद | यवतमाळ |
| ६४ | उमरखेड नगरपरिषद | यवतमाळ |

नगरपरिषदांची यादी—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | | जिल्हा (३) |
|---------------------------------------|------------------------|-----|---------------|
| ‘ ब ’ वर्ग नगरपरिषदा—७५—समाप्त | | | |
| ६५ | कामठी नगरपरिषद | ... | नागपूर |
| ६६ | उमरेड नगरपरिषद | ... | नागपूर |
| ६७ | काटोल नगरपरिषद | ... | नागपूर |
| ६८ | वाडी नगरपरिषद | ... | नागपूर |
| ६९ | आर्वी नगरपरिषद | ... | वर्धा |
| ७० | भंडारा नगरपरिषद | ... | भंडारा |
| ७१ | तुमसर नगरपरिषद | ... | भंडारा |
| ७२ | बल्लारपूर नगरपरिषद | ... | चंद्रपूर |
| ७३ | भद्रावती नगरपरिषद | ... | चंद्रपूर |
| ७४ | वरोरा नगरपरिषद | ... | चंद्रपूर |
| ७५ | गडचिरोली नगरपरिषद | ... | गडचिरोली |

नगरपरिषदांची यादी—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|---------------------------------|------------------------|---------------|
| ‘ क ’ वर्ग नगरपरिषदा—१५३ | | |
| १ | जव्हार नगरपरिषद | पालघर |
| २ | अलिबाग नगरपरिषद | रायगड |
| ३ | महाड नगरपरिषद | रायगड |
| ४ | पेण नगरपरिषद | रायगड |
| ५ | रोहा नगरपरिषद | रायगड |
| ६ | उरण नगरपरिषद | रायगड |
| ७ | मुरुड-जंजिरा नगरपरिषद | रायगड |
| ८ | श्रीवर्धन नगरपरिषद | रायगड |
| ९ | माथेरान नगरपरिषद | रायगड |
| १० | कर्जत नगरपरिषद | रायगड |
| ११ | खेड नगरपरिषद | रत्नागिरी |
| १२ | राजापूर नगरपरिषद | रत्नागिरी |
| १३ | मालवण नगरपरिषद | सिंधुदुर्ग |
| १४ | वेंगुर्ला नगरपरिषद | सिंधुदुर्ग |
| १५ | सावंतवाडी नगरपरिषद | सिंधुदुर्ग |
| १६ | इगतपूरी नगरपरिषद | नाशिक |
| १७ | नांदगाव नगरपरिषद | नाशिक |
| १८ | त्र्यंबक नगरपरिषद | नाशिक |
| १९ | भगूर नगरपरिषद | नाशिक |
| २० | सटाणा नगरपरिषद | नाशिक |
| २१ | चांदवड नगरपरिषद | नाशिक |
| २२ | तळोदा नगरपरिषद | नंदुरबार |
| २३ | नवापूर नगरपरिषद | नंदुरबार |
| २४ | फैजपूर नगरपरिषद | जळगाव |
| २५ | भडगाव नगरपरिषद | जळगाव |
| २६ | वरणगाव नगरपरिषद | जळगाव |
| २७ | यावल नगरपरिषद | जळगाव |
| २८ | रावेर नगरपरिषद | जळगाव |
| २९ | सावदा नगरपरिषद | जळगाव |
| ३० | पारोळा नगरपरिषद | जळगाव |
| ३१ | धरणगाव नगरपरिषद | जळगाव |
| ३२ | एरंडोल नगरपरिषद | जळगाव |
| ३३ | नशिराबाद नगरपरिषद | जळगाव |
| ३४ | राहुरी नगरपरिषद | अहमदनगर |
| ३५ | पाथर्डी नगरपरिषद | अहमदनगर |
| ३६ | राहाता नगरपरिषद | अहमदनगर |

‘क’ वर्ग नगरपरिषदा-१५३—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | | जिल्हा (३) |
|----------------|-------------------------|-----|---------------|
| ३७ | श्रीगोंदा नगरपरिषद | ... | अहमदनगर |
| ३८ | देवळाली-प्रवरा नगरपरिषद | ... | अहमदनगर |
| ३९ | शेवगाव नगरपरिषद | ... | अहमदनगर |
| ४० | शिर्डी नगरपरिषद | ... | अहमदनगर |
| ४१ | जामखेड नगरपरिषद | ... | अहमदनगर |
| ४२ | सासवड नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४३ | जेजुरी नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४४ | इंदापूर नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४५ | शिरूर नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४६ | आळंदी नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४७ | जुन्नर नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४८ | भोर नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ४९ | राजगुरुनगर नगरपरिषद | ... | पुणे |
| ५० | रहिमतपूर नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५१ | महाबळेश्वर नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५२ | म्हसवड नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५३ | वाई नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५४ | पाचगणी नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५५ | मलकापूर नगरपरिषद | ... | सातारा |
| ५६ | तासगाव नगरपरिषद | ... | सांगली |
| ५७ | जत नगरपरिषद | ... | सांगली |
| ५८ | आष्टा नगरपरिषद | ... | सांगली |
| ५९ | पलूस नगरपरिषद | ... | सांगली |
| ६० | करमाळा नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६१ | सांगोला नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६२ | मंगळवेढा नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६३ | मैदगी नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६४ | दुधनी नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६५ | कुर्दुवाडी नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६६ | मोहोळ नगरपरिषद | ... | सोलापूर |
| ६७ | पन्हाळा नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ६८ | मलकापूर नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ६९ | मुरगुड नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ७० | वडगाव नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ७१ | गडहिंग्लज नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ७२ | कुरुंदवाड नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ७३ | कागल नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |
| ७४ | हूपरी नगरपरिषद | ... | कोल्हापूर |

‘ क ’ वर्ग नगरपरिषदा-१५३—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपरिषदेचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|----------------|------------------------|---------------|
| ७५ | शिरोळ नगरपरिषद | कोल्हापूर |
| ७६ | खुलताबाद नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ७७ | गंगापूर नगरपरिषद | औरंगाबाद |
| ७८ | अंबड नगरपरिषद | जालना |
| ७९ | भोकरदन नगरपरिषद | जालना |
| ८० | परतूर नगरपरिषद | जालना |
| ८१ | मानवत नगरपरिषद | परभणी |
| ८२ | सोनपेठ नगरपरिषद | परभणी |
| ८३ | पुर्णा नगरपरिषद | परभणी |
| ८४ | पाथरी नगरपरिषद | परभणी |
| ८५ | कळमनुरी नगरपरिषद | हिंगोली |
| ८६ | बिलोली नगरपरिषद | नांदेड |
| ८७ | उमरी नगरपरिषद | नांदेड |
| ८८ | मुदखेड नगरपरिषद | नांदेड |
| ८९ | कंधार नगरपरिषद | नांदेड |
| ९० | हदगाव नगरपरिषद | नांदेड |
| ९१ | धर्माबाद नगरपरिषद | नांदेड |
| ९२ | कुंडलवाडी नगरपरिषद | नांदेड |
| ९३ | मुखेड नगरपरिषद | नांदेड |
| ९४ | किनवट नगरपरिषद | नांदेड |
| ९५ | लोहा नगरपरिषद | नांदेड |
| ९६ | भोकर नगरपरिषद | नांदेड |
| ९७ | निलंगा नगरपरिषद | लातूर |
| ९८ | औसा नगरपरिषद | लातूर |
| ९९ | तुळजापूर नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०० | उमरगा नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०१ | भूम नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०२ | परांडा नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०३ | मुरुम नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०४ | नळदुर्ग नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०५ | कळंब नगरपरिषद | उस्मानाबाद |
| १०६ | गेवराई नगरपरिषद | बीड |
| १०७ | धारुर नगरपरिषद | बीड |
| १०८ | जळगाव-जामोद नगरपरिषद | बुलढाणा |
| १०९ | देऊळगाव-राजा नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ११० | लोणार नगरपरिषद | बुलढाणा |
| १११ | सिंदखेड राजा नगरपरिषद | बुलढाणा |
| ११२ | तेल्हारा नगरपरिषद | अकोला |
| ११३ | पातुर नगरपरिषद | अकोला |
| ११४ | मंगरुळपीर नगरपरिषद | वाशिम |

‘ क ’ वर्ग नगरपरिषदा-१५३—समाप्त

| अ. क्र. | नगरपरिषदेचे नाव | | | जिल्हा |
|---------|-------------------------|-----|-----|----------|
| (१) | (२) | | | (३) |
| ११५ | रिसोड नगरपरिषद | ... | ... | वाशिम |
| ११६ | मोशी नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| ११७ | दर्यापूर नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| ११८ | चांदुर रेल्वे नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| ११९ | चांदुर बाजार नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| १२० | धामणगाव रेल्वे नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| १२१ | शेंदुर्जना नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| १२२ | चिखलदरा नगरपरिषद | ... | ... | अमरावती |
| १२३ | दारव्हा नगरपरिषद | ... | ... | यवतमाळ |
| १२४ | पांढरकवडा नगरपरिषद | ... | ... | यवतमाळ |
| १२५ | घाटंजी नगरपरिषद | ... | ... | यवतमाळ |
| १२६ | नेर-नबाबपूर नगरपरिषद | ... | ... | यवतमाळ |
| १२७ | आर्णी नगरपरिषद | ... | ... | यवतमाळ |
| १२८ | रामटेक नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १२९ | खापा नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३० | कळमेश्वर नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३१ | मोवाड नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३२ | सावनेर नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३३ | नरखेड नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३४ | मोहपा नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३५ | कन्हान-पिंपरी नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३६ | वानाडोंगरी नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३७ | बुटीबोरी नगरपरिषद | ... | ... | नागपूर |
| १३८ | पुलगाव नगरपरिषद | ... | ... | वर्धा |
| १३९ | देवळी नगरपरिषद | ... | ... | वर्धा |
| १४० | सिंदी नगरपरिषद | ... | ... | वर्धा |
| १४१ | पवनी नगरपरिषद | ... | ... | भंडारा |
| १४२ | साकोली नगरपरिषद | ... | ... | भंडारा |
| १४३ | तिरोडा नगरपरिषद | ... | ... | गोंदिया |
| १४४ | आमगांव नगरपरिषद | ... | ... | गोंदिया |
| १४५ | राजुरा नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १४६ | मुल नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १४७ | ब्रम्हपूरी नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १४८ | गडचांदुर नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १४९ | नागभिड नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १५० | चिमूर नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १५१ | घुग्घस नगरपरिषद | ... | ... | चंद्रपूर |
| १५२ | देसाईगंज नगरपरिषद | ... | ... | गडचिरोली |
| १५३ | आरमोरी नगरपरिषद | ... | ... | गडचिरोली |

नगरपंचायती-१४२

| अ. क्र. (१) | नगरपंचायतीचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|----------------|---------------------------|---------------|
| १ | तलासरी नगरपंचायत | पालघर |
| २ | मोखाडा नगरपंचायत | पालघर |
| ३ | विक्रमगड नगरपंचायत | पालघर |
| ४ | वाडा नगरपंचायत | पालघर |
| ५ | मुरबाड नगरपंचायत | ठाणे |
| ६ | शहापूर नगरपंचायत | ठाणे |
| ७ | माणगाव नगरपंचायत | रायगड |
| ८ | तळा नगरपंचायत | रायगड |
| ९ | खालापूर नगरपंचायत | रायगड |
| १० | पोलादपूर नगरपंचायत | रायगड |
| ११ | म्हसळा नगरपंचायत | रायगड |
| १२ | पाली नगरपंचायत | रायगड |
| १३ | देवरुख नगरपंचायत | रत्नागिरी |
| १४ | लांजा नगरपंचायत | रत्नागिरी |
| १५ | दापोली नगरपंचायत | रत्नागिरी |
| १६ | मंडणगड नगरपंचायत | रत्नागिरी |
| १७ | गुहागर नगरपंचायत | रत्नागिरी |
| १८ | कणकवली नगरपंचायत | सिंधुदुर्ग |
| १९ | कुडाळ नगरपंचायत | सिंधुदुर्ग |
| २० | वाभवे-वैभववाडी नगरपंचायत | सिंधुदुर्ग |
| २१ | कसई-दोडामार्ग नगरपंचायत | सिंधुदुर्ग |
| २२ | देवगड-जामसंडे नगरपंचायत | सिंधुदुर्ग |
| २३ | दिंडोरी नगरपंचायत | नाशिक |
| २४ | कळवण नगरपंचायत | नाशिक |
| २५ | निफाड नगरपंचायत | नाशिक |
| २६ | देवळा नगरपंचायत | नाशिक |
| २७ | पेठ नगरपंचायत | नाशिक |
| २८ | सुरगणा नगरपंचायत | नाशिक |
| २९ | धडगाव -वडफाळ्या नगरपंचायत | नंदुरबार |
| ३० | सिंदखेडा नगरपंचायत | धुळे |
| ३१ | साक्री नगरपंचायत | धुळे |
| ३२ | बोदवड नगरपंचायत | जळगाव |
| ३३ | मुक्ताईनगर नगरपंचायत | जळगाव |
| ३४ | शेंदुर्णी नगरपंचायत | जळगाव |
| ३५ | कर्जत नगरपंचायत | अहमदनगर |
| ३६ | अकोले नगरपंचायत | अहमदनगर |

नगरपंचायती-१४२—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपंचायतीचे नाव (२) | जिल्हा (३) |
|----------------|---------------------------|---------------|
| ३७ | पारनेर नगरपंचायत | अहमदनगर |
| ३८ | नेवासा नगरपंचायत | अहमदनगर |
| ३९ | वडगाव मावळ नगरपंचायत | पुणे |
| ४० | देहू नगरपंचायत | पुणे |
| ४१ | माळेगाव (बु.) नगरपंचायत | पुणे |
| ४२ | मंचर नगरपंचायत | पुणे |
| ४३ | लोणंद नगरपंचायत | सातारा |
| ४४ | कोरेगाव नगरपंचायत | सातारा |
| ४५ | वडूज नगरपंचायत | सातारा |
| ४६ | पाटण नगरपंचायत | सातारा |
| ४७ | दहीवडी नगरपंचायत | सातारा |
| ४८ | खंडाळा नगरपंचायत | सातारा |
| ४९ | मेढा नगरपंचायत | सातारा |
| ५० | कवठे महाकाल नगरपंचायत | सांगली |
| ५१ | शिराळा नगरपंचायत | सांगली |
| ५२ | कडेगाव नगरपंचायत | सांगली |
| ५३ | खानापूर नगरपंचायत | सांगली |
| ५४ | आटपाडी नगरपंचायत | सांगली |
| ५५ | माळशिरस नगरपंचायत | सोलापूर |
| ५६ | माढा नगरपंचायत | सोलापूर |
| ५७ | महाळुंग-श्रीपुर नगरपंचायत | सोलापूर |
| ५८ | वैराग नगरपंचायत | सोलापूर |
| ५९ | नातेपुते नगरपंचायत | सोलापूर |
| ६० | अनगर नगरपंचायत | सोलापूर |
| ६१ | आजरा नगरपंचायत | कोल्हापूर |
| ६२ | हातकणंगले नगरपंचायत | कोल्हापूर |
| ६३ | चंदगड नगरपंचायत | कोल्हापूर |
| ६४ | फुलंब्री नगरपंचायत | औरंगाबाद |
| ६५ | सोयगाव नगरपंचायत | औरंगाबाद |
| ६६ | पालम नगरपंचायत | परभणी |
| ६७ | औढा नागनाथ नगरपंचायत | हिंगोली |
| ६८ | सेनगाव नगरपंचायत | हिंगोली |
| ६९ | मंठा नगरपंचायत | जालना |
| ७० | जाफराबाद नगरपंचायत | जालना |
| ७१ | बदनापूर नगरपंचायत | जालना |
| ७२ | घनसावंगी नगरपंचायत | जालना |
| ७३ | तिर्थपुरी नगरपंचायत | जालना |
| ७४ | नायगाव नगरपंचायत | नांदेड |
| ७५ | अर्धापूर नगरपंचायत | नांदेड |
| ७६ | हिमायतनगर नगरपंचायत | नांदेड |
| ७७ | माहूर नगरपंचायत | नांदेड |
| ७८ | चाकूर नगरपंचायत | लातूर |

नगरपंचायती-१४२—चालू

| अ. क्र. (१) | नगरपंचायतीचे नाव (२) | | जिल्हा (३) |
|----------------|----------------------------|-----|---------------|
| ७९ | देवणी नगरपंचायत | ... | लातूर |
| ८० | रेणापूर नगरपंचायत | ... | लातूर |
| ८१ | शिरूर अनंतपाळ नगरपंचायत | ... | लातूर |
| ८२ | जळकोट नगरपंचायत | ... | लातूर |
| ८३ | वाशी नगरपंचायत | ... | उस्मानाबाद |
| ८४ | लोहारा बु. नगरपंचायत | ... | उस्मानाबाद |
| ८५ | केज नगरपंचायत | ... | बीड |
| ८६ | पाटोदा नगरपंचायत | ... | बीड |
| ८७ | वडवणी नगरपंचायत | ... | बीड |
| ८८ | आष्टी नगरपंचायत | ... | बीड |
| ८९ | शिरूर नगरपंचायत | ... | बीड |
| ९० | बाशी टाकळी नगरपंचायत | ... | अकोला |
| ९१ | मालेगाव जहांगिर नगरपंचायत | ... | वाशिम |
| ९२ | मानोरा नगरपंचायत | ... | वाशिम |
| ९३ | तिवसा नगरपंचायत | ... | अमरावती |
| ९४ | धारणी नगरपंचायत | ... | अमरावती |
| ९५ | नांदगाव खंडेश्वर नगरपंचायत | ... | अमरावती |
| ९६ | भातकुली नगरपंचायत | ... | अमरावती |
| ९७ | राळेगाव नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| ९८ | कळंब नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| ९९ | महागाव नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| १०० | मारेगाव नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| १०१ | बाभुळगाव नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| १०२ | झरी जामणी नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| १०३ | ढाणकी नगरपंचायत | ... | यवतमाळ |
| १०४ | महादुला नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १०५ | भिव्हापूर नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १०६ | मौदा नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १०७ | कुही नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १०८ | हिंगणा नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १०९ | पारशिवनी नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| ११० | कांद्री (कन्हान) नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| १११ | बेसा-पिपळा नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| ११२ | बहादुरा नगरपंचायत | ... | नागपूर |
| ११३ | समुद्रपूर नगरपंचायत | ... | वर्धा |
| ११४ | सेलू नगरपंचायत | ... | वर्धा |
| ११५ | आष्टी (वर्धा) नगरपंचायत | ... | वर्धा |
| ११६ | कारंजा नगरपंचायत | ... | वर्धा |

नगरपंचायती- ४२—समाप्त

| अ. क्र. (१) | नगरपंचायतीचे नाव (२) | ... | ... | जिल्हा (३) |
|----------------|---------------------------|-----|-----|---------------|
| ११७ | लाखणी नगरपंचायत | ... | ... | भंडारा |
| ११८ | लाखांदूर नगरपंचायत | ... | ... | भंडारा |
| ११९ | मोहाडी नगरपंचायत | ... | ... | भंडारा |
| १२० | मोताळा नगरपंचायत | ... | ... | बुलढाणा |
| १२१ | संग्रामपूर नगरपंचायत | ... | ... | बुलढाणा |
| १२२ | अर्जुनी मोरगांव नगरपंचायत | ... | ... | गोंदिया |
| १२३ | देवरी नगरपंचायत | ... | ... | गोंदिया |
| १२४ | सडक अर्जुनी नगरपंचायत | ... | ... | गोंदिया |
| १२५ | गोरेगाव नगरपंचायत | ... | ... | गोंदिया |
| १२६ | सालेकसा नगरपंचायत | ... | ... | गोंदिया |
| १२७ | सिंदेवाही नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १२८ | सावली नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १२९ | गोंडपिंपरी नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १३० | पोभूर्णा नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १३१ | कोरपना नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १३२ | जिवती नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १३३ | भिंसी नगरपंचायत | ... | ... | चंद्रपूर |
| १३४ | चामोशी नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १३५ | अहेरी नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १३६ | सिरोंचा नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १३७ | कुरखेडा नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १३८ | एटापल्ली नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १३९ | धानोरा नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १४० | कोरची नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १४१ | भामरागड नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |
| १४२ | मुलचेरा नगरपंचायत | ... | ... | गडचिरोली |

नगरविकास विभागाकडून राबविण्यात येत असलेल्या योजनांचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे :-

(अ) कार्यक्रमावरील खर्च

(I) बाह्य सहाय्यीत प्रकल्प (EXTERNAL AIDED PROJECT)

(१) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प (MUTP).

(२) मुंबई मेट्रो-३.

(३) पुणे/पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका कायमस्वरूपी नागरी परिवहन प्रकल्पाकरिता जागतिक बँकेकडून कर्ज व अनुदान.

(४) नागपूर मेट्रो.

(५) पुणे मेट्रो.

(II) कार्यक्रमावरील खर्च (केंद्र पुरस्कृत)

- (१) दिनदयाळ अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान
- (२) स्वच्छ भारत अभियान
- (३) अमृत अभियान
- (४) स्मार्ट सिटी अभियान
- (५) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प (MUTP-2)
- (६) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३ (MUTP-3)
- (७) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३अ (MUTP-3A)
- (८) मुंबई-मेट्रो रेल्वे लाईन-२अ
- (९) मुंबई-मेट्रो रेल्वे लाईन-२ब
- (१०) मुंबई-मेट्रो मार्ग-३
- (११) मुंबई-मेट्रो रेल्वे लाईन-४
- (१२) मुंबई-मेट्रो मार्ग-४अ
- (१३) मुंबई-मेट्रो मार्ग-५
- (१४) मुंबई-मेट्रो मार्ग-६
- (१५) मुंबई-मेट्रो रेल्वे लाईन-७
- (१६) मुंबई-मेट्रो मार्ग-९ व ७अ
- (१७) मुंबई-मेट्रो मार्ग-१०
- (१८) मुंबई-मेट्रो मार्ग-११
- (१९) मुंबई-मेट्रो मार्ग-१२
- (२०) नागपूर-मेट्रो रेल्वे प्रकल्प टप्पा-१
- (२१) नागपूर-मेट्रो रेल्वे प्रकल्प टप्पा-२
- (२२) पुणे महानगर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प
- (२३) पिंपरी-चिंचवड (पी.सी.एम.सी.) ते निगडी कॉरीडॉर क्र-१ए
- (२४) स्वारगेट ते कात्रज (कॉरीडॉर क्र-२ए)
- (२५) हिंजवडी ते शिवाजीनगर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प
- (२६) नाशिक मेट्रो रेल्वे प्रकल्प
- (२७) ठाणे मेट्रो रेल्वे प्रकल्प
- (२८) स्व. बाळासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक.

टिप्पणी

१. दिनदयाळ अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान :-

शासन निर्णय क्र. एनयुएलएम-२०१७/प्र.क्र. ४२/नवि-२०, दिनांक १२ मे २०१७ अन्वये राज्य नागरी उपजीविका अभियान स्थगित करण्यात आलेले असून त्यामध्ये समाविष्ट असलेल्या शहरांना दिनदयाळ अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान लागू करण्यात आलेले आहे.

नागरी दारिद्र्य बहुमितीय असल्यामुळे शहरातील गरीब लोकांना ज्या ज्या कारणामुळे (कामाच्या ठिकाणच्या, राहण्याच्या ठिकाणच्या अथवा सामाजिक) परिस्थितीला सामोरे जावे लागते, ती कारणे एकत्रितरित्या विचारात घेऊन त्यावर उपाययोजना करणे आवश्यक आहे जेणेकरून वास्तविक परिस्थितीत बदल होईल. राहत्या ठिकाणी सामना कराव्या लागणाऱ्या परिस्थितीचा परामर्श जेएनएनयुआरएम व राजीव आवास योजनांमार्फत घेण्यात आला आहे. तथापि, कामाच्या ठिकाणी व सामाजिक जीवनात सामना कराव्या लागणाऱ्या परिस्थितीवर, कौशल्य विकासासाठी संधी निर्माण करून (ज्यामुळे रोजगाराच्या संधी निर्माण होतील) आणि सुलभ कर्जपुरवठ्याद्वारे उपाययोजना करणे शक्य आहे. हे उद्दिष्ट साध्य करण्यासाठी एक अभियान सुरू करण्याची आवश्यकता होती. म्हणून राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान सुरू करण्यात आले आहे. शहरातील निवाराविहिन लोकांना व्यवसायासाठी योग्य जागा पुरवून, वित्तीय संस्थांकडून त्यांना कर्जपुरवठा करून, सामाजिक सुरक्षा देऊन आणि नवनवीन बाजारपेठा हस्तगत करण्यासाठी लागणारे कौशल्य वाढवून त्यांच्या जीवनात येणाऱ्या अडचणी दूर करण्याचा प्रयत्न केला जाईल. या योजनेमध्ये पूर्वी ५३ शहरांचा समावेश करण्यात आलेला होता. परंतु शासन निर्णय क्र. एनयुएलएम-२०१७/प्र.क्र. ४२/नवि-२०, दिनांक १२ मे २०१७ अन्वये ही योजना राज्यातील २५९ शहरांना लागू करण्यात आली आहे.

योजनेचा उद्देश :

- नागरी गरीब लोक, त्यांच्या संस्थांची क्षमता बांधणी करणे, उपजीविकेचा विकास व नागरी दारिद्र्य निर्मूलन करणारी यंत्रणा यांची क्षमता वाढविणे.
- नागरी गरीब कुटुंबातील व्यक्तींना उपजीविकेच्या जास्तीतजास्त संधी उपलब्ध करून देणे.
- बाजाराच्या औद्योगिक गरजेनुसार व आवश्यकतेनुसार, विविध क्षेत्रांच्या गरजा लक्षात घेऊन नागरी व्यक्तींना कौशल्य विकासाचे प्रशिक्षण देऊन त्यांना रोजगार व स्वयंरोजगार संधी उपलब्ध करून देणे.
- नागरी गरीबांच्या लघुउद्योगांना चालना देणे.
- नागरी बेघर लोकांसाठी कायमस्वरूपी व मुलभूत सोयीसुविधा असलेल्या निवाऱ्याची सोय करणे.
- नागरी फेरीवाल्यांच्या उपजीविकेच्या समस्या सोडवून त्यांचा दर्जा उंचवण्यासाठी आवश्यक उपाययोजना करणे.

अभियानाच्या वित्तीय आकृतीबंध :

अभियानाच्या अंमलबजावणीकरिता केंद्र व राज्य शासनामार्फत ६०:४० या वित्तीय आकृतीबंधानुसार अनुदान उपलब्ध केले जाईल.

- सामाजिक अभिसरण व संस्थात्मक बांधणी (Social Mobilization and Institution Development).

- कौशल्य प्रशिक्षणाद्वारे रोजगाराची उपलब्धता (Employment Through Skill Training and Placement).
- क्षमता बांधणी व प्रशिक्षण (Capacity Building and Training).
- स्वयंरोजगार कार्यक्रम (Self-Employment Programme).
- फेरीवाल्यांना सहाय्य (Support to Urban Street Vendors).
- शहरी बेघरांसाठी निवारा (Scheme of Shelter for Urban Homeless).

२. स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) :-

केंद्र शासनाच्या “स्वच्छ भारत अभियान (नागरी)” च्या धर्तीवर राज्यात “स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी)” ची अंमलबजावणी दिनांक १५ मे २०१५ पासून सुरू आहे. तसेच केंद्र शासनाच्या स्वच्छ भारत अभियान २.० (नागरी) च्या धर्तीवर राज्यात “स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी)” २.० ची अंमलबजावणी १५/७/२०२२ पासून सुरू आहे.

स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) या अभियानांतर्गत शहरांमधील ज्या कुटुंबांकडे शौचालयाची सुविधा उपलब्ध नसल्याने ती कुटुंबे उघड्यावर शौचास जातात अशा कुटुंबांना वैयक्तिक घरगुती शौचालय अथवा सामुदायिक शौचालयाची सुविधा उपलब्ध करून शहरे “हागणदारी मुक्त” करणे व नागरी घनकचरा व्यवस्थापनांतर्गत शहरात निर्माण होणाऱ्या १०० टक्के कचऱ्याचे निर्मितीच्या जागी विलगीकरण, वाहतूक व प्रक्रिया करून शहरे “स्वच्छ” करणे या दोन प्रमुख बाबींचा समावेश होता. तर स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान (नागरी) २.० अंतर्गत स्वच्छ महाराष्ट्र अभियानात सातत्य राखणे, वापरलेले पाणी व मैला यांची संपूर्ण प्रक्रिया करणे व सर्व प्रकारच्या घनकचऱ्याचे सुयोग्य व्यवस्थापन करण्यात येऊन राज्यातील सर्व शहरे कचरामुक्त करणे या प्रमुख बाबींचा समावेश आहे.

शहरे हागणदारी मुक्त करणे :

राज्यातील शहरांमध्ये ज्या कुटुंबांकडे शौचालयाची सुविधा उपलब्ध नसल्याने ते उघड्यावर शौचास जातात अशा कुटुंबांना वैयक्तिक घरगुती शौचालय अथवा सामुदायिक शौचालयाची सुविधा उपलब्ध करून देण्यात येत आहे.

महाराष्ट्र राज्यातील नागरी भागात जानेवारी, २०२३ अखेरपर्यंत एकूण ८,७६,०८९ इतक्या शौचालयांचे (सीट्स) बांधकाम पूर्ण करण्यात आले आहे.

| कालावधी | बांधकाम पूर्ण झालेली | बांधकाम पूर्ण झालेली | बांधकाम पूर्ण झालेली | एकूण |
|---------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------|
| | वैयक्तिक | सामुदायिक | सार्वजनिक | |
| | घरगुती | शौचालये | शौचालये | |
| | शौचालये | (सीट्स) | (सीट्स) | |
| जानेवारी, २०२३ अखेर | ७,१५,७७२ | ब्लॉक ९,१४० | ब्लॉक ५,३७९ | ८,७६,०८९ |
| | सीट्स १,०४,९५६ | सीट्स ५५,३६३ | | |

स्वच्छ महाराष्ट्र अभियानाची अंमलबजावणी राज्यामध्ये मिशन मोडमध्ये करून राज्याचा नागरी भाग हागणदारी मुक्त झाल्याची घोषणा मा. राष्ट्रपती महोदयांच्या उपस्थितीत दिनांक १ ऑक्टोबर २०१७ रोजी करण्यात आली आहे.

२. घनकचरा व्यवस्थापन :

नागरी स्थानिक संस्थांमध्ये विलगीकरण केलेल्या ओल्या कचऱ्यावर प्रक्रिया करून कंपोस्ट खताची निर्मिती करण्यात येत आहे. या कंपोस्ट खताची विक्री करण्यासाठी “हरित महासिटी कंपोस्ट” ब्रँड नोंदणीकृत केलेला आहे. जानेवारी, २०२३ अखेर राज्यातील १४६ शहरातील कंपोस्ट खतास या ब्रँडने प्रमाणित करण्यात आले आहे.

घनकचरा व्यवस्थापनांतर्गत राज्यातील शहरांचे घनकचरा व्यवस्थापन प्रकल्पांचे सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करण्यासाठी महसुली विभागनिहाय एजन्सिज ची नियुक्ती करण्यात आली आहे. आतापर्यंत राज्यातील एकूण ३८३ शहरांच्या रुपये ३१३८ कोटी किंमतीच्या घनकचरा व्यवस्थापन प्रकल्पांना मंजुरी देण्यात आलेली आहे.

राज्यातील घनकचरा व्यवस्थापनाची सद्यःस्थिती खालीलप्रमाणे आहे.

| वर्ष | दरदिवशी निर्मिती निर्मिती होणारा कचरा शौचालये (TPD) | संकलन (%) | विलगीकरण (%) | प्रक्रिया (%) |
|------|---|-----------|--------------|---------------|
| २०२२ | २४,०२३ | ९९.९५ | ९९.५८ | ८७.९९ |

(GFC) Garbage Free Coty :

कचरा व्यवस्थापनाशी निगडित २५ निकषांवर आधारीत पहाणी करून शहरांना तारांकित मानांकन Star rating दिले जाते. स्वच्छ सर्वेक्षण २०२२ मध्ये देशभरात एकूण ४०८ शहरांना कचरा मुक्त शहर म्हणून गौरविण्यात आले आहे. त्यापैकी महाराष्ट्रातील सर्वाधिक १४१ शहरांचा समावेश आहे. तसेच त्यापैकी ५ स्टार मानांकन प्राप्त १ शहर, ३ स्टार मानांकन प्राप्त ७९ शहरे, १ स्टार मानांकन प्राप्त ६१ शहरे.

ODF/ODF+ODF++

१ ऑक्टोबर, २०१७ रोजी संपूर्ण नागरी महाराष्ट्र हागणदारी मुक्त झाल्याची घोषणा मा. राष्ट्रपती महोदयांच्या उपस्थितीत करण्यात आली, स्वच्छ सर्वेक्षण २०२२ मध्ये राज्यातील ४ शहर वॉटर प्लस, २०० शहरे ODF++ तर ८६ शहरे ODF+ म्हणून प्रमाणित करण्यात आली आहेत. तसेच राज्यातील २८ शहरे सफाई मित्र सुरक्षित शहरे म्हणून घोषित करण्यात आली आहेत.

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२२ :

सर्वोत्तम कामगिरी करणाऱ्या राज्यामध्ये महाराष्ट्राचा देशात तिसरा क्रमांक.

- नॉन अमृत पहिल्या १०० शहरांमध्ये तब्बल ४० शहरे.
- अमृत-पहिल्या १०० शहरांमध्ये तब्बल १७ शहरे.
- कचरामुक्त शहरांच्या तारांकित मानांकनामध्ये देशामध्ये ४०८ शहरांना स्टार मानांकन प्राप्त. त्यातील महाराष्ट्रातील सर्वाधिक ४४१ शहरांचा समावेश. त्यात नवी मुंबईला ५ स्टार, ७९ शहरे ३ स्टार आणि ६१ शहरे १ स्टार आहेत.
- हागणदारीमुक्त (ODF+) शहरांमध्ये ८६ प्रमाणित

- हागणदारीमुक्त (ODF++) शहरांमध्ये २०० प्रमाणित
- अमृत स्वच्छ शहर पुरस्कार चौथा क्रमांक नवी मुंबई
- महाराष्ट्राचे ४ शहरे वॉटर प्लस सर्टिफिकेट मानकरी : नवी मुंबई, बारामती, पांचगणी आणि कराड.
- अमृत स्वच्छ शहर पुरस्कार:- १) नवी मुंबई : इंडियाज क्लीनेस्ट बिग सिटी.
- नॉन अमृत : स्वच्छ शहर पुरस्कार
 - (१) पांचगणी - प्रथम क्रमांक : भारताचे सर्वाधिक स्वच्छ शहर १
 - (२) कराड - तृतीय क्रमांक : भारताचे सर्वाधिक स्वच्छ शहर ३

३. अमृत अभियान :—

नागरीकरण ही समस्या न मानता संधी मानून धोरणे आखण्यात येत आहेत. नागरी क्षेत्रातील पाणीपुरवठा, मलनिःस्सारण व नागरी परिवहन, सांडपाण्याचा पुनर्वापर, हरित पट्टे या मुलभूत सुविधांचा विकास करण्यासाठी केंद्र शासनाने “अटल मिशन फॉर रिज्युव्नेशन अँड अर्बन ट्रान्सफॉर्मेशन” (अमृत) ही योजना अंमलात आणली आहे. या योजनेचा लाभ राज्यातील ४४ शहरे व ७६ टक्के नागरी लोकसंख्येस मिळत आहे.

या अभियाना अंतर्गत ३८ पाणीपुरवठा प्रकल्प, ३० मलनिःस्सारण प्रकल्प व १२८ हरित क्षेत्र विकास प्रकल्प मंजूर असून पाणीपुरवठा व मलनिःस्सारणाचे एकूण रु. १२४७ कोटी किंमतीचे १८ प्रकल्प पूर्ण झाले आहेत. तसेच रु. १७६ कोटी किंमतीचे हरित क्षेत्र विकासाचे १२६ प्रकल्प पूर्ण झाले आहेत. उर्वरित प्रकल्प प्रगतीपाथावर आहेत.

४. स्मार्ट सिटी योजना :—

राज्यातील संभाव्य १० स्मार्ट शहरांपैकी केंद्र शासनाच्या स्मार्ट सिटी अभियानात स्पर्धात्मक पद्धतीने पुणे, सोलापूर कल्याण-डोंबिवली, नाशिक, नागपूर, ठाणे, औरंगाबाद आणि पिंपरी-चिंचवड या ८ शहरांची निवड झाली आहे.

स्मार्ट सिटी योजनेत, रेट्रोफिटिंग, ग्रीन फिल्ड प्रोजेक्ट्स, नागरी सेवा पुरविण्याकरिता माहिती तंत्रज्ञानाचा प्रभावी वापर, सौर उर्जेचा वापर, २४ तास वीज व पाणी असे अनेक प्रकल्प शहरांनुरूप राबवून स्मार्ट शहरांमध्ये नागरिकांचे जीवनमान उंचविण्याचा उद्देश आहे.

ही योजना ५ वर्षांकरिता असून, ती विशेष उद्देश वहनामार्फत (स्पेशल पर्पज व्हेइकल-एसपीव्ही) राबविण्यात येते. आठही शहरांमध्ये विशेष उद्देश वहन स्थापित करण्यात आले आहे. यामध्ये महानगरपालिकेचे पदाधिकारी, नगरसेवक, आयुक्त, एसपीव्हीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी, शासनाचे प्रतिनिधी असे एकूण १५ संचालक आहेत. एसपीव्ही ही कंपनी कायदा, २०१३ अंतर्गत शासकीय कंपनी आहे.

या योजना राबविण्याकरिता केंद्र शासन हिस्सा रु. ५०० कोटी, राज्य शासन हिस्सा रु. २५० व स्थानिक स्वराज्य संस्था हिस्सा रु २५० कोटी याप्रमाणे रु. १००० कोटी इतका निधी प्राप्त होणार आहे. अद्यापपर्यंत या स्मार्ट शहरांना केंद्र व राज्य व स्वहिश्यापोटी रु. ५९६०.५ कोटी इतका निधी वितरीत उपलब्ध झाला आहे.

(III) कार्यक्रमावरील खर्च राज्यस्तर

- (१) मुलभूत नागरी सुविधा विकसित करण्यासाठी महानगरपालिकांना विशेष अनुदान.
- (२) तीर्थक्षेत्र विकास योजना.
- (३) (पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील महानगरपालिका/नगरपालिकांना उत्कृष्ट कामासंदर्भात प्रोत्साहनपर बक्षिस योजना.) नगरविकास दिन.
- (४) पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील गिरीस्थान नगरपरिषदांना पर्यटन विकास अनुदान.
- (५) राज्यातील नगरपरिषदांना वैशिष्ट्यपूर्ण कामासाठी विशेष अनुदान देण्याची योजना.
- (६) महाराष्ट्र सुवर्णजयंती नगरोत्थान महाअभियान.
- (७) महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियान.
- (८) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजना.
- (९) नवीन स्थापन होणाऱ्या नगरपरिषदा/नगरपंचायती यांचा विकासासाठी विशेष अर्थसहाय्य करणे.
- (१०) महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांची नव्याने हद्दवाढ झालेल्या भागात नागरी सोय-सुविधांचा विकास करण्यासाठी विशेष अर्थसहाय्य करणे.
- (११) नागरी आदिवासी वस्ती सुधारणा योजना.
- (१२) नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या कार्यक्षेत्रात स्मारकांची उभारणी.
- (१३) केवळ महिलांकरिता तेजस्विनी बस योजना.

१. मूलभूत नागरी सुविधांमध्ये वाढ करण्यासाठी महानगरपालिकांना विशेष अनुदान

राज्यातील एकूण २७ महानगरपालिकांपैकी बहुतांशी महानगरपालिकांची आर्थिक स्थिती समाधानकारक नसल्यामुळे वाढत्या नागरीकरणबरोबर येथील नागरिकांना पुरविण्याच्या नागरी सुविधांमध्ये आवश्यक ती वाढ ध्यानात घेऊन राज्यातील महानगरपालिकांना अधिक चांगल्या नागरी सुविधा उपलब्ध करून देता याव्यात म्हणून उपलब्ध अनुदानाचे महानगरपालिका निहाय वितरण करण्यात येते.

या योजनेअंतर्गत महानगरपालिकांचा हिस्सा २५ टक्के व शासनाचा हिस्सा ७५ टक्के अट यामध्ये विहित करण्यात आलेली आहे.

२. तीर्थक्षेत्र विकास योजना

राज्यातील प्रमुख तीर्थक्षेत्रांच्या/यात्रास्थळांच्या ठिकाणी भेट देणाऱ्या यात्रेकरूंची संख्या फार मोठ्या प्रमाणात असते. बऱ्याच तीर्थक्षेत्रांच्या ठिकाणी वर्षाच्या काही ठराविक कालावधीमध्ये फार मोठ्या संख्येने यात्रेकरू भेट देतात अशी तीर्थक्षेत्र/यात्रास्थळे ज्या स्थानिक नागरी संस्थांच्या क्षेत्रात आहेत, उदा. नगरपालिका, ग्रामपंचायती यांच्यावर यात्रेकरूंना सोयी करण्यासाठी व्यवस्थापनाचा अत्यंत मोठा भार पडतो. अशा स्थानिक संस्थांची आर्थिक परिस्थिती देखील जेमतेम स्वरूपाची असते व त्यामुळे मोठ्या प्रमाणात येणाऱ्या यात्रेकरूंना मूलभूत नागरी सुविधा पुरविणे या संस्थांच्या आवाक्याबाहेर असते. पर्यायाने गैरसोयीची झळ यात्रेकरूंना सोसावी लागते. याचा गांभीर्याने विचार केल्यानंतर शासनाने सन १९९०-९१ पासून प्रमुख तीर्थक्षेत्रांच्या ठिकाणी येणाऱ्या भाविकांसाठी आवश्यक मूलभूत सोयी पुरविण्यासाठी व त्या अनुषंगाने विकासाची कामे करण्यासाठी प्रमुख तीर्थक्षेत्रांच्या विकास योजना शासनस्तरावर मंजूर केलेल्या आहेत.

३. नगरविकास दिन

“नागरी स्थानिक संस्थांना अधिक स्वायत्तता देण्याच्या अनुषंगाने करण्यात आलेल्या ७४ व्या घटना दुरुस्तीत मा. राष्ट्रपती महोदयांनी दिनांक २० एप्रिल १९९३ रोजी मान्यता दिली आहे. त्यास अनुसरून दरवर्षी दिनांक २० एप्रिल हा दिवस “नगरविकास दिन” म्हणून साजरा करण्याबाबत दिनांक ३१ मार्च २०१७ रोजी शासन निर्णय निर्गमित करण्यात आला आहे.”

४. गिरीस्थान नगरपरिषदांना पर्यटन विकास अनुदान

पहिल्या महाराष्ट्र राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील प्रत्येक गिरीस्थान नगरपरिषदेस दरवर्षी रुपये १० लाख पर्यटन विकास अनुदान द्यावयाचे आहे. या शिफारशी सन १९९९-२००० पासून लागू करण्यात आल्या असून नगरपरिषद क्षेत्रात येणाऱ्या पर्यटकांना सोयी-सुविधा पुरविण्यासाठी सदर विशेष अनुदान देण्यात येते. त्यानुसार राज्यातील माथेरान, पाचगणी, महाबळेश्वर, पन्हाळा, खुलताबाद व चिखलदरा या ६ गिरीस्थान नगरपरिषदांना पर्यटन विकासाच्या अनुषंगाने भरीव अनुदान देण्यासाठी सन २०१०-२०११ पासून सदर योजना जिल्हास्तरीय करण्यात आलेली आहे.

५. राज्यातील नगरपरिषदांना “वैशिष्ट्यपूर्ण” कामासाठी विशेष अनुदान देण्याची योजना

राज्यातील नगरपरिषदांना वैशिष्ट्यपूर्ण कामांसाठी विशेष अनुदान देण्यात येते. राज्यातील नगरपरिषदांसाठी लागू असलेल्या “वैशिष्ट्यपूर्ण” या योजनेची सुधारित मार्गदर्शक तत्वे निश्चित करण्यात आली आहेत.

राज्यातील अस्तित्वातील सर्व नगरपरिषदा “वैशिष्ट्यपूर्ण” या योजने-अंतर्गत अनुदानास पात्र आहेत.

एच २५१४-४

योजनेअंतर्गत घ्यावयाच्या कामाचे स्वरूप :-

“वैशिष्ट्यपूर्ण” योजनेअंतर्गत मंजूर नियतव्यायामधून वितरित करण्यात येणाऱ्या निधीमधून (२२१७ १३०१) नाविन्यपूर्ण अभिनव अशा स्वरूपाचे कामकाज नगरपरिषदेने हाती घेणे अपेक्षित असून अशा कामास प्राधान्य द्यावयाचे आहे. सदर काम नगरपरिषदेच्या आवश्यक व स्वेच्छाधीन कर्तव्याशी सुसंगत असणे आवश्यक आहे. सदर योजनेअंतर्गत हाती घेतलेले काम सर्वसाधारणपणे भांडवली स्वरूपाचे असावे ज्यायोगे भविष्यात नगरपालिकांना आर्थिक स्वयंपूर्ण होण्यासाठी कायम स्वरूपी उत्पनाचा स्रोत मिळून देण्याच्या दृष्टीने फायदेशीर राहिल.

या योजनेअंतर्गत खालील प्रकारची कामे अनुज्ञेय आहेत :-

१. प्रशासकीय इमारत-नवीन बांधकाम, विस्तारीकरण, नुतनीकरण, फर्निचर इ. बाबी.
२. बहुपयोगी सभागृहे - सामाजिक सभागृह, समाजमंदिर, वाचनालय, अभ्यासिका, लोकसेवा केंद्र इ. समाजपयोगी बांधकामे.
३. नाट्यगृह - नाट्यगृह/प्रेक्षागृह/सांस्कृतिक केंद्र इ. चे नवीन बांधकाम/विस्तारीकरण/नुतनीकरण या कामाच्या प्रकाराच्या अनुषंगाने संबंधित नगरपरिषदेच्या कार्यक्षेत्रामध्ये नाट्यगृह/सांस्कृतिक केंद्र चालण्याची व्यवहार्यता प्रशासकीय मान्यता देण्यापूर्वी तपासण्यात यावी.
४. व्यापारी संकुल - सदर योजनेअंतर्गत बांधण्यात येणाऱ्या गाळ्यांचे बाजारभावाने मूल्य निश्चित करण्यात यावे व लिलाव पद्धतीने भाडेतत्वावर देण्यात येतील. याबाबतची खातरजमा जिल्हाधिकारी यांनी करावी. या अटीवरच या प्रयोजनासाठी निधी अनुज्ञेय राहिल.
५. आठवडी बाजार - यामध्ये ओटे, भाजी मंडई, मच्छीमार्केट, मटण मार्केट, फेरीवाला क्षेत्र इ.
६. स्मशानभूमी - सर्व धर्म/समाज यांच्या स्मशानभूमी.
७. हरीतपट्टे/अमृतवने - बगीचा, वृक्षारोपण, हरीतपट्टे विकसित करणे इ. हरीतपट्टे विकसित करताना शासन निर्णय दिनांक १५ जुलै २०१७ मधील मार्गदर्शनक सूचनांचे पालन करणे बंधनकारक राहिल.
८. क्रीडांगण - खेळाची मैदाने, जॉगिंग ट्रक, व्यायामशाळा इ.
९. पाणीपुरवठ्याच्या अत्यावश्यक सेवा - पाण्याची टाकी, जलकुंभ, पाणी मीटर, वितरण व्यवस्था, जलशुद्धीकरण याच्याशी संबंधित अत्यावश्यक बाबी इ.
१०. प्रलंबित व रेंगाळलेले प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी निधी (Gap Funding) केंद्र/राज्य शासनाच्या योजनेमधून हाती घेतलेले प्रकल्प कोणत्याही अपरिहार्य कारणास्तव त्या योजनेमधून निधी उपलब्ध होऊ शकत नसल्यास असे प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी सर योजनेमधून निधी अनुज्ञेय राहिल.

योजनेअंतर्गत करावयाच्या कामांकरिता तांत्रिक मान्यता देणे—

(अ) सदर योजनेअंतर्गत निश्चित करण्यात येणाऱ्या कामांकरिता संबंधित कार्यन्वयन यंत्रणेने सविस्तर प्रस्ताव बनवून तांत्रिक मान्यतेचा प्रस्ताव जिल्हाधिकारी यांना सादर करावा.

(ब) स्थापत्य कामाकरिता सार्वजनिक बांधकाम विभाग अथवा महाराष्ट्र जीवन विकास प्राधिकरणाची तांत्रिक मान्यता घेण्यात यावी.

योजनेअंतर्गत करावयाच्या कामांकरिता प्रशासकीय मान्यता देणे—

(अ) जिल्हाधिकारी यांनी प्रस्तावित कामाची जागा ताब्यात असल्याची खातरजमा करावी. प्रस्तावित काम विकास आराखडा व विकास नियमावली तसेच, प्रचलित नियमांशी सुसंगत असल्याची खातरजमा करावी. प्रस्तावाची सविस्तर छाननी करून प्रशासकीय मान्यता प्रदान करण्याचे अधिकार जिल्हाधिकारी यांना राहतील.

(ब) अनुज्ञेय कामांव्यतिरिक्त एखादे काम सदर योजनेअंतर्गत घ्यावयाचे असल्यास तसा प्रस्ताव संबंधित नगरपरिषदेने जिल्हाधिकारी यांचेमार्फत शासनास सादर करावा. अशा प्रकरणी प्रशासकीय मान्यतेचे अधिकार शासनास राहतील.

योजनेचा वित्तीय आकृतीबंध—

(अ) “वैशिष्ट्यपूर्ण” योजनेअंतर्गत विभागाच्या मंजूर नियतव्ययामधून वितरित करण्यात येणाऱ्या निधीकरिता (२२१७ १३०१) वित्तीय आकृतीबंध राज्य शासन ९० टक्के व नगरपरिषद १० टक्के असा राहिल.

(ब) ज्या प्रकरणी कार्यान्वयन यंत्रणा नगरपरिषद असेल, अशा प्रकरणी नगरपरिषदेने त्यांचा स्वःहिस्सा भरणे बंधनकारक राहिल.

(क) ज्या प्रकरणी कार्यान्वयन यंत्रणा नगरपरिषद व्यतिरिक्त अन्य (सार्वजनिक बांधकाम विभाग, महाराष्ट्र जीवन विकास प्राधिकरण, जलसंपदा विभाग, जलसंधारण विभाग, विद्युत विभाग इ.) निश्चिती करण्यात येईल अशा प्रकरणीही नगरपरिषदेने वित्तीय आकृतीबंधानुसार स्वःहिस्सा (१० टक्के हिस्सा) भरणे आवश्यक राहिल.

(ड) अशा सर्व प्रकरणी आवश्यक ना-हरकत प्रमाणपत्रे देणे नगरपरिषदेस बंधनकारक राहिल.

योजनेअंतर्गत निधी वितरणाची कार्यपद्धत—

(अ) शासनास प्राप्त झालेल्या निवेदन/प्रस्ताव यांच्या अनुषंगाने, सदर योजनेअंतर्गत अनुज्ञेय असलेल्या कामांकरिता नगरपरिषदनिहाय निधी मंजूर करण्यात येईल. उपलब्ध अर्थसंकल्पिय तरतूद व मागणीचे प्रस्ताव विचारात घेऊन आवश्यकतेनुसार नगरपरिषदांना अनुदान मंजूर करण्याची कार्यवाही करण्यात येईल.

(ब) सदरचे अनुदान मंजूर करतवेळी पुढील बाबींचा प्राधान्याने विचार करण्यात येईल, नगरपरिषदेची वित्तीय परिस्थिती, स्थानिक गरज व प्राथमिकता, पूरक विकास प्रकल्पाकरिता, भौगोलिक परिस्थिती, नैसर्गिक आपत्ती, नागरीकरणाचा दर, पूरक

योजनेच्या अन्य अटी व शर्ती—

(अ) सदर प्रकल्पाअंतर्गतची कामे ही सार्वजनिक मालकीच्या ठिकाणीच करावीत. कामाचे स्वरूप सार्वजनिक असावे, तसेच त्यामुळे सर्वसमावेशक नागरिकांच्या प्राथमिक सोयी सुविधांमध्ये भर पडणार आहे याची पुन्हा खातरजमा करणे व कुठल्याही खाजगी स्वरूपाच्या कामांना मान्यता देण्यात आली नसल्याची खातरजमा करणे. हाती घ्यावयाची कामे सर्वसाधारणपणे नागरिकांच्या ठळकपणे लक्षात येतील किंवा नागरिकांना त्या कामांचा स्पष्ट बोध होईल अशा स्वरूपांच्या कामांनाच प्राधान्य देण्यात यावेत.

(ब) सदर प्रकल्पाअंतर्गतची कामे संबंधित शहराच्या विकास नियंत्रण नियमावली व विकास आराखडाशी सुसंगत असल्याची खातरजमा करणे.

(क) सदर प्रकल्पाअंतर्गतच्या कामांना “ई-निविदा” कार्यप्रणालीचा

अवलंब करणे बंधनकारक राहिल. याबाबत सार्वजनिक बांधकाम विभाग तसेच शासनाने निर्मित केलेल्या अद्यावत मार्गदर्शक सूचनांचे काटेकोरपणे पालन करण्यात यावे. “ई-निविदा” कार्यप्रणालीचा अवलंब करण्यात येत असल्याची खातरजमा करणे.

(ड) सदर प्रकल्पाअंतर्गत उपलब्ध करून दिलेला निधी त्याच उद्दिष्टांसाठी खर्च करण्यात येत असल्याचे, काम गुणवत्तेनुसार झाले आहे किंवा कसे तसेच मंजूर कामावरच मंजूर निधी खर्च झाला आहे किंवा कसे हे पाहणे.

(इ) सदर प्रकल्पाअंतर्गतच्या कामावर करण्यात येणाऱ्या खर्चांमुळे आदर्श आचारसंहितेचा भंग होणार नाही हे पाहणे.

(ई) निधी खर्च करताना तो विहित कार्यपद्धती अनुसरून सर्व वित्तीय कायदे व नियमांचे तसेच विहित प्रक्रियेचे अवलंबन करण्यात यावे. निधी खर्च करण्याबाबत वित्त विभागाकडून वेळोवेळी निर्मित करण्यात आलेल्या शासन निर्णयातील सूचनांचा व वित्तीय अधिकारांच्या मर्यादेत (Financial Power) भंग होणार नाही. तसेच, कुठलाही शासन नियम/अधिकारांचा भंग होणार नाही हे पाहणे.

(अ) सदर प्रकल्पाअंतर्गत दुरुस्तीची तथा परिरक्षणाची कामे हाती घेण्यात येत नाहीत हे पाहणे.

(ब) सदर प्रकल्पाअंतर्गतची कामे सुरू करण्यापूर्वीच्या स्थितीचे व काम झाल्यानंतरच्या कामाचे चित्र (Photograph) काढून ठेवणे व मागणीनुसार सादर करणे.

(क) सदर प्रकल्पाअंतर्गतच्या कामांचे त्रयस्थ पक्षाकडून लेखापरिक्षण करून घेणे कार्यान्वयन यंत्रणेस बंधनकारक राहिल.

(ड) पायाभूत सुविधाअंतर्गतच्या कोणत्याही कामांची दुरुस्ती होणार नाही याबाबतची दक्षता घेण्यात यावी.

निधी वितरणविषयक कार्यपद्धती

शासनास सादर करण्यात आलेले परिपूर्ण प्रस्ताव, उपलब्ध अर्थसंकल्पीय तरतूद, योजनेचे निकष, कामाचे स्वरूप इत्यादी बाबींचा एकत्रित विचार करून निधीचे वितरण करण्यात येईल. या योजनेअंतर्गत प्राप्त होणारा निधी मुख्याधिकारी व अध्यक्ष यांच्या संयुक्त बँक खात्यावर ठेवण्यात यावा. या निधीचे विनियोग प्रमाणपत्र एक वर्षाच्या कालावधीत सादर करणे बंधनकारक राहिल.

६. महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाअभियान

राज्यातील ड-वर्ग महानगरपालिका व नगरपालिका आणि नगरपंचायती या नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये पायाभूत सुविधांची निर्मिती करण्याच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र सुवर्णजयंती नगरोत्थान महाअभियान राज्यामध्ये सन २०१० पासून राबविण्यात येत आहे.

सदर अभियानाची अंमलबजावणी आता २१ ऑगस्ट २०१४ रोजी च्या शासन निर्णयानुसार करण्यात येत आहे. सदर योजनेअंतर्गत संबंधित शहराचा पाणीपुरवठा, मलनिस्सारण व तद्दुन्तर रस्ते अन्य पायाभूतविषयक प्रकल्पांना प्राधान्य देण्यात येत आहे.

या अभियानांतर्गत रु. १५७३२ कोटी किंमतीच्या २६५ प्रकल्पांना मंजूरी आहेत.

७. महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान

महाराष्ट्र राज्याच्या सुवर्णोत्सवी वर्षात दिनांक ३१ ऑगस्ट २००९ च्या शासन निर्णयानुसार राज्यातील “ड” महानगरपालिका/नगरपरिषदांमध्ये अग्निशमन सेवांचे सक्षमीकरण करण्यासाठी “महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान” नावाची योजना सुरू करण्यात आलेली आहे.

८. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजना

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजनेतर्गत राज्यातील नगरपालिकेतील/महानगरपालिकेतील सफाई कामगारांचे विशिष्ट स्वरूपाचे काम विचारात घेऊन ज्या सफाई कामगारांची सेवा २५ वर्ष किंवा त्याहून अधिक झाली आहे अशा सफाई कामगारांना सेवानिवृत्तीनंतर किंवा सफाई कामगारांचा सेवेत असताना मृत्यू झाल्यास अशा सफाई कामगारांच्या निधनानंतर त्यांच्या पात्र वारसास मालकी तत्वावर २६९ चौ. फूट चटई क्षेत्राच्या सदनिका मोफत उपलब्ध करून देण्यासाठी नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थेस अनुदान वितरित करण्यात येते.

महानगरपालिका/नगरपालिका/नगरपंचायती यांच्या मालकीच्या जमिनीवर असलेल्या सध्याच्या सेवानिवासस्थानांच्या ठिकाणी, सफाई कर्मचाऱ्यांची सेवानिवासस्थाने तसेच डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य योजनेच्या निकषानुसार मोफत सदनिका उपलब्ध करून देण्यासाठी ४.०० या कमाल चटई क्षेत्र निर्देशांकाच्या मर्यादेत बांधण्यात येणाऱ्या सदनिकांपैकी ५० टक्के सदनिका सेवानिवासस्थाने म्हणून व उर्वरित ५० टक्के सदनिका डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य योजनेतर्गत सेवानिवृत्त सफाई कर्मचाऱ्यांना अथवा सेवेत असताना मृत्यू झाल्यास त्यांच्या पात्र वारसांना मालकी हक्काने मोफत उपलब्ध करून देण्यास मान्यता देण्यात आली आहे.

जे सफाई कामगार दिनांक २२ ऑक्टोबर, २००८ पूर्वी सेवानिवृत्त झाले आहेत अथवा त्यांचा सेवेत असताना मृत्यू झाला आहे अशा सफाई कामगारांचे पात्र वारस सेवेत असतील व त्यांच्या सेवानिवृत्तीच्या वेळेस त्यांची पात्र सेवा २५ वर्षे होत नसेल तर, असे सफाई कर्मचारी ज्यांचे वारस म्हणून सेवेत लागले आहेत त्या सेवानिवृत्त अथवा मृत झालेल्या सफाई कर्मचाऱ्यांनी यापूर्वी केलेल्या पात्र सेवेचा कालावधी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजने अंतर्गत लाभ देण्यासाठी २५ वर्षांची पात्रता ठरविण्याकरिता विचारात घेण्यास मान्यता देण्यात आली आहे. दिनांक २२ ऑक्टोबर २००८ नंतर सेवेत असताना ज्या सफाई कामगारांना वैद्यकीय अधिकाऱ्यांनी पुढील सेवेसाठी वैद्यकीय कारणास्तव असमर्थ ठरवून रुग्णता सेवानिवृत्त केले आहे, अशा सफाई कामगारांचा पात्र वारस सेवेत असेल व त्या पात्र वारसांच्या सेवानिवृत्तीच्या वेळेस त्यांची पात्र सेवा २५ वर्षे होत नसेल तर रुग्णता सेवानिवृत्त केलेल्या सफाई कर्मचाऱ्यांनी केलेल्या पात्र सेवेचा कालावधी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर श्रमसाफल्य आवास योजनेतर्गत लाभ देण्यासाठी २५ वर्षांची पात्रता ठरविण्याकरिता विचारात घेण्यास मान्यता देण्यात आली आहे.

९. नवीन स्थापन होणाऱ्या नगरपरिषदा/नगरपंचायती यांच्या विकासासाठी विशेष अर्थसहाय्य करण्याबाबत

दिनांक २७ जून २०१२ च्या शासन निर्णयानुसार, नव्याने स्थापन होणाऱ्या नगरपरिषदा/नगरपंचायतींचा सुनियोजित विकास करता यावा, यासाठी त्यांना स्थापन झाल्यापासून ३ वर्षांपर्यंत पायभूत सुविधा व विविध लोकोपयोगी कामे हाती घेण्यासाठी १०० टक्के शासन अनुदान देण्याचे सन २०१२-१३ पासून निश्चित केले आहे. सदर शासन निर्णय हा निर्गमित झाल्याच्या दिनांकापूर्वी ३ वर्षांच्या कालावधीत स्थापन झालेल्या नगरपरिषदा/नगरपंचायती यांनाही लागू राहिल. याकरिता नगरपरिषदा/नगरपंचायतींना शहरात ज्या बाबींची कमतरता आहे, अशा आवश्यक असलेल्या नागरी सोयी-सुविधांशी संबंधित प्रकल्पांचा समावेश असलेला शहर विकास आराखडा तयार करून संबंधित जिल्हाधिकारी व आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, वरळी यांच्यामार्फत प्रस्ताव शासनास सादर करणे क्रमप्राप्त आहे.

एच २५१४-४अ

१०. महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांची नव्याने हद्दवाढ झालेल्या भागात नागरी सोयी सुविधांचा विकास करण्यासाठी विशेष अर्थसहाय्य करण्याबाबत :

दिनांक २७ जून २०१२ च्या शासन निर्णयानुसार, महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांची नव्याने हद्दवाढ झालेल्या भागात नागरी सोयी सुविधांचा विकास करण्यासाठी त्यांची हद्दवाढ झाल्यापासून ३ वर्षांपर्यंत पायाभूत सुविधा व विविध लोकोपयोगी कामे हाती घेण्यासाठी अनुदान देण्याचे सन २०१२-१३ पासून निश्चित केले आहे. या योजनेतर्गत हद्दवाढ झालेल्या महानगरपालिकांना प्रकल्प किमतीच्या ८० टक्के व नगरपरिषदांना ९० टक्के याप्रमाणात अनुदान उपलब्ध करून देण्यात येईल. सदर शासन निर्णय हा निर्गमित झाल्याच्या दिनांकापूर्वी ३ वर्षांच्या कालावधीत हद्दवाढ झालेल्या महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांनाही लागू राहिल. याकरिता महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांनी हद्दवाढ झालेल्या भागात, ज्या बाबींची कमतरता आहे अशा आवश्यक असलेल्या नागरी सोयी-सुविधांशी संबंधित प्रकल्पांचा समावेश असलेला शहर विकास आराखडा तयार करून आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, वरळी यांच्यामार्फत प्रस्ताव शासनास सादर करणे क्रमप्राप्त आहे.

११. नागरी आदिवासी वस्ती सुधारणा योजना

राज्यातील नागरी क्षेत्रातील आदिवासी लोकसंख्येच्या कल्याणासाठी "आदिवासी वस्ती सुधारणा योजना" नावाची योजना सन २००६-२००७ या आर्थिक वर्षापासून सुरू करण्यात आली आहे. या योजनेतर्गत हाती घेण्यात येणाऱ्या कामांसाठी १०० टक्के राज्य शासकीय अनुदान अनुज्ञेय आहे. आदिवासी उपयोजनेच्या जिल्हास्तरीय वार्षिक योजनेमधून तरतूद होणे आवश्यक राहिल. सदरची योजना राज्यातील केवळ आदिवासी उपयोजना क्षेत्रातील (१) जव्हार नगरपरिषद, जि. ठाणे, (२) डहाणू नगरपरिषद, जि. ठाणे, (३) त्रिंबकेश्वर नगरपरिषद, जि. नाशिक, (४) इगतपूरी नगरपरिषद, जि. नाशिक, (५) नंदूरबार नगरपरिषद, जि. नंदूरबार, (६) तळोदा नगरपरिषद (७) नवापूर नगरपरिषद, जि. नंदूरबार, (८) चिखलदरा नगरपरिषद, जि. अमरावती, (९) पांढरकवडा नगरपरिषद, जि. यवतमाळ, (१०) किनवट नगरपरिषद, जि. नांदेड, (११) शहापूर नगरपंचायत, जि. ठाणे, (१२) कळवण नगरपंचायत, जि. नाशिक, (१३) सुरगणा नगरपंचायत, जि. नाशिक, (१४) पेट नगरपंचायत, जि. नाशिक, (१५) धडगाव नगरपंचायत, जि. नंदूरबार, (१६) सिरांचा नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (१७) अहेरी नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (१८) एट्टापली नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (१९) धानोरा नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (२०) कुरखेडा नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (२१) कोरची नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (२२) भामरागड नगरपंचायत, जि. गडचिरोली, (२३) विक्रमगड नगरपंचायत, जि. पालघर, (२४) तलासरी नगरपंचायत, जि. पालघर, (२५) वाडा नगरपंचायत, जि. पालघर, (२६) मोखाडा नगरपंचायत, जि. पालघर, (२७) धारणी नगरपंचायत, जि. अमरावती, या नगरपरिषदांतील नागरी भागासाठी लागू आहे. या योजनेतर्गत आदिवासी वस्त्यांमधील रस्ते, गटारे, सांडपाण्याची व्यवस्था, वीजेची सोय, आरोग्यविषयक सोयी, शिक्षणविषयक सोयी इ. कामे अनुज्ञेय आहेत. या योजनेखालील कामांना प्रशासकीय मान्यता देण्याचे अधिकार जिल्हाधिकार्यांना आहेत. या योजनेकरिता आदिवासी विकास विभागाकडून नगरविकास विभागास तरतूद उपलब्ध करून देण्यात येते.

१२. नागरी क्षेत्रात स्मारके उभारण्याबाबत :

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, दिनांक २१ ऑगस्ट २०१३ अन्वये नगरपरिषद/नगरपालिका/महानगरपालिका कार्यक्षेत्रात स्मारक उभारण्याची कार्यवाही नगरविकास विभागाने करण्याबाबत निर्णय घेण्यात आला आहे. त्यास अनुसरून नागरी स्थानिक संस्थेत राष्ट्रपुरुष/थोर व्यक्ती/स्वातंत्र्य सैनिक/इतिहास प्रसिद्ध व्यक्ती/संत महात्मे/राजकारणातील प्रसिद्ध व्यक्ती यांची स्मारके प्रत्येक जिल्ह्यात खालीलप्रमाणे समिती गठित करावयाचे आहे :-

- | | |
|---------------------------------------|--------------|
| (१) जिल्ह्याचे पालकमंत्री | : अध्यक्ष |
| (२) जिल्हाधिकारी | : सदस्य |
| (३) जिल्हा पोलीस आयुक्त/अधीक्षक | : सदस्य |
| (४) जिल्ह्याचे नगररचनाकार | : सदस्य |
| (५) अधीक्षक अभियंता, | : सदस्य |
| सार्वजनिक बांधकाम विभाग. | |
| (६) आयुक्त, | : सदस्य-सचिव |
| महानगरपालिका/मुख्याधिकारी, नगरपालिका. | |

उपरोक्त सदस्यांव्यतिरिक्त अध्यक्षांच्या मान्यतेने अन्य सदस्यांनाही आवश्यकता असल्यास बैठकीस आमंत्रित करता येईल.

२. स्मारकास मान्यता देताना स्मारकाच्या प्रगतीचे टप्पे निश्चित करण्यात यावेत. प्रत्येक टप्प्यासाठी लागणारा निधी निश्चित करण्यात यावा व त्यानुसारच उभारणी होईल याकडे काटेकोरपणे लक्ष द्यावे. स्मारकाची उभारणी जास्तीतजास्त अडीच वर्षांच्या आत पूर्ण करण्यात यावी. स्मारके उभारताना सर्व शासकीय नियमांचे पालन करण्यात यावे. सदर समितीने मंजुरी दिलेल्या स्मारकांबाबतचा सर्वकष प्रस्ताव जिल्हाधिकाऱ्यांमार्फत शासनास सादर करावा. स्मारकाकरिता मंजूर करण्यात आलेल्या निधीचे विनियोजन प्रमाणपत्र शासनास विहित कालावधीत सादर करावे. सदर स्मारकाच्या देखभालीची जबाबदारी संबंधित महानगरपालिका/नगरपालिकेची राहिल. याकरिता शासनाकडून कोणत्याही प्रकारे निधी उपलब्ध करण्यात येणार नाही.

१३. केवळ महिलांकरिता तेजस्विनी बस सेवा :

राज्यातील २७ महानगरपालिका क्षेत्रात औद्योगिकीकरण व जागतिकीकरणाच्या पार्श्वभूमीवर महिला नोकरदार व व्यावसायिकांचे प्रमाण वाढत आहे. त्यांच्या सोईसाठी उत्तम दर्जाची सार्वजनिक वाहतूक व्यवस्था असणे आवश्यक आहे. महिलांना सुखकर व सुरक्षित प्रवास सुविधा उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने महिलांकरिता स्वतंत्र बस व्यवस्था "तेजस्विनी बस" या नावाने सुरू करण्याचा निर्णय दिनांक ३ जानेवारी २०१७ च्या शासन निर्णयान्वये खालील अटी शर्तीच्या अधीन घेतला आहे.

१. राज्यातील २७ महानगरपालिकांपैकी मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, पुणे व नागपूर या सहा महानगरपालिका क्षेत्रात केवळ महिलांसाठी स्वतंत्र बस सेवा "तेजस्विनी बस" योजना या नावाने प्रथम टप्प्यात कार्यान्वित करण्यात येत आहे.

२. "तेजस्विनी बस" योजनेअंतर्गत खरेदी केलेल्या बसेसमध्ये सकाळी

७ ते ११ व सायंकाळी ५ ते रात्री ९ या कालावधीकरिता संबंधित बसेसमध्ये महिलांसाठी १०० टक्के आसने राखीव राहतील. या व्यतिरिक्त उर्वरित काळात नियमित आसन व्यवस्थेनुसार बसेस चालविण्याची मुभा महानगरपालिकेस राहिल. तथापि, स्थानिक परिस्थितीनुसार यामध्ये बदल करण्याची मुभा योजना अंमलबजावणी समितीस राहिल.

३. महिलांकरिता १०० टक्के आसने आरक्षित केलेल्या सकाळी ७ ते ११ व सायंकाळी ५ ते रात्री ९ या कालावधीकरिता संबंधित बसेसमध्ये महिला वाहक प्राथम्याने उपलब्ध होईल याची दक्षता महानगरपालिकेने घ्यावी.

४. सदर योजनेतील बसेसचा तिकीट दर संबंधित महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये प्रचलित तिकीट दराइतका राहिल.

५. सदर योजनेतील बसेसचा रंग केशरी राहिल. तसेच प्रत्येक बसवर "महाराष्ट्र शासन सहाय्यीत-तेजस्विनी बस" असा उल्लेख ठळक मोठ्या अक्षरात करण्यात यावा. त्याचे संकल्पचित्र शासन स्तरावरून निश्चित करून देण्यात येईल.

६. संबंधित महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये सदरच्या योजनेची अंमलबजावणी करण्याकरिता खालीलप्रमाणे अंमलबजावणी समिती गठित करण्यात येत आहे.

- | | |
|-------------------------------|--------------|
| महानगरपालिका आयुक्त | : अध्यक्ष |
| अपर आयुक्त/उप आयुक्त (परिवहन) | : सदस्य |
| प्रमुख वित्त व लेखा अधिकारी | : सदस्य |
| महाव्यवस्थापक (परिवहन) | : सदस्य-सचिव |

७. या योजनेअंतर्गत बसेस खरेदीकरण्याकरिता एकवेळचा भांडवली खर्च म्हणून प्रती बस रुपये ३० लक्षपर्यंत १०० टक्के अनुदान शासन महानगरपालिका देईल. सदर निधीमध्ये स्थानिक गरजेनुसार बसचे मॉडेल अंमलबजावणी समितीच्या मान्यतेने महापालिकेने खरेदी करावे. खरेदी ई-निविदा पद्धतीने असावी. मंजूर निधीमधून अंशतः निधी शिल्लक राहिल्यास महानगरपालिका स्वतःच्या स्रोतातून रक्कम भर घालून अतिरिक्त बस खरेदी करू शकेल. मात्र अधिकची प्रतिपूर्ती शासनाकडून करण्यात येणार नाही.

(IV 222222) कार्यक्रमावरील खर्च (जिल्हास्तर)**(I) विशेष घटक योजना**

१. लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार योजना.

(१) लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार योजना**(विशेष घटक योजना)**

राज्यातील नागरी क्षेत्रातील विशेष घटक (अनुसूचित जाती व नवबौद्ध) लोकांच्या कल्याणासाठी शासनाने नागरी दलित वस्ती सुधारणा नावाची योजना सन १९९५-९६ पासून सुरू केली आहे. या योजनेचे नाव दिनांक २१ ऑगस्ट २०१९ पासून साहित्यरत्न लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार योजना असे करण्यात आले आहे. या योजनेअंतर्गत नागरी क्षेत्रातील ज्या वस्त्यांमध्ये विशेष घटक लोकसंख्येचे प्रमाण ५० टक्केपेक्षा अधिक आहे तसेच जे प्रभाग विशेष घटकांसाठी राखीव आहेत अशा वस्त्यांमध्ये/प्रभागांमध्ये नागरी सोयी सुविधांविषयक कामे घेण्यासाठी १०० टक्के अनुदान राज्य शासनाकडून देण्यात येते.

या योजनेची प्रभावी अंमलबजावणी होण्याच्या दृष्टिकोनातून तसेच शासनाच्या प्रचलित विकेंद्रीकरणाच्या धोरणास अनुसरून सन २००२-२००३ या आर्थिक वर्षापासून या योजनेचे सनियंत्रण जिल्हाधिकाऱ्यांच्या अध्यक्षतेखाली एक समिती नियुक्त करून जिल्हास्तरावर देण्याचा शासनाने निर्णय दिनांक ५ मार्च २००२ च्या शासन निर्णयाद्वारे घेतला आहे.

या योजनेअंतर्गत नागरी स्थानिक संस्थांना खालील नमूद किमान मर्यादेपर्यंत अनुदान अनुज्ञेय आहे :-

| अ. क्र. | नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था | कमाल अनुज्ञेय अनुदान |
|---------|-------------------------------|----------------------|
| १ | महानगरपालिका | रु. १००.०० लक्ष |
| २ | “ अ ” वर्ग नगरपरिषद | रु. ५०.०० लक्ष |
| ३ | “ ब ” व “ क ” वर्ग नगरपरिषद | रु. २५.०० लक्ष |

विशेष घटक योजनेच्या लाभाध्यांना अधिकाधिक नागरी सुविधा लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या क्षेत्रातील अनुसूचित जाती तसेच नवबौद्धांसाठी ज्या प्रभागामध्ये अनुसूचित जाती व नवबौद्ध (विशेष घटक) लोकसंख्येच्या

आधारावर विशेष घटक योजनेच्या जिल्हा वार्षिक योजनेअंतर्गत लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत तरतुदी उपलब्ध कराव्यात अशा सूचना सर्व संबंधितांना शासनाने दिल्या आहेत. या योजनेअंतर्गत अनुज्ञेय असलेली कामे :-

(अ) रस्ते, पोच रस्ते, जोड-रस्ते, रस्त्यांचे डांबरीकरण, सिमेंटीकरण (अत्यंत अपवादात्मक परिस्थितीत व रस्त्याकरिता कच्चे रस्ते), नाली बांधकाम, लहान नाल्यावर फरशी बांधणे, विहीर दुरुस्ती तसेच उघड्या विहिरीवर कठडे बांधणे, नदीच्या काठावर अथवा डोंगर उतारावर संरक्षक भिंती; तसेच कठडे बांधणे, छोटे पूल, पिण्याच्या पाण्यासाठी सोईसुविधा, (हापसा, पाण्याची टाकी), सार्वजनिक उपयोगासाठी मुताऱ्या, शौचालये बांधणे, रस्त्यावरील विजेचे दिवे, बालवाडी, बगीचे, बगीच्यांमध्ये पक्क्या स्वरूपाचे बसवावयाचे खेळाचे साहित्य, समाजमंदिर, वाचनालय, व्यायामशाळा, दवाखाने, सांस्कृतिक केंद्र, दुकाने, स्मशानभूमीचा विकास यासारखी सार्वजनिक हिताची अन्य कामे हाती घेता येतील.

वरील कामाच्या व्यतिरिक्त नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थेस स्थानिक गरजेनुसार एखादे काम योजनेअंतर्गत हाती घ्यावयाचे असल्यास व ते योजनेच्या अटी व शर्तीची पूर्तता करीत असल्यास असे काम शासनाच्या पूर्वसंमतीने घेता येऊ शकेल.

(ब) या योजनेअंतर्गत कामे हाती घेताना “ पायाभूत सेवा सुविधांच्या ” कामांना प्राधान्य असणे आवश्यक राहिल.

(क) शहरांच्या मंजूर विकास योजनेतील प्रस्तावानुसार अनुज्ञेय असलेली विकास योजनेअंतर्गत कामे या योजनेअंतर्गत हाती घेता येतील.

(ड) या योजनेअंतर्गत हाती घेतलेल्या कामांची भविष्यातील दुरुस्ती व देखभाल याचा खर्च स्थानिक संस्थेने स्वतःच्या निधीतून करावा. प्राप्त अनुदान कोणत्याही परिस्थितीत देखभाल अथवा दुरुस्तीसाठी वापरू नये.

“ लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे नागरी वस्ती सुधार ” या योजनेसाठी उपलब्ध जिल्हानिहाय तरतुदीचे वितरण प्रत्येक आर्थिक वर्षासाठी स्वतंत्रपणे शासनाकडून सर्व जिल्हाधिकाऱ्यांना आर्थिक वर्षाच्या सुरुवातीस करण्यात येईल. शासनाने वितरित केलेल्या जिल्हानिहाय तरतुदी प्राप्त झाल्यानंतर जिल्हातील नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांना निधीचे वितरण निश्चित करण्यासाठी मा. पालक मंत्री यांचे अध्यक्षतेखाली “ जिल्हास्तरीय समिती ” नियुक्त करण्यात आली आहे.

(ब) अनिवार्य खर्च

(B) Committed Expenditure

- (१) नगरपालिकांना सहायक अनुदान
- (२) जमीन महसूल व बिनशेतीसारा अनुदान
- (३) मुद्रांक शुल्क अनुदान
- (४) गौण खनिज अनुदान
- (५) करमणूक कर अनुदान
- (६) नवी दिल्ली येथील राष्ट्रीय नागरी कार्य संस्थेस सहायक अनुदान व सदस्यत्व फी
- (७) रस्ता अनुदान
- (८) कटक मंडळे अनुदान
- (९) यात्रा कर अनुदान
- (१०) नगर विकास विभागाच्या प्रशासकीय कामकाजासाठी पायातून सोयी सुविधा निर्माण करणे.
- (११) नगरपरिषदांच्या मुख्याधिकाऱ्यांच्या वेतनावरील खर्च
- (१२) १५ वा वित्त आयोग.
- (१३) वस्तू व सेवा कर भरपाई अनुदान.

१. नगरपालिका सहायक अनुदान :

नगरविकास विभाग, शासन निर्णय क्रमांक संकीर्ण-२००९/प्र.क्र. १०६/०९/नवि-४, दिनांक ३१ ऑगस्ट २००९ अन्वये सन २००९-२०१० या आर्थिक वर्षापासून राज्यातील नगरपरिषद कर्मचाऱ्यांना शासनाकडून देण्यात येणारे जकात अनुदान व महागाई भत्ता अनुदान बंद करून नगरपालिका सहायक अनुदान मंजूर करण्यात आले आहे.

शासन निर्णय दिनांक २ ऑगस्ट २०१९ अन्वये राज्यातील नगरपरिषदा/नगरपंचायतीमधील कर्मचाऱ्यांना ७ व्या वेतन आयोगाच्या शिफारशीनुसार सुधारित वेतनश्रेणी दिनांक १ जानेवारी २०१६ पासून लागू करण्यास मान्यता देण्यात आली आहे. उक्त शासन निर्णयात नमूद केल्यानुसार माहे सप्टेंबर २०१९ पासून ७ वे वेतन आयोगानुसार सहायक अनुदान वितरित करण्यात येत आहे.

२. जमीन महसूल व बिनशेतीसारा अनुदान :

महाराष्ट्र राज्य पहिल्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार (शिफारस क्रमांक १३.८१) ज्या 'क' वर्ग नगरपरिषदांची लोकसंख्या १५००० पेक्षा कमी आहे अशा नगरपरिषदांना त्यांच्या क्षेत्रात वसूल झालेल्या नागरी संस्थांना जमीन महसूल अनुदान १५% ऐवजी ७५% दराने देण्यात येत आहे.

३. नगरपरिषद क्षेत्रामध्ये असलेल्या स्थावर संपत्तीच्या विवक्षित हस्तांतरणाकरिता मुद्रांक शुल्क बसविण्यासाठी नगरपरिषदांना सहायक अनुदान :

शासन अधिसूचना, नगरविकास विभाग क्रमांक एमसीओ-२४९३/प्र. क्र. ८१/९३/नवि-३२, दिनांक ३० जुलै १९९३ अन्वये राज्यातील सर्व नगरपरिषदांना दिनांक १ ऑगस्ट १९९३ पासून नगरपरिषद क्षेत्रात यावर सविस्तर मालमत्तेचे हस्तांतरणावरील जमा झालेली अर्धा टक्का रक्कम अधिभाराची रक्कम मुद्रांक शुल्क अनुदान म्हणून देण्यात येत होती. पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार सदर अनुदान अर्धा टक्क्यावरून १ टक्का करण्यात आला आहे. नोंदणी महानिरीक्षक व मुद्रांक नियंत्रक, पुणे कार्यालयाकडून प्राप्त माहितीनुसार अनुदान वितरित करण्यात येते.

४. गौण स्वरूपाच्या खनिजावरील स्वामित्व धनासाठी 'क' वर्गीय नगरपरिषदांना सहायक अनुदान :

शासन निर्णय, क्रमांक गौखनि-१०९९/प्र. क्र. २०५/ख, दिनांक ११ जुलै, २००० अन्वये राज्यातील 'क' वर्ग नगरपरिषद क्षेत्रातून वसूल झालेल्या गौण खनिजाच्या स्वामित्व धनाचे संदर्भातील महसुलाबाबत अनुदानाची १ लाखाची मर्यादा रुपये ५ लाखापर्यंत वाढविण्यात आली आहे.

५. नगरपरिषदांना करमणूक कर शुल्काच्या अभिहस्तांकित रकमा देणे :

करमणूक करावरील मिळणारे अनुदान सन १९७५-१९७६ पासून सर्व महानगरपालिका व सर्व नगरपरिषदांना त्यांचे हद्दीत मागील वर्षी वसूल झालेल्या करमणूक करापैकी शासन निर्णय क्रमांक एमयूएन-११७५/३०१३५ (१)/एमयूएन-२, दिनांक १ ऑगस्ट, १९७५ पासून खालीलप्रमाणे अनुदान देण्यात येते :-

| | | |
|--------------------|----|----------|
| 'अ' वर्ग नगरपरिषदा | .. | ५० टक्के |
| 'ब' वर्ग नगरपरिषदा | .. | ७० टक्के |
| 'क' वर्ग नगरपरिषदा | .. | ९० टक्के |

६. नवी दिल्ली येथील राष्ट्रीय नागरी कार्यसंस्थेस सहायक अनुदान व सदस्यत्व फी :-

अखिल भारतीय स्थानिक स्वराज्य संस्था भारत सरकारचे प्रशिक्षण केंद्र ही संस्था चालविते. कन्व्हेन्सड लोकल गव्हर्नमेंट डिप्लोमा शिक्षणक्रम चालविण्याबद्दल शासनाकडून दरवर्षी रुपये १०,००० शैक्षणिक अनुदान दिले जाते.

७. महाबळेश्वर रस्ता अनुदान :-

नगरपालिकेच्या सीमाबाहेरील विवक्षित रस्त्यांची व पुलांची व्यवस्था ठेवण्यासाठी महाबळेश्वर नगरपालिकेस दरवर्षी रु. १०,००० अनुदान देण्यात येते.

८. कटक मंडळे अनुदाने :

महाराष्ट्र राज्य व्यवसाय, व्यापार, आजिविका आणि नोकऱ्यांवरील कर अधिनियम १९७५ (व्यवसाय कर कायदा) च्या कलम २९ नुसार कराच्या नुकसान भरपाई म्हणून राज्यातील पुणे, खडकी, देहू, औरंगाबाद, अहमदनगर व कामटी या कटक मंडळांना अनुदान वितरित करण्यात येते.

९. यात्राकर रद्द केल्यामुळे नगरपरिषदांना नुकसानभरपाई :

शासन निर्णय, नगरविकास व आरोग्य विभाग क्रमांक जीएनटी-१४७७/१८२०/नवि-१०, दिनांक १ जानेवारी १९७८ अन्वये यात्राकर सन १९७७-१९७८ पासून बंद करण्यात आलेला आहे. नगरपरिषदांना सन १९७७-१९७८ पर्यंत ज्या ज्या शहरात येणाऱ्या यात्रेकरूंकडून यात्राकर वसूल करता येत होता, दिनांक १२ मे १९७८ रोजी राज्य शासनाने यात्रा कर वसूल न करता त्या ऐवजी या नगरपरिषदांनी आधीच्या तीन वर्षांत सरासरी जो यात्रा कर वसूल केला असेल त्याच्या ७५ टक्के अनुदान देण्याचा निर्णय घेतला होता. शासन, नगरविकास विभाग, क्रमांक जीएनटी-३०८७/सीआर ६८/८९/नवि-१६, दिनांक ४ नोव्हेंबर १९८९ अन्वये सन १९८९-९० पासून पूर्वी देण्यात येत असलेल्या अनुदानात तिप्पटीने वाढ करण्यात आली आहे. दिनांक ४ ऑगस्ट २००४ रोजी मंत्रिमंडळाने घेतलेल्या निर्णयानुसार त्रिंबक, आळंदी, जेजुरी, पंढरपूर, तुळजापूर व रामटेक या सहा नगरपरिषदांना पुढीलप्रमाणे अनुदानात वाढ करण्यात आली आहे :-

| अ. क्र. | नगरपरिषदेचे नाव | पूर्वीची रक्कम | वाढीनंतरची रक्कम |
|---------|-----------------|----------------|------------------|
| १. | त्रिंबक | २,३३,७८८ | १०,००,००० |
| २. | आळंदी | २,०३,७६६ | १०,००,००० |
| ३. | जेजुरी | १,७६,२१५ | १०,००,००० |
| ४. | पंढरपूर | २५,००,००० | ५०,००,००० |
| ५. | तुळजापूर | १,७०,६४६ | ५०,००,००० |
| ६. | रामटेक | ६१,२९९ | ५,००,००० |
| एकूण | | ३३,३५,७६४ | १,३५,००,००० |

नगरविकास विभाग, शासन निर्णय क्रमांक याकअ-१००६/प्र. क्र. ३४/

नवि-१६, दिनांक २९ मार्च २००७ अन्वये पंढरपूर नगरपरिषदेस देण्यात येत असलेल्या यात्राकर अनुदानात रुपये ५०,००,००० वरून रुपये १,००,००,००० इतकी वाढ मंजूर करण्यात आली आहे. तसेच नगरविकास विभाग, शासन निर्णय क्रमांक जीईएन-२००७/प्र. क्र. १०९/नवि-१६, दिनांक १७ डिसेंबर २००७ अन्वये पैठण नगरपरिषदेस रुपये १६,५०,००० इतके यात्राकर अनुदान मंजूर झाले आहे.

सन २०११-२०१२ या आर्थिक वर्षापासून शासन निर्णय क्रमांक याकअ-२०११/प्र. क्र. १३८/२०११/नवि-१६, दिनांक ६ जुलै, २०११ अन्वये वरील ७ नगरपरिषदांच्या अनुदानात खालीलप्रमाणे वाढ करण्यात आली आहे :-

| अ. क्र. | नगरपरिषदेचे नाव | पूर्वीची रक्कम | वाढीनंतरची रक्कम |
|-----------------|-----------------|--------------------|--------------------|
| १. | त्रिंबक | १०,००,००० | ५०,००,००० |
| २. | आळंदी | १०,००,००० | ६५,००,००० |
| ३. | जेजुरी | १०,००,००० | ७५,००,००० |
| ४. | पंढरपूर | १,००,००,००० | २,००,००,००० |
| ५. | तुळजापूर | ५०,००,००० | १,५०,००,००० |
| ६. | रामटेक | ५,००,००० | २५,००,००० |
| ७. | पैठण | १६,५०,००० | ५०,००,००० |
| एकूण . . | | २,०१,५०,००० | ६,१५,००,००० |

सन २०१६-२०१७ या आर्थिक वर्षापासून शासन निर्णय क्रमांक संकीर्ण-२०१६/प्र. क्र. १७४/नवि-१६, दिनांक ३ ऑक्टोबर २०१६ अन्वये वरील ७ नगरपरिषदांच्या अनुदानात खालीलप्रमाणे वाढ करण्यात आली आहे :-

| अ. क्र. | नगरपरिषदेचे नाव | यापूर्वी अनुज्ञेय यात्राकर अनुदान रक्कम (रुपये) | सुधारित यात्राकर अनुदान रक्कम (रुपये) |
|-----------------|-----------------|---|---------------------------------------|
| १. | त्रिंबक | ५०,००,००० | १,२५,००,००० |
| २. | आळंदी | ६५,००,००० | १,६२,५०,००० |
| ३. | जेजुरी | ७५,००,००० | १,८७,५०,००० |
| ४. | पंढरपूर | २,००,००,००० | ५,००,००,००० |
| ५. | तुळजापूर | १,५०,००,००० | ३,७५,००,००० |
| ६. | रामटेक | २५,००,००० | ६२,५०,००० |
| ७. | पैठण | ५०,००,००० | १,२५,००,००० |
| एकूण . . | | ६,१५,००,००० | १५,३७,५०,००० |

१०. नगर विभागाच्या प्रशासकीय कामकाजासाठी पायाभूत सोयीसुविधा निर्माण करणे :-

राज्यात वेगाने विस्तारित होत असलेल्या नागरी भागाचे योग्य नियोजन व विकासाचे कामकाज पाहणाऱ्या नगरविकास विभागाच्या प्रशासकीय कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालयाच्या इमारती, प्रशिक्षण संस्था, निवासी संकुल इत्यादी शासकीय इमारतींची मोठी बांधकामे तसेच लहान बांधकामे हाती घेण्याकरीता नगर विकास विभागाच्या प्रशासकीय कामकाजासाठी पायाभूत सोयीसुविधा निर्माण करणे या नवीन योजनेस मंजुरी देण्यात आलेली आहे.

या योजनेअंतर्गत नगरविकास संकुलाचे बांधकाम हाती घेण्यात येणार असून त्यामध्ये नगरविकास विभागाच्या (नगररचना विभागासह) सर्व क्षेत्रीय यंत्रणांच्या अधिकारी-कर्मचाऱ्यांसाठी प्रशिक्षण केंद्र तसेच, प्रशिक्षणार्थी व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थेच्या लोकप्रतिनिधींसाठी निवास व्यवस्था उभारण्यात येणार आहे.

११. नगरपरिषदांच्या मुख्याधिकाऱ्यांच्या वेतनावरील खर्च :-

पहिल्या वित्त आयोगाच्या शिरफारशीनुसार सर्व 'क' वर्ग नगरपरिषदांना मुख्याधिकाऱ्यांच्या वेतन व भत्त्यावरील खर्च नगरपरिषदांना देण्याचा निर्णय झालेला आहे. तसेच राज्यामधील कोकण, नाशिक, पुणे, औरंगाबाद, अमरावती व नागपूर विभागीय कार्यालयाकडून त्यांच्या आस्थापनेवर कार्यरत असलेल्या राजा राखीव मुख्याधिकाऱ्यांच्या वेतन व भत्त्यावरील खर्च भागविण्यासाठी अनुदान दिले जाते.

१२. १५वा वित्त आयोग :

सन २०२०-२१ या वर्षापासून १५वा वित्त आयोग लागू झालेला आहे. १५ व्या वित्त आयोगाअंतर्गत राज्यातील नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांना Million Plus Cities व Non-Million Plus Cities यासाठी स्वतंत्र निधी मंजूर करण्यात येणार आहे. Million Plus Cities अंतर्गत राज्यातील पुढील महानगरपालिका/Urban Agglomeration यांचा समावेश आहे. बृहन्मुंबई (Greater Mumbai Agglomeration), पुणे (Pune Agglomeration) नागपूर (Nagpur Agglomeration) नाशिक (Nashik Agglomeration) औरंगाबाद (Aurangabad Agglomeration) वसई-विरार शहर या नागरी समूहाचा समावेश करण्यात आलेला आहे. इतर सर्व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांचा समावेश Non-Million Plus Cities गटात करण्यात आलेला आहे. सन २०२१-२२ ते २०२५-२६ या कालावधीसाठी रु. ११,६११ कोटी इतका निधी चिन्हांकित करण्यात आलेला आहे.

१३. वस्तू व सेवाकर भरपाई :

केंद्र शासनाने अधिसूचित केल्यानुसार संपूर्ण देशात वस्तू व सेवा कराची अंमलबजावणी दिनांक १ जुलै २०१७ पासून सुरू झाली आहे. भारताच्या संविधानाच्या राज्यसूचीच्या सूची-दोन मधील नोंद क्र. ५२ वगळण्यात आल्यामुळे प्रवेश कर, जकात कर, स्थानिक संस्था कर, उपकर बंद करण्यात आले असल्याने स्थानिक प्राधिकरणांना भरपाई देण्याबाबत निर्णय घेण्यात आला आहे. यासाठी महाराष्ट्र वस्तू व सेवा कर (स्थानिक प्राधिकरणांना भरपाई देण्याबाबत) अधिनियम, २०१७ प्रसिद्ध करण्यात आला आहे. वस्तू व सेवा कर प्रणाली लागू केल्यामुळे महानगरपालिकांच्या उत्पन्नांमध्ये येणारी तूट भरून काढण्यासाठी शासनाकडून सहायक अनुदान देण्यात येते.

(क) इतर महत्त्वाचे निर्णय व कार्यक्रम—

- (१) गुंठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१
- (२) अधिनियमातील महत्त्वाच्या सुधारणा
- (३) नागरी संस्थांमध्ये दुहेरी लेखा पद्धती
- (४) महाराष्ट्र नागरी मूलभूत सुविधा निधी (MUIF)
- (५) महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधीचे ध्येय.

१. महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१ :

अधिनियमात सुधारणा

व्याख्या—अतिक्रमणाखाली जमिन वगळून खाजगी मालकीच्या जमिनीची, तसेच नागरी (कमाल मर्यादा व विनियमन), १९७६ याखालील राज्य शासनाकडे विहिती नसलेल्या अतिरिक्त रिकाम्या जमिनीसह, अशा भूखंडावरील इमारतीसह जमिनीची अनधिकृतपणे पोटविभागणी करून तयार केलेले भूखंड.

पार्श्वभूमी—खाजगी जमिनीची अनधिकृतपणे पोटविभागणी करून भूखंड तयार करणे आणि निवासी गाळ्यांचे बांधकाम करण्याकरिता ते गरजू व्यक्तींकडे हस्तांतरित करणे ही प्रवृत्ती वाढीस लागली होती. जरी गुठेवारी विकास बेकायदेशीर असला आणि अशा विकासास पायबंद घालणे अत्यंत गरजेचे आहे असे असले तरी त्याचवेळी अशा भूखंडावर मोठ्या प्रमाणात असलेली जुनी व दीर्घकालीन अस्तित्वात असलेली बांधकामे पाडून टाकणे व्यवहार्य नाही किंवा इष्टही नाही. औपचारिक गृहनिर्माण बाजारपेठ दर्जा व किंमत या दोन्ही बाबतीत समाजातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांच्या निवाऱ्याच्या गरजा पूर्ण करण्यास अपयशी ठरल्यामुळे अशा गोष्टी घडतात. गुठेवारी विकास हा अनौपचारिक गृहनिर्माणाचा प्रकार असून तो सदोष आणि अपूर्ण असला तरी सामान्य लोकांना त्यांच्या निवाऱ्याच्या गरजा भागविण्याच्या दृष्टीने पाहिले गेले आणि महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१ मंजूर होवून दिनांक ३० एप्रिल २००१ पासून अंमलात आणला गेला.

अधिनियमाची व्याप्ती—मुंबई महानगर प्रदेश, अनुसूचित क्षेत्रे, पर्यावरणदृष्ट्या संवेदनशील विभाग, गिरीस्थाने, विशेष पर्यटन क्षेत्रे वगळता दिनांक १ जानेवारी २००१ रोजी किंवा त्यापूर्वी अस्तित्वात असलेला गुठेवारी विकास या अधिनियमान्वये नियमितीकरणसाठी पात्र असेल.

अधिनियमाची अंमलबजावणी—अधिनियमातील तरतुदीनुसार गुठेवारी अंतर्गत झालेला विकास नियमित करण्याची कार्यवाही संबंधीत **नियोजन प्राधिकरणे** (महानगरपालिका, नगरपालिका, नगरपंचायती) व जिल्हाधिकारी यांचेकडून करण्यात येत आहे. महानगरपालिका क्षेत्रात महानगरपालिका आयुक्त व नगरपालिका, नगरपंचायत क्षेत्रात मुख्याधिकारी आणि इतर क्षेत्रात जिल्हाधिकारी यांच्यावर या अधिनियमाच्या अंमलबजावणीची जबाबदारी आहे.

अधिनियमात सुधारणा करण्याची आवश्यकता :

(१) सदर अधिनियमाची अंमलबजावणी राज्याच्या काही भागात परिणामकारकरित्या झालेली नाही. बरेच भूखंडधारक या लाभापासून वंचित आहे.

(२) आर्थिक दुर्बल घटक व सामान्य लोकांच्या निवाऱ्याच्या गरजा पूर्ण करणे हा सकारात्मक दृष्टीकोण ठेवून सदर बदल करण्यात आला आहे.

(३) गुठेवारी नियमितीकरणाअभावी अल्प उत्पन्न व मध्यम उत्पन्न गटातील लोकांना शासकीय योजनांचे लाभ घेण्यावर मर्यादा येत आहेत. त्यामुळे या गटातील लोकांची मागणी विचारात घेता सदर बदल करण्यात आला आहे.

(४) दिनांक १ जानेवारी २००१ नंतरही गुठेवारी पद्धतीचा विकास झालेला असून सदर विकास हा अधिनियमातील उपरोक्त तरतुदीमुळे नियमानुकूल होऊ शकलेला नाही. त्यामुळे सदर विकास हा अनधिकृत स्वरूपाचा ठरत आहे.

(५) या भूखंडांना सार्वजनिक सुविधा देण्यास नियोजन प्राधिकरणास अडचणी येत असल्याने त्यानुषंगाने गुठेवारी विकास नियमितीकरणबाबतचा दिनांक वाढविण्याबाबतची मागणी सातत्याने नियोजन प्राधिकरणांकडून शासनास करण्यात येत होती.

मंत्रिमंडळ निर्णय—उपरोक्त वस्तुस्थिती तसेच नियोजन प्राधिकरणांची विनंती विचारात घेऊन बुधवार, दिनांक ६ जानेवारी २०२१ च्या मा. मंत्रिमंडळाच्या बैठकीमध्ये महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१ मधील कलम ३ (१) व त्याच्या परंतुकामध्ये सुधारणा करणेबाबतच्या प्रस्तावास मान्यता मिळाली. त्यानुसार गुठेवारी विकास नियमित करणेबाबतचा पायाभूत दिनांक १ जानेवारी २०२१ ऐवजी तो दिनांक ३१ डिसेंबर २०२० अशी सुधारणा करण्यात आलेली आहे.

अधिनियमात सुधारणा—‘महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१’ अधिनियमातील कलम ३ (१) व त्याच्या परंतुकामध्ये नमूद दिनांकात १ जानेवारी २००१ ऐवजी **दिनांक ३१ डिसेंबर २०२०** अशी सुधारणा करण्यात आलेली आहे. सदर सुधारणा **दिनांक १२ मार्च २०२०** पासून अंमलात आलेली आहे.

‘महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) अधिनियम, २००१’ मधील कलम ३ (३) नुसार गुठेवारी विकास नियमित करताना आकारावयाचे विकास शुल्क आणि प्रशमन शुल्क निश्चित करण्यात आले असून याबाबतचे आदेश **दिनांक १८ ऑक्टोबर २०२१** रोजी शासनाच्या संकेतस्थळावर प्रसिद्ध करण्यात आले आहे.

२. अधिनियमातील महत्त्वाच्या सुधारणा :

राज्यातील महानगरपालिका, नगरपरिषदा, नगरपंचायती, यांचा कारभार मुख्यत्वे खालील नमूद केलेल्या अधिनियमानुसार चालतो.

(१) मुंबई महानगरपालिका अधिनियम, १८८८

(२) महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम,

(३) महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम, १९६५.

३. नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीची अंमलबजावणी (Double entry system on Accrual Basis) :

राज्यातील नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीची अंमलबजावणी करण्यासाठी शासनाने दिनांक ६ जुलै, २००५ रोजी शासन निर्णय काढला असून सर्व महानगरपालिका व “अ” वर्ग नगरपालिकेमध्ये दिनांक १ एप्रिल, २००५ पासून अंमलबजावणी सुरू झाली आहे. तसेच “ब” व “क” वर्ग नगरपालिकांमध्ये सन २००६-०७ पासून अंमलबजावणी सुरू झाली आहे.

या लेखा पद्धतीची प्रभावीपणे अंमलबजावणी होण्यासाठी व समन्वय नियंत्रण ठेवण्यासाठी समन्वय संस्था (Nodal Agency) म्हणून आयुक्त तथा संचालक, नगरपालिका प्रशासन संचालनालय यांची नियुक्ती केली आहे.

सदर पद्धतीची अंमलबजावणीकरिता तांत्रिक सहाय्य व इतर आवश्यक मदत करण्यासाठी नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयांतर्गत लेखा सुधारणा कक्षाची स्थापना केली आहे.

उपरोक्त शासन निर्णयानुसार विनिर्दिष्ट नियम पुस्तिका तयार करणे नगरपालिका/महानगरपालिका कायद्यात आवश्यक त्या सुधारणा सुचविणे इत्यादीसाठी मा. प्रधान सचिव (नवि) यांचे अध्यक्षतेखाली कर्णधार समिती (Steering Committee) गठीत करण्यात आली असून समितीची कार्यकक्षा खालीलप्रमाणे निश्चित केली आहे :-

- (१) राज्य विनिर्दिष्ट लेखा संहिता मान्य करणे.
- (२) दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीच्या अंमलबजावणी संदर्भात दुहेरी लेखा कक्षाकडून प्रस्तावित केलेल्या/करण्यात येणाऱ्या सुधारणांबाबत निर्णय घेणे.
- (३) राज्यातील महानगरपालिका/नगरपरिषदांच्या दुहेरी लेखा नोंदपद्धत अंमलबजावणी कामकाजाचा आढावा घेणे.

कार्यक्रमाची ठरविलेली उद्दिष्टे —

* राज्यातील सर्व नगरपरिषदांमध्ये नगरपरिषद स्तरावर नेमण्यात आलेल्या सनदी लेखापालाकडून दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीची अंमलबजावणी करणे.

* २८ महानगरपालिकांमध्ये उपार्जित तत्त्वावरील दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीच्या अंमलबजावणी कामाचे संनियंत्रण करणे.

राज्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये दुहेरी नोंद लेखा पद्धतीच्या अंमलबजावणीसाठी राज्य विनिर्दिष्ट लेखा संहिता तयार करण्याचे काम नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयांतर्गत कार्यरत लेखा सुधारणा कक्षातर्फे हाती घेण्यात आले. राज्य विनिर्दिष्ट लेखा संहिता तयार करण्यासाठी संचालनालयाने प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागाराची नेमणूक केली. प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागारांनी राज्य विनिर्दिष्ट लेखा संहितेचे प्रारूप तयार केले व ते कर्णधार समितीने मान्य केले असून दिनांक २३ जानेवारी २०१३ च्या अधिसूचनेनुसार राज्य विनिर्दिष्ट लेखा संहिता प्रसिद्ध करण्यात आली आहे. सदर लेखासंहिता दिनांक ११ नोव्हेंबर २०१४ पासून लागू करण्यात आली आहे.

४. महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधी (MUIF) :

महाराष्ट्र नागरी लोकसंख्या झपाट्याने वाढत आहे. परंतु नागरी सुविधांचा विकास मात्र त्याच वेगाने होऊ शकलेला नाही. नागरी भागातील मुलभूत सुविधांच्या विकासासाठी निधीची एकंदर उपलब्धता ही मोठी अडचण नसून बहुतांशी नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांतर्फे प्रकल्प तयार करण्याचे आणि वित्तीय संस्था व भांडवली बाजारातून निधी उभा करण्यासाठी लागणारे कौशल्य पुरेशा प्रमाणात उपलब्ध नाही.

नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये जरी अधिक भांडवली गुंतवणूक मिळविण्याची संभाव्य क्षमता असली तरी उत्पन्नात वाढ आणि सुविधा पुरविण्यातील कार्यक्षमता यामध्ये सुधारणा करण्याची त्यांची क्षमता मर्यादित आहे. त्यांच्या अडचणीवर मात करण्यासाठी आणि त्यांच्या भांडवली गुंतवणूक क्षमतेचा विकास करण्यासाठी व प्रोत्साहन देण्याकरिता नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांना मदत करणारी कोणतीही यंत्रणा अस्तित्वात नव्हती. अशी यंत्रणा उपलब्ध व्हावी म्हणून महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधी (MUIF) नावाची एक स्वतंत्र संस्था स्थापन करण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे.

त्यानुसार महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधी (MUIF) मध्ये एक विश्वस्थ निधी (Trust Fund) व महाराष्ट्र अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड ट्रस्टी कंपनी लि. नावाची एक विश्वस्थ कंपनी (Trustee Company) व महाराष्ट्र अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्हलपमेंट कंपनी लि. नावाची एक मत्ता व्यवस्थापन कंपनी (Asset Management Company) यांचा समावेश आहे.”

५. महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधीचे ध्येय—

सार्वजनिक, खाजगी व सामूहिक क्षेत्रातील सहभागाद्वारे राज्यातील नागरी क्षेत्रात पुरेशा, कार्यक्षम, परवडण्याजोगा, आधुनिक आणि कायमस्वरूपी अशा नागरी मूलभूत सुविधांच्या विकासासाठी सहाय्य करणे.

महाराष्ट्र नागरी मुलभूत सुविधा निधीची उद्दिष्टे —

- (अ) वित्तीय सहाय्यासाठी योग्य अशा प्रकल्पांच्या निर्मितीद्वारे नागरी मूलभूत सुविधांमधील गुंतवणूक वाढविण्यासाठी भांडवली बाजारातून निधी उपलब्ध करण्यास आणि वित्तीय संस्थांकडून प्रत्यक्ष निधी मिळविण्यास सहाय्य करणे.
- (आ) योग्य अशा पतवृद्धी उपाययोजनांद्वारे (Credit Enhancement) नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी प्राप्त करावयाच्या भांडवलाचा व्याजदर कमी करण्यास मदत करणे.
- (इ) नागरीक हा केंद्रबिंदू मानून नागरी सेवांचा पुरवठा व त्यासाठीचे वित्त सहाय्य यामधील खाजगी व सामूहिक क्षेत्रांच्या सहभागास उत्तेजन देणे.
- (ई) नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या पत क्षमतेमध्ये सुधारणा करणे.
- (उ) क्षमतेच्या विकास, प्रात्यक्षिक उपाययोजना आणि धोरणविषयक सुधारणा यांच्याद्वारे नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांत्मक सुधारणा करणे आणि त्या टिकवून ठेवणे.

अग्निसंरक्षण
Fire Adviser

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय आणि महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई

कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२३-२०२४

आगी लागण्याचे प्रसंग टाळावेत व आग लागल्यावर ती ताबडतोब विझविण्यासाठी व्यवस्था असावी म्हणून प्रत्येक विकसनशील देश अग्निशमन सेवा संघटीत करतो.

२. महाराष्ट्र राज्यात राज्यस्तरीय अग्निशमन सेवा उपलब्ध नाहीत आणि अग्निशमनाचे काम प्रामुख्याने नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था म्हणजेच महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायती तसेच विशेष नियोजन प्राधिकरणे उदा. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ, सिडको इत्यादीमार्फत केले जाते. एम.आय.डी.सी. व सिडको यांची स्वतःची अग्निशमन सेवा आहे. राज्यात आता सुमारे १५० पेक्षा जास्त नवीन नगरपरिषदा/नगर पंचायती नव्याने निर्माण करण्यात आलेल्या आहेत. महाराष्ट्रातील ज्या महानगरपालिका/नगरपरिषदा यांचेकडे अग्निशमन सेवा आहेत/नाहीत त्याबाबतचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे :-

| अ. क्र. | स्थानिक स्वराज्य संस्था | एकूण | अग्निशमन सेवा | |
|-------------|-------------------------|------------|---------------|------------|
| | | | आहेत | नाहीत |
| १ | अ+वर्ग महानगरपालिका | ०१ | ०१ | ०० |
| २ | अ-वर्ग महानगरपालिका | ०२ | ०२ | ०० |
| ३ | ब-वर्ग महानगरपालिका | ०३ | ०३ | ०० |
| ४ | क-वर्ग महानगरपालिका | ०४ | ०४ | ०० |
| ५ | ड-वर्ग महानगरपालिका | १७ | १७ | ०० |
| ६ | अ-वर्ग नगरपरिषदा | १७ | १७ | ०० |
| ७ | ब-वर्ग नगरपरिषदा | ७३ | ७१ | ०२ |
| ८ | क-वर्ग नगरपरिषदा | १५२ | १२७ | २५ |
| ९ | नगरपंचायती | १३९ | १५ | १२४ |
| एकूण | | ४०८ | २५७ | १५१ |

३. महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीवसंरक्षक उपाययोजना अधिनियम, २००६, नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था व विशेष नियोजन प्राधिकरण क्षेत्रात दिनांक ६ डिसेंबर २००८ पासून लागू झाला आहे. तसेच महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीवसंरक्षक उपाययोजना नियम, २००९, दिनांक २३ जून २००९ पासून अंमलात आले आहे. महाराष्ट्र आग प्रतिबंधक व जीवसंरक्षक उपाययोजना अधिनियम, २००६ व नियम, २००९ लागू झाल्याने अधिनियम व नियमांची अंमलबजावणी करण्यासाठी शासनाने संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा यांची नियुक्ती केली आहे.

४. केंद्रीय गृह मंत्रालयाच्या स्थायी अग्निशमन सल्लागार कौन्सिलच्या शिफारशीनुसार राज्यातील महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगर पंचायती यांच्या अग्निशमन सेवेतील त्रुटींचा आढावा या कार्यालयाने घेतला असून त्यानुसार काही महानगरपालिका वगळता सर्व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या अग्निशमन सेवेत मोठी तूट आहे. म्हणून ही तूट भरून काढण्यासाठी शासनाने शासन निर्णय, नगरविकास विभाग क्रमांक अशस-१४०७/३६०/प्र.क्र. २११/नवि-२०, दिनांक ३१ ऑगस्ट २००९ नुसार “महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अभियान” राबविण्यास शासनाने मान्यता दिली आहे.

५. महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अभियान अंतर्गत शासन हिस्सा व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था यांचा हिस्सा याबाबतचा वित्तीय आकृतीबंध पुढीलप्रमाणे सुधारित करण्यास शासन निर्णय, नगर विकास विभाग क्र.अशसे-२०१९/

प्र.क्र.६१/नवि-०४, दिनांक १२ मार्च २०२१ च्या शासन निर्णयान्वये शासन मंजुरी देण्यात आलेली आहे. तसेच नागरी स्वराज्य संस्थांच्या अग्निशमन सेवेतील जी वाहने १० वर्षापूर्वीची आहेत की ज्या अग्निशमन वाहनांचा ५००० तास ऑपरेशनल वापर झालेला आहे तशी अग्निशमन वाहने विहित पद्धत अवलंबून निकामी करून या अग्निशमन वाहनांच्या बदल्यात नवीन अग्निशमन वाहन खरेदी करण्यासाठी महाराष्ट्र अग्निशमन अभियानांतर्गत शासन अनुदान देण्यास मान्यता देण्यात आलेली आहे.

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अभियानांतर्गत राज्यातील नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांना वित्तीय अनुदान उपलब्ध करून देण्याचे सूत्र पुढीलप्रमाणे आहे :-

| अ. क्र. | नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था | शासन अनुदानाची टक्केवारी | नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या हिश्याची टक्केवारी |
|---------|-------------------------------|--------------------------|---|
| १ | महानगरपालिका-ड वर्ग | ७०% | ३०% |
| २ | नगरपरिषदा-अ वर्ग | ८०% | २०% |
| ३ | नगरपरिषदा-ब वर्ग | ९०% | १०% |
| ४ | नगरपरिषदा-क वर्ग | ९०% | १०% |
| ५ | नगर पंचायती | ९०% | १०% |

६. ज्या “ड” वर्ग महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायतींकडून परिपूर्ण सविस्तर प्रकल्प प्राप्त होऊन मंजूर झाले आहेत अशा “ड” वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा, नगरपंचायतीसाठी महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अभियानामध्ये सन २०१२-२०१३, २०१३-२०१४, २०१४-२०१५, २०१५-२०१६, २०१६-२०१७, २०१७-२०१८, २०१८-२०१९, २०१९-२०२० तसेच २०२१-२०२२ या मागील १० वर्षांत मंडळनिहाय खालीलप्रमाणे शासन अनुदान वितरित करण्यात आले आहे.

(रुपये लाखात)

| अ. क्र. | वर्ष | मराठवाडा विकास मंडळ | विदर्भ विकास मंडळ | उर्वरित महाराष्ट्र मंडळ | एकूण वितरित अनुदान |
|-------------|---------|---------------------|-------------------|-------------------------|--------------------|
| १ | २०१२-१३ | १४४.०० | ९२.७५ | २५२.७५ | ४८९.५० |
| २ | २०१३-१४ | ११९.१५ | २९३.०० | ६८२.८० | १०९४.९५ |
| ३ | २०१४-१५ | ८२.३५ | ६६.४० | ४८.०० | १९६.७५ |
| ४ | २०१५-१६ | ००.०० | ७३.५० | ६६.५० | १४०.०० |
| ५ | २०१६-१७ | ६४.०० | १०६.०० | ८८.०० | २५८.०० |
| ६ | २०१७-१८ | ००.०० | ००.०० | ६४.०० | ६४.०० |
| ७ | २०१८-१९ | २५६.०० | ४७२.५० | ३९८.२५ | ११२६.७५ |
| ८ | २०१९-२० | ००.०० | ००.०० | ३२.०० | ३२.०० |
| ९ | २०२०-२१ | ००.०० | ००.०० | ००.०० | ००.०० |
| १० | २०२१-२२ | ००.०० | १३९.५० | ४८८.५० | ६२८.०० |
| एकूण | | ६६५.५० | १२४३.६५ | २१२०.८० | ४०२९.९५ |

७. सुमारे १५० पेक्षा जास्त नगरपरिषदा/नगरपंचायती नव्याने निर्माण झालेल्या आहेत. शासन निर्णय, नगरविकास विभाग क्र. संकिकर्ण-२०१६/प्र.क्र. २७/नवि-२०, दिनांक १२ ऑगस्ट २०१६ (प्रत सोबत जोडली आहे) अन्वये राज्यात नव्याने निर्माण झालेल्या/होणाऱ्या “ड” वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायतीमधील अग्निशमन सेवेची तूट भरून काढण्यासाठी महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अभियान या योजनेत समावेश करण्यात मंजुरी दिलेली असून त्यांचा समावेश सन २०२३-२०२४ च्या वार्षिक

योजनेमध्ये समावेश केला आहे. शासन निर्णय, नगरविकास विभाग क्र. अशासे-२०१९/प्र.क्र. ६१/नवि-०४, दिनांक १२ मार्च २०२१ (प्रत सोबत जोडली आहे) अन्वये महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियान अंतर्गत अग्निशमन केंद्र बांधणी व अग्निशमन वाहनाच्या खरेदीसाठी अनुज्ञेय खर्चाची सुधारित मर्यादा व सुधारित वित्तीय आकृतीबंध मंजूर करण्यात आला आहे. त्यानुसार सदर योजनेमध्ये अनुज्ञेय अनुदानाची रक्कम सुधारित करण्यात आलेली आहे. त्यामुळे ही योजना एकूण रुपये ५६१.२० कोटीची झाली असून अनुज्ञेय खर्चाची सुधारित मर्यादा व सुधारित वित्तीय आकृतीबंधानुसार शासनाचा हिस्सा एकूण रुपये ४६०.६१ कोटी इतका आहे व “ड” वर्ग महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायतींचा एकूण हिस्सा रुपये १००.५९ कोटी इतका आहे. आतापर्यंत अकादमी तसेच एकूण २२९ महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायती रुपये १४५.७० कोटीचे वितरण झालेले असून सन २०२३-२०२४ या आर्थिक वर्षात उर्वरित “ड” वर्ग महानगरपालिका/नगरपरिषदा/नगरपंचायतीकरिता अजून रुपये ३१४.९१ कोटी शासन अनुदानाची तरतूद करण्याचा प्रस्ताव शासनास सादर केलेला आहे.

८. या योजनेसाठी सन २०२३-२०२४ साठी मंजूर होणारे शासन अनुदान “ड” वर्ग महानगरपालिका/नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायती यांचेकडून प्राप्त होणारे प्रस्ताव शासनास सादर करून शासन मान्यतेने वापरले जाणार आहे. विकास मंडळनिहाय सन २०२३-२४ साठी मागणी केलेले अनुदान खालीलप्रमाणे आहे.

(रुपये कोटीत)

| अ. क्र. | वर्ष | मराठवाडा विकास मंडळ | विदर्भ विकास मंडळ | उर्वरित महाराष्ट्र मंडळ | एकूण मागणी केलेले अनुदान |
|---------|---------|---------------------|-------------------|-------------------------|--------------------------|
| १ | २०२३-२४ | ४३.४१ | ८९.०४ | १८२.४६ | ३१४.९१ |

९. विद्यानगरी, सांताक्रुझ (पूर्व), मुंबई ४०० ०९८ येथील राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्राच्या जागी महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी प्रस्थापित करण्यास शासनाने प्रशासकीय मान्यता देऊन हे काम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाकडे डिपॉझिट कॉन्ट्रीब्यूशन तत्वावर पूर्ण केले असून ही अकादमी कार्यान्वित झालेली आहे.

१०. आपत्कालीन व्यवस्थापनात अग्निशमन सेवा हा महत्त्वाचा व अविभाज्य भाग आहे. नैसर्गिक आपत्ती, रासायनिक आगी, उंच इमारतीच्या आगी, रेल्वे दुर्घटना, विमान अपघात अशाप्रकारच्या दुर्घटनेत अग्निशमन व विमोचनाचे कार्य कसे करावे याबाबत कॉम्प्रेस्ड एअर ब्रिथिंग अॅपरेट्स व ट्रेनिंग गॅलरी, यांच्या माध्यमातून प्रत्यक्ष प्रशिक्षण देणे तसेच अशाप्रकारच्या सुविधा उपलब्ध करण्यासाठी प्रगत आंतरराष्ट्रीय शहरातील अग्निशमन अकादमीच्या धर्तीवर हॉट फायर ड्रिल, सिम्युलेटर, रेस्क्यू ऑपरेशन इत्यादी सुविधांचे प्रशिक्षण देणे ही काळाची गरज आहे. तथापि, अशाप्रकारचे प्रशिक्षण देण्यासाठी पालघर जिल्हा क्षेत्रामध्ये सुमारे १२.५० एकर जागा उपलब्ध होत आहे. या जागेमध्ये प्रगत अग्निशमन अकादमी प्रस्थापित करण्याचे प्रस्तावित असून या कामासाठी या अभियानांतर्गत रुपये ५०.०० कोटीचे नियतव्यय मंजूर झाले आहे. तथापि, मुंबईच्या जवळपास ५० एकर जागा मिळविण्याचा प्रयत्न सुरू आहे.

११. सन २००४ मध्ये संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा गट-अ या पदाची निर्मिती करून दिनांक १ जुलै २००५ पासून या पदावर नियमितपणे नेमणूक करण्यात आली आहे. सध्या या पदाचा अतिरिक्त कार्यभार देण्यात आलेला आहे. शासन निर्णय, नगरविकास विभाग क्र. संकिर्ण-२०१६/प्र.क्र. २४४/नवि-२०, दिनांक ३० जुलै २०१६ अन्वये महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय आणि महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी या कार्यालयासाठी अग्निशमन सल्लागार, महाराष्ट्र शासन यांच्या ऐवजी संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा, मुंबई यांना आहरण व संवितरण अधिकारी आणि नियंत्रण अधिकारी म्हणून घोषित केलेले आहे. त्यानुसार लेखाशिर्षामध्ये आवश्यक ते बदल करण्यात आलेले आहेत.

१२. अग्निशमन सेवा प्रभावीपणे काम करण्यासाठी हे कार्यालय महानगरपालिका/नगरपालिका यांच्याशी संपर्क ठेवतात. राज्यातील अग्निशमन सेवेतील अधिकारी/कर्मचारी यांच्या राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपूर येथे आयोजित होणाऱ्या प्रगत पाठ्यक्रमांसाठी या संचालनालयामार्फत शिफारशी करण्यात येतात. तसेच प्रजासत्ताक दिन व स्वातंत्र्यदिनानिमित्त मा. राष्ट्रपतींच्या वतीने जाहीर होणारी विविध प्रकारची अग्निशमन सेवा पदके उदा. (१) राष्ट्रपतींचे अग्निशमन सेवा शौर्य पदक (President's Fire Service Medal for Gallantry), (२) अग्निशमन सेवा शौर्य पदक (Fire Service Medal for Gallantry), (३) उल्लेखनीय सेवेसाठी राष्ट्रपतींचे अग्निशमन सेवा पदक (President's Fire Service Medal for Distinguished Service) आणि (४) गुणवत्तापूर्ण सेवेसाठी अग्निशमन सेवा पदक (Fire Service Medal for Meritorious Service) या पदकांच्या शिफारशीची छाननी करून त्या शिफारशी राज्य शासनामार्फत केंद्र सरकारचे गृह मंत्रालय, नवी दिल्ली यांना पाठविण्यात येतात. संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा हे केंद्रीय वित्त आयोग, राज्य शासनाच्या विविध योजना इ. च्या माध्यमातून व अन्य प्रकारे महाराष्ट्रातील अग्निशमन सेवांच्या सक्षमीकरणासाठी प्रस्ताव तयार करून निधी उपलब्ध करून देण्यात येतो. राज्यातील नगरपालिकांना अग्निशमन सेवा सुरू करण्यास या संचालनालयातर्फे संपूर्ण तांत्रिक सहाय्य करण्यात येते.

१३. दिनांक १४ एप्रिल १९४४ रोजी झालेल्या मुंबई गोदीतील स्फोटात अग्निशमन सेवेतील ज्या अधिकारी/कर्मचारी यांनी आपले प्राण गमाविले त्या धाडसी वीरांचे स्मरण म्हणून व जनतेस अग्निरोधनाचे शिक्षण व आगीपासून होणाऱ्या उपायांची माहिती देण्याच्या हेतूने केंद्र शासनाच्या आदेशाप्रमाणे दरवर्षी दिनांक १४ एप्रिल ते २० एप्रिल या कालावधीत राज्यात अग्निशमन सेवा सप्ताह पाळण्यात येतो. अग्निशमन सेवेतील कर्मचाऱ्यांच्या कल्याण निधी व अग्निशमन सेवा सप्ताहाचे उद्घाटन सर्वसाधारणपणे महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांना राजभवन येथे अग्निशमन सेवा सप्ताहाचा फ्लॅग प्रदान करून व त्यांचे हस्ते कल्याण निधीसाठी देणगी स्वीकारून केला जातो. हा सप्ताह पाळण्यासाठी महानगरपालिका/नगरपालिका यांच्या अग्निशमन सेवांना मदत करण्याच्या हेतूने अग्निशमनाचे विविध कार्यक्रम आयोजित केले जातात. या सप्ताहाचा एक भाग म्हणून इयत्ता ५वी ते ९वी च्या विद्यार्थ्यांसाठी राज्यस्तरीय निबंध व चित्रकला स्पर्धा आयोजित करण्यात येते. तसेच अग्निशमन सेवेतील कर्मचाऱ्यांच्या विविध फायर ड्रिल स्पर्धा आयोजित केल्या जातात. भिक्तीपत्रके, पिन फ्लॅग्स, सिनेमा स्लाईड्स याद्वारे अग्निशमनाबाबत जनजागृतीचे कार्यक्रम आयोजित केले जातात. दिनांक २० एप्रिल रोजी होणाऱ्या अग्निशमन सेवा सप्ताहाच्या समारोप समारंभप्रसंगी विविध अग्निशमन व विमोचन प्रात्यक्षिके व अग्निशमन सेवांचे संयुक्त संचलन आयोजित केले जाते. या प्रसंगी प्रमुख अतिथींना मानवंदना देऊन त्यांच्या शुभहस्ते विविध फायर ड्रिल स्पर्धा, चित्रकला/निबंध स्पर्धा यांच्या विजेत्यांना सन्मानचिन्ह व प्रमाणपत्रे प्रदान करण्यात येतात.

१४. महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय आणि महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी या कार्यालयांसाठी सन २०२१-२२ व २०२२-२३ या वित्तीय वर्षाकरिता मंजूर करण्यात आलेल्या योजनेतर तरतूदी पुढे दर्शविल्याप्रमाणे आहेत.

(रुपये लाखांत)

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव | सन २०२१-२०२२ | सन २०२२-२०२३ |
|--------|--|--------------|--------------|
| १ | महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, मुंबई. | ६५.४७ | ६५.८४ |
| २ | महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई. | २०६.८३ | १४२.५७ |

तक्ता क्रमांक १-अ

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई व प्रादेशिक अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्र येथे
आयोजित झालेले/होणारे विविध प्राथमिक अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम दर्शविणारा तक्ता

| अ. क्र. | पाठ्यक्रमाचे नाव | वर्ष | पाठ्यक्रमाची क्षमता | पाठ्यक्रमाचा कालावधी | घेतलेल्या पाठ्यक्रमाची संख्या | प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थ्यांची संख्या | शेरा |
|---------|---|--------------------------------------|---------------------|--|-------------------------------|---------------------------------------|--|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| १ | प्राथमिक अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (पुरस्कृत उमेदवारांकरिता). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | ३ महिने ३ महिने ३ महिने | .. ०३ ०४ | .. ७५ १२० | |
| २ | अग्निशामक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (खाजगी उमेदवारांकरिता). प्रादेशिक अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्रांसह. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | ६ महिने ६ महिने ६ महिने | ०८ २० | ३०७ ६०० | |
| ३ | मूलभूत अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (सुरक्षा कर्मचारी यांचेकरिता). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | १५ कामांचे दिवस. १५ कामांचे दिवस. १५ कामांचे दिवस. | ०४ | १२० | आस्थापनांच्या मागणीप्रमाणे पाठ्यक्रम आयोजित करण्यात येतात. |
| ४ | Basic Fire Prevention, First Aid and Evacuation Course. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | २ कामांचे दिवस. २ कामांचे दिवस. २ कामांचे दिवस. | ०४ | १२० | आस्थापनांच्या मागणीप्रमाणे पाठ्यक्रम आयोजित करण्यात येतात. |
| ५. | Refresher Training Course to Fireman, Leading Fireman, etc. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | ३० कामांचे दिवस. २ कामांचे दिवस. ३० कामांचे दिवस | ०४ | १२० | आस्थापनांच्या मागणीप्रमाणे पाठ्यक्रम आयोजित करण्यात येतात. |

टीप.—सन २०२२-२०२३ चे आकडे अंदाजित आहेत.

तक्ता क्रमांक १-ब

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई येथे आयोजित झालेले/होणारे विविध प्रगत अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम दर्शविणारा तक्ता

| अ. क्र. | पाठ्यक्रमाचे नाव | वर्ष | पाठ्यक्रमाची क्षमता | पाठ्यक्रमाचा कालावधी (आठवडे) | घेतलेल्या पाठ्यक्रमाची संख्या | प्रशिक्षित प्रशिक्षणाथ्यांची संख्या | शेरा |
|---------|--|--------------------------------------|---------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------------|------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| १. | उप अग्निशमन अधिकारी व अग्निप्रतिबंधक अधिकारी पाठ्यक्रम | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ४० ४० ४० | ५२ ५२ ५२ | ०१ ०१ ०१ | ४० ४० ४० | |
| २. | आग प्रतिबंधक अधिकारी पाठ्यक्रम | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ४० ४० २० | २० २० ०२ | ०४ | ८० | |
| ३. | डिप्लोमा ऑफ स्टेट फायर अॅकॅडमी अॅण्ड नॉमिनेटेड ऑफिसर्स कोर्स (निवासी). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | २० २० २० | २६ २६ २६ | ०१ | २० | |
| ४. | ब्रिदींग अॅपरेटस ट्रेनिंग कोर्स-बेसिक (निवासी). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | २० २० ३० | २ २ २ | २ | ६० | |
| ५. | ब्रिदींग अॅपरेटस ट्रेनिंग कोर्स-अॅडव्हान्स (निवासी). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | २ २ २ | १ | ३० | |
| ६. | लायसन्स एजंसीस ट्रेनिंग कोर्स (निवासी). | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० १६ | १ १ १ | ४ | ६४ | |
| ७. | ट्रेनिंग फॉर ट्रेनर्स कोर्स/अर्बन सर्च अॅण्ड रेस्क्यू कोर्स. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | १६ १६ ३० | ३ ३ ३ | २ | ६० | |
| ८. | ट्रेनिंग प्रोग्रॅम फॉर आर्किटेक्ट (निवासी) | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० १६ | १ १ १ | ४ | ६४ | |
| ९. | एक्झेक्युटिव्ह डेव्हेलोपमेन्ट प्रोग्रॅम (निवासी) | | | | | | |
| | हॉटेल | १६ | २०२१-२०२२ | १६ | १ | .. | .. |
| | हॉस्पिटल | १६ | २०२२-२०२३ | १६ | १ | .. | .. |
| | एअर लाईन इंडस्ट्रीज | १६ | २०२३-२०२४* | १६ | १ | ४ | ३८४ |
| | हाय राईज बिल्डिंग | १६ | | | | | |
| | इंडस्ट्रीज | १६ | | | | | |
| | मॉल्स | १६ | | | | | |
| १०. | कॉम्प्युटर ट्रेनिंग फॉर सिनियर फायर ऑफिसर्स. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | १६ १६ १६ | १ १ १ | ३ | ४८ | |
| ११. | सर्च अॅण्ड रेस्क्यू कोर्स | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ३० ३० ३० | २ २ २ | २ | ६० | |
| १२. | सेमिनार फॉर फायर प्रोफेशनल्स | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | १०० १०० १०० | एक दिवस एक दिवस एक दिवस | २ | २०० | |
| १३. | लॉचिंग/प्रमोशन ऑफ फायर टेक्नॉलॉजी प्रॉडक्ट. | २०२१-२०२२ २०२२-२०२३ २०२३-२०२४* | ५० ५० ५० | एक दिवस एक दिवस एक दिवस | ६ | ३०० | |

टीप.— सन २०२३-२०२४ चे आकडे अंदाजित आहेत.

तक्ता क्रमांक २-अ

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, मुंबई

कर्मचारीवर्गाचा गोषवारा

| अ.क्र. | पदनाम | गट | वेतनमान - ७ वा वेतन आयोग | | पदांची संख्या | | |
|--|----------------------------------|-----|--------------------------|-------|---------------|-----------|-----------|
| | | | वेतन बॅन्ड | स्तर | २०२१-२०२२ | २०२२-२०२३ | २०२३-२०२४ |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (९) |
| (अ) मंजूर पदे—महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, मुंबई | | | | | | | |
| १ | संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा | अ | ७८८००-२०९२०० | एस-२५ | १ | १ | १ |
| २ | वरिष्ठ लिपिक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | १ | १ | १ |
| ३ | लिपिक-टंकलेखक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | १ | १ | १ |
| ४ | वाहन चालक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | १ | १ | १ |
| ५ | शिपाई | ड | १५०००-४७६०० | एस-१ | १ | १ | १ |
| एकूण (अ) ... | | | | | ५ | ५ | ५ |
| (ब) शासन निर्णय : नविनि, दिनांक २६ मार्च २०२१ अन्वये मंजूर केलेली पदे—महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, मुंबई | | | | | | | |
| १ | सहायक संचालक | अ | ५६१००-१७७५०० | एस-२० | .. | २ | २ |
| २ | लेखापाल | क | ३८६००-१२२८०० | एस-१४ | .. | १ | १ |
| ३ | अग्निशामक-विमोचक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | .. | १ | १ |
| एकूण (ब) ... | | | | | .. | ४ | ४ |
| (क) शासन निर्णय : नविनि, दिनांक २६ मार्च २०२१ अन्वये मंजूर केलेली पदे—राज्य अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष | | | | | | | |
| १ | सहायक विभागीय अग्निशमन अधिकारी | ब | ४७६००-१५११०० | एस-१७ | .. | ४ | ४ |
| २ | अग्निशमन केंद्र अधिकारी | ब | ४४९००-१४२४०० | एस-१६ | .. | ४ | ४ |
| ३ | सहायक अग्निशमन केंद्र अधिकारी | क | ४१८००-१३२३०० | एस-१५ | .. | ४ | ४ |
| ४ | अग्निशामक-विमोचक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | .. | ४ | ४ |
| एकूण (क) ... | | | | | .. | १६ | १६ |
| (ड) शासन निर्णय : नविनि, दिनांक २६ मार्च २०२१ अन्वये मंजूर केलेली पदे—३६ जिल्हा मुख्यालय | | | | | | | |
| १ | सहायक संचालक | अ | ५६१००-१७७५०० | एस-२० | .. | ३६ | ३६ |
| २ | अग्निशमन केंद्र अधिकारी | ब | ४४९००-१४२४०० | एस-१६ | .. | ३६ | ३६ |
| एकूण (ड) ... | | | | | .. | ७२ | ७२ |
| एकूण (अ + ब + क + ड) ... | | | | | ०५ | ९७ | ९७ |

तक्ता क्रमांक २-ब

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई

कर्मचारी वर्गाचा गोषवारा

| अ.क्र. | पदनाम | गट | वेतनमान | | पदांची संख्या | | |
|---|--------------------------------------|-----|--------------|-------|---------------|-----------|-----------|
| | | | वेतन बॅन्ड | स्तर | २०२१-२०२२ | २०२२-२०२३ | २०२३-२०२४ |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) |
| (अ) मंजूर पदे—महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई | | | | | | | |
| १ | वरिष्ठ प्रशिक्षक | ब | ४४९००-१४२४०० | एस-१६ | १ | १ | १ |
| २ | अधीक्षक | क | ३८६००-१२२८०० | एस-१४ | १ | १ | १ |
| ३ | लेखापाल | क | ३८६००-१२२८०० | एस-१४ | १ | १ | १ |
| ४ | लघुलेखक (निम्नश्रेणी) | क | ३८६००-१२२८०० | एस-१४ | १ | १ | १ |
| ५ | कनिष्ठ प्रशिक्षक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | १ | १ | १ |
| ६ | अग्निशमन प्रणेता | क | २५५००-८११०० | एस-८ | १ | १ | १ |
| ७ | चालक-यंत्रचालक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | १ | १ | १ |
| ८ | अग्निशामक | ड | १९९००-६३२०० | एस-६ | ४ | ४ | ४ |
| ९ | शिपाई | ड | १५०००-४७६०० | एस-१ | १ | १ | १ |
| १० | रखवालदार | ड | १५०००-४७६०० | एस-१ | १ | १ | १ |
| ११ | सफाई कामगार | ड | १५०००-४७६०० | एस-१ | १ | १ | १ |
| एकूण (अ) .. | | | | | १४ | १४ | १४ |
| (ब) शासन निर्णय : नविवि, दिनांक २६ मार्च २०२१ अन्वये मंजूर केलेली पदे—महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई | | | | | | | |
| १ | सहायक समादेशक अधिकारी | अ | ५६१००-१७७५०० | एस-२० | .. | १ | १ |
| २ | वरिष्ठ प्रशिक्षक/केंद्र अधिकारी | ब | ४४९००-१४२४०० | एस-१६ | .. | २ | २ |
| ३ | ग्रंथपाल | क | २९२००-९२३०० | एस-१० | .. | १ | १ |
| ४ | उप अग्निशमन अधिकारी/कनिष्ठ प्रशिक्षक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | .. | ४ | ४ |
| ५ | प्रयोगशाळा सहायक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | .. | १ | १ |
| ६ | वरिष्ठ लिपिक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | .. | १ | १ |
| ७ | प्रमुख अग्निशामक विमोचक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | .. | १ | १ |
| ८ | चालक-यंत्रचालक | क | २५५००-८११०० | एस-८ | .. | १ | १ |
| ९ | वसतीगृह-भांडारपाल | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | .. | १ | १ |
| १० | लिपिक टंकलेखक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | .. | १ | १ |
| ११ | अग्निशामक-विमोचक | क | १९९००-६३२०० | एस-६ | .. | ६ | ६ |
| एकूण (ब). ... | | | | | .. | २० | २० |
| एकूण (अ+ब) ... | | | | | १४ | ३४ | ३४ |

तक्ता क्रमांक ३-अ

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, मुंबई

मुख्य लेखाशीर्ष

नगर विकास विभाग, मागणी क्र. एफ-२

मुख्य लेखा शीर्षक, २०७०, इतर प्रशासनिक सेवा,

१०८, आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण (००) (०१) संचालन व प्रशासन,

शासनाचे संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, दत्तमत्त (२०७० ०३४३)

(रुपये हजारात)

| अ.क्र. | तपशील | प्रत्यक्ष खर्च २०२१-२०२२ | | | मंजूर अनुदान २०२२-२०२३ | | | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२३-२०२४* | | |
|----------|---------------------------------|-----------------------------|-------------|------|---------------------------|-------------|------|----------------------------------|-------------|-------|
| | | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) | (९) | (१०) | (११) |
| १ | वेतन (०१) | .. | २४८१ | २४८१ | .. | ४९८७ | ४९८७ | .. | १०००० | १०००० |
| २ | अतिकालीक भत्ता (०३) | .. | ० | ० | .. | ३७ | ३७ | .. | ५०० | ५०० |
| ३ | दूरध्वनी, वीज व पाणी देयके (०६) | .. | ० | ० | .. | ५०० | ५०० | .. | ५०० | ५०० |
| ४ | कंत्राटी सेवा (१०) | .. | ० | ० | .. | १०० | १०० | .. | १०० | १०० |
| ५ | देशांतर्गत प्रवास खर्च (११) | .. | ० | ० | .. | २० | २० | .. | ५०० | ५०० |
| ६ | विदेश प्रवास खर्च (१२) | .. | ० | ० | .. | १ | १ | .. | ५०० | ५०० |
| ७ | कार्यालयीन खर्च (१३) | .. | ० | ० | .. | ५२५ | ५२५ | .. | १७०० | १७०० |
| ८ | संगणक खर्च (१७) | .. | ० | ० | .. | १८४ | १८४ | .. | ७०० | ७०० |
| ९ | पेट्रोल, तेल व वंगण (२४) | .. | ० | ० | .. | १४० | १४० | .. | ७७५ | ७७५ |
| १० | जाहिरात खर्च (२६) | .. | ० | ० | .. | १० | १० | .. | ३०० | ३०० |
| ११ | व्यावसायिक व विशेष सेवा (२८) | .. | ० | ० | .. | १० | १० | .. | ७०० | ७०० |
| १२ | सहायक अनुदाने (वेतनेतर) (३१) | .. | ० | ० | .. | १० | १० | .. | ८०० | ८०० |
| १३ | इतर खर्च (५०) | .. | ० | ० | .. | ५० | ५० | .. | २२०० | २२०० |
| १४ | मोटर वाहने (५१) | .. | ० | ० | .. | १० | १० | .. | ७०० | ७०० |
| एकूण ... | | .. | २४८१ | २४८१ | .. | ६५८४ | ६५८४ | .. | १९९७५ | १९९७५ |

टीप.—सन २०२३-२०२४* चे आकडे अंदाजित आहेत.

तक्ता क्रमांक ३-ब

महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा अकादमी, मुंबई

मुख्य लेखाशीर्ष

नगरविकास विभाग, मागणी क्र. एफ-२

मुख्य लेखा शीर्षक, २०७०, इतर प्रशासनिक सेवा,

१०८, आगीपासून संरक्षण व नियंत्रण, (००) (०३) प्रशिक्षण,

शासनाच्या महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालयाच्या प्रशिक्षणाथर्ष्यांच्या आस्थापनेवरील खर्च दत्तमत्त (२०७० ०५७७)

(रुपये हजारात)

| अ.क्र. | तपशील | प्रत्यक्ष खर्च | | | मंजूर अनुदान | | | अर्थसंकल्पीय अंदाज | | | |
|--------|-------------------------------------|----------------|-------------|------|--------------|-------------|-------|--------------------|-------------|-------|--|
| | | २०२१-२०२२ | | | २०२२-२०२३ | | | २०२३-२०२४* | | | |
| | | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण | योजनेतर | योजनांतर्गत | एकूण | |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) | (७) | (८) | (९) | (१०) | (११) | |
| १ | वेतन (०१) | .. | ८९९१ | ८९९१ | .. | १०७०० | १०७०० | .. | २५५०० | २५५०० | |
| २ | अतिकालीक भत्ता (०३) | .. | ० | ० | .. | ९७ | ९७ | .. | १६० | १६० | |
| ३ | दूरध्वनी, वीज व पाणी देयके (०६) | .. | २१९ | २१९ | .. | ११०० | ११०० | .. | ४८०० | ४८०० | |
| ४ | कंत्राटी सेवा (१०) | .. | ० | ० | .. | १३२ | १३२ | .. | ५००० | ५००० | |
| ५ | देशांतर्गत प्रवास खर्च (११) | .. | ० | ० | .. | ३९ | ३९ | .. | १२०० | १२०० | |
| ६ | विदेश प्रवास खर्च (१२) | .. | ० | ० | .. | १ | १ | .. | १५०० | १५०० | |
| ७ | कार्यालयीन खर्च (१३) | .. | ० | ० | .. | ११६४ | ११६४ | .. | ५८०० | ५८०० | |
| ८ | भाडेपट्टी व कर (१४) | .. | ० | ० | .. | १७६ | १७६ | .. | ६००० | ६००० | |
| ९ | संगणक खर्च (१७) | .. | ० | ० | .. | ११ | ११ | .. | १२०० | १२०० | |
| १० | पेट्रोल, तेल व वंगण (२४) | .. | ० | ० | .. | ३८५ | ३८५ | .. | १७०० | १७०० | |
| ११ | जाहिरात खर्च (२६) | .. | ० | ० | .. | १ | १ | .. | ५०० | ५०० | |
| १२ | व्यावसायिक व विशेष सेवा (२८) | .. | ० | ० | .. | २५ | २५ | .. | १२०० | १२०० | |
| १३ | मोटार वाहने (५१) | .. | ० | ० | .. | ७५ | ७५ | .. | २१०० | २१०० | |
| १४ | यंत्र सामुग्री व साधन सामुग्री (५२) | .. | ० | ० | .. | ३५१ | ३५१ | .. | ३५०० | ३५०० | |
| | एकूण. . | .. | ९२१० | ९२१० | .. | १४२५७ | १४२५७ | .. | ६०१६० | ६०१६० | |

टीप.—सन २०२३-२०२४* चे आकडे अंदाजित आहेत.

महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान नव्याने
निर्माण झालेल्या / होणाऱ्या ड-वर्ग
महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच
नगरपंचायती मध्ये राबविण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
नगर विकास विभाग

शासन निर्णय क्रमांक:- संकिर्ण-२०१६/प्र.क्र.२७/नवि-२०

मंत्रालय, मुंबई- ४०० ०३२

दिनांक:- १२ ऑगस्ट, २०१६.

वाचा:- शासन निर्णय, नगर विकास विभाग क्र. अशस-१४६०/३६०/प्र.क्र.२११/नवि-२०, दिनांक ३१.०८.२००९.

शासन निर्णय:-

शासन निर्णय, नगर विकास विभाग क्र. अशस-१४६० / ३६० / प्र.क्र.२११ / नवि-२०, दिनांक ३१.०८.२००९ अन्वये महाराष्ट्रातील ड-वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायती यांच्या अग्निशमन सेवेतील तूट भरून काढण्याकरीता व राज्यातील अग्निशमन सेवेचे सक्षमीकरण करण्याकरीता विविध आवश्यक उपाययोजना करण्याच्या दृष्टीने "महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान" राबविण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे. सदर अभियान तेव्हा अस्तित्वात असलेल्या ड-वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायतीमध्ये राबविण्यात येत आहे. कालांतराने वाढत्या लोकसंख्येच्या पार्श्वभूमीवर नवीन ड-वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायती स्थापन करण्यात आल्या आहेत. त्यांचा समावेश महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियानात नसल्याने त्यांना सदर अभियानांतर्गत निधी मंजूर करणे शक्य होत नाही. याकरीता शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे:-

- अ) नव्याने निर्माण झालेल्या/ होणाऱ्या ड-वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायतीमधील अग्निशमन सेवेची तूट भरून काढण्यासाठी त्यांचा महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान योजनेत समावेश करण्यात यावा.
- आ) महाराष्ट्र अग्नि सुरक्षा अभियान योजनेत यापूर्वी "ड" वर्ग महानगरपालिका "अ", "ब" व "क" वर्ग नगरपरिषदा, नगरपंचायतींना मंजूर करण्यात आल्याप्रमाणे व संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय यांनी शिफारस केल्यानुसार त्यांना अग्निशमन केंद्र व अग्निशमन वाहन याकरीता शासन हिश्याची रक्कम मंजूर करण्यात यावी.
२. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आले असून त्याचा संगणक संकेतांक २०१६०८१२१६४७२६८३२५ असा आहे. हा निर्णय डिजिटल स्वाक्षरीने सांक्षारिक करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

Jayasingrao N Patil

Digitally signed by Jayasingrao N Patil
DN: cn=Jayasingrao N Patil, o=Deputy Secretary, postalCode=400032,
st=Maharashtra, cn=Jayasingrao N Patil
Date: 2016.08.12 16:55:53 +05:30

(ज. ना. पाटील)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

- १) मा. विरोधी पक्षनेते, दोन्ही सभागृह, महाराष्ट्र विधानमंडळ, मुंबई

- २) सर्व सन्माननीय विधानसभा/ विधानपरिषद व संसद सदस्य
- ३) मा. राज्यपाल महोदय यांचे सचिव
- ४) मा. मुख्यमंत्री महोदय यांचे प्रधान सचिव
- ५) सर्व मा. मंत्री / राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव
- ६) मा. राज्य निवडणूक आयोग यांचे कार्यालय
- ७) मा. मुख्य सचिव यांचे वरिष्ठ स्वीय सहाय्यक
- ८) मा. लोकआयुक्त व उपलोकआयुक्त यांचे कार्यालय
- ९) मुख्यमंत्री महोदय यांचे जनसंपर्क अधिकारी
- १०) राज्यातील सर्व महानगरपालिकांचे आयुक्त
- ११) आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, वरळी, मुंबई.
- १२) संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय, सांताक्रुझ (पूर्व), मुंबई.
- १३) मुख्याधिकारी (सर्व), नगरपरिषदा / नगरपंचायती
- १४) नगर विकास विभागातील सर्व कार्यासने
- १५) निवडनस्ती.

राज्यातील महानगरपालिका/नगरपरिषदांमध्ये अग्निशमन सेवेचे सक्षमीकरण करण्यासाठी राबविण्यात येणाऱ्या महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियानात सुधारणा करणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन

नगर विकास विभाग

शासन निर्णय क्रमांक-अशसे-२०१९/प्र.क्र.६१/नवि-०४

मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२.

दिनांक :- १२ मार्च २०२१.

वाचा :-

नगर विकास विभाग, शासन निर्णय, क्र. अशस-१४०७/प्र.क्र.२११/नवि-२०, दि.३१ ऑगस्ट, २००९.

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्रातील ड-वर्ग महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायती यांच्या अग्निशमन सेवेतील तुट भरून काढण्याकरीता व राज्यातील अग्निशमन सेवेचे सक्षमीकरण करण्याकरीता विविध आवश्यक उपाययोजना करण्याच्या दृष्टीने वाचा येथील दिनांक ३१ ऑगस्ट, २००९च्या शासन निर्णयान्वये "महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियान" राबविण्याचा निर्णय शासनाने घेतला आहे. या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थामध्ये अग्निशमन केंद्राची उभारणी व अग्निशमन यंत्रणासामुग्रीची खरेदीसाठी अनुदान वितरीत करण्यात येते. दिनांक ३१ ऑगस्ट, २००९ च्या शासन निर्णयानुसार अग्निशमन केंद्राच्या प्रकारानुसार अग्निशमन केंद्र बांधकामासाठी अनुज्ञेय खर्च व अनुज्ञेय खर्चाच्या मर्यादा निश्चित करण्यात आल्या आहेत. सदर अनुज्ञेय खर्चाच्या मर्यादेत सुधारणा करण्याचे तसेच वित्तीय आकृतीबंधात सुधारणा करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय :-

महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियानांतर्गत अग्निशमन केंद्र बांधणी व अग्निशमन वाहनाच्या खरेदीसाठी अनुज्ञेय खर्चाची मर्यादा पुढीलप्रमाणे सुधारीत करण्यास शासन मंजूरी देण्यात येत आहे.

| अ.क्र. | अग्निशमन केंद्र / अग्निशमन वाहन | अनुज्ञेय खर्चाची मर्यादा (रु.कोटीत) |
|--------|------------------------------------|-------------------------------------|
| १ | अग्निशमन केंद्र प्रकार -१ (FS-I) | २.०० |
| २ | अग्निशमन केंद्र प्रकार -२ (FS-II) | १.५० |
| ३ | अग्निशमन केंद्र प्रकार -३ (FS-III) | १.२५ |
| ४ | अग्निशमन केंद्र प्रकार -४ (FS-IV) | १.०० |
| ५ | अग्निशमन वाहन | ०.५५ |

२. महाराष्ट्र अग्निसुरक्षा अभियानांतर्गत शासन हिस्सा व ना.स्था.स्व.सं यांचा हिस्सा याबाबतचा वित्तीय आकृतीबंध पुढीलप्रमाणे सुधारीत करण्यास शासन मंजूरी देण्यात येत आहे.

शासन निर्णय क्रमांक:-अशासे-२०१९/प्र.क्र.६१/नवि-४

| अ.क्र. | नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था | शासन अनुदानाची टक्केवारी | नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या हिश्याची टक्केवारी |
|--------|-------------------------------|--------------------------|---|
| १ | महानगरपालिका- ड वर्ग | ७०% | ३०% |
| २ | नगरपरिषदा - अ वर्ग | ८०% | २०% |
| ३ | नगरपरिषदा - ब वर्ग | ९०% | १०% |
| ४ | नगरपरिषदा - क वर्ग | ९०% | १०% |
| ५ | नगरपंचायत | ९०% | १०% |

३. सद्यस्थितीत ज्या नागरी स्वराज्य संस्थाकडे अस्तित्वात असलेले अग्निशमन वाहन कालबाह्य झालेले आहे, अशा नागरी स्वराज्य संस्थांना देखील उपरोक्त परिच्छेद क्र.१ व २ प्रमाणे अनुज्ञेय अनुदानाची सुधारीत मर्यादा व सुधारीत वित्तीय आकृतीबंधानुसार अग्निशमन वाहन अनुज्ञेय राहिल.

४. यानुसार राज्यातील नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी आपले प्रस्ताव संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय यांच्याकडे सादर करावेत. संचालक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा संचालनालय यांनी केंद्रीय गृह मंत्रालयाच्या स्थायी अग्निशमन सल्लागार कौन्सीलच्या मार्गदर्शक तत्वातील अपेंडीक्स-९-ए नुसार वाहन निर्लेखित करण्याबाबतच्या मार्गदर्शक सुचना विचारात घेऊन नागरी स्वराज्य संस्थाकडे सद्यस्थितीत अस्तित्वात असलेले वाहन निर्लेखित केले असल्याबाबतची खातरजमा करून नवीन अग्निशमन वाहन खरेदीचे प्रस्ताव शासनास सादर करावेत.

५. वाचा येथील दिनांक ३१ ऑगस्ट, २००९ च्या शासन निर्णयातील इतर अटी व शर्ती कायम राहतील.

६. नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी उपरोक्त परिच्छेद क्र.१ व २ प्रमाणे अनुज्ञेय अनुदानाची सुधारीत मर्यादा व सुधारीत वित्तीय आकृतीबंधानुसार वाचा येथील दिनांक ३१ ऑगस्ट, २००९ च्या शासन निर्णयानुसार विहित कार्यपद्धती अनुसरून प्रस्ताव शासनास सादर करावेत.

७. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेत स्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२१०३१२१५३५२२६०२५ असा आहे. हा आदेश डिजिटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

PANDURANG
JOTIBA JADHAV

Digitally signed by PANDURANG JOTIBA JADHAV
DN: c=IN, o=Government Of Maharashtra, ou=URBAN DEVELOPMENT
DEPARTMENT, postalCode=400032, st=Maharashtra,
2.5.4.20=300A785e720c18100612110083e54e67da2b1bc63d18d8
c09b3c7eccc65, cn=PANDURANG JOTIBA JADHAV
Date: 2021.03.12 15:51:06 +05'30'

(पां.जो.जाधव)

सह सचिव, नगर विकास विभाग

प्रत,

१. मा.मंत्री यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई-३२

२. मा.राज्यमंत्री (नगरविकास) यांचे खाजगी सचिव.
३. आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, वरळी, मुंबई-१८.
४. विभागीय आयुक्त, सर्व.
५. जिल्हाधिकारी, सर्व.
६. आयुक्त, सर्व महानगरपालिका
६. संचालक, महाराष्ट्र अग्नीशमन सेवा संचालनालय.
६. महालेखापाल, महाराष्ट्र-१, मुंबई,
७. महालेखापाल, महाराष्ट्र-२, नागपूर,
८. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
९. सह संचालक, लेखा व कोषागारे, संगणक कक्ष, नवीन प्रशासकीय इमारत, मुंबई.
१०. अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई निवासी लेखा परिक्षा अधिकारी, मुंबई.
११. जिल्हा कोषागार अधिकारी, सर्व
१२. जिल्हा प्रशासन अधिकारी, सर्व
१३. मुख्याधिकारी, सर्व नगरपरिषद/नगरपंचायती
१४. वित्त विभाग, व्यय-३/ कोषा प्रशासन-५/अर्थसं-१६/नियोजन विभाग मंत्रालय, मुंबई.
१५. कार्यासन नवि-४ नगरविकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
१६. निवड नस्ती (नवि-०४), नगरविकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.

नगरपालिका प्रशासन
Municipal Administration

प्रस्ताविक

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय हे नगरविकास विभागाच्या अधिपत्याखालील राज्यस्तरीय कार्यालय आहे. राज्यातील नगरपरिषदांच्या नियंत्रणासाठी स्वतंत्र संचालनालयाची गरज विचारात घेऊन या संचालनालयासाठी स्वतंत्र संचालकांची नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. संचालक पदावर भारतीय प्रशासन सेवेतील सचिव दर्जाच्या अधिकाऱ्याची नियुक्ती दिनांक ७ डिसेंबर १९९३ पासून करण्यात येते. दिनांक ७ डिसेंबर १९९३ पूर्वी सचिव, नगरविकास विभाग हेच पदसिद्ध संचालक होते.

महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम, १९६५ अन्वये महाराष्ट्रातील नगरपरिषदांचे कामकाज नियंत्रित केले जात आहे. कलम ४ अन्वये प्रत्येक नगरपरिषदेच्या क्षेत्रांचे त्यांच्या लोकसंख्येच्या आधारे खालीलप्रमाणे “अ”, “ब” व “क” वर्ग असे वर्गीकरण केलेले आहे :-

(अ) १,००,००० पेक्षा अधिक लोकसंख्या असलेले अधिक लहान नागरी क्षेत्र हे “अ” वर्ग अधिक लहान नागरी क्षेत्र असेल.

(ब) ४०,००० पेक्षा अधिक असेल परंतु, १,००,००० पेक्षा अधिक नसेल इतकी लोकसंख्या असलेले अधिक लहान नागरी क्षेत्र हे “ब” वर्ग अधिक लहान नागरी क्षेत्र असेल.

(क) ४०,००० इतकी किंवा त्यापेक्षा कमी लोकसंख्या असलेले अधिक लहान नागरी क्षेत्र हे “क” वर्ग अधिक लहान नागरी क्षेत्र असेल.

(ड) २५,००० इतकी किंवा त्यापेक्षा कमी लोकसंख्या असलेले क्षेत्र हे नगरपंचायत क्षेत्र असेल.

महाराष्ट्रात आज अस्तित्वात असलेल्या अ, ब व क वर्ग नगरपरिषदा तसेच नगरपंचायती खालीलप्रमाणे आहेत :-

| विभाग | अ-वर्ग | ब-वर्ग | क-वर्ग | नगरपंचायती | एकूण |
|-----------------|-----------|-----------|------------|------------|------------|
| कोकण | २ | ५ | १५ | २२ | ४४ |
| नाशिक | २ | १५ | २६ | १६ | ५९ |
| पुणे | ३ | १२ | ३४ | २५ | ७४ |
| औरंगाबाद | ४ | १४ | ३२ | २६ | ७६ |
| अमरावती | २ | १८ | २० | १६ | ५६ |
| नागपूर | ३ | ११ | २६ | ३७ | ७७ |
| एकूण ... | १६ | ७५ | १५३ | १४२ | ४१४ |

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय हे राज्यस्तरीय कार्यालय असून या संचालनालयाद्वारे ३८६ नगरपरिषदा/नगरपंचायतीच्या कारभारावर नियंत्रण ठेवले जाते. संचालक, नगरपरिषद प्रशासन, नगरपरिषदांना/नगरपंचायतींना मार्गदर्शन करतात. त्याच प्रमाणे नगरपरिषदांच्या वित्त व कार्यप्रणालीची सांख्यिकी माहिती गोळा करून शासनास वेळोवेळी पुरविली जाते.

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाच्या वतीने प्रामुख्याने खालीलप्रमाणे कार्ये पार पाडली जातात :-

- राज्यातील नगरपरिषदांच्या आस्थापनेवरील पदांना मंजूरी देणे.
- राज्यातील नगरपरिषदांच्या आस्थापनेवरील कर्मचाऱ्यांच्या सेवा शर्ती विहित करणे.
- नगरपरिषदांच्या कामकाजावर नियंत्रण ठेवणे.
- नगरपरिषदांची प्रशासकीय तपासणी करणे.
- मुख्याधिकाऱ्यांच्या आस्थापनाविषयक कामकाज करणे.
- शासनामार्फत नगरपरिषदांना विविध अनुदाने वितरित करणे.
- नगरपरिषद प्रशासनामध्ये सुधारणा प्रकल्प.

- उदा. वित्तीय व्यवस्थापन सुधारणा, संगणकीकरण, बी.ओ.टी. तत्त्वावरील प्रकल्प, घनकचरा व्यवस्थापन, नगरोत्थान, अमृत, स्वच्छ भारत अभियान, वैशिष्ट्यपूर्ण, Accrual Based Double Entry Accounting System इत्यादी योजनांची अंमलबजावणी करणे.
- महाराष्ट्र माहितीचा अधिकार अधिनियमाखालील कामे.

नगरपरिषदांची तपासणी

राज्यातील नगरपरिषदांच्या कामकाजाचा आढावा घेण्यात आला असता असे दिसून येते की, बहुतांशी नगरपरिषद सध्या आर्थिकदृष्ट्या दुबळ्या अवस्थेत आहेत. त्यापैकी काही नगरपरिषदा तर केवळ कर्मचाऱ्यांच्या पगारावरील खर्च इतकेच उत्पन्न मिळवित आहेत. अशा बिकट आर्थिक अवस्थेमध्ये स्थानिक रहिवाशांच्या अपेक्षेप्रमाणे नगरपरिषदा सेवा पुरविण्यास असमर्थ ठरत आहेत. नागरिकांना पुरवावयाच्या मूलभूत सेवा एक तर पुरविल्या जात नाहीत किंवा जेथे पुरविल्या जात आहेत तेथे त्यांचा दर्जा चांगला नसतो. सेवेचा दर्जा चांगला नाही म्हणून बहुतांश नागरिक या सेवाकरिता वाढीव दराने कर किंवा फी भरण्यास तयार होत नाहीत. कर व फी यांच्यापासून मिळणारे उत्पन्न कमी असल्याने सेवेचा दर्जा सुधारण्याकरिता नगरपरिषदांकडे पुरेसा निधी उपलब्ध होत नाही. त्यामुळे नगरपरिषदेच्या सेवेचा दर्जा आणखीच खालावत जातो आणि नगरपरिषद सेवेचा दर्जा सुधारण्यामागे यशस्वी होत नाही. नगरपरिषदांना आर्थिक दृष्ट्या कातून बाहेर काढण्यासाठी सर्व पातळीवर प्रयत्न होऊन उपाययोजना हाती घेणे अत्यावश्यक झाले आहे.

नगरपरिषदेच्या दैनंदिन कारभारावर प्रशासकीय नियंत्रण ठेवता यावे आणि प्रभावी पर्यवेक्षण करता यावे यासाठी महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरे अधिनियम, १९६५ चे कलम ७४ मधील तरतुदीनुसार जिल्हाधिकारी, प्रादेशिक संचालक, संचालक, नगरपरिषद प्रशासन अशा प्राधिकाऱ्यांची साखळी निर्माण करण्यात आलेली आहे. नगरपरिषदेच्या कारभाराचे आर्थिकदृष्ट्या विश्लेषण व मीमांसा करण्याकरिता पुरेशी उपयुक्त माहिती उपलब्ध करून नगरपरिषदांना वेळीच योग्य मार्गदर्शन करता यावे आणि नगरपरिषदांच्या कारभारामध्ये ज्या अनियमितता घडतात त्यावर प्रभावी नियंत्रण आणणे शक्य व्हावे तसेच बेकायदेशीर व अनियमित होणाऱ्या नेमणुका यामध्ये नगरपरिषदांमध्ये बऱ्याच प्रमाणात खर्चात होत असलेली उधळपट्टी यावर बंधन आणणे शक्य होण्याच्या दृष्टीने नगरपरिषदांचे वार्षिक तपासणी सुधारित नमुने तयार करण्यात आले आहेत. या नमुन्यांमध्ये नगरपरिषदांच्या कारभाराची सखोल व निश्चित माहिती त्यांच्याकडून प्राप्त होणार आहे. त्यामुळे नगरपरिषदांच्या कारभारावर पर्यवेक्षण व नियंत्रण प्रभावी करण्यामध्ये मदत होईल. त्यामुळे नगरपरिषदांना आर्थिकदृष्ट्या सबळ करणे, त्यांच्याकडून पुरविल्या जाणाऱ्या मूलभूत सेवेचा दर्जा सुधारणे, तेथील कर्मचाऱ्यांचे तंत्रज्ञान (कौशल्य) आणि कार्यक्षमतेमध्ये वाढ करणे आणि नगरपरिषदांच्या खर्चात काटकसर करून एकंदरीत कारभारामध्ये शिस्त निर्माण करणे शक्य होणार आहे.

या कामासाठी नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयामध्ये व सहा विभागीय पातळीवरील प्रादेशिक संचालक, नगरपरिषद प्रशासन व नगरपरिषद प्रशासन जिल्हास्तर शाखेसाठी सोबतच्या तक्त्यात नमूद केल्याप्रमाणे अधिकारी/कर्मचारी यांची पदे मंजूर असून त्यावरील खर्च व तरतुदींचा तपशील तक्त्यात नमूद केला आहे. (शासन निर्णय नगर विकास विभाग क्रमांक एमसीओ-२०१९/प्र.क्र.१५२/नवि-१४, दिनांक ५-८-२०२० नुसार).

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाचे
बळकटीकरण करण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

नगर विकास विभाग

शासन निर्णय क्र.एमसीओ-२०१९/प्र.क्र.१५२/नवि-१४,

मंत्रालय, मुख्य इमारत (४ था मजला),

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा रोड,

मुंबई ४०० ०३२.

दिनांक ०५ ऑगस्ट, २०२०.

- संदर्भ:-** १. नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय यांचा दि.१९.०८.२०१९ चा प्रस्ताव.
२. उच्च स्तरीय सचिव समितीच्या दि.२९.०८.२०१९ च्या बैठकीचे कार्यवृत्त.

प्रस्तावना:-

राज्यात अतिशय वेगाने नागरीकरण होत असून, सुमारे ४७ ते ४८% इतकी लोकसंख्या नागरी महाराष्ट्रात वास्तव्य करते. राज्यात सध्या २४० नगरपरिषदा व १२९ नगरपंचायती अशा एकुण ३६९ नागरी स्थानिक संस्था कार्यरत आहेत. नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयामार्फत या संस्थांचे संनियंत्रण करण्यात येते. राज्यातील वाढत्या नागरीकरणामुळे निर्माण होणाऱ्या प्रश्नांची गतीमान सोडवणूक तसेच नागरी भागातील पायाभूत सुविधा प्रकल्पांची गुणात्मक अंमलबजावणी यासाठी सक्षम नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाची आवश्यकता आहे व त्यासाठी संचालनालयाच्या मुख्यालय, विभागीय व जिल्हास्तरावरील आकृतीबंधात सुधारणा करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाचा एकुण २७४ पदांचा मंजूर आकृतीबंध आहे. संचालनालयाच्या कामाचे स्वरूप व जबाबदारीची व्याप्ती विचारात घेता, आकृतीबंधातील मंजूर पदे अत्यंत अल्प असल्याने, संचालनालयाचा आकृतीबंध सुधारित करण्याच्या प्रस्तावासंदर्भात उच्चस्तर सचिव समिती तसेच, मा.मंत्रीमंडळाच्या मान्यतेनुसार खालीलप्रमाणे निर्णय घेण्यात येत आहे.

शासन निर्णय:-

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाच्या मुख्यालय, विभागीय स्तर व जिल्हास्तरावरील आकृतीबंध खालीलप्रमाणे सुधारित करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे:-

- (१) नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाच्या २७४ पदांच्या प्रचलित आकृतीबंधातील १३८ पदे निरसित करून, खालीलप्रमाणे ५०३ स्थायी पदे व बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची ४७ पदे सुधारित आकृतीबंधास मान्यता देण्यात येत आहे:-

| स्तर | सुधारित आकृतीबंधानुसार प्रस्तावित स्थायी पदे | बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची पदे |
|---|--|-----------------------------------|
| संचालनालय (मुख्यालय) | १०३ | ०५ |
| विभागीय स्तर (६ विभाग) | १०९ | ०८ |
| जिल्हा स्तर (३४ जिल्हे) | २९१ | ३४ |
| | ५०३ | ४७ |
| एकूण ५५० पदे (५०३ स्थायी पदे व बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची ४७ पदे) | | |

- (२) उपरोक्तप्रमाणे सुधारीत आकृतीबंधातील पदांचे स्तर निहाय पदांचे विवरण/ तपशील सोबतच्या परिशिष्ट-अ, ब, क व ड नुसार असेल. सदर परिशिष्टांमध्ये स्तंभ क्र. ६ मध्ये सुधारीत मंजूर पदे दर्शविली आहेत.
- (३) जुन्या आकृतीबंधातील निरसित करावयाच्या पदांवर कार्यरत अधिकारी/ कर्मचारी व यांचे मुळ विभागात प्रत्यावर्तन करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. नवीन आकृतीबंधातील सहायक पदावरील नियमित नियुक्ती होईपर्यंत निरसित करावयाच्या, लिपिक-टंकलेखक पदावरील कार्यरत कर्मचाऱ्यांना सदर पदावर कार्यरत ठेवून, त्यांच्या सेवा टप्प्या-टप्प्याने प्रत्यावर्तीत करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.
- (४) सुधारित आकृतीबंधानुसार मुख्याधिकारी संवर्ग व नगरपरिषद प्रशासन संचालनालयाच्या सेवा नियमात आवश्यक सुधारणा करण्याची कार्यवाही करण्यास व सदर आकृतीबंधातील सह आयुक्त व उपायुक्त या वरिष्ठ पदावर संचालनालय व मुख्याधिकारी संवर्गातील अधिकाऱ्यांना पदोन्नतीने नेमण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.
- (५) विहित मान्यतेनुसार अधिनियमातील तरतूदी विचारात घेऊन, परिशिष्ट-इ मध्ये नमुद केल्याप्रमाणे सुधारित पदनामास मान्यता देण्यात येत आहे.
- (६) सदर शासन निर्णयाच्या अनुषंगाने, सेवा प्रवेश नियमात सुधारणा करण्याबाबतचा प्रस्ताव आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय यांनी सादर करावा.
२. सदर शासन निर्णय वित्त विभागाच्या अ.नौ.संदर्भ क्र.१५७/आपुक, दि.३१.०७.२०२० अन्वये मिळालेल्या मान्यतेनुसार निर्गमित करण्यात येत आहे.

३. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२००८०५१३५५४४०२२५ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

Kailas Madhukar
Badhan

Digitally signed by Kailas Madhukar Badhan
DN: cn=Kailas Madhukar Badhan, o=Government of Maharashtra, ou=Urban
Development Department, postalCode=400032,
c=IN, email=k.mbadhan@mah.nic.in,
serialNumber=31173661368378687317913484889946,
2.5.4.21=f39a049fbc0e90e/c96e20a0e-9a2b4c042d69d
5265049ff9605057995, cn=Kailas Madhukar Badhan
Date: 2020.08.05 14:17:27 +05'30'

(कैलास बधान)

शासनाचे उप सचिव

प्रत: -

१. मा.मुख्यमंत्री महोदयांचे प्रधान सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
२. मा.उप मुख्यमंत्री(वित्त) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
३. मा.मंत्री(नवि) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
४. मा.राज्यमंत्री, नगर विकास विभाग/ वित्त विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
५. मा.मुख्य सचिव यांचे सह सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
६. अपर मुख्य सचिव, महसूल व वन विभाग/ सामान्य प्रशासन विभाग/ वित्त विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
७. प्रधान सचिव (नवि-१), नगर विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
८. प्रधान सचिव (नवि-२), नगर विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
९. आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, मंत्रालय, मुंबई.
१०. विभागीय आयुक्त तथा प्रादेशिक संचालक (सर्व)
११. जिल्हाधिकारी (सर्व)
१२. सह / उप सचिव, नगर विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
१३. प्रादेशिक उप संचालक, नगरपरिषद प्रशासन विभाग (सर्व)
१४. जिल्हा प्रशासन अधिकारी (सर्व)
१५. मुख्याधिकारी (सर्व नगरपरिषदा/ नगरपंचायती)
१६. निवडनस्ती (नवि-१४)

परिशिष्ट अ
नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय (मुख्यालय)

| अ. क्र. | पदनाम | पदांची वेतनश्रेणी | सद्यःस्थितीतील मंजूर पदे | निरसीत पदे | सुधारित आकृतीबंधानुसारची मंजूर पदे |
|---------|--|---------------------------|--------------------------|------------|------------------------------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| | | रुपये | | | |
| १ | आयुक्त तथा संचालक | .. केडर पद | १ | ० | १ |
| २ | सह आयुक्त (सह संचालक) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | १ | ० | ३ |
| ३ | उपायुक्त (उप संचालक) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ३ | ० | ९ |
| ४ | सहायक आयुक्त गट-अ (सहायक संचालक गट-अ) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ६ | ० | ६ |
| ५ | सहायक आयुक्त, गट-ब (सहायक संचालक गट-ब, जि.प्र.अ., गट-ब व इतर पदे). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ९ | ० | ९ |
| ६ | सहायक आयुक्त (विधि) श्रेणी-१ | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | १ |
| ७ | सहायक विधि अधिकारी | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | २ |
| ८ | अधीक्षक, गट-ब (अराजपत्रित) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ९ | ० | १२ |
| ९ | सहायक | .. (S-८ रु. २५५००-८११००) | १६ | ० | २९ |
| १० | सांख्यिकी अधिकारी | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | १ |
| ११ | सांख्यिकी सहायक | .. S-८ रु. २५५००-८११०० | १ | ० | १ |
| १२ | लिपिक टंकलेखक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १२ | १२ | ० |
| १३ | लेखा लिपिक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १ | १ | ० |
| १४ | लघुलेखक (निम्न श्रेणी) (लघुलेखक) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ३ | ० | ४ |
| १५ | लघु-टंकलेखक | .. S-८ रु. २५५००-८११०० | १ | ० | १ |
| १६ | मुख्य अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२९ रु. १३११००-२१६६०० | ० | ० | १ |
| १७ | अधीक्षक अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | ० | ० | १ |
| १८ | कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) (कार्यकार अभियंता बांधकाम/पाणीपुरवठा). | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | २ | ० | २ |
| १९ | कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ० | ० | १ |
| २० | उप अभियंता (स्थापत्य) [उप अभियंता (रस्ते विकास/ पाणीपुरवठा)]. | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | २ | ० | २ |
| २१ | उप अभियंता (यांत्रिकी) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | १ |
| २२ | स्थापत्य अभियंता, श्रेणी-अ [कनिष्ठ अभियंता (बांधकाम/पाणीपुरवठा)]. | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | २ | ० | २ |
| २३ | पाणीपुरवठा, जलनिस्सारण व स्वच्छता अभियंता, श्रेणी-अ | S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | १ |
| २४ | संगणक अभियंता, श्रेणी-अ (संगणक अभियंता) | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | १ | ० | २ |
| २५ | उपायुक्त (वित्त) (वित्तीय सल्लागार) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | १ | ० | १ |
| २६ | वित्तीय नियंत्रक | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | १ | १ | ० |
| २७ | सहायक आयुक्त (लेखा) (सहायक संचालक, लेखापरिक्षक) | S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | १ | ० | २ |
| २८ | लेखापाल/लेखापरिक्षक, श्रेणी-अ (लेखाधिकारी) | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | १ | ० | ३ |
| २९ | वाहन चालक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १ | ० | १ |
| ३० | दफ्तरी | .. S-३ रु. १६६००-५२४०० | १ | ० | १ |
| ३१ | नाईक | .. S-३ रु. १६६००-५२४०० | १ | ० | १ |
| ३२ | शिपाई | .. S-१ रु. १५००-४७६०० | ८ | ६ | २ |
| | | एकूण .. | ८५ | २० | १०३ |

बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची पदे

१. शिपाई ५

परिशिष्ट ब
विभागीय स्तर (६ विभाग)

| अ. क्र. | पदनाम | पदांची वेतनश्रेणी | सद्यःस्थितीतील मंजूर पदे | निरसीत पदे | सुधारित आकृतीबंधानुसारची मंजूर पदे |
|---------|---|--------------------------|--------------------------|------------|------------------------------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| | | रुपये | | | |
| १ | सह आयुक्त | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | ० | ० | ६ |
| २ | उपायुक्त (उप संचालक) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ६ | ० | ६ |
| ३ | सहायक आयुक्त, गट-अ (सहायक संचालक गट-अ) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ६ | ० | ६ |
| ४ | तहसीलदार | .. S-१९ रु. ५५१००-१७५१०० | ४ | ४ | ० |
| ५ | सहायक आयुक्त, गट-ब (सहायक संचालक गट-ब व इतर पदे). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | २४ | ० | १२ |
| ६ | सहायक विधि अधिकारी | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | ६ |
| ७ | अधीक्षक, गट-ब (अराजपत्रित) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ६ | ० | १२ |
| ८ | अव्वल कारकून | .. S-१० रु. २९२००-९२३०० | १८ | १८ | ० |
| ९ | निरिक्षक | .. S-१० रु. २९२००-९२३०० | ९ | ९ | ० |
| १० | सहायक | .. (S-८ रु. २५५००-८११००) | ० | ० | २१ |
| ११ | लिपिक-टंकलेखक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १२ | १२ | ० |
| १२ | अधीक्षक अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | ० | ० | ६ |
| १३ | उप अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | ६ |
| १४ | उप अभियंता (यांत्रिकी) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | ६ |
| १५ | स्थापत्य अभियंता, श्रेणी-अ [कनिष्ठ अभियंता (बांधकाम/पाणीपुरवठा)]. | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ० | ० | ६ |
| १६ | नगररचनाकार | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | १ | १ | ० |
| १७ | सहायक आयुक्त (लेखा) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | ६ |
| १८ | लेखापाल/लेखापरिक्षक, श्रेणी-अ (लेखाधिकारी/ मुख्य लेखापाल, गट-ब/उप लेखापाल, गट-ब). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ११ | ० | ६ |
| १९ | सहायक लेखाधिकारी | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ६ | ६ | ० |
| २० | शिपाई | .. S-१ रु. १५००-४७६०० | ४ | ० | ४ |
| | | एकूण .. | १०७ | ५० | १०९ |

बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची पदे

१. शिपाई ८

परिशिष्ट 'क'
जिल्हा स्तर (३४ जिल्हे)

| अ. क्र. | पदनाम | पदांची वेतनश्रेणी | सद्यःस्थितीतील मंजूर पदे | निरसीत पदे | सुधारित आकृतीबंधानुसारची मंजूर पदे |
|---------|---|--------------------------|--------------------------|------------|------------------------------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| | | रुपये | | | |
| १ | जिल्हा प्रशासन अधिकारी (सह आयुक्त संवर्ग) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | ० | ० | ३४ |
| २ | जिल्हा प्रशासन अधिकारी, गट-अ | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | २० | २० | ० |
| ३ | जिल्हा प्रशासन अधिकारी, गट-ब (सहायक आयुक्त, गट-ब संवर्ग). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | १४ | ० | ३४ |
| ४ | अधीक्षक, गट-ब (अराजपत्रित) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ० | ० | ३४ |
| ५ | सहायक | .. (S-८ रु. २५५००-८११००) | ० | ० | ६८ |
| ६ | लिपिक-टंकलेखक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | ४८ | ४८ | ० |
| ७ | कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ० | ० | १९ |
| ८ | उप अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | ३४ |
| ९ | स्थापत्य अभियंता, श्रेणी-अ [कनिष्ठ अभियंता (बांधकाम/पाणीपुरवठा)]. | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | ३४ |
| १० | लेखापाल/लेखापरिक्षक, श्रेणी-अ | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | ३४ |
| | | एकूण .. | ८२ | ६८ | २९१ |

बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची पदे

१. शिपाई ३४

परिशिष्ट 'ड'

नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय सुधारित आकृतिबंधातील एकत्रित एकूण पदे

| अ. क्र. | पदनाम | पदांची वेतनश्रेणी | सद्यःस्थितीतील मंजूर पदे | निरसीत पदे | सुधारित आकृतीबंधानुसारची मंजूर पदे |
|---------|--|---------------------------|--------------------------|------------|------------------------------------|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| | | रुपये | | | |
| १ | आयुक्त तथा संचालक | .. केडर पद | १ | ० | १ |
| २ | सह आयुक्त (सह संचालक) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | १ | ० | ४३ |
| ३ | उपायुक्त (उप संचालक) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ९ | ० | १५ |
| ४ | सहायक आयुक्त गट-अ (सहायक संचालक गट-अ, जि.प्र.अ., गट-अ). | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ३२ | २० | १२ |
| ५ | तहसीलदार | .. S-१९ रु. ५५१००-१७५१०० | ४ | ४ | ० |
| ६ | सहायक आयुक्त, गट-ब (सहायक संचालक गट-ब जि.प्र.अ., गट-ब व इतर पदे). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ४७ | ० | ५५ |
| ७ | सहायक आयुक्त (विधि) श्रेणी-१ | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | १ |
| ८ | सहायक विधि अधिकारी | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | ८ |
| ९ | अधीक्षक, गट-ब (अराजपत्रित) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | १५ | ० | ५८ |
| १० | अव्वल कारकून | .. S-१० रु. २९२००-९२३०० | १८ | १८ | ० |
| ११ | निरिक्षक | .. S-१० रु. २९२००-९२३०० | ९ | ९ | ० |
| १२ | सहायक | .. (S-८ रु. २५५००-८११००) | १६ | ० | ११८ |
| १३ | सांख्यिकी अधिकारी | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | १ |
| १४ | सांख्यिकी सहायक | .. S-८ रु. २५५००-८११०० | १ | ० | १ |
| १५ | लिपिक-टंकलेखक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | ७२ | ७२ | ० |
| १६ | लेखा लिपिक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १ | १ | ० |
| १७ | लघुलेखक (निम्न श्रेणी) (लघुलेखक) | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | ३ | ० | ४ |
| १८ | लघु-टंकलेखक | .. S-८ रु. २५५००-८११०० | १ | ० | १ |
| १९ | मुख्य अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२९ रु. १३११००-२१६६०० | ० | ० | १ |
| २० | अधीक्षक अभियंता (स्थापत्य) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | ० | ० | ७ |
| २१ | कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) [कार्यकारी अभियंता (बांधकाम/पाणीपुरवठा)]. | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | २ | ० | २१ |
| २२ | कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी) | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | ० | ० | १ |
| २३ | उप अभियंता (स्थापत्य) [उप अभियंता (रस्ते विकास/पाणीपुरवठा)]. | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | २ | ० | ४२ |
| २४ | उप अभियंता (यांत्रिकी) | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | ० | ० | ७ |
| २५ | स्थापत्य अभियंता, श्रेणी-अ [कनिष्ठ अभियंता (बांधकाम/पाणीपुरवठा)]. | .. S-१४ रु. ३८६००-१२२८०० | २ | ० | ४२ |
| २६ | पाणीपुरवठा, जलनिस्सारण व स्वच्छता अभियंता, श्रेणी-अ | S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | ० | ० | १ |
| २७ | नगररचनाकार | .. S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | १ | १ | ० |
| २८ | संगणक अभियंता, श्रेणी-अ (संगणक अभियंता) | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | १ | ० | २ |
| २९ | उपायुक्त (वित्त) (वित्तीय सल्लागार) | .. S-२५ रु. ७८८००-२०९२०० | १ | ० | १ |
| ३० | वित्तीय नियंत्रक | .. S-२३ रु. ६७७००-२०८७०० | १ | १ | ० |
| ३१ | सहाय्यक आयुक्त (लेखा) (सहायक संचालक, लेखापरिक्षक) | S-२० रु. ५६१००-१७७५०० | १ | ० | ८ |
| ३२ | लेखापाल/लेखापरिक्षक, श्रेणी-अ (लेखाधिकारी/मुख्य लेखापाल, गट-ब/उप लेखापाल, गट-ब). | .. S-१५ रु. ४१८००-१३२३०० | १२ | ० | ४३ |

परिशिष्ट-ड --चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|----------------|------------------|-------------------------|------------|------------|------------|
| ३३ | सहायक लेखाधिकारी | .. S-१४ रु.३८६००-१२२८०० | ६ | ६ | ० |
| ३४ | वाहन चालक | .. S-६ रु. १९९००-६३२०० | १ | ० | १ |
| ३५ | दफ्तरी | .. S-३ रु. १६६००-५२४०० | १ | ० | १ |
| ३६ | नाईक | .. S-३ रु. १६६००-५२४०० | १ | ० | १ |
| ३७ | शिपाई | .. S-१ रु. १५००-४७६०० | १२ | ६ | ६ |
| एकूण .. | | | २७४ | १३८ | ५०३ |

बाह्य यंत्रणेद्वारे घ्यावयाची पदे

| | | |
|----|-------|----|
| १. | शिपाई | ४७ |
|----|-------|----|

परिशिष्ट-इ

| अ. क्र. | पूर्वीचे पदनाम | सुधारित पदनाम |
|---------|--------------------|--------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| १. | सह संचालक | सह आयुक्त |
| २. | उप संचालक | उपायुक्त |
| ३. | सहायक संचालक, गट-अ | सहायक आयुक्त, गट-अ |
| ४. | सहायक संचालक, गट-ब | सहायक आयुक्त, गट-ब |
| ५. | वित्तीय सल्लागार | उपायुक्त (वित्त) |

परिशिष्ट 'ब'

राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान आस्थापनेवरील पदांचा गोषवारा (NULM)

| अ. क्र. (१) | पदनाम (२) | वेतनमान (३) | पदसंख्या (४) |
|-----------------------------------|-----------------------------|------------------------------------|-----------------|
| रुपये | | | |
| १ राजपत्रित | | | |
| | उप संचालक | S-२३ (६७७००-२०८७०० ग्रे.पे. ६,६००) | १ |
| | सहायक संचालक | S-१५ (४१८००-१३२३०० ग्रे.पे. ४,४००) | १ |
| | लेखाधिकारी | S-१६ (४४९००-१४२४०० ग्रे.पे. ४,६००) | १ |
| एकूण . . | | | ३ |
| २ अराजपत्रित—वर्ग-२/वर्ग-३ | | | |
| | अधीक्षक (अराजपत्रित वर्ग-२) | S-१४ (३८६००-१२२८०० ग्रे.पे. ४,३००) | २ |
| | सांख्यिकी सहायक | ५,२००—२०,२००/ग्रेड वेतन २,४०० | १ |
| | लघुलेखक (निम्नश्रेणी)-मराठी | S-१४ (३८६००-१२२८०० ग्रे.पे. ४,३००) | १ |
| | लिपिक-टंकलेखक | S-६ (१९९००-६३२०० ग्रे.पे. १,९००) | २ |
| एकूण . . | | | ६ |
| ३ अराजपत्रित—वर्ग-४ | | | |
| | शिपाई | S-१ (१६६००-५२४०० ग्रे.पे. १३००) | १ |
| एकूण . . | | | १ |
| (१)+(२)+(३) = एकंदर . . | | | १० |

दुहेरी लेखापद्धतीच्या आस्थापनेवरील पदांचा गोषवारा

| अ. क्र. (१) | पदनाम (२) | वेतनमान (३) | पदसंख्या (४) |
|----------------------------|--------------------------------------|------------------------------------|-----------------|
| रुपये | | | |
| १ राजपत्रित | | | |
| | वित्तीय सल्लागार | S-२९ (११३११००-२१६६०० ग्रे.पे. ९००) | १ |
| | प्रकल्प समन्वयक अधिकारी | S-१५ (४१८००-१३२३०० ग्रे.पे. ४,४००) | १ |
| एकूण . . | | | २ |
| २ अराजपत्रित—वर्ग ३ | | | |
| | सहायक (संगणक लिपिक) ठेका पद्धतीने | ८,००० - प्रतिमाह | १ |
| एकूण . . | | | १ |
| (१)+(२)= एकंदर . . | | | ३ |

नगर आणि प्रादेशिक नियोजन
Town and Regional Planning

नगररचना आणि मूल्यनिर्धारण विभाग

Town Planning and Valuation Department

कार्यक्रमाच्या कार्यभाराचा सारांश व वित्तीय आवश्यकतांचे स्पष्टीकरणे

नगररचना आणि मूल्यनिर्धारण विभाग हा सेवा-विभाग असून त्याची संघटनात्मक बांधणी खालीलप्रमाणे आहे :-

(१) मुख्य कार्यालय पुणे.—नागरीकरणासंबंधी सर्वसाधारण धोरणे ठरविण्याचे काम करणे इत्यादी.

मुख्य कार्यालयात खालीलप्रमाणे तीन घटक आहेत :-

(अ) परिनिरीक्षण घटक—मुख्य कार्यालयात करण्यात येणाऱ्या सर्व तांत्रिक कामांचे परिनिरीक्षण करणे.

(ब) नागरी संशोधन घटक—राज्यातील नगरविकास समस्यांचा सखोल अभ्यास करणे, की ज्यामुळे याबाबतीत क्षेत्र कार्यालयांना मार्गदर्शन करणे व भारतीय आणि मुख्यत्वेकरून महाराष्ट्रातील परिस्थितीला पुरेशी योग्य व नियोजनाप्रमाणे आणि तंत्र शोधून काढता येणे शक्य होईल.

(क) प्रशासन घटक—प्रशासन, अर्थसंकल्प आणि लेखा.

(२) सहसंचालक, नगररचना, अंमलबजावणी कक्ष, पुणे :-विकास योजनांचे योग्यप्रकारे कार्यान्वय करणे व त्या अंमलात आणणे या संबंधी नगरपरिषदांना मार्गदर्शन करणे आणि मंजूर विकास योजना व नगररचना योजना अंमलात आणणे व त्यांचे कार्यान्वयन आणि नगरपरिषद, गावांतील खुल्या जागा व क्रीडांगणे यावर सर्वसाधारण लक्ष ठेवणे. विकास योजना आणि लहान व मध्यम शहराचे एकात्मिकृत विकास प्रकल्प कार्यान्वित करण्यासाठी नगरपरिषदांना द्यावयाच्या आर्थिक सहाय्यासंबंधी वेळोवेळी आढावा घेणे. नवि ६(ब) योजनेअंतर्गत नगरपरिषदांना अर्थसहाय्य उपलब्ध करून देण्यासंबंधात कार्यवाही करून त्यासंदर्भात शिफारस करण्यास सनियंत्रक आहेत.

संचालनालयाचे कार्यालयीन आदेश जा. क्र. UDCPR/Appendix अंतर्गत C-३ engg, C-४ Stru.engg, C-५ Supervisor, C-६ Town Planner यांना नगररचना संचालनालयाच्या स्तरावरील राज्यस्तरीय तांत्रिक परवाने निर्गमित करणे व त्यांची नोंदणी करणे यासाठीची आवश्यक सर्व कार्यवाही करण्यासाठी सहसंचालक, नगररचना, अंमलबजावणी कक्ष, पुणे यांना प्राधिकृत करण्यात आले असून त्यानुसार संगणक प्रणालीद्वारे राज्यस्तरीय तांत्रिक परवाने निर्गमित करणेची कार्यवाही सहसंचालक, नगररचना, अंमलबजावणी कक्ष, पुणे या कार्यालयाकडे सुरु आहे.

(३) सहसंचालक, नगररचना (मूल्यांकन), पुणे वार्षिक मुल्यदर तक्ते दरवर्षी तयार करणे :-मालमत्तेचे मूल्यांकन करणेसाठी नोंदणी महानिरीक्षक यांना सहाय्य करून शासनाच्या साधनसंपत्तीत वाढ करण्यासाठी सहाय्य करणे.

(४) नवी मुंबई, नाशिक, पुणे, नागपूर, अमरावती व औरंगाबाद पर्यवेक्षण, नियंत्रण, समन्वय, मार्गदर्शन आणि शाखा कार्यालयाची या ठिकाणी सहसंचालक, नगररचना यांची विभागीय तपासणी. कार्यालये आणि बृन्मुंबई उप संचालकांचे कार्यालय.

(५) मुंबई, अलिबाग, ठाणे, जळगाव, नाशिक, पुणे, कोल्हापूर, वार्षिक कामाचे प्रमाण-४,५०० वर्क युनिटस. सोलापूर, सातारा, सांगली अहमदनगर, नागपूर, अमरावती, अकोला, यवतमाळ, औरंगाबाद, परभणी, हिंगोली, वाशीम, गोंदिया, नंदूरबार, नांदेड, पालघर आणि नव्याने अपग्रेड झालेली रत्नागिरी सिंधुदुर्ग, धुळे, चंद्रपूर, गडचिरोली, बुलढाणा, वर्धा, भंडारा, बीड, जालना, लातूर, उस्मानाबाद, या ठिकाणी सहाय्यक संचालक, नगररचना यांची शाखा कार्यालये.

(६) बारामती या ठिकाणी नगररचनाकार यांचे कार्यालय. वार्षिक कामाचे प्रमाण-३,००० वर्क युनिटस.

(७) उप संचालक, नगररचना प्रादेशिक योजना, डहाणू/ठाणे प्रादेशिक योजना तयार करणे. तसेच सहाय्यक संचालक, नगररचना, प्रादेशिक योजना, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग येथे कार्यालये.

- (८) वाहतूक आणि परिवहन घटक, उप संचालक, नगररचना, पुणे, सहायक संचालक, नगररचना, औरंगाबाद. महानगरे व इतर शहरे आणि नगरे याकरिता व्यापक स्वरूपाच्या वाहतूक व परिवहन योजना तयार करणे.
- (९) लवाद, नगररचना योजना, श्रीरामपूर. श्रीरामपूर व पनवेल नगरपरिषदांच्या प्रारूप नगररचना योजना अंतिम करणे.
- (१०) पिंपरी-चिंचवड, नाशिक या महानगर- पालिकांमध्ये एक उप संचालक. महानगरपालिकांच्या विकास योजनांचे कार्यान्वयन व त्यांचे क्षेत्रातील विकासाचे बाबतीत महानगरपालिकांना सहाय्य करणे.
- (११) ठाणे, कल्याण, नाशिक, कोल्हापूर, सोलापूर, अमरावती, पुणे, औरंगाबाद, नागपूर आणि नांदेड-वाघाळा, वाशी (नवी मुंबई), उल्हासनगर व भिवंडी- निजामपूर, अहमदनगर या महानगरपालिकांमध्ये, प्रत्येकी एक सहायक संचालक, नगररचना. महानगरपालिकांच्या विकास योजनांचे कार्यान्वयन व त्यांचे क्षेत्रातील विकासाचे बाबतीत महानगरपालिकांना सहाय्य करणे.
- (१२) उल्हासनगर, सांगली-मिरज-कुपवाडा, अहमदनगर, अकोला, धुळे, मालेगाव, नांदेड-वाघाळा, जळगाव म.न.पा., भिवंडी-निजामपूर, भुसावळ, सातारा, इचलकरंजी, परभणी, बीड, लातूर, गोंदिया, चंद्रपूर, वर्धा, अचलपूर, यवतमाळ, जालना, या “अ” वर्ग नगरपरिषदांमधील नगररचनाकार. नगरपरिषदांच्या विकास योजनांचे कार्यान्वयन व त्यांच्या गावातील विकास यावर लक्ष ठेवणे इत्यादी बाबतीत नगरपरिषदांना सहाय्य करणे.
- (१३) पिंपरी -चिंचवड-मनपा, औरंगाबाद मनपा क्षेत्र, नागपूर म.न.पा., अकोला म.न.पा., कोल्हापूर म.न.पा. व ठाणे मनपा, साठी उप संचालक, नगररचना (विकास योजना विशेष घटक) यांचे प्रत्येकी एक कार्यालय.सहायक संचालक, नगररचना, विकास योजना, विशेष घटक, भिवंडी निजामपूर मनपा. महानगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना तयार करणे.
- (१४) सहायक संचालक नगररचना, नगररचना योजना क्र.१ व २ इचलकरंजी. नगररचना योजना १ व २ मध्ये फेरबदल करण्याकरिता इचलकरंजी मध्ये विशेष घटक स्थापना.
- (१५) सहायक संचालक, राष्ट्रीय माहिती कक्ष, पुणे. केंद्र शासन पुरस्कृत राष्ट्रीय नागरी माहिती पद्धती (NUIS) या योजनेसाठी निवडलेल्या शहराच्या माहितीचे संकलन, छाननी व अनुषंगिक कार्यवाही करणे.
- (१६) पुणे व नागपूर येथे कार्यकारी अभियंता अंमलबजावणी कक्ष, नगररचना यांचे प्रत्येकी एक कार्यालय. विकास योजना आणि लहान व मध्यम शहरांचे एकात्मिक विकास प्रकल्प यांचे कार्यान्वयन.
- (१७) वाशिम, पनवेल, सातारा, नेरळ- ममदापूर सावंतवाडी-मालवण, धुळे मनपा, मालेगाव मनपा, सोलापूर म.न.पा., व लातूर म.न.पा. येथे नगररचनाकार, विकास योजना, विशेष घटक यांचे प्रत्येकी एक कार्यालय. महानगरपालिका आणि “अ” व “ब” वर्ग नगरपरिषदा असलेल्या शहराच्या विकास योजना सुधारित करणे.

(अ) मंजूर प्रादेशिक योजना

(A) SANCTIONED REGIONAL PLANS

मोठी गावे अथवा साधनसंपत्तीने समृद्ध असलेले प्रदेश अथवा विकासयोग्य प्रदेश यांच्या लगतच्या भागांची एकत्मिकृत आणि समन्वित आणि समन्वित वाढण्याचे दृष्टीने त्यांची वाढ, संभाव्य विकास क्षमता व प्रश्न यांची काळजीपूर्वक सर्वेक्षणे व पृथःकरण करून, महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम, १९६६ मधील तरतुदीनुसार "प्रादेशिक योजना" तयार केल्या जातात. नियोजन प्रदेश शासनाकडून महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम, १९६६ चे कलम ३ अन्वये अधिसूचित केले जातात आणि प्रादेशिक योजना तयार करण्यासाठी बहुशास्त्रीय प्रादेशिक नियोजन मंडळे स्थापन केली जातात. आजतागायत मंजूर प्रादेशिक योजनेचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे.

परिशिष्ट-१

मंजूर प्रादेशिक योजना

| अ.क्र. | जिल्हा | प्रदेशाचे नांव | प्रदेशाचे स्वरूप जसे महानगरी, कृषीप्रधान | प्रादेशिक योजना शासनाने मंजूर केल्याची तारीख | प्रादेशिक योजना अंमलात आल्याची तारीख |
|---------------------|------------|--|---|--|--|
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
| पुणे विभाग | | | | | |
| १ | सातारा | महाबळेश्वर-पाचगणी प्रादेशिक योजना (सुधारित) | पर्यावरणदृष्ट्या संवेदनशील | ०७-०८-२०१५ | ०३-११-२०१५ |
| | | सातारा प्रदेशाची प्रादेशिक योजना | महाबळेश्वर - पांचगणी प्रादेशिक योजना क्षेत्र वगळून उर्वरित सातारा जिल्ह्याचे क्षेत्र - कृषीप्रधान | ०८-०१-२०१८ | ०८-०४-२०१८ |
| २ | पुणे | पुणे प्रादेशिक योजना | महानगरी | २५.११.१९९७ | १०/०२/१९९८ |
| ३ | कोल्हापूर | कोल्हापूर प्रादेशिक योजना | कृषीप्रधान | ०४-०१-२०१८ | ०१-०४-२०१८ |
| ४ | सांगली | सांगली मिरज | कृषीप्रधान | १५-०३-१९८५ | ३०-०५-१९८५ |
| ५ | सोलापूर | सोलापूर जिल्हा प्रदेश | कृषीप्रधान | ०९-०२-२०१५ | २५-०६-२०१५ |
| ६ | बारामती | पुणे | कृषीप्रधान | २५-११-१९९७ | १०-०२-१९९८ |
| कोकण विभाग | | | | | |
| १ | कोकण विभाग | ठाणे-रायगड-पालघर प्रादेशिक योजना | कृषिप्रधान | ०६-०१-२०१८ | ०५-०३-२०१८ |
| २ | | मुंबई महानगर प्रदेश | महानगरी तसेच कृषीप्रधान | २०-०४-२०२१ | २०-०६-२०२१ |
| ३ | | रायगड | कृषीप्रधान | ०४-०७-१९९२ | १५-०९-१९९२ |
| ४ | | रत्नागिरी - सिंधुदुर्ग जिल्हा प्रादेशिक योजना. | पर्यटन दृष्ट्या मंजूर झालेली प्रादेशिक योजना/ संशोधन स्वरूप (रिसोर्स टाईप) | २३-१२-१९८७ | १५-०२-१९८८ |
| ५ | डहाणू | प्रादेशिक योजना | डहाणू तालुका क्षेत्र (डहाणू नगपरिषद क्षेत्र वगळून) पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र | २२-०७-१९९६ | २२-०७-१९९६ |
| नागपूर विभाग | | | | | |
| १ | नागपूर | नागपूर | कृषीप्रधान | ०६.०५.२००० | १५.०७.२००० |
| २ | वर्धा | प्रादेशिक योजना, वर्धा | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०१/०३/२०१८ |
| ३ | गोंदिया | गोंदिया | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०५-०३-२०१८ |
| ४ | भंडारा | भंडारा | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०२-०३-२०१८ |
| ५ | चंद्रपूर | चंद्रपूर-बल्लारपूर प्रादेशिक योजना | कृषीप्रधान | १८-११-१९९१ | ०१-०२-१९९२ |
| ६ | गडचिरोली | चंद्रपूर- बल्लारपूर | कृषीप्रधान | १८-११-१९९१ | ०१-०२-१९९२ |

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | (६) |
|-----------------------|------------|--|---|--------------------------|--------------------------|
| नाशिक विभाग | | | | | |
| १ | नाशिक | नाशिक सुधारित (संपुर्ण नाशिक जिल्हा) | कृषीप्रधान | २१.०६.२०१३ | १६.०९.२०१३ |
| २ | जळगांव - | जळगांव - भुसावळ | कृषीप्रधान | १२-११-१९९१ | ०१-०१-१९९२ |
| ३ | अहमदनगर | अहमदनगर | कृषीप्रधान | १४-०७-२००५ | ०१-१०-२००५ |
| ४ | धुळे | धुळे | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०३-०३-२०१८ |
| ५ | नंदुरबार | नंदुरबार | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०३-०३-२०१८ |
| औरंगाबाद विभाग | | | | | |
| १ | औरंगाबाद | औरंगाबाद | कृषीप्रधान | २४.०७.२०१२ | ३०.१०.२०१२ |
| २ | जालना | जालना | कृषीप्रधान | ०२.०१.२०११ | ०२.०३.२०१८ |
| ३ | परभणी | परभणी | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०१.०२.२०१८ |
| ४ | हिंगोली | प्रादेशिक योजना हिंगोली हिंगोली न.प. परिघस्त क्षेत्र व ०२ विकास केंद्र | कृषीप्रधान कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ १३.१२.२०१९ | ०२.०३.२०१८ ०१.०३.२०२० |
| ५ | नांदेड | नांदेड | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०२.०३.२०१८ |
| ६ | बीड | बीड | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | २४.०१.२०१८ |
| ७ | लातूर | लातूर प्रदेश लातूर महानगरपालिका परिघस्त क्षेत्र | कृषीप्रधान महानगरपालिका परिघस्त क्षेत्र | ०२.०१.२०१८ २५.११.२०१९ | ०३.०३.२०२० २६.०३.२०२० |
| ८ | उस्मानाबाद | उस्मानाबाद प्रदेश | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०१.०३.२०१८ |
| अमरावती विभाग | | | | | |
| १ | अमरावती | अमरावती | कृषीप्रधान | २९/०५/१९९३ | १५/०८/१९९३ |
| २ | अकोला | अकोला - वाशिम प्रदेश | कृषीप्रधान | २३/०४/२०१२ | १५-०६-२०१२ |
| ३ | यवतमाळ | यवतमाळ | कृषीप्रधान | ०१/०१/२०१८ | ०३/०३/२०१८ |
| ४ | बुलडाणा | बुलडाणा प्रदेश | कृषीप्रधान | ०१-०१-२०१८ | ०१/०३/२०१८ |

अनुबंध
कर्मचारी विषयक गोषवारा
राजपत्रित गट- अ

| अ.क्र. | पदनाम | वेतन स्तर | वेतन संरचना | पदसंख्या | |
|----------------------|--------------------------------------|-----------|---------------|------------|------------|
| | | | | २०२१-२०२२ | २०२२-२०२३ |
| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | |
| १ | संचालक, न.र. | एस-२९ | १३११००-२१६६०० | ३ | ३ |
| २ | सह संचालक, न.र. | एस-२७ | ११८५००-२१४१०० | १३ | १५ |
| ३ | उप संचालक, न.र. | एस-२५ | ७८८००-२०९२०० | २९ | ३० |
| ४ | सहायक संचालक, न.र./ लवाद | एस-२३ | ६७७००-२०८७०० | ९२ | ९० |
| ५ | भूमि संपादन विशेष अधिकारी/नगररचनाकार | एस-२० | ५६१००-१७७५०० | १९९ | १९९ |
| ६ | कार्यकारी अभियंता | एस-२३ | ६७७००-२०८७०० | २ | २ |
| ७ | उप अभियंता | एस-२० | ५६१००-१७७५०० | ६ | ६ |
| ८ | विधी अधिकारी | एस-२० | ५६१००-१७७५०० | ४ | ४ |
| एकूण गट-अ . . | | | | ३५१ | ३४९ |

गट-ब

| | | | | | |
|----|-----------------------------------|-------|--------------|-----|-----|
| १ | सहायक नगररचनाकार (गट-ब) राजपत्रित | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | ५०३ | ४९५ |
| २ | रचना सहायक | एस-१४ | ३८६००-१२२८०० | ६०६ | ६०२ |
| ३ | स्वीय सहायक | एस-१६ | ४४९००-१४२४०० | ६ | ६ |
| ४ | प्रशासन अधिकारी | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | १ | १ |
| ५ | लघुलेखक (उच्च श्रेणी) | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | २२ | २२ |
| ६ | लघुलेखक (निम्न श्रेणी) | एस-१४ | ३८६००-१२२८०० | ३६ | ३६ |
| ७ | अधीक्षक | एस-१४ | ३८६००-१२२८०० | १५ | १५ |
| ८ | संशोधन अधिकारी | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | २ | २ |
| ९ | सहायक लेखाधिकारी | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | ७ | ७ |
| १० | संशोधन सहायक | एस-१४ | ३८६००-१२२८०० | ८ | ८ |
| ११ | प्रमुख आरेखक | एस-१५ | ४१८००-१३२३०० | १२ | १२ |
| १२ | सहायक आरेखक | एस-१० | २९२००-९२३०० | ५६ | ५६ |
| | | एस-१४ | ३८६००-१२२८०० | | |

**(After 4 years of qualifying
Service)**

एकूण गट-ब . . १२७४ १२६२

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) | |
|--|------------------------------------|-------|--------------|-------------|-------------|
| गट-क | | | | | |
| १ | प्रथम लिपिक | एस-१३ | ३५४००-११२४०० | १५ | |
| २ | वरिष्ठ लिपिक/कनिष्ठ लेखापाल | एस-८ | २५५००-८११०० | ८४ | |
| ३ | कनिष्ठ लिपिक/लिपिक टंकलेखक | एस-६ | १९९००-६३२०० | १७६ | |
| ४ | कनिष्ठ आरेखक | एस-८ | २५५००-८११०० | १४४ | |
| | | एस-१३ | ३५४००-११२४०० | | |
| (After 5 years of qualifying Service) | | | | | |
| ५ | अनुरेखक | एस-७ | २१७००-६९१०० | ९३ | |
| | | एस-८ | २५५००-८११०० | | |
| (After 7 years of qualifying Service) | | | | | |
| ६ | सांख्यिकी सहायक | एस-८ | २५५००-८११०० | ३ | |
| ७ | वाहनचालक | एस-६ | १९९००-६३२०० | ४४ | |
| ८ | मेस्त्री | एस-६ | १९९००-६३२०० | ३ | |
| एकूण गट-क . . | | | | ५६२ | ५६२ |
| गट-ड | | | | | |
| १ | दफ्तरबंद/नाईक/निलमुद्रक/चक्रमुद्रक | एस-३ | १६६००-५२४०० | १०५ | |
| २ | शिपाई/भूमापन खलाशी | एस-१ | १५०००-४७६०० | २१६ | |
| एकूण गट-ड . . | | | | ३२१ | ३२१ |
| एकूण गट- अ,ब,क,ड . . | | | | २४९७ | २४९४ |

नागरी संशोधन घटक

कार्यक्रम अंदाजपत्रक सन २०२३-२४

नगररचना व मूल्यनिर्धारण विभागात उपसंचालक, नगररचना यांचे अधिपत्याखाली सन १९७८ मध्ये नागरी संशोधन घटकाची निर्मिती केली गेली. वाढत्या नागरीकरणामुळे उदभवणाऱ्या गुंतागुंतीच्या समस्या उदा. शहरांची अनिर्बंध वाढ, घर टंचाई, झोपडपट्टीतील वाढ वगैरे बाबतचे दोष टाळण्यासाठी आवश्यक असलेल्या नगर नियोजनाच्या विविध विषयांचा तौलानिक अभ्यास नागरी संशोधन घटक करीत आहे. नागरी आणि प्रादेशिक नियोजनाशी निगडित असलेल्या विविध विषयातील माहिती संकलित करणे हे या घटकाचे प्रमुख काम आहे.

१. प्रशिक्षण

(अ) तांत्रिक अधिकारी व कर्मचारी प्रशिक्षण :-

नगररचना संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी/कर्मचारी यांचेसाठी प्रशिक्षण धोरण राबविण्याबाबत नगरविकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांनी शासन निर्णय क्र.टिपीएस-१८१३/३४०७/प्र.क्र.५३७/१३/नवि-१३, दि. ०८/०५/२०१५ नुसार प्रशिक्षण धोरण राबविण्याबाबत शासन निर्णयाद्वारे निर्गत केले आहे, सदर शासन निर्णयानुसार नगररचना संचालनालयातील रचना सहायक,सहायक नगररचनाकार, नगररचनाकार,सहायक संचालक, उपसंचालक व सहसंचालक नगररचना या पदावरील अधिकारी/कर्मचाऱ्यांना प्रशिक्षण देण्याबाबत निर्देश दिले आहेत. त्यानुसार सन २०१७ ते २०२२ मध्ये रचना सहायक ते सहसंचालक नगररचना या तांत्रिक अधिकाऱ्यांना यशदा, पुणे या संस्थे मार्फत प्रशिक्षण देण्यात आलेले आहे.

(१) नामनिर्देशनाने नियुक्त होणाऱ्या रचना सहायक या अधिकाऱ्यांचे प्रशिक्षण :-

राज्यशासनाच्या अधिकारी व कर्मचाऱ्यांसाठी शासनाने सामान्य प्रशासन विभाग शासन निर्णय क्र. टीआरएन-०९/ प्र.क्र.३९ /०९ /१२-अ, दि. २३.०९.२०११ च्या शासन निर्णयान्वये विहित केलेल्या 'राज्य प्रशिक्षण धोरण' यास अनुसरून नगररचना संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी व कर्मचारी यांचेसाठीचे प्रशिक्षण धोरण नगरविकास विभागाकडील शासन निर्णय क्र.टिपीएस-१८१३/ ३४०७/प्र.क्र.५३७/१३/नवि-१३,दि.०८.०५.२०१५ मधील शासन निर्णयान्वये निश्चित करणेत आलेले आहे. त्यानुसार नगररचना संचालनालयामध्ये सरळसेवा भरतीने दाखल होणाऱ्या अधिकाऱ्यांना/ कर्मचाऱ्यांना पायाभूत प्रशिक्षण (Induction Training) हे यशदा, पुणे या शिखर संस्थेमार्फत देणेची तरतूद करणेत आलेली आहे. सध्या संचालनालयामध्ये सरळसेवेने नियुक्त झालेल्या ३२६ रचना सहायकांना यशदा, पुणे येथे प्रशिक्षण देण्यात आले आहे. सदर प्रशिक्षणाकरीता रुपये ४ कोटी ३०लक्ष ३२ हजार फक्त एवढा खर्च झालेला आहे.

(२) नामनिर्देशनाने नियुक्त झालेल्या सहायक नगररचनाकार या अधिकाऱ्यांचे प्रशिक्षण

संचालनालयामध्ये सहायक नगररचनाकार यांची महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (MPSC) मार्फत निवड होऊन नामनिर्देशनाने नियुक्ती करण्याचे आदेश पारित करण्यात आले आहेत. त्यानुसार एकूण १७२ सहायक नगररचनाकारांना राज्यातील विविध कार्यालयांमध्ये रुजू झाले आहेत. त्यांच्या प्रशिक्षणावरील खर्चापोटी रक्कम रु. २ कोटी २७ लक्ष एवढी रक्कम "यशदा" या संस्थेस CMP द्वारे एच २५१४-१०

दि. ३०.०३.२०१९ रोजी रु. ७५ लक्ष ८४ हजार व दि.२५.११.२०१९ रोजी रु.१ कोटी ५१ लक्ष याप्रमाणे वर्ग करण्यात आली आहे.

सन २०२१-२२ व २०२१-२२ मध्ये एकूण १७० प्रशिक्षणार्थींचे प्रशिक्षण पूर्ण झाले आले आहे. तसेच प्रतिक्षा यादीतून रचना सहायक पदावर रुजू झालेल्या एकूण ४८ रचना सहायकांचे प्रशिक्षणही सन २०२१-२२ मध्ये पूर्ण करण्यात आले आहे.

(ब) नगररचना पदव्युत्तर प्रशिक्षण :-

नगररचना आणि मूल्यनिर्धारण विभागातील अधिकाऱ्यांचे नगररचना विषयातील ज्ञान व कौशल्य वाढविणेसाठी शासनाने नगररचना विषयातील उच्च प्रशिक्षणाची योजना तिसऱ्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीपासून अस्तित्वात आणली आहे. या योजनेंतर्गत या विभागातील तांत्रिक अधिकाऱ्यांना नगररचना विषयांतर्गत पदव्युत्तर पदवी अभ्यासक्रमासाठी शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पुणे, विश्वेश्वरया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपूर आणि योजना तथा वास्तुकला महाविद्यालय, नवी दिल्ली येथे प्रशिक्षणासाठी शासन पुरस्कृत उमेदवार म्हणून पाठविणेत येते. या योजनेंतर्गत एकूण ४ अधिकारी दर वर्षी वरील तीनही महाविद्यालयात प्रशिक्षणासाठी प्रतिनियुक्तीवर पाठविणेत येऊन त्यांचे वेतनावरील खर्च मागणी क्र. एफ - २, २२१७ -३ नगरविकास, ८० सर्वसाधारण, ००१ - संचालन व प्रशासन ००३ (००) (०९) अभियांत्रिकी पदवीधरांना नगररचना या विषयातील प्रशिक्षण (२२१७०१८१) या लेखाशिर्षातून भागविण्यात येतो. सन २०२२-२३ मध्ये एकूण २ अधिकाऱ्यांना प्रशिक्षणासाठी पाठविणेत आलेले आहे. शासन निर्णय क्र. टीपीव्ही. २२०९/१०३१/प्रक.२०९/०९नवि-२७, दि. ३.२.२०१० नुसार सहायक नगररचनाकार या संवर्गातील अधिकाऱ्यांना देखील सेवाजेष्ठतेनुसार पदव्युत्तर अभ्यासक्रमासाठी पुरस्कृत केलेले आहे. सन २०२२-२३ मध्ये एकूण २ अधिकारी यांना पदव्युत्तर प्रशिक्षणाकरिता पाठविण्यात आले आहेत.

नगरविकास विभागाच्या शासन निर्णय क्र. संकीर्ण-५०२२/४५३/प्र.क्र. १२८/नवि-२७ दिनांक ९/०६/२०२२ रोजीच्या शासन पत्रान्वये नगररचना विभागातील तांत्रिक अधिकाऱ्यांना नगररचना विषयांतर्गत पदव्युत्तर पदवी अभ्यासक्रमासाठी पाठवावयाच्या संस्थांमध्ये खालील २ संस्थांचा नव्याने समावेश करण्यात आला आहे.

(१) इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, खरगपूर, पश्चिम बंगाल

(२) स्कूल ऑफ प्लॅनिंग व आर्किटेक्चर, भोपाळ, मध्य प्रदेश

सबब सन २०२३-२४ मध्ये अंदाजे ८ अधिकारी यांना पदव्युत्तर प्रशिक्षणाकरिता पाठविण्याचे प्रस्तावित आहे.

(क) नगररचना संचालनालयातील अधिकारी / कर्मचारी यांना विहित संस्थांमार्फत सेवांतर्गत प्रशिक्षण :-

संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी व अतांत्रिक कर्मचारी (लिपिक वर्ग) आणि काही प्रमाणात लेखा शाखेतील कर्मचाऱ्यांना विविध प्रकारच्या प्रशिक्षणासाठी पुरस्कृत केले जाते. अशा प्रशिक्षणामुळे अधिकाऱ्यांना अद्यावत तंत्रज्ञानाचा वापर नगर नियोजनामध्ये निश्चितच लाभदायक ठरतो.वेगवेगळ्या संस्थांमार्फत परिसंवाद कार्यशाळा इत्यादी मध्ये सहभाग

घेण्यासाठी अधिकाऱ्यांना पुरस्कृत केले जाते. तांत्रिक स्वरूपाच्या कार्याबरोबरच अधिकाऱ्यांना कार्यालय प्रमुखाच्या जबाबदाऱ्या पार पाडण्यास लागतात. त्या दृष्टिने प्रशासकीय आणि व्यवस्थापकीय कौशल्य आत्मसात असणे आवश्यक असते. भारतीय लोकप्रशासन संस्था (आय. आय. पी. ए.), नवी दिल्ली यांचेकडील प्रशिक्षणासाठी विभागातील अधिकाऱ्यांना पुरस्कृत केले जाते. या शिवाय विकास योजना आणि त्यांची अंमलबजावणी संदर्भात महाराष्ट्रातील नागरी स्वराज्य संस्थांचा सहभाग असतो. पुणे स्थित यशदा संस्थेकडून काही प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित केले जातात. अन्य राज्याच्या तुलनेत महाराष्ट्रातील शहरांचे नागरीकरण झपाट्याने होत असून एकूण लोकसंख्येच्या तुलनेत सन २०११ च्या जनगणनेच्या आकडेवारीनुसार सुमारे ४५% लोकसंख्या शहरात आहे. त्यामुळे शहरांची अनिर्बंध वाढ होत असून बहुतांशी शहरांना गलिच्छ वस्त्या व झोपडपट्ट्या सारख्या नागरी समस्यांनी ग्रसले आहे. नागरीकरणाच्या समस्या व त्यावर उपाययोजना तसेच नागरीकरणाबाबतच्या, जमिनीच्या मूल्यांकनाबाबत वाहतूक व परिवहन या विषयाबाबत तसेच विविध विषयावर यशवंतराव चव्हाण प्रशासन प्रबोधिनी (यशदा), पुणे या शिखर संस्थेच्या माध्यमातून प्रशिक्षण आयोजित करण्यात येते. त्यासाठी विभागातील व मुख्यालयातील अधिकाऱ्यांना व कर्माचाऱ्यांना पुरस्कृत करण्यात येते. सन २०२३-२४ मध्येही याबाबत कार्यवाही करण्यात येईल.

(ड) GIS प्रशिक्षण :-

नगररचना संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी व रेखाकला शाखेतील कर्मचाऱ्यांना IIRS, Dehradun येथे GIS विषयक प्रशिक्षण देण्याबाबतचे नियोजन आहे. त्याकरिता अंदाजित रु. ३ कोटी २३ लक्ष ४२ हजार इतका खर्च अपेक्षित आहे. अद्याप GIS विषयक प्रशिक्षणावर रु. २९ लक्ष ५० हजार एवढा खर्च झालेला आहे. सन २०१९-२० मध्ये एकूण ५९ तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी यांनी सदरचे प्रशिक्षण पूर्ण केले आहे. सन २०२०-२१ व सन २०२१-२२ मध्ये सदर प्रशिक्षण कोविड नियमावलीमुळे घेता आले नाही. सन २०२२-२३ मध्ये अद्यापपर्यंत एकूण ५० तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी यांनी सदरचे प्रशिक्षण पूर्ण केले आहे. उर्वरित तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी यांना भविष्यात IIRS, Dehradun येथे प्रशिक्षण देण्याची कार्यवाही करण्यात येईल. त्यासाठी अंदाजे रु. २ कोटी ९६ लक्ष ३७ हजार इतका खर्च अपेक्षित आहे.

(इ) C-DAC IT Training :-

नगररचना आणि मूल्यनिर्धारण विभागातील २५ अधिकारी व कर्मचारी यांचेकरीता २० दिवसांसाठी सी-डॅक संस्थेमार्फत यशदा, पुणे येथे दिनांक १.१०.२०२२ ते २०.१०.२०२२ या कालावधीत IT Training Programme आयोजित करण्याकरीता खर्च रु. २१,४३,२५०/- शासनाकडून मंजूर करण्यात आला आहे.

(फ) नगररचना संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी यांना कायदेविषयक प्रशिक्षण (Law Training) :-

नगररचना संचालनालयातील तांत्रिक अधिकारी / कर्मचारी यांना ILS Law college, Pune मार्फत कायदेविषयक प्रशिक्षण देण्याबाबतचे नियोजन करण्यात आले आहे. त्याकरिता अंदाजित रु. २ कोटी ३० लक्ष ३१ हजार ८०५ इतका खर्च अपेक्षित आहे. आतापर्यंत कायदेविषयक प्रशिक्षणाकरिता रु. ५५ लक्ष १६ हजार ५०० इतका खर्च झाला असून १२० अधिकारी / कर्मचारी यांनी सदर प्रशिक्षण पूर्ण केले आहे. सन २०२२-२३ अखेर उर्वरित सर्व अधिकारी / कर्मचारी यांना प्रशिक्षण देण्याचे नियोजन करण्यात येत आहे.

(ग) सन २०२३-२४ मध्ये नव्याने नियुक्त होणाऱ्या तांत्रिक अधिकाऱ्यांना द्यावयाचे प्रशिक्षण :-

सन २०२२ मध्ये संचालनामार्फत तसेच महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगामार्फत संचालनालयामध्ये पुढीलप्रमाणे तांत्रिक कर्मचारी तसेच अधिकाऱ्यांची सरळ सेवेने भरती करण्याचे प्रयोजन करण्यात आले आहे.

| | | |
|--------------------|---|-----|
| रचना सहायक | - | १०५ |
| सहायक नगररचनाकार | - | १३८ |
| नगररचनाकार | - | १८ |
| सहायक संचालक, न.र. | - | १२ |
| उपसंचालक, न.र. | - | ३ |

उपरोक्त सर्व कर्मचारी / अधिकारी यांची नियुक्ती झाल्यावर त्यांना पायाभूत प्रशिक्षण देण्याचे सन २०२३-२०२४ मध्ये नियोजन करण्यात येणार आहे. त्याकरिता अंदाजे रु. ४ कोटी एवढा खर्च अपेक्षित आहे.

(ह) अतांत्रिक कर्मचारी प्रशिक्षण

(१) (लिपिक वर्गीय) :-

सन २०२०-२१ मध्ये शिपाई पदावरून लिपिक पदावर पदोन्नत झालेल्या २२ कर्मचाऱ्यांना १३ दिवसांचे ऑनलाईन प्रशिक्षण देण्यात आले आहे. तसेच पूर्वीच्या प्रशिक्षण सत्रामध्ये अपरिहार्य कारणास्तव अनुपस्थित राहिलेल्या ७ लिपिकवर्गीय कर्मचाऱ्यांना देखील ६ दिवसांचे प्रशिक्षण देण्यात आले आहे.

(२) तांत्रिक प्रकरणे :-

शासनाकडून तसेच नगररचना विभागाच्या विभागीय कार्यालयांकडून प्राप्त विशिष्ट तांत्रिक प्रकरणांवर तसेच शासनास संचालनालयाचे अभिप्राय सादर करणेविषयी / प्रस्ताव तयार करणेची कार्यवाही करण्यात येते. त्यानुसार सर्व सन २०२३-२४ मध्येही प्राप्त तांत्रिक प्रकरणांवर योग्य ती कार्यवाही नागरी संशोधन घटकामार्फत पूर्ण करण्यात येईल.

(३) शासनाकडून अनौपचारिक संदर्भ :-

शासनाकडून प्राप्त झालेल्या धोरणात्मक बाबींवरील अनौपचारिक संदर्भाबाबतची कार्यवाही नागरी संशोधन घटकाकडून पार पाडण्यात येते. सन २०२३-२४ मध्येही याबाबतची कार्यवाही करण्यात येईल.

(४) वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या बैठका :-

संचालनालयाच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या बैठका वेळोवेळी घेण्यात येऊन त्या बैठकीमध्ये आवश्यक ते मार्गदर्शन अधिकाऱ्यांना करण्यात येते. सन २०२३-२४ मध्येही नागरी संशोधन घटकामार्फत अशा वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या बैठकांचे आयोजन करण्यात येऊन त्यांना योग्य ते मार्गदर्शन करण्यात येईल.

(५) प्रादेशिक योजना नसलेल्या जिल्ह्यांसाठी द्रुतगती प्रादेशिक योजना :-

महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना अधिनियम १९६६ चे तरतुदीअन्वये राज्यात १९६६ पासून प्रादेशिक योजना तयार करण्यात येत आहे. २०१६ अखेर पर्यंत ३६ जिल्ह्यांपैकी ११ जिल्ह्यांसाठी प्रादेशिक योजना तयार करण्याचे काम बाकी होते म्हणजेच राज्याचे ४५ टक्के क्षेत्र हे नियोजनाविना होते. परिणामी, या उर्वरित ४५ टक्के क्षेत्रामध्ये शासनाची राज्यस्तरीय धोरणे पोचविणे अवघड होते. प्रादेशिक योजना तयार करण्याच्या प्रचलित कार्यपद्धतीनुसार विद्यमान जमीन वापर नकाशा, त्यातील प्रस्ताव, तज्ञांशी सल्लामसलत, जनतेच्या

हरकती सूचना याबाबी विचारात घेऊन प्रादेशिक योजना अंतिम करण्यात बराच कालावधी लागत असे. परिणामी, प्रचलित विकासाचा व नियोजनाचा वेग यामध्ये सुसंगती राखणे अडचणीचे होत असल्याचे दिसून आले.

शासनाने या ११ जिल्ह्यांसाठी प्रादेशिक नियोजन मंडळाचे गठन केले. यासाठी शासनाने प्रादेशिक योजना तयार करण्याकरिता संचालनालयाच्या विद्यमाने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम राबविण्याचे ठरविले त्यासाठी सुलभ व सुधारित कार्यपद्धती निश्चित केली. हा धडक कार्यक्रम प्रत्यक्षात राबविण्याचे सनियंत्रण व कार्यक्रम पूर्तिसाठी संचालक, नगररचना यांना प्राधिकृत केले. शिघ्र गतीची कार्यमर्यादा विहित करून हा कार्यक्रम एक वर्षाच्या आत पूर्ण करण्याचे उद्दिष्ट ठरविण्यात आले. या प्रादेशिक योजना तयार करण्यासाठी प्रचलित पद्धतीप्रमाणे स्वतंत्र कार्यालयाऐवजी हे काम संबंधीत शाखा कार्यालयाकडे सोपविण्यात आले. हे काम भौगोलिक माहिती प्रणाली (GIS) चा वापर करून विहित कालमर्यादेत पूर्ण करण्यात आले. त्यानुसार वर्धा, भंडारा, गोंदिया, धुळे, नंदुरबार, परभणी, बिड, हिंगोली, उस्मानाबाद, यवतमाळ व बुलडाना अशा ११ जिल्ह्यांसाठी द्रुतगती पद्धतीने प्रादेशिक योजना तयार करून शासनास सादर करण्यात आल्या. या सर्व प्रादेशिक योजना शासनाने मंजूर केल्या असून त्या अंमलात आल्या आहेत. या ११ द्रुतगती प्रादेशिक योजनेमधील विकास केंद्र व परिक्षेत्राचे सविस्तर नकाशे मंजूर करण्याचे अधिकार संचालक, नगररचना यांना देण्यात आले असून, ते अंतिम करण्याची कार्यवाही सुरू आहे.

(६) विकास योजना तयार करणे :-

महाराष्ट्र राज्यात शासनाने सन २०१५ व २०१६ या कालावधीत विविध शासन निर्णयान्वये नव्याने १६ नगरपरिषदा व १२० नगरपंचायती अशी एकूण १३६ स्थानिक प्राधिकरणे स्थापन केलेली आहेत. तसेच डिसेंबर, २०१८ पर्यंत एकूण अस्तित्वातील ६२ नियोजन प्राधिकरणांच्या (७ महानगरपालिका)विकास योजना सुधारित करावयाच्या आहेत. या पार्श्वभूमीवर महानगरपालिका वगळून उर्वरित १३६+५५=१९१ नियोजन प्राधिकरणांचे "GIS-based development plan" २ वर्षांचे कालावधीमध्ये, खाजगी संस्थेच्या सहकार्याने, करण्याचे नियोजन करण्यासाठीची कार्यपद्धती शासनाकडील निर्णय क्र. टिपीएस १८१८/१४८९/प्र.क्र.३०३/१८/नवि-१३, दि. २५/०१/२०१९ अन्वये ठरविण्यात आली आहे. सद्यस्थितीत एकूण १११ नगरपरिषदा/नगरपंचायतीकरिता कार्यादेश देण्यात आले आहेत या कामाकरिता अंदाजे रु. ८४,९५,१८,०५०.२ /- इतका खर्च येत्या पुढील तीन वर्षांत अपेक्षित आहे. त्यापैकी २०२१-२२ व २०२२-२३ आर्थिक वर्षांत ४०% म्हणजे अंदाजे रु. ३३,९८,०७,२२०/-, व २०% म्हणजेच अंदाजे रु. १६,९९,०३,६१०/- इतका खर्च होणे अपेक्षित आहे.

GIS संगणक प्रणालीवर विकास योजना तयार करण्यासाठी Digital Planning Cell स्थापन करण्यास शासनाने मान्यता दिली आहे. याबाबतचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल शासनाकडे मान्यतेकरिता सादर करण्यात आला आहे.

(७) शासन निर्णय व परिपत्रके

शासनाकडून नगररचना विषया संदर्भात प्राप्त होणारी शासनाची परिपत्रके नगररचना संचालनालयाशी संबंधित सर्व कार्यालयांना पाठविणे विषयाची कार्यवाही नागरी संशोधन घटकामार्फत करण्यात येईल.

(८) संचालनालयाचे संगणकीकरण :-

संचालनालयाचे संगणकीकरणासाठी प्रकल्प अंमलबजावणी समितीची (PIC) स्थापना मा.अपर मुख्य सचिव (नवि-१) यांचे अध्यक्षतेखाली करण्यात आली असून संचालक, नगररचना सदर समितीचे सदस्य सचिव आहेत. PIC च्या वेळोवेळी झालेल्या बैठकीत ठरल्याप्रमाणे संचालनालयाचे संगणकीकरणांतर्गतची कामे कार्यवाहीत आहेत.

ई-गव्हर्नंस

संचालनालयाने दि. ०४/०२/२०२२ रोजीच्या पत्रान्वये संगणकीकरणासाठी चालूवर्षी / दरवर्षी सातत्याने कायमस्वरूपी निधीची आवश्यकता असल्याने संगणकीकरणासाठी ई-गव्हर्नंस चे स्वतंत्र लेखाशिर्ष तयार करून मिळणेसाठी विनंती केलेली आहे. संचालनालयाचे संगणकीकरणांतर्गत कार्यवाही सुरू असून त्यामध्ये प्रामुख्याने संकेतस्थळ विकसीत करणे, जनतेस भागनकाशे देणे, म.प्रा.व न.र. अधिनियमाचे विविध कलमान्वये मोडयुल्स तयार करणे अशा अनेक बाबींवर कार्यवाही सुरू आहे. सदर बाबींकरिता अपेक्षित खर्च रक्कम रु. ३,४६,७०,४७८/- व देखभालीसाठी रु. ५९,२८,५००/- प्रती वर्ष याप्रमाणे संचालनालयाने दि. २२/०७/२०२२ रोजीच्या पत्रान्वये शासनास कळविलेले आहे. तसेच, उक्त कार्यप्रणालींची देखभाल सातत्याने करावी लागणार असल्याने, याकरिता सातत्याने निधी उपलब्ध राहणे आवश्यक आहे. त्यामुळे संचालनालयाचे संगणकीकरणासाठी स्वतंत्र लेखाशिर्ष करून मिळणेबाबतही शासनास विनंती केली आहे.

(९) केंद्र शासनाच्या राज्यांना भांडवली खर्चासाठी विशेष सहाय्य योजनेंतर्गत सन २०२२-२३ या वर्षात मिळणारे बिनव्याजी कर्ज

केंद्र शासनाने राज्यांना भांडवली खर्चासाठी विशेष सहाय्य योजनेंतर्गत ५० वर्षे मुदतीचे बिनव्याजी कर्ज उपलब्ध करून देण्याचा निर्णय घेतला आहे. या अनुषंगाने केंद्र शासनाने मार्गदर्शक सूचना निर्गमित केल्या आहेत. त्यामधील भाग (vi) हा नागरी सुधारणा (Urban Reforms) बाबत आहे. यानुसार एकूण सहा नागरी सुधारणा असून, अशा सुधारणा ज्या राज्यांनी केल्या आहेत, त्या राज्यांना या योजनेंतर्गत निधी मंजूर होणार आहे.

या अनुषंगाने संचालनालयाने सविस्तर प्रस्ताव शासनास सादर केलेला असून, त्यामध्ये महाराष्ट्र राज्याने केलेल्या नागरी सुधारणा व त्या विचारात घेऊन एकूण १५ प्रकल्प प्रस्तावित केले असून, सदर प्रकल्पांसाठी रक्कम रु. १३४२.९४ कोटी एवढ्या निधी मागणीचा प्रस्ताव सादर केला आहे. राज्य शासनाकडून दि. २९.०७.२०२२ व दि. ०३.१०.२०२२ रोजी सदर प्रस्ताव शिफारशीसह केंद्र शासनास सादर करण्यात आलेला आहे. सदर प्रस्ताव केंद्र शासनाचे स्तरावर विचाराधीन आहे. केंद्र शासनाकडून सदर निधी प्राप्त झाल्यानंतर प्रस्तावित केलेल्या १५ प्रकल्पांचे कामकाज सुरू करण्यात येईल.

(१०) बांधकाम परवानगीसाठी BPMS प्रणाली :-

केंद्र शासनाच्या इज ऑफ दुईग बिझनेस अंतर्गत राज्य सरकारचा महत्वाकांक्षी प्रकल्प म्हणून राज्यातील नगरपरिषदा, महानगरपालिका व संबंधित नियोजन प्राधिकरणे यांच्याकडील इमारतींच्या बांधकामासाठी लागणाऱ्या विविध परवानगी

प्रकरणात एकसुत्रता आणली आहे. यासाठी एक पोर्टल व या प्रयोजनासाठी संकेतस्थळ (Building Plan Management System) तयार करण्याचा निर्णय घेण्यात आलेला आहे. याबाबतची प्रभावी अंमलबजावणी करण्यात येणार आहे.

११) ऑनलाईन भाग नकाशे :-

महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना अधिनियम, १९६६ च्या कलम १५७अ (२) अन्वये विविध कलमान्वये तयार व प्रसिध्द केलेल्या तसेच मंजूर केलेल्या प्रादेशिक योजना नकाशे, विकास योजना नकाशे, नगररचना योजना नकाशे यामध्ये अंतर्भूत असलेल्या जमिनीचा नियोजित वापर दर्शविणारे भाग नकाशे, जमीन वापराचे दाखले हे जनतेस योग्य ते शुल्क आकारून उपलब्ध करून देण्याविषयी तरतुदी आहेत. भाग नकाशे घेण्याकरिता नागरीकांना सद्यस्थितीत संबंधित नियोजन प्राधिकरणाच्या अथवा स्थानिक नगररचना कार्यालयाकडे यावे लागत होते. तसेच अर्ज दिल्यानंतर ७ ते १५ दिवस एवढा कालावधी लागत होता. आता बहुतांश विकास योजनेचे भाग नकाशे ऑनलाईन अर्ज करून व फी भरून मिळविणे शक्य व्हावे याकरिता याविषयीची संगणक प्रणाली तयार करण्यात आली आहे. त्यामुळे संचालनालयातर्फे भाग नकाशे मिळवणीकरिता जनतेचा वेळ व तसदी वाचणार आहे.

ई-प्रशासन / प्रशासन

प्रशासकीय सक्षमीकरणासाठी संगणकीकरणांतर्गत उच्च तंत्रज्ञानाचा उपयोग करणे आवश्यक आहे. याअंतर्गत नगररचना संचालनालयात विविध उल्लेखनीय कामे करण्यात येत आहे. संचालनालयामध्ये अस्तित्वातील माहिती तंत्रज्ञान संबंधीत पायाभूत सुविधा वाढविण्याकरीता GeM मार्फत संगणक , प्रिंटर, युपिएस आदी हार्डवेअरची खरेदी केली असून त्यामुळे कार्यालयीन कामाचा वेग व कार्यक्षमता वाढणार आहे.

नगररचना आणि मूल्यनिर्धारण विभागाचा मूळ पदे ११९९ + पूरक पदे १३४९ = २५४८ पदांचा सुधारित आकृतीबंध शासनास सादर केला असून मंजुरीस्तव अंतिम टप्प्यात आहे. याशिवाय नगररचना संचालनालयाने विविध संवर्गातील सुधारित सेवाप्रवेश नियमांचे प्रारूप शासनास मंजुरीस्तव सादर केले असून सादर सेवाप्रवेश नियम अंतिम मंजुरीच्या टप्प्यात आहेत.

उक्त नमूदनुसार सुधारित आकृतीबंधाचा शासन निर्णय प्रशासकीय (नगर विकास) विभागामार्फत निर्गमित होताच व सुधारित सेवाप्रवेश नियम मंजूर होताच सुधारित आकृतीबंधानुसार सरळसेवेच्या कोट्यातील, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाच्या कक्षेतील १०० टक्के रिक्त पदे व आयोगाच्या कक्षेबाहेरील ५० टक्के रिक्त पदे भरण्याची कार्यवाही सन २०२३-२०२४ या आर्थिक वर्षात करण्यात येणार आहे. तसेच सर्व संवर्गातील पदोन्नतीच्या कोट्यातील रिक्त असलेल्या १०० टक्के पदांची देखील पदोन्नती करणेबाबत यथोचित कार्यवाही करण्यात येणार आहे.

कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२३-२०२४

(अ) विकास योजना (मूळ विकास योजना व सुधारित विकास योजना आणि वाढीव क्षेत्राच्या विकास योजना)
२०२२-२०२३ आणि २०२३-२०२४ मध्ये तयार करून प्रसिध्द करावयाच्या विकास योजनांचा वार्षिक कार्यक्रम.

| २०२२-२०२३ मधील कार्यक्रम | | २०२३-२०२४ मधील कार्यक्रम | |
|--------------------------|--------|--|---|
| विभाग | जिल्हा | प्रारंभिक काम | प्रसिध्द करणे |
| पुणे | सांगली | ३ | ६ |
| | | १) तासगांव नगरपरिषदेची तिसरी सुधारित विकास योजना तयार करणे कामी नगरपरिषदेने झाला जाहीर करणे. | तासगांव नगरपरिषदेची तिसरी सुधारित विकास योजना तयार करणे. |
| | | २) खानापूर नगरपंचायतीची पहिली विकास योजना तयार करणे कामी नगरपरिषदेने झाला जाहीर करणे. | -- |
| सातारा | सांगली | ४ | ७ |
| | | १) सातारा नगरपरिषद (मुळ+ वाढीव क्षेत्र) | सांगली जिल्हामध्ये नव्याने स्थापन झालेल्या खानापूर नगरपरिषद आणि कडेगांव, शिराळा या नगरपंचायती क्षेत्र साठी विकास योजना तयार करणेकामी नगरपरिषदेने प्रसिध्द करणे. |
| | | २) पाटण नगरपंचायत विकास योजना तयार करणे. | -- |
| पुणे | पुणे | ५ | ८ |
| | | १) खंडाळा नगरपंचायत विकास योजना तयार करणे. | सातारा नगरपंचायत (सुधारित) |
| | | २) दहिवडी नगरपंचायत विकास योजना तयार करणे. | -- |
| पुणे | पुणे | ६ | ९ |
| | | १) वडगाव-मावळ नगरपंचयत, ता. मावळ, जि. पुणे | वडगाव-मावळ नगरपंचायत, ता. मावळ, जि. पुणे येथील P.U प्रसिध्द करणे. |
| | | २) चाकण नगरपरिषद, चाकण कलम २० अन्वये विकास योजना शासन स यादर करणे. | -- |
| पुणे | पुणे | ७ | १० |
| | | नव्याने समाविष्ट ११ गावांचा ग्राम विकास | नव्याने समाविष्ट ११ गावांचा ग्राम विकास |
| | | आराखडा | आराखडा |
| पुणे | पुणे | ८ | ११ |
| | | पिंपरी चिंचवड नवनागर विकास प्राधिकरण व पिंपरी चिंचवड व पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका | महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम २६ अन्वये प्रसिध्दी करणे. |
| | | लातूरची विद्यमान जमीन वापर नकाशा व ग्राम सुधारित विकास योजना तयार करणे. | महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम २६ अन्वये प्रसिध्दी करणे. |

| | | | | | |
|---------------|--|--|---------------|---|--|
| कोल्हापूर | | <p>1) वडगांव शहराची सुधारित विकास योजना दु.सु.म.प्रा.नि.अ.१९६६ चे कलम २६ (१) अन्वये हस्ताक्षरित करण्यात आला आहे. तसेच कलम २८ (१) अन्वये Planning Committee स्थापना झाली असून नाराचीकांच्या सूचना हरकतीचे मुत्तवागो घेण्यात येईल.</p> <p>२) मलकापूर शहराची पहिली सुधारित विकास योजना तयार करण्याकरीता मा.सहसंचालक, नगर रचना, पुणे विभाग, पुणे याचेकडून प्रसिध्द पुढेखाननी नुसार नमुद मूढनिहाय दुरुस्ती करून मलकापूर नगरपरिषदस हस्ताक्षरित करणेबाबत कार्यवाही करणेत येईल.</p> <p>३) चंद्रगड नगर पंचायत, आजरा नगर पंचायत, कुंस्टवाड, शिरोळ, हतकणाले, डुपरी या नगरपरिषद चे ३६ (१) नुसार प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा संबंधित नगरपरिषद / नगरपंचायत यास हस्ताक्षरित करण्यात आले आहेत.</p> <p>४) गडहिंगलज वाडिड हद्द व कागल नगरपरिषद प्रस्तावित जमीन वापर नकाशाचे मा.सहसंचालक, नगर रचना, पुणे याचे खाननीनुसार दुरुस्तींतर कलम २६ (१) अन्वये प्रसिध्दसाठी संबंधित नगर परिषदेस लवकरच हस्ताक्षरित करण्यात येईल.</p> <p>५) इचलकरची महानगरपालिका चे संपूर्ण क्षेत्राची विकास योजना सुधारित करण्याची कार्यवाही खाजगी संस्थेमार्फत GIS पध्दतीने करण्याची कार्यवाही चालू असून विद्यमान जमीन वापर नकाशा तयार करून ती नगरपरिषदेकडे हस्ताक्षरित करण्यात आला आहे. प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा तयार करून महानगरपालिकेस हस्ताक्षरित करणे व कलम २६ (१) अन्वये प्रसिध्द करणेबाबतची कार्यवाही करण्यात येईल.</p> | कोल्हापूर | -- | -- |
| सोलापूर | पंढरपूर, माळशिरज, वेगण, नातपुते, महाळुंगशिरपूर व अनार | | सोलापूर | पंढरपूर, माळशिरज, वेगण, नातपुते, महाळुंगशिरपूर व अनार | पंढरपूर, माळशिरज, वेगण, नातपुते, महाळुंगशिरपूर व अनार |
| बारांमती शाखा | प्रारूप विकास योजना इंदरपूर (मुळ हद्द-दु.सु.) | -- | बारांमती शाखा | इंदरपूर नगरपरिषदच्या मुळ हद्दीच्या सुधारित विकास योजनेस शासनस्वाकार मंत्रु देताना शासनाने सारभूत स्वरूपाचे फेरबदल सुचविल्यास स्वरू सारभूत फेरबदलाच्या अनुषंगाने पुढील कार्यवाही करणे. | इंदरपूर नगरपरिषदची मुळ हद्दीची सुधारित प्रारूप विकास योजना इंदरपूर नगरपरिषदने म.प्र. व न. अ. वि. १९६६ चे कलम ३० नुसार नगरपरिषदने पत्र क्र. १२९९ दि. १८.०९.२०१९ अन्वये शासनास मंत्रुसोटी सादर केली आहे व सरर सुधारित विकास योजना शासनाकडून मंत्रु देविल्याने आहे. |
| | बारांमती न.प. वा. ह.च्या मंत्रु विकास योजना मध्ये कलम ३७ (१कक) अन्वये नव्याने प्रस्तावित करण्यात आलेल्या आरक्षण बाबत मा.नि.पु.कत अधिकारी याने पुढील वेळ नक कार्यवाही पार पाडणेकामी तांत्रिक सहाय करणे. | -- | -- | -- | बारांमती न.प. वा. ह.च्या मंत्रु विकास योजना मध्ये कलम ३७ (१कक) अन्वये नव्याने प्रस्तावित करण्यात आलेल्या फेरबदल बाबत शासनाकडून अधिप्रमाणित करावयाच्या नकाशाच्या आवश्यक त्या प्रती तयार करणे व इतर अनिष्टीक काम करणे इ. |

| कोटेशन | टाणे | सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे. | सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध करणे. |
|--|--|---|--|
| <p>सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे.</p> <p>माळेगांव बु., नगरपालिका :- ता.बारांमती या क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे</p> | <p>माळेगांव बु., ता.बारांमती या क्षेत्राची प्रा. वि. यो. संश्लेषित विद्यमान जमीन नकाशा तयार करणे</p> <p>माहिती तयार करणे</p> | <p>सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे व इतर अनुषंगिक माहिती संकलित करणे.</p> | <p>सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध करणे.</p> |
| <p>माळेगांव बु., नगरपालिका :- ता.बारांमती या क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे</p> | <p>माळेगांव बु., ता.बारांमती या क्षेत्राची प्रा. वि. यो. संश्लेषित विद्यमान जमीन नकाशा तयार करणे</p> <p>माहिती तयार करणे</p> | <p>सुधे, ता.बारांमती या विभाग नगरपरिषद क्षेत्राची प्रा. वि. यो. तयार करणे व इतर अनुषंगिक माहिती संकलित करणे.</p> | <p>माळेगांव बु., ता.बारांमती या क्षेत्राची प्रा. वि. यो. कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध करणे.</p> |
| <p>१) विकास योजना मुंबई :- मुंबई नगरपालिका :- प्रस्तावित भूवापर नकाशा (PLU) कलम-२६ अन्वये दि. १२/०६/२०१९ रोजी प्रसिद्ध करण्यात आलेला आहे.</p> <p>२) विकास योजना मुंबई :- (GIS) शहरात नगरपालिका :- प्रस्तावित भूवापर नकाशा नव्याने GIS प्रणालीमुस र तयार करणे दि. २७/५/२०२२ रोजी नगरपालिकेत हस्तांतरित करण्यात आला आहे. नस्तावित भूवापर नकाशा (PLU) तयार करण्याची कार्यवाही सुरु आहे.</p> | <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> | <p>१) विकास योजना मुंबई :- शासनास मंजूरीस दी सादर झालेलेतर शासनास २२ मंजूरी मिळणेसाठीचे कामकाज.</p> <p>२) विकास योजना मुंबई :- प्रारूप विकास योजना कलम ३० अन्वये शासनास सादर करणे</p> | <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण व कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे.</p> |
| <p>३) सुधारित विकास योजना मिरा-वाईदर (GIS) :- मिरा-वाईदर महानगरपालिकेची सुधारित विकास योजना प्रसिद्ध करणे शासन स. सादर करण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक नगर रचना अधिनियम १९६६ चे कलम-२१(४) अन्वये सहायक संचालक, नगर रचना, ठाणे यांचे अधिकारी म्हणून नियुक्ती दि. २५/०९/२०१८ रोजी करण्यात आलेली आहे. प्रारूप विकास योजना तयार करण्याचे काम त्यांचेकडून सुरु आहे.</p> | <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> | <p>३) सुधारित विकास योजना मिरा-वाईदर :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> | <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> |
| <p>सुधारित विकास योजना कलम ३६ अन्वये दिनांक १०.८.२०२२ रोजी प्रसिद्ध झालेली आहे. सूचना/हरकतीबाबत कामकाज सुरु आहे.</p> <p>सुधारित विकास योजना भिवंडी-निजामपूर महानगरपालिका :- कलम २५ नुसार विद्यमान जमीन नकाशा दि. ३०/६/२०२२ रोजी महानगरपालिकेस हस्तांतरित करणे आलेला आहे. प्रारूप विकास योजना तयार करण्याची कार्यवाही सुरु आहे.</p> | <p>कलम ३६ अन्वये प्रसिद्ध</p> | <p>सुधारित विकास योजना मुंबई महानगरपालिका. कलम ३० अन्वये शासनास मंजूरीस दी सादर करणे.</p> <p>सुधारित विकास योजना भिवंडी-निजामपूर महानगरपालिका :- प्रारूप विकास योजना कलम २६(१) खाली प्रसिद्धीकरणबाबत कार्यवाही</p> | <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> |
| <p>रायगाड</p> | <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> | <p>१) सुधारित विकास योजना नवल (GIS) :- पनवल २ हर महानगरपालिका ही दि. ०९ ऑक्टोबर २०१६ पासून अंमलत आली असून सध्या महापालिका क्षेत्रासाठी एकत्रित विकास योजना तयार करण्याचे काम सुरु असून विद्यमान भूवापर नकाशा (ELU) तयार करणे दिनांक ५.१०.२०२० रोजी महानगरपालिकेकडे हस्तांतर केलेला आहे.</p> | <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> |

| | |
|---|------------------------|
| २) विकास योजना नॅटवर्क-ममदापूर (GIS)-प्रारंभ विकास योजना कलम २६ अन्वये तिनिक २४.३.२०२२ रोजी प्रसिध्द झालेली आहे. सूचना/हरकर्तीबाबत कामकाज सुरु आहे. | -- |
| ३) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ अंतर्गत पुणे मुंबई द्रुतगती महामार्गाच्या लगतचे क्षेत्र. -कलम ३० अन्वये शासनास सादर झालेली आहे. | -- |
| ४) विकास योजना माणगाव नगरपालिका (GIS), ५) विकास योजना खालापूर नगरपालिका (GIS), ६) विकास योजना तळा नगरपालिका, (GIS), ७) विकास योजना पालादपूर नगरपालिका (GIS) प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा तयार करून नियोजन प्राधिकरणाकडे प्रसिध्दीसाठी हस्तांतरित केलेले आहेत. (माणगाव, खालापूर, तळा, पालादपूर या विकास योजनांचे संदर्भात GIS Based विकास योजना तयार करणेसाठी संचालनालयाकडून खाली यंत्रणेची नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.) | कलम २६ अन्वये प्रसिध्द |
| ८) विकास योजना कसळा नगरपालिका, (GIS) :- नियोजन जमीन वापर नकाशा दि. २७/०७/२०२१ रोजी नियोजन प्राधिकरणास हस्तांतर झालेला आहे. | कलम २६ अन्वये प्रसिध्द |
| ९) विकास योजना खोपेली (GIS) :- GIS Based विकास योजना तयार करणेसाठी संचालनालय कडून खाली यंत्रणेची नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. विद्यमान जमीन वापर नकाशा तयार करणे व नस्तावित जमीन वापर नकाशा तयार करणेबाबत प्राथमिक कामकाज | -- |
| खोपेली नवनगर अधिसूचित क्षेत्राची विकास योजना :- कलम २५ अन्वये विद्यमान जमीन वापर नकाशा तयार करून दि. ५/४/२०२२ रोजी नियोजन प्राधिकरणास हस्तांतरित झालेला आहे. प्रारंभ विकास योजना तयार करणे ची कार्यवाही सुरु आहे. | -- |
| नवी मुंबई सिडको अधिसूचित क्षेत्रामध्ये वळलेल्या व सिडको से विशेष नियोजन प्राधिकरण नियुक्त केलेल्या क्षेत्राची विकास योजना :- दि. २१/१०/२०२१ रोजी कलम २३ अन्वये विकास योजना तयार करणेचा इरादा जाहीर. सहसंचालक, नगर रचना, कोकण विभागा यांचेकडून कलम २४ अन्वये वरिष्ठ नियोजनकार, सिडको यांची नगर रचना अधिकारी म्हणून नियुक्ती झालेली आहे. विद्यमान जमीन वापर नकाशा तयार करणेची कार्यवाही सुरु. | -- |

| | |
|---|---|
| २) विकास योजना नॅटवर्क-ममदापूर :- कलम ३० अन्वये मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे | कलम ३० अन्वये नॅटवर्कसाठी शासनास सादर करणे |
| ३) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ अंतर्गत पुणे मुंबई द्रुतगती महामार्गाच्या लगतचे क्षेत्र- शासनसहायकन पुढील कार्यवाही अभिप्रेत आहे. | कलम ३६ अन्वये शासनाची मंजूरी अर्जित |
| विक स योजना माणगाव, विकास योजना खालापूर, विक स योजना तळा, विकास योजना पालादपूर :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे | कलम २८(४) अन्वये प्रसिध्द करणे. जलन ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे |
| विक स योजना कसळा नगरपालिका :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे | कलम २८(४) अन्वये प्रसिध्द करणे. कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे |
| विक स योजना खोपेली (GIS) :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे | कलम २८(४) अन्वये प्रसिध्द करणे. कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे |
| खोपेली नवनगर अधिसूचित क्षेत्राची विकास योजना :- प्रारंभ विकास योजना कलम २६(१) खाली प्रसिध्दी करण्याबाबत कार्यवाही | कलम २६(१) खाली प्रारंभ विकास योजना प्रसिध्द करणे. |
| नवी मुंबई सिडको अधिसूचित क्षेत्रामध्ये वळलेल्या व सिडको से विशेष नियोजन प्राधिकरण नियुक्त केलेल्या क्षेत्राची विकास योजना :- | कलम २६(१) खाली प्रारंभ विकास योजना प्रसिध्द करणे. |

| | | | | | |
|-------------------|---|---|-------------------|---|--|
| <p>पाल्घर</p> | <p>१) रुद्रवाडी-समाळा सुधारित विकास योजना (GIS) :- संचालनालय कडून GIS Based DP तयार करण्यासाठी खाजगी यंत्रणेची नियुक्ती करण्यात आलेली होती. तथापि, विकास योजना उच्चबाबत जिल्हापरिषदेकडून प्रतिसाद नसल्याने रुद्र सुधारित विकास योजनेचे काम स्थगित आहे.</p> <p>२) वाडा नगरपालिका, ३) तलासरी नगरपालिका, ४) विक्रमाड नगरपालिका (GIS) :- प्रारूप विकास योजना तयार करून प्रसिद्धीसाठी नगरपालिकेकडे हस्तांतरित झालेली आहे.</p> <p>५) जंकर सुधारित विकास योजना (GIS) :- प्रारूप विकास योजना दि.०१/०७/२०२२ रोजी कलम २६(१) खाली प्रसिद्ध झालेली आहे.</p> <p>६) मोखाडा विकास योजना (GIS) :- प्रारूप विकास योजना दि.१०/०६/२०२२ रोजी प्रसिद्ध</p> | <p>--</p> <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> <p>--</p> <p>--</p> | <p>पलघर</p> | <p>रुद्रवाडी-समाळा विकास योजना:- जिल्हापरिषदेकडून खर्चास मान्यता मिळवण्यासाठी पत्रव्यवहार करणे व विधान (ZLU) व प्रारूप विकास योजना (PLU) तयार करणेचे काम</p> <p>वाडा, तलासरी, विक्रमाडा, जंकर (नगरपालिका), विकास योजना :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> <p>जंकर सुधारित विकास योजना :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> <p>मोखाडा विकास योजना :- कलम ३० अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये मंजूरीसाठी सादर करणे</p> | <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> |
| <p>रत्नागिरी</p> | <p>१) चपळूण शहराचा सुधारित विकास योजना:- सुधारित चिपळूण शहर विकास योजना कलम २१(१) अन्वये शासनाकडून मंजूर झालेली असून यारभूत स्वरूपाचे फंडवलाबाब वतरी वैधानिक कार्यवाही पूर्ण झालेली असून वाळवंटीच्या क्षेत्राची विकास योजना मंजूरीसाठी शासनास सादर झालेली आहे.</p> <p>२) रुड शहराची सुधारित विकास योजना (GIS) (संचालनालयाकडून नियुक्त यंत्रणा) :- प्रस्तावित भूवापर नकाशा (PLU) तयार करण्यात आलेला असून प्रसिद्धीसाठी नगरपालिकेकडे हस्तांतरित झालेला आहे.</p> <p>३) विकास योजनेचे वेवस्थित शहराचा विद्यमान जमिने वापर नकाशा (ELLU) दि. १७/०६/२०१९ च्या शासन अधिसूचनेच्या रुद्धीयवकालानुसार भौगोलिक माहिती प्रणाली (GIS) वर नव्याने तयार करणे. संचालनालय कडून खाजगी यंत्रणेची नियुक्ती होणेची आहे.</p> <p>४) विकास योजना गुहागर :- प्रस्तावित भूवापर नकाशा (PLU) तयार करण्यात आलेला असून प्रसिद्धीसाठी नगरपालिकेकडे हस्तांतरित झालेला आहे.</p> <p>५) विकास योजना लोवा :- प्रस्तावित भूवापर नकाशा (PLU) तयार करणेचे कार्यवाही सुरु आहे</p> <p>६) विकास योजना मंडवगड विद्यमान:- जमिने वापर नकाशा (ELLU) दि. १८/०९/२०२१ रोजी नगरपालिकेकडे हस्तांतरित केला आहे. प्रस्तावित जमिने वापर नकाशा तयार करण्याचे कामकाज सुरु आहे.</p> | <p>कलम ३१(१) खाली मंजूरीसाठी प्रसिद्ध</p> <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> <p>--</p> | <p>रत्नागिरी</p> | <p>खंड शहराची सुधारित विकास योजना:- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> <p>विकास योजना वेवस्थित शहराची प्रारूप विकास योजना तयार करणे.</p> <p>विकास योजना गुहागर :- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> <p>विकास योजना लोवा:- मंजूरीसाठी शासनास सादर करणे</p> <p>विकास योजना मंडवगड:- प्रस्तावित भूवापर नकाशा (ZLU) तयार करणे</p> | <p>कलम २८(४) अन्वये प्रसिद्धीकरण कलम ३० अन्वये शासनाकडे मंजूरीसाठी सादर करणे</p> <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> |
| <p>सिंधुदूर्ग</p> | <p>१) रुडवाड नगर पंचायत क्षेत्र गाठी विकास योजना :- विद्यमान जमिने वापर नकाशा (ELL) दि. २२/०७/२०२२ रोजी नगरपालिकेकडे हस्तांतरित केलेला आहे. प्रस्तावित जमिने वापर नकाशा तयार करण्याचे कार्यवाही सुरु आहे</p> | <p>--</p> | <p>सिंधुदूर्ग</p> | <p>रुडवाड नगर पंचायत क्षेत्र गाठी विकास योजना प्रस्तावित भूवापर नकाशा (ZLU) तयार करणे.</p> | <p>कलम २६ अन्वये प्रसिद्ध</p> |

| नाशिक | शहोळा मार्ग नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना (GIS) :- प्राथम विकास योजना प्रिन्सिपली दिनांक १६.१.२०२२ रोजी नगरपालिकेकडून हस्तांतरित केलेला आहे | कालम २६ अन्वये प्रसिध्द | विधानमार्ग नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना :- मजबूतीसाठी शासनास सादर करणे | कालम २८(४) अन्वये प्रसिध्दीकरण करूनम २० आन्वये शासनाकडे मजबूती सादर करणे |
|---------|---|---|--|--|
| | शहोळा मार्ग नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना (GIS):- दिनांक १०.६.२०२२ रोजी कालम २३ खाली विकास योजना तयार करण्याचा इ-ड जाहिर करण्यात आलेला आहे. विद्यमान जमीन वापर नकाशा (ELU) तयार करण्याची कार्यवाही सुरु आहे. | - | शहोळा मार्ग नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना :- मजबूतीसाठी शासनास सादर करणे | कालम २६ अन्वये प्रसिध्द |
| | ४)जामनेर-देवगाड नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना:- विद्यमान जमीन वापर नकाशा (ELU) दि.२१/०२/२०२२ रोजी नगरपालिकेकडून हस्तांतरित झालेला आहे. प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा तयार करण्याचे कार्यवाही सुरु आहे. | - | जामनेर-देवगाड नगरपालिका क्षेत्रासाठी विकास योजना :- मजबूतीसाठी शासनास सादर करणे. | कालम २६ अन्वये प्रसिध्द |
| | ५)कणकवली शहरची पहिली सुधारित विकास योजना:- विद्यमान जमीन वापर नकाशा (ELU) दिनांक २२.४.२०२२ रोजी नगरपालिकेकडून हस्तांतरित झालेला आहे. प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा तयार करण्याची कार्यवाही सुरु आहे. | कालम २६ अन्वये प्रसिध्द | कणकवली शहरची पहिली सुधारित विकास योजना :- मजबूतीसाठी शासनास सादर करणे | कालम २८(४) अन्वये प्रसिध्दीकरण करूनम २० आन्वये शासनाकडे मजबूती सादर करणे |
| | ६)मालवना शहरची सुधारित विकास योजना :- मालवना शहराची विकास योजना कालम ३१ (१) खाली मजबूती नंतर वगळलेल्या भागाबाबत (इपी) निवृत्त अधिकारी यांचा अडबाल शासनास सादर | कालम ३१(२) खाली मजबूती अर्थसूचना प्रसिध्द | --- | --- |
| | ७)साजतवाडी शहराची दुसरी सुधारित विकास योजना :- साजतवाडी शहराची विकास योजना कालम ३१ (१) खाली मजबूतीनंतर वगळलेल्या भागासाठी (इपी) मजबूतीचे कार्यवाही सुरु आहे. | मजबूतीची अधिसूचना प्रसिध्द | --- | --- |
| नाशिक | वि.यो.कळंगाव, वि.यो.देवळा, वि.यो.चंद्रवड, वि.यो.विडोरी, वि.यो.निफाड, वि.यो.पेठ, वि.यो.सुरगाणा, वि.यो.संटाणा (मु.ह.+वा.ह.) | वि.यो.देवळा, वि.यो.चंद्रवड, वि.यो.विडोरी, वि.यो.निफाड, वि.यो.पेठ, वि.यो.सुरगाणा, वि.यो.संटाणा (मु.ह.+वा.ह.) | वि.यो.ओड्डर नगरपालिका, वि.यो.सपथुंगी-गाड (वि.रा.ना.इ.) | वि.यो.सुरगाणा, वि.यो.कळंगाव, |
| जळगाव | वि.यो.मुस्ताईनगर नगरपालिका, वि.यो.अमळनेर (मु.ह.+वा.ह.), वि.यो.शंभुर्ण नगरपालिका, वि.यो.वाडवड नगरपालिका, वि.यो.एरेडोल (मु.ह.+वा.ह.), वि.यो.जळगाव (मु.ह.+वा.ह.) | वि.यो.मुस्ताईनगर नगरपालिका, वि.यो.अमळनेर (मु.ह.+वा.ह.), वि.यो.शंभुर्ण नगरपालिका, वि.यो.वाडवड नगरपालिका, वि.यो.एरेडोल (मु.ह.+वा.ह.), वि.यो.जळगाव (मु.ह.+वा.ह.) | वि.यो.नीर रवाड, वि.यो.गतर (वा.ह.), वि.यो.साठवा (वा.ह.) | वि.यो.जळगाव (मु.ह.+वा.ह.) |
| अहमदनगर | वि.यो.अकोले, वि.यो.जामखंड, वि.यो.कजत, वि.यो.नेवसा (दु.मु), वि.यो.शंकाव (दु.मु), वि.यो.पारनेर | वि.यो.अकोले, वि.यो.जामखंड, वि.यो.कजत, वि.यो.नेवसा (दु.मु), वि.यो.शंकाव (दु.मु), वि.यो.पारनेर | --- | वि.यो.अहमदनगर (मु.ह.+वा.ह.) |

| | | | | | | | |
|-----------------|-------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|------------|--|----------------------|------------------------------------|
| | वि.यो. कोपरगाव (दु.सु.) वा.ह.) | वि.यो. कोपरगाव (दु.सु.) वा.ह.) | वि.यो. कोपरगाव (दु.सु.) वा.ह.) | | | | |
| | वि.यो. श्रीगावा (दु.सु.) | वि.यो. श्रीगावा (दु.सु.) | वि.यो. श्रीगावा (दु.सु.) | | | | |
| | वि.यो. गहूरा (दु.सु.) | वि.यो. गहूरा (दु.सु.) | वि.यो. गहूरा (दु.सु.) | | | | |
| | वि.यो. राहाता | वि.यो. राहाता | वि.यो. राहाता | | | | |
| | वि.यो. अहमदनगर (मु.ह. वा.ह.) | वि.यो. अहमदनगर (मु.ह. वा.ह.) | वि.यो. अहमदनगर (मु.ह. वा.ह.) | | | | |
| नंदुरवार | वि.यो. तळोवा मुळ हद्द सुधारित | वि.यो. तळोवा मुळ हद्द सुधारित | वि.यो. तळोवा मुळ हद्द सुधारित | नंदुरवार | | | |
| | वि.यो. तळोवा वाढीव हद्द | वि.यो. तळोवा वाढीव हद्द | वि.यो. तळोवा वाढीव हद्द | | | | |
| | वि.यो. धडगावि-वडफळ्या-रोपमाळ बु. | वि.यो. धडगावि-वडफळ्या-रोपमाळ बु. | वि.यो. धडगावि-वडफळ्या-रोपमाळ बु. | | | | |
| धुळे | वि.यो. धुळे (वा.ह.) | वि.यो. धुळे (वा.ह.) | वि.यो. धुळे (वा.ह.) | धुळे | | | वि.यो. धुळे (वा.ह.) |
| | | | | | | | |
| औरंगाबाद | -- | -- | -- | औरंगाबाद | | | |
| जालना | | | | जालना | | तिथपुरी | |
| परमणी | १) मनाप परमणी | १) मनाप परमणी | १) मनाप परमणी | परमणी | | | मनाप परमणी |
| | २) न.प. पूर्ण | २) न.प. पूर्ण | २) न.प. पूर्ण | | | | |
| | ३) न.प. मानवत | ३) न.प. मानवत | ३) न.प. मानवत | | | | |
| | ४) न.प. सेवू | ४) न.प. सेवू | ४) न.प. सेवू | | | | |
| हिंगोली | १) विकास योजना औ.वि., नागनाथ (न.प.) | १) विकास योजना औ.वि., नागनाथ (न.प.) | १) विकास योजना औ.वि., नागनाथ (न.प.) | हिंगोली | | | |
| | २) विकास योजना कळमनूरी (सु. वा.ह.) | २) विकास योजना कळमनूरी (सु. वा.ह.) | २) विकास योजना कळमनूरी (सु. वा.ह.) | | | | |
| | ३) विकास योजना वसमत (दु.सु.) | ३) विकास योजना वसमत (दु.सु.) | ३) विकास योजना वसमत (दु.सु.) | | | | |
| नरेंड | हिमायतनगर | हिमायतनगर | हिमायतनगर | नरेंड | | केदार | |
| | किनवट (दु.सु.) | किनवट (दु.सु.) | किनवट (दु.सु.) | | | मुखेड (दु.सु.) | |
| | | | | | | नरेंड (मु.ह. दु.सु.) | |
| बोंट | १) माजलगाव | १) माजलगाव | १) माजलगाव | बोंट | | | |
| | २) गोवाई | २) गोवाई | २) गोवाई | | | | |
| | ३) अंबाजोगाई | ३) अंबाजोगाई | ३) अंबाजोगाई | | | | |
| | ४) किल्ले धारूर | ४) किल्ले धारूर | ४) किल्ले धारूर | | | | |
| लातूर | | | | लातूर | | १) वि.यो. औसा (सु.) | २) वि.यो. |
| | | | | | | लातूर (सु.) | ३) उरगीर |
| | | | | | | (सु. वा.ह.) | ४) अहमदनगर (सु. वा.ह.) |
| उस्मानाबाद | न.प. कळंब | न.प. कळंब | न.प. कळंब | उस्मानाबाद | | | |
| | नगर परिषद, नळदुर्ग | नगर परिषद, नळदुर्ग | नगर परिषद, नळदुर्ग | | | | |
| | नगर परिषद, भूम | नगर परिषद, भूम | नगर परिषद, भूम | | | | |
| बुलढाणा | १) मोताळा (नवनिर्मित नगर पंचायत) | १) बुलढाणा (दु.सु.) | १) बुलढाणा (दु.सु.) | बुलढाणा | | | १) चिखली (दु.सु. वा.ह.) |
| | २) म्हकर (मु. ह. वा.ह.) | २) खामावि (दु.सु.) | २) खामावि (दु.सु.) | | | | २) रसामपुर (नवनिर्मित नगर पंचायत) |
| | ३) रसामपुर (नवनिर्मित नगर पंचायत) | ३) मलकापुर (दु.सु.) | ३) मलकापुर (दु.सु.) | | | | ३) मोताळा (नवनिर्मित नगर पंचायत) |
| | ४) खामावि (दु.सु.) | ४) नंदुरा (दु.सु.) | ४) नंदुरा (दु.सु.) | | | | ४) म्हकर (मु. ह. वा.ह.) |
| | ५) मलकापुर (दु.सु.) | ५) मलकापुर (दु.सु.) | ५) मलकापुर (दु.सु.) | | | | |
| अकोला | १) बाशाटकळे (नवनिर्मित नगर पंचायत) | १) बाशाटकळे (नवनिर्मित नगर पंचायत) | १) बाशाटकळे (नवनिर्मित नगर पंचायत) | अकोला | | | १) पोतूर (मुळ हद्द सुधारित) |
| | २) मूर्तिजापूर (दु.सु.) | २) मूर्तिजापूर (दु.सु.) | २) मूर्तिजापूर (दु.सु.) | | | | २) बाळापूर (मुळ हद्द सुधारित) |
| | ३) अकोला (मुळ हद्द दु.सु. + वा.ह.) | ३) अकोला (मुळ हद्द दु.सु. + वा.ह.) | ३) अकोला (मुळ हद्द दु.सु. + वा.ह.) | | | | ३) अकोला (मुळ हद्द दु.सु. + वा.ह.) |
| वाशिम | १) मानरा (नवनिर्मित नगर पंचायत) | १) मानरा (नवनिर्मित नगर पंचायत) | १) मानरा (नवनिर्मित नगर पंचायत) | वाशिम | | | |

| भंडारा | १) विकास योजना भंडारा (सु) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | भंडारा | १) विकास योजना भंडारा (सु) | प्रस्तावित जमीन वापर नकाशा शासनाचे मंजूरीस्तव सादर करणे |
|--------|--|---------------------------|--------|--|---|
| | २) विकास योजना तुमसर (सु) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | २) विकास योजना तुमसर (सु) | कसोलाप्रमाणे |
| | ३) विकास योजना पवर्ना (सु) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | ३) विकास योजना पवर्ना (सु) | कसोलाप्रमाणे |
| | ४) विकास योजना साकोली (नवनिर्मित न.प.) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | ४) विकास योजना साकोली (नवनिर्मित न.प.) | कसोलाप्रमाणे |
| | ५) विकास योजना लाखर्ना (नवनिर्मित न.प.) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | ५) विकास योजना लाखर्ना (नवनिर्मित न.प.) | कसोलाप्रमाणे |
| | ६) विकास योजना लाखादूर (नवनिर्मित न.प.) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | ६) विकास योजना लाखादूर (नवनिर्मित न.प.) | कसोलाप्रमाणे |
| | ७) विकास योजना मोहाडी (नवनिर्मित न.प.) | प्रारूप विकास योजना नकाशा | | ७) विकास योजना मोहाडी (नवनिर्मित न.प.) | कसोलाप्रमाणे |
| वर्धा | वि.वो. संवाग्राम (सुधारित) विकास योजना अंतर्गत बेस मॅप, विद्यमान जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून तपासणी करणे. | निरंक | वर्धा | वि.वो. संवाग्राम (सुधारित) विकास योजना अंतर्गत प्रस्तावित जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून २६ अन्वयेचे प्रसिध्दीकरण करणे. | विकास योजना कालम २६ अन्वये प्रसिध्द करणे |
| | पुलगाव (सुधारित) विकास योजना अंतर्गत बेस मॅप, विद्यमान जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून तपासणी करणे. | निरंक | | पुलगाव (सुधारित) विकास योजना अंतर्गत प्रस्तावित जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून २६ अन्वयेचे प्रसिध्दीकरण करणे. | विकास योजना कालम २६ अन्वये प्रसिध्द करणे |
| | नगर पंचायत कोरंजा मुळ विकास योजना अंतर्गत बेस मॅप, विद्यमान जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून तपासणी करणे. | निरंक | | नगर पंचायत कोरंजा मुळ विकास योजना अंतर्गत प्रस्तावित जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून २६ अन्वयेचे प्रसिध्दीकरण करणे. | विकास योजना कालम २६ अन्वये प्रसिध्द करणे |
| | नगर पंचायत मेरु, समुद्रपुर व आष्टी मुळ विकास योजना अंतर्गत प्रस्तावित जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून तपासणी करणे. | निरंक | | नगर पंचायत मेरु, समुद्रपुर व आष्टी मुळ विकास योजना अंतर्गत प्रस्तावित जमिन वापर नकाशा संबंधित यंत्रणेकडून तयार करून २६ अन्वयेचे प्रसिध्दीकरण करणे. | विकास योजना कालम २६ अन्वये प्रसिध्द करणे |
| | | | | निरंक | निरंक |

(ब) नियोजन प्राधिकरणाने कलम ३० अन्वये शासनास मंजूरीस्तव सादर केलेल्या विकास योजना

| अ.क्र. | विभाग | जिल्हाचे नाव | विकास योजना | कलम ३० अन्वये सादर केल्याचा दिनांक | शेरा |
|-------------------|-------|--------------|--|--|------|
| पुणे विभाग | | | | | |
| १ | | सातारा | निरंक | | |
| | | पुणे मनपा | पुणे महानगरपालिका हद्दीत समाविष्ट मौ. येवलेवाडी गावाचा विकास आराखडा | १२.१०.२०१८ | |
| २ | | पुणे | निरंक | | |
| ३ | | कोल्हापूर | निरंक | | |
| ४ | | सांगली | निरंक | | |
| ५ | | सोलापूर | मैदगी नगरपरिषद (प्र.सु.) | ०२.११.२०२० | |
| ६ | पुणे | | प्रारूप विकास योजना जेजूरी (डु.सू.) (वगळलेल्या भागाची विकास योजना) | जेजूरी नगरपरिषदेची दुसरी सुधारीत विकास योजना दि. २७.०७.२०१८ रोजी मंजूर झालेली असून, ती दि. ०२.११.२०१८ पासून अंमलात आहे व वगळलेल्या भागाची विकास योजना शासनस्तरावर मंजूरीसाठी दि.०३.०१.२०२० रोजी सादर केली आहे. | |

| | | | | |
|-------------------|-------------------|---|---|---|
| ७ | बारामती शाखा | इंदापूर नगरपरिषदेच्या मुळ हद्दीची विकास योजना | इंदापूर नगरपरिषदेच्या मुळ हद्दीची दुसरी सुधारीत विकास योजना दि. १८.०९.२०१९ शासनास मंजूरीसाठी सादर झालेली असून, सादरची वि.यो. संदर्भातची छाननी समिती बैठक दि. ३०.०९.२०२१ रोजी मंत्रालय, मुंबई येथे सपन्न झाली. सादर मुळ हद्दीची दु.सु. वि.यो. शासनस्तरावर मंजूरीसाठी प्रलंबित आहे. | |
| कोकण विभाग | | | | |
| | कोकण | संख्या-१,बृहन्मुंबई विकास योजना-२०३४ दि.२.०८.२०१७,मंजूर दि.०८.०५.२०१८ | | -इपी २०३० मंजूर-७१४,प्रलंबित-१३१६ |
| १ | बृहन्मुंबई | ठाणे जिल्हा | निरंक | रायगड जिल्ह्यामधील महाराष्ट्र राज्य |
| २ | रायगड जिल्हा | रायगड जिल्हा | निरंक | रस्ते विकास महामंडळ हे विशेष |
| ३ | पालघर जिल्हा | पालघर जिल्हा | निरंक | नियोजन प्राधिकरण असलेल्या |
| ४ | रत्नागिरी जिल्हा | रत्नागिरी जिल्हा | निरंक | क्षेत्राची विकास योजना त्यांनी |
| ५ | सिंधुदूर्ग जिल्हा | सिंधुदूर्ग जिल्हा | निरंक | शासनास सादर केलेली आहे मुख्य कार्यालयाचे अभिप्राय शासनास सादर असून शासनाकडून पुढील कार्यवाहीअभिप्रेत आहे. |

| नागपूर विभाग | | | | |
|----------------|----------|--|--|--------------------------|
| १ | नागपूर | कन्हान-पिपरी | दि.२२.०७.२०१९ | |
| २ | नागपूर | गडचिरोली | निरंक | |
| ३ | | गोंदिया | निरंक | |
| ४ | | भंडारा | निरंक | |
| ५ | | चंद्रपूर | निरंक | |
| ६ | | वर्धा | निरंक | |
| नाशिक विभाग | | | | |
| १ | नाशिक | निरंक | निरंक | |
| २ | नाशिक | वि.यो. पारोळा (डु.सु.) भागशः वगळलेले वि.यो. रावेर (डु.सु.) वि.यो. वरणगाव | २१.०६.२०२२ ११.०२.२०२० २८.०९.२०२० | |
| ३ | | अहमदनगर | वि.यो. शिर्डी भागशः वगळलेले | |
| ४ | | नंदुबार | निरंक | निरंक |
| ५ | | धुळे | निरंक | निरंक |
| औरंगाबाद विभाग | | | | |
| १ | औरंगाबाद | विकास योजना, गंगापूर | २१.१०.२०१९ | |
| | | विकास योजना, सोयगांव | ०२.११.२०२० | |
| | | विकास योजना, फुलंब्री | ०४.१०.२०२१ | |
| २ | | जालना | बदनापूर वि.यो. जालना सिडको निरधिसुचीत क्षेत्र | ०५.०८.२०१९ १५.०२.२०२१ |
| ३ | परभणी | पालम | १८.०३.२०२१ | |
| ४ | नांदेड | नांदेड - वाघाळा (वा.ह.) | २५.०३.२०२१ | |
| | | अर्धापूर | ०७.०२.२०१९ | |
| | | माहूर (सु.) | १३.११.२०१८ | |
| | | हदगाव | २३.०९.२०२१ | |
| | | देगलूर | २२.०८.२०२१ | |

| | | | | |
|----------------------|----------|------------|--|------------------------------|
| ५ | | बीड | वि.यो. बीड | ३०.१०.२०१८ |
| | | | वि.यो. परळी वैजनाथ | ११.१२.२०२० |
| | | | वि.यो. वडवणी | १२.१०.२०२० |
| | | | वि.यो. पाटोदा | १६.०६.२०२१ |
| ६ | | | चाकूर नगर पंचायत | ०६.०३.२०१९ |
| | औरंगाबाद | लातूर | जळकोट नगर पंचायत | २८.०८.२०१९ |
| | | | शिरूर अनंतपाळ नगर पंचायत | २७.०२.२०१९ |
| | | | रेणापूर नगर पंचायत | २५.०२.२०२० |
| | | | देवणी नगर पंचायत | ०७.०४.२०२१ |
| ७ | | उस्मानाबाद | नगर पंचायत वाशी | २३.०२.२०२१ |
| | | | विकास योजना लोहारा | १७.०२.२०२० |
| ८ | | हिंगोली | निरंक | निरंक |
| अमरावती विभाग | | | | |
| १ | | बुलडाणा | निरंक | निरंक |
| २ | | अकोला | निरंक | निरंक |
| ३ | अमरावती | वाशिम | १)कारंजा नगरपरिषद (मूळ हद्द दु.सु.+वा.ह.) २) मालगाव नगरपंचायत | ११/०८/२०२२ १७/०५/२०२२ |
| ४ | | यवतमाळ | निरंक | निरंक |
| ५ | | अमरावती | निरंक | निरंक |

| (क) (i) तयार करावयाच्या प्रक्रियेत असलेल्या नगर रचना योजना | | | | |
|--|-------|--------------|--|---|
| अ.क्र. | विभाग | जिल्हाचे नाव | नगर रचना योजनेचे नाव | प्रक्रियेचा टप्पा / अंमलात आल्याचा दिनांक |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| पुणे विभाग | | | | |
| १ | पुणे | सतारा | ---- | नव्याने स्थापन झालेल्या एकुण ७ नगर पंचायतीच्या विकासा योजना विहित मुदतीत तयार करावयाच्या असल्याने नगर पंचायतींनी तसेच काही नगर परिषदांनी इच्छुकता दर्शविल्यास विकासा योजना मध्ये नगर रचना योजनेचे स्थान निश्चितकरणासह नगर रचना योजना तयार करणेचे काम हाती घेता येऊ शकेल. |
| २ | | पुणे मनपा | योजना क्र.१० फुरसुंगी | महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगर रचना आधीनियम १९६६ चे कलम ५९(२) अन्वये मा.संवा.ल.क, नगर रचना, पुणे यांना सादर करणे. |
| ३ | | पुणे | | निरंक |
| ४ | | PMRDA | १) रूढाकुंगो-माण नरयो क्र. १ | दि. ०७.०२.२०२० रोजी लवच यांनी अंतिम नरटो प्रसिध्द केली आहे. मा. अपील न्यायाधिकरण प्रस्थापित करण्यासाठी दि. २३.०२.२०२१ चे पत्रान्वये शासनाकडे प्रस्ताव सादर केला आहे. दि. २४.०१.२०२२ च्या पत्रान्वये शासनास पुनःश्च विनंती केली आहे. |
| | | | २) वडाचीवाडी नरयो क्र. २ | प्राथमिक नरयो करणेकामी लवाद यांचेकडून दि. २१.०३.२०२२ ते दि. ३०.०३.२०२२ मध्ये सुनावणी घेण्यात आली. त्याप्रमाणे लवादामार्फत प्राथमिक नरयो तयार करण्याचे काम प्रगती पथावर आहे. |
| | | | ३) औताडेहाडेवाडी नरयो क्र. ३ | प्राथमिक नरयो करणेकामी लवाद यांचेकडून दि. १५.०६.२०२२ ते दि. २४.०६.२०२२ मध्ये सुनावणी घेण्यात आली. त्याप्रमाणे लवादामार्फत प्राथमिक नरयो तयार करण्याचे काम प्रगती पथावर आहे. लवकरच सादर योजना मंजूरीसाठी शासनास सादर करण्यात येत आहे. |
| | | | ४) होळकरवाडी नरयो क्र. ४ | सुनावणी दि. १७.१०.२०२२ पासून प्रस्तावित आहे. |
| | | | ५) होळकरवाडी नरयो क्र. ५ | नरयो क्र. ४ चे सुनावणीचे कामकाज पुर्ण झालेनंतर सादर योजनेची सुनावणी घेणेत येईल. |
| | | | ६) मांजरी खुर्द- कोलवडी नरयो क्र. ११ | नव्याने लवाद नियुक्ती झाल्याने लवादामार्फत सुनावणीचे कामकाज सुरु करण्यात येईल. |
| ५ | | कोल्हापूर | १) प्रारूप नगर रचना योजना क्र.१ इचलकरंजी (प्रथम फेरबदल) २) प्रारूप नगर रचना योजना क्र.२ इचलकरंजी (प्रथम फेरबदल) | नगर रचना योजना फेरबदलाकामी नारधी एजन्सीकडून झालेल्या वस्तुनिष्ठ मोजणी आलेख नगर भूमापन कार्यालयाकडून छाननी पडताळणी करून घेणे. पडताळणीअंती सुधारित मोजणी आलेख नगर भूमापन कार्यालयाकडून अधिप्रमाणित करून घेणे त्यास अनुसरून सारधी एजन्सीकडून भुखंडनिहाय सर्वेक्षण संचिका प्राप्त झाल्यानंतर फेरबदलाची यादी प्रारूप आराखडा व विकासा निबंधन नियमावली तयार करून कलम ६२ अन्वये ठरव संमत करण्यासाठी इचलकरंजी नगरपरिषदेकडे सुपूर्द करणे. |
| ६ | | सांगली | ---- | निरंक |
| ७ | | सोलापूर | ---- | निरंक |
| ८ | | बारामती | ---- | निरंक |

कोकण विभाग

| क्र. | ठाणे जिल्हा | निरंक | निरंक |
|------|-------------------|------------------------|---|
| १ | रायगड जिल्हा | महाड नगर रचना योजना | महाड नगरपरिषद ने सुधारित विकास योजना मुंबई-गोवा राष्ट्रीय महामार्गशेजारील व रायगड महाड रस्ता यामधील रहिवास विभागातील सुमारे २६.०० हे.आर. सर्वसाधारण मोकळी जागेची निवड केलेली आहे. तथापि, पायाभूत नकाशा तयार करणेबाबतची कोणतीही कार्यवाही नगरपरिषदेकडून अद्याप झाली नसल्याचे कळते. |
| २ | पालघर जिल्हा | नगर रचना योजना, दामोली | सद्यस्थितीत कोणतीही नगर रचना योजना कार्यान्वीत नाही. |
| ३ | रत्नागिरी जिल्हा | | प्राथमिक माहिती संकलित करण्याचे काम नगरपंचायतीमार्फत सुरु आहे. |
| ४ | सिंधुदुर्ग जिल्हा | | |
| ५ | | | निरंक |

| नागपूर विभाग | | | | | |
|--------------|----------|--|-------|-------|--------------------------|
| १ | नागपूर | नागपूर | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | गडचिरोली | गडचिरोली | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | गोंदिया | गोंदिया | निरंक | निरंक | निरंक |
| ४ | भंडारा | भंडारा | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | चंद्रपूर | चंद्रपूर | निरंक | निरंक | निरंक |
| ६ | वर्धा | वर्धा | निरंक | निरंक | निरंक |
| नाशिक विभाग | | | | | |
| १ | नाशिक | नाशिक | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | जळगाव | जळगाव | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | अहमदनगर | नागर रचना योजना क्र. १ श्रीरामपूर (अंतिम) | निरंक | निरंक | दि. १२/०३/१९७५ |
| | | नागर रचना योजना क्र. १ श्रीरामपूर (प्र. फे.) | निरंक | निरंक | दि. ०६/०३/१९९९ (प्रारूप) |
| | | नागर रचना योजना क्र. २ श्रीरामपूर (अंतिम) | निरंक | निरंक | दि. २२.९.१९९९ |
| | | नागर रचना योजना क्र. ३ श्रीरामपूर (अंतिम) | निरंक | निरंक | दि. १२.३.२००१ |
| | | नागर रचना योजना क्र. ४ श्रीरामपूर (प्रारूप) | निरंक | निरंक | दि. १५/१२/१९८६ |
| | | नागर रचना योजना क्र. ५ श्रीरामपूर (प्रारूप) | निरंक | निरंक | दि. २२/१२/१९८८ |
| | | नागर रचना योजना क्र. १ संगमनेर (प्रारूप) | निरंक | निरंक | दि. ०१/०१/१९९२ |
| | | नागर रचना योजना क्र. १ अहमदनगर | निरंक | निरंक | सन १९२८ |
| | | नागर रचना योजना क्र. १ अहमदनगर (प्र. फे.) | निरंक | निरंक | दि. ७.१२.१९५० |
| | | नागर रचना योजना क्र. ३ अहमदनगर अंतिम | निरंक | निरंक | दि. ५.५.१९६४ |
| | | नागर रचना योजना क्र. ३ अहमदनगर (प्र. फे.) | निरंक | निरंक | दि. २५.५.२००१ |
| | | नागर रचना योजना क्र. ४ अहमदनगर अंतिम | निरंक | निरंक | दि. ४.१.१९८५ |
| ४ | नंदुरबार | नंदुरबार | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | धुळे | धुळे | निरंक | निरंक | निरंक |

औरंगाबाद विभाग

| | | | |
|---|------------|---------|-------|
| १ | औरंगाबाद | निरंक | निरंक |
| २ | जालना | निरंक | निरंक |
| ३ | परभणी | निरंक | निरंक |
| ४ | हिंगोली | हिंगोली | निरंक |
| ५ | नांदेड | निरंक | निरंक |
| ६ | बीड | निरंक | निरंक |
| ७ | लातूर | निरंक | निरंक |
| ८ | उस्मानाबाद | कळंब | निरंक |

अमरावती विभाग

| | | | |
|---|---------|-------|-------|
| १ | बुलडाणा | निरंक | निरंक |
| २ | अकोला | निरंक | निरंक |
| ३ | वाशिम | निरंक | निरंक |
| ४ | यवतमाळ | निरंक | निरंक |
| ५ | अमरावती | निरंक | निरंक |

(क) (ii) शासनास मंजूरीसाठी सादर झालेल्या नगर रचना योजना

| अ.क्र. | जिल्हाचे नाव | नगर रचना योजनेचे नाव | शासनास सादर झाल्याचा दिनांक |
|---------------------|--------------|--|-----------------------------|
| १ | २ | ३ | ४ |
| पुणे विभाग | | | |
| १ | सातारा | निरंक | निरंक |
| २ | पुणे | निरंक | निरंक |
| ३ | पुणे मनपा | योजना क्र.६ उरळी देवाची, योजना क्र.९ फुरसुगी | २९.०६.२०२२ |
| ४ | कोल्हापूर | निरंक | निरंक |
| ५ | सांगली | निरंक | निरंक |
| ६ | सोलापूर | निरंक | निरंक |
| ७ | बारामती शाखा | निरंक | निरंक |
| कोकण विभाग | | | |
| १ | ठाणे | निरंक | निरंक |
| २ | रायगड | निरंक | निरंक |
| ३ | पालघर | निरंक | निरंक |
| ४ | रत्नागिरी | निरंक | निरंक |
| ५ | सिंधुदुर्ग | निरंक | निरंक |
| नागपूर विभाग | | | |
| १ | भंडारा | निरंक | निरंक |
| २ | चंद्रपूर | निरंक | निरंक |
| ३ | गडचिरोली | निरंक | निरंक |
| ४ | नागपूर | निरंक | निरंक |
| ५ | वर्धा | निरंक | निरंक |
| ६ | गोंदिया | निरंक | निरंक |
| नाशिक विभाग | | | |
| १ | नाशिक | निरंक | निरंक |
| २ | जळगांव | निरंक | निरंक |
| ३ | अहमदनगर | निरंक | निरंक |
| ४ | नंदुरबार | निरंक | निरंक |

| ५ | धुळे | निरंक | निरंक |
|-----------------------|------------|-------|-------|
| औरंगाबाद विभाग | | | |
| १ | औरंगाबाद | निरंक | निरंक |
| २ | जालना | निरंक | निरंक |
| ३ | परभणी | निरंक | निरंक |
| ४ | हिंगोली | निरंक | निरंक |
| ५ | नांदेड | निरंक | निरंक |
| ६ | बीड | निरंक | निरंक |
| ७ | लातूर | निरंक | निरंक |
| ८ | उस्मानाबाद | निरंक | निरंक |
| अमरावती विभाग | | | |
| १ | बुलडाणा | निरंक | निरंक |
| २ | अकोला | निरंक | निरंक |
| ३ | वाशिम | निरंक | निरंक |
| ४ | यवतमाळ | निरंक | निरंक |
| ५ | अमरावती | निरंक | निरंक |

(क) (iii) हाती असलेल्या नगर रचना योजना

| अ.क्र. | जिल्हा | नगर रचना योजनेचे नाव | कोणत्या वर्षात प्रारंभ नगर रचना योजना | | कोणत्या वर्षात प्रारंभ नगर रचना योजना | | कोणत्या वर्षात अंतिम नगर रचना योजना मंजूर होण्याची शक्यता आहे. | अभिप्राय |
|--------|--------------|---|---|--|---------------------------------------|--|--|---|
| | | | तयार/प्रसिद्ध होण्याची शक्यता आहे. | तयार / प्रसिद्ध केली दि. | मंजूर होण्याची शक्यता आहे. | मंजूर झाली दि. | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| १ | सातारा | | | | | | | |
| २ | पुणे | | | | | | | |
| ३ | PMRDA | १) म्हाळुंगे-माण नरयो.क्र. १ २) वडाचीवाडी नरयो.क्र. २ ३) औताडे हाडेवाडी नरयो.क्र. ३ ४) होळकरपाडी नरयो.क्र. ४ ५) होळकरपाडी नरयो.क्र. ५ ६) मांजरी खुर्द- कोलपडी नरयो.क्र. ५१ | दि. २.१२.२०११ -- -- -- -- -- | दि. ३४.०२.२०२० -- -- -- -- -- | -- -- -- -- -- | ११.०१.२०१८ ०१.०१.२०२० ०१.०१.२०२० ०१.०१.२०२० ०१.०१.२०२० ११.१२.२०१९ | सन २०२३ सन २०२३ सन २०२३ सन २०२३ सन २०२३ सन २०२३ | |
| ४ | कोल्हापूर | न.र. योजना क्र. १ व २ इयत्कारंजी | --- | --- | --- | --- | --- | इयत्कारंजी मंजूर न.र.योज. क्र. १ व २ मध्ये फेब्रुवरी २०१९ पासून दि. ०२/०८/२०१९ चे शासन निर्णयान्वये स.स.न.न., न.र.योज. क्र. १ व २ इयत्कारंजी या कार्यालयाची स्थापना केली आहे. नगर रचना योजना क्षेत्राचे खाजगी संश्लेषण फरमसंश्लेषणाचे काम पूर्ण झाले आहे. |
| ५ | सांगली | | | | | | | |
| ६ | सातारा | | | | | | | |
| ७ | बारामती शाखा | | | | | | | |

कोकण विभागा नवी मुंबई

| १ | टाणे जिल्हा | कल्याण-डोबिवली महानगरपालिका नगर रचना परियोजना क्र. १ व २ (मौ.साणट व वाडेघर) | २०१८-२०१९ | २०१९-२०२३ | निरंक | २०२३-२०२४ | मा. संचालक, नगर रचना, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांच्याकडे दि. १२/१२/१८ च्या पत्रान्वये कल्याण-डोबिवली महानगरपालिका यांनी क्लेम ६१(१) नुसार स्वरची योजना सल्ला मसलत करून शासनास सादर केली आहे. |
|---|---------------------------|---|------------|-----------|------------|--|---|
| | | | | | | | |
| | | नगर रचना परियोजना क्र. १ | ०८.११.२०१७ | --- | २१.०१.२०१८ | दिनांक ३०.८.२०२३ रोजी अंतिम नगर रचना योजना मंजूर झाली आहे. | |
| | | नगर रचना परियोजना क्र. २ | ०८.१२.२०१७ | --- | २६.०४.२०१९ | २०२२-२०२३ | प्राथमिक नगर रचना योजना मंजूर दिनांक ३.११.२०१० |
| | | नगर रचना परियोजना क्र. ३ | १०.०५.२०१८ | --- | ०१.११.२०१९ | २०२३-२०२४ | क्लेम ७२(१) नुसार दिनांक ३०.१२.२०१९ रोजीच्या अधिसूचनेनुसार लबादार्थी निकुती झालेली आहे |
| | | नगर रचना परियोजना क्र. ४ | २१.०६.२०१९ | २०१२-२०२३ | --- | २०२३-२०२४ | प्राप्त नवी क्लेम ६१(१) खाली सवलतलावास प्राधिकरणाचे दिनांक १९.३.२०२० रोजीचे पत्रान्वये सादर आहे. |
| २ | शंकाड जिल्हा नेम निठको | नगर रचना परियोजना क्र. ५ | २६.०६.२०१९ | २०१२-२०२३ | --- | २०२४-२०२५ | प्राप्त नवी क्लेम ६१(१) खाली सवलतलावास प्राधिकरणाचे दिनांक २०.३.२०२० रोजीचे पत्रान्वये सादर आहे. |

| | | | | | | | |
|---|--------------------------|-----------|------------|-----------|----|-----------|--|
| | नार रचना परीोजना क्र. ६ | - | ०८.०८.२०१९ | २०२२-२०२३ | -- | २०१८-२०१९ | प्राप्त नरयो कलम ६१(१) खाली संचालनालयास माधिकाशास माधिकाशास आहो. |
| | नार रचना परीोजना क्र. ७ | - | १८.०९.२०१९ | २०२२-२०२३ | -- | २०१८-२०१९ | प्राप्त नरयो कलम ६१(१) खाली संचालनालयास माधिकाशास आहो. |
| | नार रचना परीोजना क्र. ८ | - | २८.०९.२०२० | २०२२-२०२३ | -- | २०१८-२०१९ | |
| | नार रचना परीोजना क्र. ९ | २०२२-२०२३ | - | २०२२-२०२३ | -- | २०१९-२०१६ | |
| | नार रचना परीोजना क्र. १० | २०२२-२०२३ | - | २०२२-२०२३ | -- | २०१९-२०१६ | |
| | नार रचना परीोजना क्र. ११ | २०२२-२०२३ | - | २०२२-२०२३ | -- | २०१९-२०१६ | |
| ३ | रत्नागिरी | २०२२-२०२३ | - | २०२२-२०२४ | -- | २०२५-२०२६ | नारपंचायतीकडून प्राथमिक कार्यवाही सुरु आहे. |

नागपूर विभाग

| | | | | | | | |
|--------------------|---|-------|-----------|-------|------------|-----------|--|
| १ | परडी - भरतवाड- | | | | | | |
| | पुगापूर- | | | | | | |
| | भाजिवाडी- | | | | | | |
| | टिपोस क्र-१ | | | | | | |
| | नागपूर | | | | | | |
| | भंडारा | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| | वधा | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| नाशिक विभाग | | | | | | | |
| १ | नाशिक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | चळगाव | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| | नार रचना योजना क्र. १ (प्र.फ.) श्रीरामपूर | निरंक | ६,१२/१९१४ | निरंक | ३/६/१९९९ | २०२२-२०२३ | सध्यास्थितीत मा. अपील न्यायाधिकारणी थापना झाली असून मा. अपीलावरील निषायाचे काम अंतिम टप्प्यात आहे. |
| | नार रचना योजना क्र. ४ श्रीरामपूर | निरंक | ६,२४/१९२१ | निरंक | १२/१९/१९८६ | २०२२-२०२३ | सदर योजना दि. २० जुलै २०१५ रोजी प्रसिध्द केली होती. तसेच महाराष्ट्र नार रचना योजना १९७४ मधील नियम क्र. १३ नुसार नमुना फर्म नं. मधील नोंदीस या संबंधीत भूखंड धारकांना देऊन लबावांचे निषायाचे माहिती देण्यात आलेली असून त्यावरील योजना व हरकारीसाठी ६० दिवसांचा काल वाधी निश्चित करण्यात आला होता त्या अर्क्याने अपील न्यायाधिकारणी थापना करणेबाबत कार्यवाही सुरु आहे. |
| ३ | अहमदनगर | निरंक | ९,१५/१९८४ | निरंक | ११/२२/१९८८ | निरंक | सदर योजनेच्या क्षेत्रांत ६५% क्षेत्र शेत महामंडळाच्या अध्यायित वेत असून सदर जागेत कोणताही विकसन कार्यस अथवा हस्तान्तरणास मा.उच्च न्यायालयाचे सन २०११ पर्यंत स्थगिती असल्यामुळे या योजनेबाबत लबाविय कामकाज करणेबाबत वेळब झाल्याने सदर योजनेच्या वेधतबाबत विभागीय कार्यालयातील शाखा अधिकारी वैद्यकीच्या वेळेस झालेल्या चर्चे व स्पष्टनेनुसार शाखा कार्यालयांन पत्र क्र.२४९, दि.११.११.२०१८ अन्वये मुळा कार्यालयास विहित मार्गाने अहवाल सादर केलेला आहे. |
| | नार रचना योजना क्र. १ संगमनेर | निरंक | ८,२१/१९८४ | निरंक | ११/१९९२ | निरंक | सदर योजना महाराष्ट्र प्रादेशिक व ना. रचना १९६६ च्या कलम ७२ पटकलम (३) संव्धात योजनेच्या सर्व बाबी ठरविण्यासाठीचा कालावधी शासनाने दि. २६/०८/२०१५ च्या अधिसूचनेवर दि. ०२/०२/२०१६ पर्यंत वाढविला त्यानुसार कार्यवाही सुरु आहे. मात्र सदर योजना रद्द करणेसंबंधी नागरीकांची मागणी व न.प.चा ठरावानुसार या कार्यालयाने शासनास/मुळा कार्यालयास अहवाल सादर केलेला आहे. |
| ४ | पुळे | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | महूबा | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |

| (ड) (1) मंजूर प्रादेशिक योजना. | | | | | |
|--------------------------------|--------------|---|---|--|---|
| अ.क्र. | जिल्हा | प्रदेशाचे नांव | प्रदेशाचे स्वरूप जसे महानगरी, कृषीप्रधान | प्रादेशिक योजना शासनाने मंजूर केल्याची तारीख | प्रादेशिक योजना अंमलात आल्याची तारीख |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| | | | | पुणे विभाग | |
| | | महाबळेश्वर-पाचगणी प्रादेशिक योजना (सुधारित) | पर्यावरणदृष्ट्या संवेदनशील | ८/७/२०१५ | ११/३/२०१५ |
| १ | सातारा | सातारा प्रदेशाची प्रादेशिक योजना | महाबळेश्वर - पांचगणी प्रादेशिक योजना क्षेत्र वागळून उर्वरित सातारा जिल्हयाचे क्षेत्र - कृषीप्रधान | १८/२०१८ | ४/८/२०१८ |
| २ | पुणे | पुणे प्रादेशिक योजना | महानगरी | २५.११.१९९७ | दि. १०/०२/१९९८ |
| ३ | काल्यापूर | काल्यापूर प्रादेशिक योजना | कृषीप्रधान | १४/२०१८ | ४/१/२०१८ |
| ४ | सांगली | सांगली मिरज | कृषीप्रधान | ३१/५/१९८५ | ५/३०/१९८५ |
| ५ | सोलापूर | सोलापूर जिल्हा प्रदेश | कृषीप्रधान | २/९/२०१५ | ६/२५/२०१५ |
| ६ | बारामती शाखा | पुणे | कृषीप्रधान | ११/२५/१९९७ | २/१०/१९९८ |
| | | | | कोकण विभाग | |
| १ | | ठाणे, रायगड-गालथर प्रादेशिक योजना | कृषीप्रधान | १६/२०१८ | ३/५/२०१८ |
| २ | | मुंबई महानगर प्रदेश | महानगरी तसेच कृषीप्रधान | ४/२०/२०२१ | ६/२०/२०२१ |
| ३ | | रायगड | कृषीप्रधान | ७/४/१९९२ | १/२५/१९९२ |
| ४ | कोकण विभाग | रत्नागिरी - सिंधुदूर्ग जिल्हा प्रादेशिक योजना. | पर्यटन दृष्ट्या मंचूर झालेली प्रादेशिक योजना/ संशोधन स्वरूप (रिसर्च टाईप) | १२/२३/१९८७ | २/१५/१९८८ |
| ५ | | प्रादेशिक योजना डहाणू | डहाणू तालुका क्षेत्र (डहाणू नगरपरिषद क्षेत्र वागळून) पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र | ७/२२/१९९६ | ७/२२/१९९६ |
| | | | | नागपूर विभाग | |
| १ | नागपूर | नागपूर | कृषीप्रधान | ०६.०५.२००० | १५.०७.२००० |
| | | प्रादेशिक योजना, वर्धा | कृषीप्रधान | ११/२०१८ | महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झाल्यापासून एक महिन्याच्या कालावधीनंतर अंमलात येईल असे निर्देश आहेत. मंजुरीची अधिसूचना दि. २५ ते ३१जानेवारी २०१८ च्या महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झालेली आहे. सदर प्रादेशिक योजना दि. ०१/०३/२०१८ पासून अंमलात आलेली आहे. |
| २ | वर्धा | मंजूर प्रादेशिक योजना वर्धा येथील विकास केंद्र व परिघट्टन क्षेत्र नकाशे | कृषीप्रधान | ०६.१२.२०१९ | मा. संचालक, नगर रचना, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांची दि. ०६.१२.२०१९ रोजीची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झाल्यानंतर ६० दिवसात अंमलात येईल. मंजुरीची अधिसूचना दि. २६/१२/२०१९ ते १ जानेवारी २०२० च्या महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झालेली आहे. सदर योजनेचे विकास केंद्र व परिघट्टन क्षेत्र नकाशे ०१/०३/२०२० पासून अंमलात आलेले आहे. |
| ३ | गोंदिया | गोंदिया | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ३/५/२०१८ |
| ४ | भंडारा | भंडारा | कृषीप्रधान | ११/२०१८ | ३/२/२०१८ |
| ५ | चंद्रपूर | चंद्रपूर-बल्लारपूर प्रादेशिक योजना | कृषीप्रधान | ११/१८/१९९९ | २/१/१९९२ |
| ६ | गडचिरोली | चंद्रपूर- बल्लारपूर | कृषीप्रधान | ११/१८/१९९९ | २/१/१९९२ |

| नाशिक विभाग | | | | | |
|---------------|--|------------------------------|------------|------------|--|
| नाशिक | नाशिक सुधारित (संपूर्ण नाशिक जिल्हा) | कृषीप्रधान | ६/२४/२०१३ | १६.०३.२०१३ | |
| १ | जळगांव - भुसावळ | कृषीप्रधान | ११/१२/१९९२ | १/१/१९९२ | |
| २ | अहमदनगर | कृषीप्रधान | ७/१४/२००५ | १०/१/२००५ | |
| ३ | धुळे | कृषीप्रधान | ११/२०१८ | ३/३/२०१८ | |
| ४ | नंदुरबार | कृषीप्रधान | ११/२०१८ | ३/३/२०१८ | |
| आरराबाद विभाग | | | | | |
| १ | आरराबाद | कृषीप्रधान | २४.०७.२०१२ | ३०.१०.२०१२ | |
| २ | जालना | कृषीप्रधान | ०२.०१.२०११ | ०२.०३.२०१८ | |
| ३ | परभणी | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०३.०३.२०१८ | |
| ४ | हिंगोली | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०२.०३.२०१८ | |
| | प्रादेशिक योजना हिंगोली | | | | |
| | हिंगोली न.प. परिघस्त क्षेत्र व ०२ विकास केंद्र | कृषीप्रधान | १३.१२.२०११ | ०१.०३.२०१० | |
| ५ | नांदेड | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०२.०३.२०१८ | |
| ६ | बोड | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | २४.०१.२०१८ | |
| ७ | लातूर | कृषीप्रधान | ०२.०१.२०१८ | ०३.०३.२०२० | |
| | लातूर महानगरपालिका परिघस्त क्षेत्र | महानगरपालिका परिघस्त क्षेत्र | २५.११.२०१३ | २६.०३.२०२० | |
| ८ | उस्मानाबाद | कृषीप्रधान | ०१.०१.२०१८ | ०१.०३.२०१८ | |
| अमरावती विभाग | | | | | |
| १ | बुलडाणा | कृषीप्रधान | ०१/०१/२०१८ | ३/३/२०१८ | |
| २ | अकोला | कृषीप्रधान | २३/०४/२०१२ | ६/१५/२०१२ | |
| ३ | यवतमाळ | कृषीप्रधान | ०१/०१/२०१८ | ०३/०३/२०१८ | |
| ४ | अमरावती | कृषीप्रधान | ५/२९/१९९३ | १५/०८/१९९३ | |

(३) (II) तयार करवयाच्या प्रक्रियेत असलेल्या प्रादेशिक योजना

| अ.क्र. | प्रदेशाचे नांव | प्रदेशाचे स्वल्प जसे महानगरी, कृषीप्रधान | प्रादेशिक योजना शासनाने मंजूर केल्याची तारीख | प्रादेशिक मंडळ स्थापनेचा दिनांक | प्रादेशिक योजना अंमलात आल्याची तारीख |
|-------------------|-----------------------------------|--|--|--|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| १ | सातारा | | | | |
| २ | पुणे | | | | |
| ३ | कोल्हापूर | | | | |
| ४ | सांगली | | | | |
| ५ | सोलापूर | | | | |
| ६ | बायमती शाखा | | | | |
| कोकण विभाग | | | | | |
| १ | मुंबई महानगर प्रदेश | महानगरी तसेच कृषीप्रधान | निरंक | सदरच्या क्षेत्रासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १६ अन्वये प्रारुप सुधारित प्रादेशिक योजना ही दि. १९/०९/२०१६ रोजी प्रसिध्द झालेली आहे व त्यावर मुंबई महानगर प्रदेश याचेकडून त्याचेकडे प्राप्त सूचना/हस्तोत्तर घेण्यात आलेली आहे. मुंबई महानगर नियोजन समितीने सदर सुधारित प्रादेशिक योजना (२०१६-२०३६) शासनास दि. २३/०२/२०१८ रोजी सादर केली आहे. | शासन नगरविकास विभागाकडील अधिसूचना क्र. टिपीएस२१८/१६६५/सोआर-७९/मुडी-१२ दिनांक २०.४.२०२१ ने मंजूर असून दिनांक २०.६.२०२१ पासून अमलात आहे. |
| २ | प्रादेशिक योजना डहाणू | डहाणू तालुका क्षेत्र (डहाणू नगरपरिषद क्षेत्र वगळून) | निरंक | दि. ०५/११/१३ त्थापि नियोजन मंडळ रद्द करून कलम १६२ अन्वये न्युनिकी अधिकारी म्हणून उपसंचालक, नगर रचना, कोकण विभाग यांचे नेमणूक दि. १९/११/२००० पासून केलेली आहे. | तथापि सद्यस्थितीत या प्रादेशिक योजनेस केंद्र शासनाच्या पत्रावरण व जन विभाग, नवी दिल्ली यांचे कडील पत्र दि. २१/०९/२०१५ अन्वये तत्त्वतः मंजूरी प्राप्त झाली असून त्यानुसार या प्रादेशिक योजनेसाठी अंतिम अधिसूचना काढणेबाबतची क रवाही शासन स्तरावरून सुरु आहे. |
| ३ | प्रादेशिक योजना, वाण-पालघर- राधाड | कृषीप्रधान मुंबई महानगर प्रादेशिक योजना व डहाणू तालुका प्रादेशिक योजना वगळून जिल्हा वाण- शहापूर, मुखाड जिल्हा पालघर- जव्हार, पालघर, मोखाडा, वाडा, तलासरो, विक्रमगाड, वसई तालुक्यातील १२ गावे तसेच राधाड जिल्ह्यातील ०३ त तालुक्यामधील ६४ गावे मिळून क्षेत्र | १/६/२०१८ | महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३ नुसार प्रादेशिक योजना तयार करणंसाठी प्रदेशाची सिमा निश्चित करणारी अधिसूचना शासनाने क्र. टिपीएस-१२०६/२८०६/प्र.क्र. ३०४/२००८/नवि-१२, दि. २७/०२/२००९ अन्वये प्रसिध्द केलेली आहे. सदरच्या क्षेत्रासाठीची प्रादेशिक योजना ही शासन निर्णय क्र. टिपीएस-१२१२/४४९/प्र.क्र.१९५/१२/नवि-१२, दि. ०६/०९/२०१८ रोजी मंजूर झाली असून सदरच्या प्रादेशिक योजनेमधील परिसर विकास केंद्राचे नकशे तयार करण्याचे काम चालू आहे. नियोजन मंडळ स्थापनेचा दिनांक ०६.०९.२०१६) | ०७/०३/२०१८ |

पुणे विभागातल सर्व प्रादेशिक योजना मंजूर झाल्या असून, सद्यस्थितीत कोणतीही प्रादेशिक योजना तयार करण्याच्या प्रक्रियेत नाही.

नागपूर विभाग

| नागपूर | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
|-----------------------|--------------------|------------|--------------------------------------|---|
| १ | नागपूर | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | गांधिया | कृषीप्रधान | दि. ०१-०१-२०१८ प्रादेशिक योजना मंजूर | ७/१५/२०१६ दि. २२.०२.२०१६ रोजी नार रचना अधिकारी यांना मंजूर प्रादेशिक योजनाचे विकास केंद्र व परियस्त क्षेत्राचे नकाराचे तयार करून मा. सचालनालयामा मजुरीस्तव सादर केलेले आहेत. |
| ३ | भंडारा | कृषीप्रधान | दि. ०१-०१-२०१८ प्रादेशिक योजना मंजूर | ७/१४/२०१६ ०२.०३.२०१८ रोजी अंमलात |
| ४ | चंद्रपूर- गडचिरोली | निरंक | निरंक | चंद्रपूर गडचिरोली जिल्हा करिता चंद्रपूर बल्लारपूर प्रादेशिक योजना दि.१८/११/१९९१ रोजी मंजूर झालेली असून दि. ०१/२/१९९२ पासून अंमलात आलेली आहे. प्रादेशिक योजना मंजूर होवून २८ वर्षांचा कालावधी झालला असून, मंजूर प्रादेशिक योजनातील नागपौड, विमूर, गडचिरोली हे नागरी विकास केंद्र नाग परियेचा झालले आहेत. तसेच गोंडपिंपरी, सिंदवाही हे नागरी विकास केंद्र नाग पंचायती झालले आहेत. तसेच सावली, पोथुणा, कोरपना व विवती या नवनिर्मित नाग पंचायती अस्तित्वात आलेल्या आहेत. सबब प्रादेशिक योजना सुधारित करणे आवश्यक आहे. |
| ५ | वर्धा | निरंक | निरंक | निरंक |
| नाशिक विभाग | | | | |
| १ | नाशिक | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | जळगांव | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | अहमदनगर | निरंक | निरंक | निरंक |
| ४ | शुळे | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | नंदुबार | निरंक | निरंक | निरंक |
| औरंगाबाद विभाग | | | | |
| १ | औरंगाबाद | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | जालना | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | परभणी | निरंक | निरंक | निरंक |
| ४ | हिंगोली | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | नांदेड | निरंक | निरंक | निरंक |
| ६ | बोड | निरंक | निरंक | निरंक |
| ७ | लातूर | निरंक | निरंक | निरंक |
| ८ | उस्मानाबाद | निरंक | निरंक | निरंक |
| अमरावती विभाग | | | | |
| १ | अमरावती | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | अकोला | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | यवतमाळ | निरंक | निरंक | निरंक |
| ४ | वाशिम | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | बुलडाणा | निरंक | निरंक | निरंक |

| नाशिक विभाग | | | | | | | | | |
|--------------------------------|----------------|----|-------|---|--|--|--|--|--|
| बिगर अद्विवासी क्षेत्र | | | | | | | | | |
| १ | भगर | -- | | | | | | | |
| २ | सटाणा | -- | | | | | | | |
| ३ | सिन्नर | -- | | | | | | | १ |
| ४ | मनमाड | -- | | | | | | | |
| ५ | येवला | -- | | | | | | | |
| ६ | नांदगांव | -- | | | | | | | |
| अद्विवासी क्षेत्र | | | | | | | | | |
| १ | शगतपुरी | -- | | | | | | | १ |
| २ | निंबक | -- | | | | | | | -- |
| जळगाव जिल्हा | | | | | | | | | |
| बिगर अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| अहमदनगर जिल्हा | | | | | | | | | |
| बिगर अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| शुळे जिल्हा | | | | | | | | | |
| बिगर अद्विवासी क्षेत्र | | | | | | | | | |
| १ | शिरापुर वरवाडे | -- | | १ | | | | | |
| २ | नागपरिषद | -- | | | | | | | |
| | दाडाईचा-वरवाडे | | | | | | | | ५० |
| | नागपरिषद | | | | | | | | |
| अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| नंदुरबार जिल्हा | | | | | | | | | |
| बिगर अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| अद्विवासी क्षेत्र - निरंक | | | | | | | | | |
| औरंगाबाद विभाग | | | | | | | | | |
| १ | औरंगाबाद | -- | | | | | | | |
| २ | चालना | -- | १०० | | | | | | १०० |
| ३ | परभणी | -- | -- | | | | | | २०० |
| ४ | हिंगाळी | -- | १ | | | | | | २ |
| ५ | नांदेड | -- | -- | | | | | | -- |
| ६ | बीड | -- | -- | | | | | | ७० |
| ७ | लातूर | -- | -- | | | | | | -- |
| ८ | उस्मानाबाद | -- | १०.५० | | | | | | २० |
| | | | २१.०० | | | | | | ४० |
| अमरावती विभाग | | | | | | | | | |
| १ | बुलडाणा | -- | | | | | | | |
| २ | अकोला | -- | | | | | | | |
| ३ | वाशिम | -- | | | | | | | |
| ४ | यवतमाळ | -- | | | | | | | |
| ५ | अमरावती | -- | | | | | | | |
| | | | | | | | | | पूर्वीविनियोजनात निव-ध(अ) योजनेअंतर्गत अर्थसहाय्य उपलब्ध झाल्यास खर्च होवू शकेल. |

| (फ) मूल्यनिर्धारण | | | | | | | | |
|-------------------|---|-------------------|------------------------------|------------------------|--|------------------------|-----------------------|-------------------------|
| अ. क्र. | जिल्हा | वर्ष | शासकीय जमिनीचे मूल्यनिर्धारण | | मुंबई नागरी सेवा नियम ३६० ब खाली मूल्यनिर्धारण | | वसूल झालेली रक्कम रु. | वसूल करावयाची रक्कम रु. |
| | | | प्रकरणांची संख्या | एकुण मूल्यनिर्धारण रु. | प्रकरणांची संख्या | एकुण मूल्यनिर्धारण रु. | | |
| १ | २ | ३ | ४अ | ४ब | ५अ | ५ब | ६ | ७ |
| पुणे विभाग | | | | | | | | |
| १ | सातारा | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| २ | पुणे | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| ३ | कोल्हापूर | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| ४ | सांगली | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| ५ | सोलापूर | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| ६ | बारामती शाखा | २०२२-२०२३ | | | | | | |
| कोकण विभाग | | | | | | | | |
| १ | ठाणे/ रायगड/ रत्नागिरी/ पालघर/ सिंधुदुर्ग | २०२०-२०२१ व | | | | | | |
| | | २०२१-२०२२ | | | | | | |
| | | २०२२-२०२३ संभाव्य | | | | | | |
| नागपूर विभाग | | | | | | | | |
| १ | गडचिरोली | | | | | | | |
| २ | चंद्रपूर | | | | | | | |
| ३ | वर्धा | | | | | | | |
| ४ | गोंदिया | | | | | | | |
| ५ | नागपूर | | | | | | | |
| ६ | भंडारा | | | | | | | |

| नाशिक विभाग | | | | | | | | | |
|----------------|-----------|--------------------------|----|----|----|----|----|----|----|
| १ | नाशिक | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२३-२०२४ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| २ | अहमदनगर | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२३-२०२४ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| ३ | जळगांव | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२३-२०२४ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| ४ | धुळे | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२३-२०२४ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| ५ | नांदूरबार | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२३-२०२४ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| औरंगाबाद विभाग | | | | | | | | | |
| | औरंगाबाद | २०२०-२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.०४.२०२१ ते ३०.०३.२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.१०.२०२१ ते ३१.०३.२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२०-२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.०४.२०२१ ते ३०.०३.२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.१०.२०२१ ते ३१.०३.२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| २ | जालना | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२०-२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.०४.२०२१ ते ३०.०३.२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.१०.२०२१ ते ३१.०३.२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | परभणी | २०२२-२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२०-२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.०४.२०२१ ते ३०.०३.२०२१ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | ०१.१०.२०२१ ते ३१.०३.२०२२ | -- | -- | २ | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ | -- | -- | ५ | -- | -- | -- | -- |

| ग) इतर तांत्रिक कामे २०२२-२०२३ च्या कार्यक्रमा अंदाजपत्रकात समाविष्ट करण्यात आलेल्या विवरणपत्रासंबंधी | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--------------|-------------------------|--------|--------|--------|--------|--------|---------------------|-------------------|------------------|--------------------------|-----------------------------------|--|----------------------------|
| अ.क्र. | जिल्हा | वर्ष | कलम ३७ | कलम ४७ | कलम ४९ | कलम ५० | कलम २० | इतर शासकीय प्रकारणे | घटबांधणी प्रकारणे | विवारयोगी परवाने | रेखांकनाचे प्रतिनिक्षिपण | तयार केलेली रेखांकने (क्षेत्रासह) | क्षेत्र विकास जागा व सुव्यवस्थीय संदर्भी योजना | इतर कामे / भुसंपादन निवाडा |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| पुणे विभाग | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | सातारा | २०२२-२०२२ | ८ | २ | ५ | १ | -- | ४०० | ८०० | २०० | ३०० | -- | ५ | ६०० |
| | | २०२२-२०२३ | २९ | १ | ४ | १ | -- | ४०० | ६०० | २०० | २५० | -- | ४ | ७०० |
| २ | पुणे | २०२२-२०२२ | ३० | १९ | ७ | -- | -- | ४९ | -- | ८३ | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२२-२०२३ (अंदाजित) | १५ | २० | १० | -- | -- | ४० (२०२२) | -- | १५० | -- | -- | -- | -- |
| ३ | कोल्हापूर | २०२२-२०२२ | २० | ३० | ५ | -- | -- | ५५० | ८०० | ५०० | १५० | -- | ५ | १००० मानाने व अंमन दाखले |
| | | २०२२-२०२३ | ५ | १ | २ | १ | -- | २२३ | २५४ | ७८६ | ५२५ | ३ | १ | ७००० मानाने व अंमन दाखले |
| ४ | सांगली | २०२२-२०२२ | १५ | ३ | ३ | १ | -- | ८० | १५० | ३०० | १०० | -- | -- | ३०० |
| | | २०२२-२०२३ | १० | ३ | ३ | १ | -- | १०० | १२० | २०० | १५० | २ | -- | ३०० |
| ५ | सांगापूर | २०२२-२०२२ | ७ | . | १ | १ | -- | १२०० | २७० | ५१० | ५०६ | -- | -- | ११०० |
| | | २०२२-२०२३ अंदाजित | २ | ३ | ० | ० | -- | ५०० | १५० | ३०० | ३०० | -- | -- | १००० |
| ६ | वाराणसी शाखा | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| ठाकगा विभाग | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ठाणे | २०२१-२०२२ | १२ | २ | २ | -- | -- | २००० | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | १/४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | १२ | २ | २ | -- | -- | २००० | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | १/१०/२०२२ ते ३१/३/२०२३ | ३० | २५ | १० | १० | -- | ४६३० | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| २ | रायगड | १/४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | ५ | -- | २ | -- | -- | ५७ | ९६ | २० | १८ | -- | -- | ३४५७ अंमन दाखल्यासह |
| | | १/१०/२०२२ ते ३१/३/२०२३ | २ | १ | १ | -- | -- | ३१ | ४७ | ९ | ५ | -- | -- | ९६३ अंमन दाखल्यासह |
| ३ | पालघर | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| | | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- | -- |
| ४ | रत्नागिरी | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | २३ | १२४ | १३५ | १६३ | -- | -- | १२५० |
| | | १/४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | ३२ | ५३७ | २५३ | १३८ | -- | -- | १२५५ |
| | | १/१०/२०२२ ते ३१/३/२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | १० | ६५० | ३५४ | २२५ | -- | -- | १७०० |
| ५ | सिंधुदुर्ग | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | ५ | २०७ | ३९८ | ३८ | -- | -- | ८२० |
| | | १/४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | ६ | १२८ | २१६ | ८० | -- | -- | ९४८ |
| | | १/१०/२०२२ ते ३१/३/२०२३ | -- | -- | -- | -- | -- | १० | २५० | ४०० | ८० | -- | -- | ९०० |
| नागपूर विभाग | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | भंडारा | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | १६३ | ६७८ | ४४८ | ३६८ | -- | ३ | ५२० |
| | | २०२२-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | १०५ | ३३० | २१५ | १८७ | -- | ३ | ३२६ |
| २ | चंद्रपूर | ०१/०४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | ६ | -- | ४ | ३ | -- | ५५ | ६२ | ४५ | ४० | -- | ९०० | ९१० |
| | | ०१/१०/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | ५ | -- | ५ | ५ | -- | ६५ | ६५ | ५० | ५० | -- | -- | ५५० |
| ३ | महबिरोली | २०२१-२०२२ | -- | -- | -- | -- | -- | -- | २२ | ५३ | ३५ | -- | -- | ५८० |
| | | २०२२-२०२२ | १४७ | २२ | १५ | ५ | -- | ३०४ | १८७ | २६६ | २ | -- | -- | २६४७ |
| ४ | नागपूर | २०२१-२०२२ | ३४ | ११ | ९ | ६ | -- | १२४१ | ९९ | १६३ | -- | -- | -- | १२५० |
| | | ०१/०४/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | ५ | ३ | २ | ३ | -- | ४६७ | ६२ | १३६ | -- | -- | -- | १२२४ |
| | | ०१/१०/२०२२ ते ३०/९/२०२२ | ९ | -- | २ | ६ | -- | ११० | ५३० | २५० | २ | -- | -- | ८३५ |

| कार्यकारी अभियंता, अंमलबजावणी कक्ष, नगर रचना, यांचे अधिपत्याखालील उपअभियंता, अंमलबजावणी कक्ष, नगर रचना, अंतर्गत सन २०२३-२४ या कालावधीत प्रस्तावित केलेली कामे. | | | | | | | |
|--|---------------|--|--|--------------------------------------|--|---|---|
| प्रपत्र - अ | | | | | | | |
| अ.क्र | विभाग | सन २०२०-२१ या वर्षात पूर्ण केलेली कामे | सन २०२१-२२ या वर्षात पूर्ण केलेली कामे | सन २०२२-२३ या वर्षात प्रस्तावित कामे | दि.०१/०४/२०२२ ते ३०/०९/२०२२ या कालावधीत साध्य केलेली उद्दिष्टे | दि.०१/१०/२०२२ ते ३१/०३/२०२३ या कालावधीचे प्रस्तावित उद्दिष्टे | सन २०२३-२०२४ करिता प्रस्तावित उद्दिष्टे |
| १ | पुणे विभाग | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| २ | कोकण विभाग | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| ३ | नागपूर विभाग | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| ४ | नाशिक विभाग | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| ५ | औरंगाबाद | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |
| ६ | अमरावती विभाग | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक | निरंक |

| नगर रचना, वाहतूक व परिवहन पुणे अंतर्गत सन २०१२-१४ या कालखंडात प्रस्तावित केलेली कामे. | | | | | | |
|---|-------|--|--|---|--|--|
| अ.क्र. | विभाग | सन २०१०-११ या वर्षात पूर्ण केलेली कामे | सन २०११-१२ या वर्षात पूर्ण केलेली कामे | दि.०१/०४/२०१२ ते ३०/०९/२०१२ या कालखंडात साध्य केलेली उद्दिष्टे | दि.०१/१०/२०१२ ते ३१/०३/२०१३ या कालखंडात प्रस्तावित उद्दिष्टे | सन २०१३-२०१४ कालावधीत उद्दिष्टे |
| १ | | १) शहरकात्री हद्दीतील वि.स.नं.६९६, ६०१, ६०८ नवील मंगूर उपाखंडात जोडणीला ३४ मी. अ १/२ मो. वेद विनास योजना अन्वयेत प्रस्तावित चौकाच्या संकल्पना चित्रास छाननी करून घेऊन घुटी कळविल्या. | १) नगर परिषद चौका हद्दीतील अग्रगण्य चौक चौकाचा विकास करण्याकरीता सडक चौकामात्रावर सडक/विद्युतसुवात घुटी कळविल्या व घुटीची पूर्ती करून छाननी करून घेऊन देण्यात आली. | १) मुद्रबंद नगर परिषद वि. नॉर्दिक टेलीट विविध चौक सुशोभीकरणाचे भेदसाधन प्रस्तावामध्ये घुटी आढळल्याने घुटी पूर्ती करून घेऊन कळविले आहे. | १) मुद्रबंद नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. | १) मुद्रबंद नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. |
| २ | | २) वरद नगर परिषद अंतर्गत महात्मा फुले चौकाचा विकास करण्याकरीता सडक चौकामात्रावर सडक/विद्युतसुवात घुटी कळविल्या व घुटीची पूर्ती करून छाननी करून घेऊन देण्यात आली. | २) शहरकात्री हद्दीतील वि.स.नं.६९२, ६०१, ६०२ फेरी विद्यमान रस्तावर चौक सुशोभीकरणाचे नकाशांना नवी देणूक देऊन त्यावर चौक छाननी करून घेऊन कळविल्या. | २) Report Submitted to the Director of Town Planning &valuator Department, State of Maharashtra, Pune on Urban Transportation Challenges & Way Forward "By INRE Group on Civil Infrastructure". | २) मुद्रबंद नगर परिषद अहादा नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. | २) मुद्रबंद नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. |
| ३ | | ३) नगर परिषद चौका हद्दीतील अग्रगण्य चौक न.वि.६ (अ) चौकचे अंतर्गत विकास करण्याबाबतची छाननी करून घेऊन देण्यात आली. | ३) शहरकात्री हद्दीतील वि.स.नं.६९२, ६०१, ६०२ फेरी विद्यमान रस्तावर चौक सुशोभीकरणाचे नकाशांना नवी देणूक देऊन त्यावर चौक छाननी करून घेऊन कळविल्या. | | ३) मुद्रबंद नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. | ३) मुद्रबंद नगर परिषद हद्दीतील अग्रगण्य चौकाच्या संकल्पना चित्राच्या घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव मान्यतेवर साहायक सन लॉक, नगर रचना, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद या कालखंडात घेऊन सादर करणेचे आदेश आले आहे. |
| ४ | | ४) वाहतूक मुद्रम होणेच्या घुटीकामातून महानगर परिषद हद्दीतील महात्मा चौकाच्या संकल्पना चित्रास मंजुरी दिली. | ४) महात्मा चौका हद्दीतील वि.स.नं.६९२, ६०१, ६०२ फेरी विद्यमान रस्तावर चौक सुशोभीकरणाचे नकाशांना नवी देणूक देऊन त्यावर चौक छाननी करून घेऊन कळविल्या. | | ४) उर्वरी नगर परिषद वि. नॉर्दिक टेलीट चौकच्या संकल्पना चित्राची घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव या कालखंडात सादर कळविला आहे. | ४) उर्वरी नगर परिषद वि. नॉर्दिक टेलीट चौकच्या संकल्पना चित्राची घुटीची पूर्ती करून प्रस्ताव या कालखंडात सादर कळविला आहे. |
| ५ | | ५) वरद नगर परिषद, औरंगाबाद, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद यांनी विविध चौकाच्या संकल्पना चित्रास मंजुरी दिली. वाहतूक मुद्रम होणेच्या घुटीकामातून महानगर परिषद हद्दीतील महात्मा चौकाच्या संकल्पना चित्रास मंजुरी दिली. | ५) वरद नगर परिषद, औरंगाबाद, वाहतूक व परिवहन, औरंगाबाद यांनी विविध चौकाच्या संकल्पना चित्रास मंजुरी दिली. | | ५) औरंगाबाद शहरातील देऊळ गाव चौका व देऊळ चौकीला पावसाळ जलजळील स्थ. न.कुळबाई घुटी चौकाचे रेखा नकाशास मान्यता मिळणेबाबतचा प्रस्ताव या कालखंडात सादर करणेचे आदेश आले आहे. | ५) औरंगाबाद शहरातील देऊळ गाव चौका व देऊळ चौकीला पावसाळ जलजळील स्थ. न.कुळबाई घुटी चौकाचे रेखा नकाशास मान्यता मिळणेबाबतचा प्रस्ताव या कालखंडात सादर करणेचे आदेश आले आहे. |
| ६ | | | | | | |
| ७ | | | | | | |
| ८ | | | | | | |

(मूळ मसुदा मा. संचालक, न. र. यांनी मंजूर केला असून)

(वि. ल. वाघमोडे)
संचालक, नगर रचना,
महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांचे करिता.

नवीन नगरांचा विकास
Development of New Towns

प्रकरण ४ (१)

नवी मुंबई आंतरराष्ट्रीय विमानतळ प्रकल्प

१. प्रकल्प पार्श्वभूमी

नागरी विमानचलन (MOCA) मंत्रालयाने वर्ष २०३० पर्यंत मुंबई महानगर प्रदेशातील अपेक्षित असलेल्या १०० दशलक्ष प्रवासी प्रती वर्ष हवाई प्रवास मागणीची पूर्तता करण्यासाठी जुलै, २००७ मध्ये सार्वजनिक खाजगी (PPP) भागीदारीतून नवी मुंबईत ग्रीनफिल्ड आंतरराष्ट्रीय विमानतळ विकसित करण्यासाठी "तत्त्वतः मंजुरी" दिलेली आहे. महाराष्ट्र सरकारने जुलै, २००८ मध्ये नवी मुंबईत ग्रीनफिल्ड विमानतळ विकसित करण्यासाठी मंजुरी दिलेली आहे आणि प्रकल्पाची अंमलबजावणी करण्यासाठी नोडल एजन्सी म्हणून सिडकोची नियुक्ती केलेली आहे. नवी मुंबई आंतरराष्ट्रीय विमानतळ हे देशातील सर्वात मोठ्या आंतरराष्ट्रीय विमानतळापैकी असून ते सवलत करारानुसार प्रती वर्षी एकंदर ६० दशलक्ष प्रवासी आणि १.५ दशलक्ष टन माल वाहून नेण्यासाठी नियोजित केलेले आहे. ११६० हेक्टर क्षेत्रामध्ये पसरलेल्या या विमानतळामध्ये दोन स्वतंत्र आणि समांतर धावपट्ट्या असतील, ज्यावरून एकाच वेळी आणि स्वतंत्रपणे विमानांचे प्रवर्तन सुरू राहील. तसेच त्यामध्ये ३ प्रवासी टर्मिनल आणि सर्व संबंधित पायाभूत सुविधा असतील. प्रकल्पाला सर्व मान्यता प्रदान करण्यात आलेल्या असून त्यामध्ये पर्यावरण आणि वन व हवामान बदल मंत्रालयाकडून पर्यावरण आणि सीआर निपटान्याविषयक मान्यता आणि वन/वन्यजीव निपटान्याविषयक मान्यता आणि संरक्षण विषयक मान्यता इत्यादींचा समावेश आहे.

२. सवलतीचा पुरस्कार (Award of Concession)

सिडकोने नवी मुंबई आंतरराष्ट्रीय विमानतळासाठी सवलत प्रदान करण्याकरिता अधिमन्य बोलीदार म्हणून आंतरराष्ट्रीय बोली प्रक्रीयेद्वारे मुंबई इंटरनॅशनल एअरपोर्ट लिमिटेड (MIAL) यांची निवड केली आहे. राज्य मंत्रिमंडळाने ऑक्टोबर, २०१७ मध्ये एमआयएएल यांना सवलत पुरस्कृत करण्यास मान्यता दिली आहे. प्रकल्पाची अंमलबजावणी करण्यासाठी ७४% इक्विटी धारण करणारी एमआयएएल आणि २६% इक्विटी धारण करणारी सिडको यांची भागीदारी असलेली सवलतधारक मेसर्स एनएमआयएएल या विशेष उद्देश वाहन कंपनीची स्थापना करण्यात आली. सवलतधारक एनएमआयएएल सोबत जानेवारी, २०१८ मध्ये सवलत करारांची अंमलबजावणी करण्यात आली. प्रकल्पासाठी ७ जुलै, २०१८ ही तारीख नियुक्त करण्यात आली आहे. राज्य मंत्रिमंडळाची मंजुरी मिळाल्यानंतर, सिडकोने जुलै, २०२१ मध्ये जीव्हीके कडून अदानी एअरपोर्ट्स द्वारे अप्रत्यक्षरित्या इक्विटी संपादन केल्यामुळे एनएमआयएएलच्या मालकीमध्ये बदल करण्याच्या विनंतीस मंजुरी दिली. एनएमआयएएलने केलेल्या विनंतीच्या अनुषंगाने, सिडकोने प्रतीवर्ष २० दशलक्ष प्रवासी आणि ०.८० दशलक्ष टन माल वहन करण्याची एकंदर क्षमता असलेल्या टप्पा एकचा विकास आणि त्याचबरोबर टप्पा दोनचा विस्तार करण्यासाठी व्यावसायिक प्रचालनाची तारीख ३० डिसेंबर, २०२४ पर्यंत वाढविण्यास मंजुरी दिली आहे.

३. प्रकल्पाची सद्यस्थिती.—

सिडकोने संपूर्ण ११६० हेक्टर क्षेत्र दिनांक १० जून, २०२२ रोजी एनएमआयएएल यांना सुपूर्द केले आहे. त्याचप्रमाणे सिडकोने पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना जागेचा विकास करण्याच्या समावेशासह पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापनेसाठी विमानतळ जागेतील सर्व २६३३ बांधकामांचे पुनर्वसन पूर्ण केलेले आहे. सिडकोने सर्व नियोजित पूर्व विकसित कामे देखिल पूर्ण केलेली आहेत, ज्यामध्ये ५.५ मीटरपर्यंतचा भूविकास, उलवे नदीचे वळण आणि अतिरिक्त उच्च दाब पारेषण (EHVT) वाहिन्यांचे पुनर्मार्गीकरण इत्यादी कामांचा समावेश आहे. दिनांक ४ ऑगस्ट, २०२१ रोजी एनएमआयएएलने प्रत्यक्ष बांधकामांची सुरुवात केली असून नियोजित क्षेत्रामध्ये भराईचे काम सुरू आहे. एनएमआयएएलने ईपीसी कॉन्ट्रॅक्टर (मेसर्स एल ऍण्ड टी लिमिटेड) यांना ३० ऑक्टोबर, २०२१ रोजी छटाई आणि भराई कामे (ईपीसी कंत्राट-१) करण्यासाठी कार्यवाही सूचना (NIP) जारी केलेली आहे. एनएमआयएएलने विमानतळातील मुख्य कामांसाठी (ईपीसी कंत्राट-२) दिनांक २९ डिसेंबर, २०२१ रोजी ईपीसी कंत्राटदार (मेसर्स एल ऍण्ड टी लिमिटेड) यांना कार्यवाही सूचना (NIP) देखिल निर्गमित केलेली आहे. एनएमआयएएलने दिनांक ९ मे, २०२२ रोजी टप्पा एक आणि दोन (२० MPPA) च्या विमानतळ सुविधांचे बांधकाम करण्यासाठी मेसर्स एल ऍण्ड टी लिमिटेडला कार्यवाही सूचना जारी केलेली आहे. सद्यस्थितीत, एनएमआयएएलने हाती घेतलेल्या कामांची प्रत्यक्ष प्रगती ३७% आणि वित्तीय प्रगती ३७% अशी आहे.

प्रकरण ४ (२)

नागपूर सुधार प्रन्यास

नागपूर सुधार प्रन्यासाची कार्यपद्धती व कार्यवृत्तांत

नागपूर सुधार प्रन्यासाची स्थापना :

नागपूर सुधार प्रन्यास (नासुप्र) ही संस्था तत्कालीन मध्यप्रांत आणि वऱ्हाड राज्याच्या नागपूर सुधार प्रन्यास अधिनियम, १९३६ अन्वये १ जानेवारी १९३७ ला अधिस्थापित झाली. तेव्हाच्या नागपूर शहराचा आणि तद्नंतर नागपूर महानगराचा विस्तार आणि विकास सुसंबद्ध रीतीने व्हावा हा नासुप्रचे निर्मितीचा मूळ उद्देश आहे. नागपूर सुधार प्रन्यास अधिनियम, १९३६ चे प्रमुख वैशिष्ट्य हे आहे की, त्या अंतर्गत हाती घेऊन पार पाडावयाच्या विविध योजनांनुसार नागपूर महानगरपालिकेच्या सीमेतील अथवा शासनाने ही सीमा वाढवून दिल्यास त्या सीमेतील जमिनीचे संपादन करणे, त्यात रस्ते, पिण्याच्या पाण्याच्या वाहिका, मलवाहिका, स्टॉर्म वॉटर, ड्रेन्स आदी नागरी सुविधांची निर्मिती करून विविध उपयोगासाठीचे भूखंड पाडून त्यांचे वाटप करणे हे काम प्रथमच एका वैधानिक सार्वजनिक संस्थेला सोपविण्यात आले. जेव्हा नागपूर सुधार प्रन्यासची स्थापना झाली तेव्हा नागपूर शहरामध्ये नगरपालिका अस्तित्वात होती. स्थापनेच्यावेळी नागपूर ही तत्कालीन मध्यप्रांत आणि वऱ्हाड या राज्याची राजधानी होती. नागपूर शहरामध्ये नागपूर महानगरपालिकेची स्थापना नागपूर महानगरपालिका अधिनियम, १९४८ अन्वये जरी झाली असली तरी हा अधिनियम दिनांक २ मार्च १९५१ साली लागू झाला. नागपूर हे राजधानीचे शहर असल्यामुळे त्याचा विकास सुसंबद्ध रीतीने व्हावा व तेथे रस्ते, पिण्याच्या पाण्याची व्यवस्था, मलवाहिका इत्यादी व्यवस्था दर्जेदार व्हावी हा नागपूर सुधार प्रन्यासाचा स्थापनेचा मुख्य उद्देश होता.

नागपूर महानगरपालिकेचे मुख्य कार्य म्हणजे नागपूर शहरामध्ये नागरी सुविधांचे व्यवस्थापन करणे, मुख्यत्वेकरून सार्वजनिक आरोग्य जोपासणे, स्वच्छ पिण्याचे पाणी उपलब्ध करून देणे, स्वच्छता ठेवणे, सांडपाण्याची व्यवस्था ठेवणे अशी कामे नागपूर सुधार प्रन्यास अधिनियमाच्या धारा १ (२) अन्वये नागपूर सुधार प्रन्यासाचे कार्यक्षेत्र नागपूर शहराच्या बाहेर देखील शासनाच्या मंजूरीने वाढविता येते, म्हणजे नागपूर सुधार प्रन्यास चे कार्यक्षेत्र नागपूर महानगरपालिकेच्या कार्यक्षेत्रापुरते मर्यादित नसून विस्तारित अशी व्यवस्था आहे. या प्रावधानाचा उपयोग प्रथमतः नागपूर शहरामध्ये ट्रेनेज अँड डिस्पोजल योजना, १९४८ साली करण्यात आला. नागपूर सुधार प्रन्यासने या प्रवधाना अंतर्गत नासुप्रचे कार्यक्षेत्र त्या वेळेच्या शहराच्या कार्यक्षेत्राबाहेर वाढवून घेतले व ही योजना कार्यान्वित होण्यासाठी शासनाने अमरावती रोडवर नागपूर महानगरपालिकेचे अधिकार क्षेत्राबाहेर नासुप्रचे अधिकार क्षेत्र वाढवून दिले.

व्यवस्थापन मंडळ

नागपूर सुधार प्रन्यासचे व्यवस्थापन व कार्य करण्याचे दृष्टीने नासुप्र अधिनियमामध्ये विश्वस्त मंडळ स्थापन करण्याचे प्रावधान आहे. विश्वस्त मंडळाचे सभापती या पदावर शासनाच्या सचिव किंवा आयुक्त या श्रेणीच्या आय.ए.एस. अधिकाऱ्यांची नियुक्ती शासनाद्वारे केली जाते इतर सदस्य पुढीलप्रमाणे असतात :-

- (१) आयुक्त, नागपूर महानगरपालिका, नागपूर-पदसिद्ध सदस्य,
- (२) उप संचालक, नगररचना, नागपूर विभाग, नागपूर-पदसिद्ध सदस्य,
- (३) अध्यक्ष, स्थायी समिती, नागपूर महानगरपालिका, नागपूर-पदसिद्ध सदस्य,
- (४) नागपूर महानगरपालिकेकडून निवडलेला एक नगरसेवक,
- (५) नागपूरचा नागरिक असलेला विधानसभेद्वारे एक निर्वाचित आमदार सदस्य,
- (६) शासनाद्वारे नियुक्त तीन सदस्य.

यावरून असे दिसून येईल की, नासुप्रला लोकाभिमुख करण्यासाठी पुरेसे जनप्रतिनिधीत्व देण्यात आले आहे.

नागपूर सुधार प्रन्यासचे कार्यक्षेत्र :

शासनाच्या दि. २७ फेब्रुवारी २००२ च्या (क्र. टीपीएस २४०१/८४४/सीआर/७६/यूडी-९) अधिसूचनेप्रमाणे नागपूर शहरातील अंदाजे ७२०८.७६ हेक्टर क्षेत्र नियोजन प्राधिकरण म्हणून नासुप्रकडे असून यामध्ये खालीलप्रमाणे ७ योजना अंतर्भूत होत्या.

| योजनेचे नाव | क्षेत्र (हेक्टर) |
|--|-----------------------|
| (१) इस्टर्न इन्डस्ट्रियल एरीया स्ट्रीट स्कीम | ३२०.६० हेक्टर |
| (२) इतवारा स्टेशन रोड स्ट्रीट स्कीम | ४.७७ हेक्टर |
| (३) सिताबर्डी इम्प्रुव्हमेंट स्कीम | ६.१५ हेक्टर |
| (४) अभ्यंकर रोड बूटीमहल स्ट्रीट स्कीम | ३.२४ हेक्टर |
| (५) वाठोडा एक्सटेंशन हौ. अँकोमोडेशन स्कीम | १७०.०० हेक्टर |
| (६) शिवणगाव जयताळा टाऊनशिप | २५७.०० हेक्टर |
| (७) ग्रीनबेल्ट कंट्रोल स्कीम | ६४४७.०० हेक्टर |
| एकूण ... | ७२०८.७६ हेक्टर |

महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना अधिनियम, १९६६ चे कलम २(१५) अन्वये नागपूर सुधार प्रन्यास, नागपूर यांचेकडील नियोजन प्राधिकारणाचे अधिकार नागपूर महानगरपालिका, नागपूर यांना देणेबाबत अधिसूचना दिनांक २७ ऑगस्ट २०१९ नुसार क्र. १ ते ७ या योजना नागपूर महानगरपालिका, नागपूर यांचेकडे हस्तांतरित करण्यात आलेले आहे.

कार्यपद्धती :

नासुप्र अधिनियम, १९३६ च्या धारा २७ मध्ये नागपूर सुधार प्रत्यासला खालील योजना घेण्याचे प्रावधान होते :-

- (अ) सर्वसाधारण विकास योजना (जनरल इम्प्रूव्हमेंट स्कीम),
- (ब) पुनर्निर्माण योजना (रि-बिल्डिंग स्कीम),
- (क) पुनर्बांधणी योजना (रि-हाऊसिंग स्कीम),
- (ड) रस्ते योजना (स्ट्रीट स्कीम),
- (ई) डेफर्ड रस्ते योजना (डेफर्ड स्ट्रीट स्कीम),
- (फ) विकास योजना (डेव्हलपमेंट स्कीम),
- (ग) निवास योजना (हाऊसिंग अकोमोडेशन स्कीम),
- (घ) भावी विस्तार अथवा सुधार योजना (फ्युचर एक्सपोजन ऑर इम्प्रूव्हमेंट स्कीम),
- (च) जल व मल निस्सारण योजना (ड्रेनेज अँड ड्रेनेज इन्क्लुर्डींग सेवरेज डिस्पोजल स्कीम).

वरील योजना स्वतंत्रपणे अथवा दोन किंवा तीन योजनांचा संगम करून कार्यान्वित करण्यात येतात. या प्रावधानांतर्गत नासुप्रने विविध प्रकारच्या एकूण ५२ विकास योजना राबविल्या आहेत.

नागपूर सुधार प्रत्यासाद्वारे भूमी संपादन व विकासाचा तपशील :

वरील विविध योजनांद्वारे नासुप्रने ७,९१० हेक्टर एवढी जमीन संपादित करून त्यात रस्ते, पिण्याच्या पाण्याच्या वाहिका, मलवाहिका, पावसाळी पाणीवाहिका आदि विकासाची कामे करून २३८ अभिन्यासाची (लेआऊट) निर्मिती केली आहे. या अभिन्यासातील एकूण ५८,३५४ भूखंडाचे वाटप विविध योजनांतर्गत विविध उपयोगासाठी नासुप्रने केले आहे. वरील ५२ योजना या सर्वथा नागपूर सुधार प्रत्यासच्या निधीमधूनच कार्यान्वित केल्या आहेत. नागपूर सुधार प्रत्यास अधिनियमांचे प्रावधानानुसार भूसंपादन अधिनियम, तरतुदीनुसार भूसंपादन करण्यात येते.

अभिन्यासाचा विकास करण्यासाठी त्यामध्ये रस्ते, पिण्याच्या पाण्याच्या वाहिका, मलवाहिका, पावसाळी पाणीवाहिका आदी विकासाची कामे नासुप्रने स्वतःच्या निधीतून केली आहेत. नागपूर सुधार प्रत्यास अधिनियमांच्या धारा ५७ च्या प्रावधानानुसार मुलभूत सुविधा उपलब्ध करून विकसित अभिन्यास नागपूर महानगरपालिकेला देखभाल व दुरुस्तीसाठी हस्तांतरित करावयाची असते. वेळोवेळी नासुप्रने असे हस्तांतर केले आहे.

नासुप्र जमीन विनियोग नियम, १९८३ अंतर्गत भूखंडाचे वाटप करण्यात येते. यामध्ये सर्व गरजू लोकांना समान संधी मिळून भूखंड प्राप्त करता आले आहेत. नासुप्रद्वारे मोठ्या प्रमाणावर सर्व नागरी सोयीयुक्त भूखंड उपलब्ध झाल्यामुळे नागपूर शहरात रुंद रस्ते, सांडपाण्याची उत्तम व्यवस्था ठेवणे

शक्य झाले आहे. तसेच जमीन वाटपाचा व्यवहार शासनाद्वारे नियंत्रित नागपूर सुधार प्रत्यास सारख्या संस्थेकडे असल्यामुळे वैयक्तिक लोकांना जमिनी गोठविता येणे शक्य झाले नाही.

नासुप्रद्वारे खुल्या जागा, खेळाची मैदाने व उद्यानांचा विकास :

नासुप्रने विकसित केलेल्या अभिन्यासांमध्ये नियमाप्रमाणे खुल्या जागा, खेळाची मैदाने, सार्वजनिक उपयोगाच्या जागा व प्राथमिक शाळांसाठी जागेचे प्रावधान देखील आहे. प्राथमिक शाळांसाठी असलेल्या जागा जमीन विनियोग नियम, १९८३ नुसार नागपूर महानगरपालिका विना मोबदला हस्तांतरित करण्यात येतात. तसेच खुल्या जागा आणि खेळांची मैदाने देखील नागपूर महानगरपालिकेला विनामूल्य हस्तांतरित करण्याचे प्रावधान आहे. नासुप्रने ६० उद्याने विकसित केली आहेत. उदा. महात्मा फुले उद्यान, संत ज्ञानेश्वर उद्यान, सुवर्ण जयंती उद्यान व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यानाची कामे पूर्ण झालेली आहेत. याशिवाय महाराष्ट्र भूषण स्वरसम्राज्ञी लता मंगेशकर, सक्करदरा तलाव उद्यान इ. महत्त्वाकांक्षी उद्यानाचे काम पूर्ण केले आहे. याशिवाय शहरामध्ये नासुप्रने वर्धा रोड व कामठी रोड वर लँड स्केपिंगची कामे देखील केली आहेत व या कामाची नागपूरकरांनी प्रशंसा केली आहे.

नागपूर शहरासाठी ड्रेनेज अँड सेवरेज डिस्पोजल स्कीम, १९४५-५० या दरम्यान तयार करून नासुप्रने कार्यान्वित केली आहे. त्याचप्रमाणे १९५३ साली सेवरेज अँड ड्रेनेज डिस्पोजल स्कीम पार्ट २ व १९५५ साली पार्ट ३ शासनाकडून मंजूर करून या दोन्ही योजना १९५३ ते १९६५ पर्यंत नासुप्रने कार्यान्वित केल्या आहेत. भांडेवाडी येथे मलशुद्धीकरण योजना, सन १९५० मध्ये सुरू करून १९६५ पर्यंत कार्यान्वित केली व त्याद्वारे ५,००० एकरमध्ये शेतीला सेवरेज डिस्पोजल आणि मलनिःसारण योजनेमुळेच नागपूर शहरामध्ये नागपूरकरांचे आरोग्य नागपूर महानगरपालिकेला सांभाळता आले.

नागपूर शहराची विकास योजना (डेव्हलपमेंट प्लॅन) :

नागपूर शहराची सुधारित प्रारूप विकास योजना नासुप्रने तयार करून ही प्रारूप विकास योजना म.प्रा. व न.र. अधिनियम, १९६६ चे कलम २९ अन्वये दिनांक १७ मार्च १९९४ ला जनतेकडून आक्षेप/सूचना/हरकती मागविण्याकरिता प्रसिद्ध करण्यात आली. आक्षेप/सूचना/हरकती यावर नियोजन समितीने सूचविलेले बदल विकास योजनेत दर्शवून ही प्रारूप विकास योजना उक्त अधिनियमाच्या कलम-३० अन्वये शासनास मंजुरी, करिता दिनांक २९ सप्टेंबर १९९३ ला सादर करण्यात आली. तद्नंतर शासनाने या विकास योजनेस उक्त अधिनियमाच्या कलम-३१ अन्वये दिनांक ७ जानेवारी २००० रोजी भागशः व उक्त अधिनियमाच्या कलम-३१(१) अन्वये दिनांक १० सप्टेंबर २००१ ला अंतिम मंजुरी प्रदान केली व ही सुधारित विकास योजना दिनांक २१ सप्टेंबर २००१ पासून अंमलात आली. जनतेला आवश्यक मूलभूत सुविधा पुरविण्याच्या तसेच शहराच्या विकासाच्या दृष्टीने या मंजूर विकास योजनेत मिहान, एअरपोर्ट, कंपोस्ट डेपो, झोनल स्तरावरील बगीचे, शाळा, बाजार, दवाखाने इ. आरक्षणे प्रस्तावित केली आहे. त्यामुळे नागपूर शहराच्या विकासाला एक नवी दिशा मिळाली.

नागपूर शहराचा अनधिकृत विकास झपाट्याने वाढत असल्याने यावर नियंत्रण आणण्याकरिता शासनाने दिनांक ३० एप्रिल २००१ रोजी प्रथम महाराष्ट्र गुंठेवारी अधिनियम (नियमितीकरण, श्रेणीवाढ व नियंत्रण) कायदा अंमलात आणला व या कायद्याची अंमलबजावणी करण्याकरिता शासनाने नागपूर सुधार प्रन्यासला नियुक्त केले. सदर कायदा नागपूर शहरात प्रभाविपणे राबविण्यात आला असून यामुळे नागपूर शहराचा विकास झपाट्याने झाला. यामध्ये सुधार प्रन्यासचा सिंहाचा वाटा आहे.

महाराष्ट्र शासनाने नागपूर शहराची सुधारित विकास योजना सुधारित करण्याची प्रक्रिया सुरू करण्याकरिता शासनाच्या नगर विकास विभागाने दिनांक ८ नोव्हेंबर २०१६ रोजी मान्यता प्रदान केली आहे. याकरिता नागपूर महानगरपालिकेद्वारे सर्वसाधारण सभेत दिनांक २० जून २०१७ रोजी मंजुरी प्रदान करण्यात आली आहे. नागपूर महानगरपालिकेद्वारे संपूर्ण शहराची विकास योजना सुधारित करण्याकरिता नागपूर सुधार प्रन्यासने देखील सहमती कळवली आहे. शासनाच्या निर्देशानुसार नागपूर महानगरपालिकेकडून नागपूर शहरातील सुधारित विकास योजना दुसऱ्यांदा सुधारित करण्याची प्रक्रिया सुरू आहे.

आता शासनाच्या दिनांक २७ ऑगस्ट २०१९ च्या शासन निर्णयानुसार संपूर्ण नागपूर शहराकरिता “नियोजन प्राधिकरण” म्हणून नागपूर महानगरपालिकेला घोषित केले आहे.

नागपूर सुधार प्रन्यासच्या उत्पन्नाची साधने :

नासुप्र अधिनियमामध्ये नागपूर सुधार प्रन्यास ही संस्था आत्मनिर्भर रहावी म्हणून उत्पन्नाची साधने निर्देशित केली आहेत ती येणेप्रमाणे :-

- (१) नासुप्र अधिनियम, १९३६ च्या धारा ८३ अंतर्गत नागपूर महानगरपालिकेतील मालमत्तांच्या १/२ टक्के एवढी रक्कम दर तिमाहीला (वार्षिक २ टक्के) वैधानिक अंशदान म्हणून देय आहे. यानुसार मनपाकडून मार्च, २०२० पर्यंत खालीलप्रमाणे रक्कम घेणे आहे :-

| | | |
|------------------------------|-----|---------|
| वैधानिक अंशदान | ... | ९०३८.७७ |
| पाचपावली उड्डाण पूल | ... | ६६.०० |
| एजन्सी तत्त्वावर केलेली कामे | ... | ४०५.६० |

एकूण ... ९५१०.३७

सन २०१९ ते मार्च २०२० पर्यंत एकूण रु. ९५१०.३७ रक्कम देय झालेली असून यापैकी रु. ७९३७.८९ लक्षचे समायोजन नासुप्रला घेणे असलेल्या राशीमधून करण्यात आलेले आहे.

- (२) या समायोजनानंतर नागपूर सुधार प्रन्यासला नागपूर महानगरपालिकेकडून रु. १५६४.२१ लक्ष घेणे आहे.

- (३) नासुप्र अधिनियम, १९३६ च्या धारा ७७ अंतर्गत नागपूर सुधार प्रन्यासच्या कार्यक्षेत्रातील मालमत्तेच्या विक्री आदि व्यवहारावर भारतीय मुद्रांक अधिनियम, १८९९ द्वारे आकारण्यात येणारे मुद्रांक शुल्क त्या व्यवहाराच्या मुल्यावर १/२ टक्के ने वाढविण्यात येऊन ते नासुप्रला देय आहे. शासनाद्वारे देय रक्कम सन १९७१-७२ ते २०२२-२३ पर्यंत रु. ४६३.३९ कोटी होते. यापैकी शासनाकडून रुपये ३२४.७५ कोटी प्राप्त झाले आहे. आता शासनाकडे रुपये १३८.६२ कोटी एवढी राशी देय झाली आहे.

- (४) नासुप्रने वाटप केलेल्या भूखंडाच्या किंमतीवर (प्रव्याजीच्या २ टक्के) वार्षिक भूभाटक नासुप्रला देय आहे.

नागपूर सुधार प्रन्यासचे आस्थापनेवर असलेला तांत्रिक व प्रशासकीय अधिकारी आणि कर्मचारी वर्ग :

नागपूर सुधार प्रन्यासकडे प्रशासकीय बाबीसाठी कार्यकारी अधिकारी असतो. त्यांच्या अधिपत्याखाली १ आस्थापना अधिकारी, १ विधी अधिकारी, वर्ग -१ व ३ प्रशासकीय अधिकारी वर्ग-२ व शाखा अधिकारी-१२ इत्यादी नासुप्रच्या सर्व संपत्ती व व्यवस्थापनामध्ये कार्यरत आहे. विकास कामासाठी तांत्रिक विभाग असून या विभागाचे प्रमुख मुख्य अभियंता आहेत. त्यांचे अधिपत्याखाली अधिक्षक अभियंता-१, ६ कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) व ० यांत्रिकी कार्यकारी अभियंता असून सहायक अभियंता श्रेणी-१ (स्थापत्य १२, यांत्रिकी ०, विद्युत ०) - १२, नगररचनाकार-१, सहाय्यक अभियंता श्रेणी (२)-१४, शाखा अभियंता/कनिष्ठ अभियंता-१७, स्थापत्य अभियांत्रिकी सहाय्यक-९१, सन २०२२-२३ मध्ये नागपूर सुधार प्रन्यासमध्ये एकूण अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत संख्या ३२४ व मंजूर संख्या ६४६ आहे. याव्यतिरिक्त मेट्रो विकासाच्या कामाकरिता आस्थापनेवर कार्यकारी अभियंता-० यांची प्रतिनियुक्तीवर नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. तसेच मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी-०, लेखा अधिकारी-१ यांची प्रतिनियुक्तीवर नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. नासुप्रमध्ये उच्च पदवी विभूषित व कार्यक्षम अधिकारी वर्ग कार्यरत आहे.

नागपूर सुधार प्रन्यासच्या अंदाजपत्रकातील खालील सर्व प्रकल्प वगळण्यात आलेले असून नागपूर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाच्या अंदाजपत्रकात घेण्यात आलेले आहे :

- शांतीवन, चिचोली येथील डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या वैयक्तिक वापराच्या वस्तुंचे जतन व संरक्षण/संवर्धन करणे कामी संग्रहालयाचे आधुनिकीकरण करणे व परिसराचे सुशोभिकरण.
- उत्तर नागपूर विधानसभा क्षेत्रातील कामठी रोड लगत ग्रेन गोडाऊनचे जागेवर “डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कॉन्व्हेंशन सेंटर” चे बांधकाम.
- श्री महालक्ष्मी जगदंबा संस्थान, कोराडी, ता. कामठी, जिल्हा नागपूर या तीर्थस्थळाचा विकास प्रकल्प.
- नागपूर शहरात गरीब लोकांकरिता प्रधानमंत्री आवास योजना (सर्वाना घरे, २०२२) अंतर्गत परवडणारी घरे (Affordable Housing) बांधण्याबाबत.

- विभागीय क्रिडा संकुलाची उर्वरित कामे नागपूर सुधार प्रन्यासद्वारे करण्याबाबत.
- मेयो सर्वोपचार रूग्णालय, नागपूर या संस्थेसाठी यंत्रसामुग्री खरेदी करण्याबाबत.
- आदिवासी मुलांचे वस्तीगृह, मौजा चिखली (देव), खसरा क्र. १०३/१, १०३/२ आणि मौजा पारडी खसरा क्र.१४/३, भुखंड क्र. पी-२ येथे बांधकामाबाबत.
- मोठा ताजबाग, नागपूर येथील हजरतबाबा ताजुद्दिन दर्गा परिसराचे विकास आराखड्यांच्या कामाबाबत.
- मौजा चिखली (देवस्थान) येथील उप प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, नागपूर शहर (पूर्व) चे बांधकाम करण्याबाबत.
- नागपूर येथील लकडगंज पोलीस स्टेशन परिसरात प्रस्तावित पोलीस स्टेशन व पोलीस कर्मचाऱ्यांकरिता ३४८ निवासी गाळ्यांच्या प्रकल्पाबाबत.
- मौजा वाठोडा येथील सर्व सामान्य लोकांना परवडणाऱ्या घरकुल योजनेबाबत.
- नागपूर शहरात १० एस.टी.पी. चे बांधकाम.
- दिक्षाभूमी चौकातील मौजा लेंडरा ख.क्र. २५७/१ येथील अस्तित्वातील संत चोखामेळा वस्तीगृहाच्या १००३०.५० चौ.मी. जागेत १००० मुलांचे वस्तीगृहांच्या प्रस्तावित बांधकामाबाबत.
- शांतीवन चिचोली खसरा क्र. १२८ येथील ११.५० एकर जागेवर अस्तित्वात असलेल्या वस्तुसंग्रहालयाचे नुतनीकरण व सभोवतालच्या परिसराचे सौंदर्यीकरण व उर्वरित बांधकाम.
- स्व. वसंतराव नाईक जन्मशताब्दी वर्ष योजना अंतर्गत नागपूर येथे २००० आसन क्षमतेचे सभागृह बांधकाम.
- पर्यटन विकास योजने अंतर्गत “सी प्लेन” प्रकल्प.
- स्वदेश दर्शन योजने अंतर्गत धापेवाडा-पारडिसिंगा-आदासा (Religious Circuit) च्या विकास आराखड्यास मंजूरी प्रदान करण्याबाबत.
- केंद्र शासनाच्या राष्ट्रीय सरोवर संवर्धन योजने (National Lake Conservation Plan) अंतर्गत कोराडी तलाव संवर्धन प्रकल्प.
- दिक्षाभूमी स्तुपाचे नुतनीकरण व मजबुतीकरणाच्या कामाबाबत.
- बुद्धिस्ट सर्किट अंतर्गत दिक्षाभूमी नागपूर, शांतीवन चिचोली व डॅंगन पॅलेस कामठी जिल्हा नागपूरच्या विकास कामाबाबत.

- नागपूर जिल्ह्यातील कामठी तालुक्यातील विश्वविख्यात डॅंगन पॅलेस टेम्पल या पर्यटन स्थळ परिसरात मुलभूत सुविधा उपलब्ध करून देण्याबाबत.
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विधी महाविद्यालयासमोरील प्रांगणात संविधान प्रस्ताविका पार्कची उभारणी करण्याबाबत.
- फुटाळा तलाव येथे संगीत कारंजे, लाईट व लेझर मल्टिमिडीया शो तसेच अंबाझरी उद्यान येथे स्वामी विवेकानंद यांचे जीवनावर आधारित लाईट, साऊंड व मल्टिमिडीया शो.
- सक्करदरा तलाव सौंदर्यीकरण, इत्यादी प्रकल्प नामप्रविप्राला वळती करण्यात आलेले आहे.

अंदाजपत्रकामधील ठळक वैशिष्ट्ये :

नागपूर सुधार प्रन्यासचे सन २०२२-२३ या वर्षाचे अर्थसंकल्प अंदाजपत्रकानुसार सुरुवातीची शिल्लक धरून एकूण जमा रु. ९३४.५० कोटी अपेक्षित आहे. यात भांडवली जमा रु. ६२३.६१ कोटी, महसुली जमा रु. १२८.२७ कोटी आणि अग्रिम व ठेवी जमा रु. ४७.७० कोटींचा समावेश आहे.

नागपूर सुधार प्रन्यासद्वारे, सन २०२२-२३ या आर्थिक वर्षात भांडवली खर्च रुपये ६६०.२९ कोटी, महसुली खर्च रु. १९९.३५ कोटी आणि अग्रिम व ठेवी रु. ६८.११ कोटी असे एकूण रु. ९२७.७५ कोटी विविध विकास कामावर खर्च करण्यात येणार आहे.

(१) महाराष्ट्र शासनाच्या निर्देशानुसार नागपूर शहराच्या हद्दीतील खाजगी मालकीच्या जागांवर अस्तित्वात असलेल्या अनधिकृत अभिन्यासातील भूखंडधारकांना त्यांचे भूखंड महाराष्ट्र गुठेवारी विकास (नियमाधीन करणे श्रेणीवाढ नियंत्रण) अधिनियम, २००१ मधील कलम ३(१) मध्ये दिनांक १२ मार्च २०२१ रोजी सुधारणा करण्यात आलेली असून त्यानुसार दिनांक ३१ डिसेंबर २०२० पूर्वी झालेली अनधिकृत बांधकामे व मोकळी भूखंड नियमती करण्यासाठी अर्ज मागविण्याची प्रक्रिया सुरू झालेली आहे.

(२) नागपूर सुधार प्रन्यासच्या अभिनव घरकुल योजने अंतर्गत तृतीयपंथीयांना घरकुल योजना राबविण्यात येत आहे.

(३) खेलो इंडिया योजनेअंतर्गत ५ मैदाने विकसित करण्यात येणार आहे.

(४) नागपूर सुधार प्रन्यासचे भूखंडे विकण्याची ई-लिलाव प्रणालीद्वारे राबविण्यात येत आहे.

(५) राम मनोहर लोहिया वाचनालय अद्ययावत करण्यात येणार आहे.

(६) दलित वस्ती सुधार योजना, दलितेतर वस्ती सुधार योजना व इतर शासकीय योजनेंतर्गत विकासाची कामे सुरू करण्यात आलेली आहेत.

(७) गुठेवारी अर्ज स्वीकारणे ऑनलाईन पद्धतीने स्वीकारणे सुरू केले आहे.

सन २०२२-२०२३ मध्ये राबविण्यात येणारे उपक्रम

- (१) नागपूर शहरामध्ये जन सुविधा केंद्राची उभारणी करणे.
- (२) नागपूर शहरामध्ये खेळांची मैदाने एकात्मिक पद्धतीने विकास करणे/ आहुजानगर क्रीडा संकुल विकसित करणे.
- (३) नाप्रसु कार्यालय व नाप्रसु सभापती यांचे निवासस्थान उमरेड रोडवर स्थलांतर करणे व उत्तर विभागाचे नवीन कार्यालय बांधणे.
- (४) नागपूर शहरामध्ये आशीर्वाद नगर, कळमना व इतर क्षेत्रामध्ये मार्केटचा विकास करणे.
- (५) नगरविकास जन सुविधा (राज्यस्तर योजना) शासकीय निधी अंतर्गत राबविणे.
- (६) नाप्रसु निधीतून शहरात विविध विकास कामे करून शहरवासीयांना सर्व मूलभूत सोई सुविधा पुरविण्याचा नागपूर सुधार प्रन्यासचा मानस आहे.
- (७) गुंठेवारी योजने अंतर्गत अनधिकृत अभिन्यासातील लेआऊट मध्ये विविध विकास कामे करणे.

(१०) आस्थापनीय खर्च :

- सर्व कार्यालयीन कर्मचाऱ्यांचे वेतन व भत्ते (७ व्या वेतन आयोगाच्या अतिरिक्त तरतुदीचा समावेश) रु. ५८ कोटी तरतूद आहे.
- निवृत्तीवेतन विषयक तरतूद रु. ३५ कोटी तरतूद आहे.
- सुरक्षा रक्षक यांची सेवा पुरविण्याबाबत रु. ३.५० कोटी तरतूद आहे.
- कार्यालयीन खर्चाकरिता रु. ३.८२ कोटीची तरतूद आहे.
- आकस्मिक खर्चाकरिता रु. ६५.५१ कोटीची तरतूद आहे.

नागरी परिवहन
Urban Transport

प्रकरण-५

नागरी परिवहन प्रकल्प

राज्यातील मुंबई, ठाणे, नागपूर, नाशिक व पुणे या शहरांमध्ये मेट्रो रेल्वे प्रकल्प ही नवीन सार्वजनिक वाहतूक प्रणाली विकसित करण्याचा प्रकल्प राबविण्यात येत आहे. या शहरामधील रेल आधारित मेट्रो रेल्वे प्रकल्पास राज्य शासनाने वेगवेगळ्या शासन निर्णयान्वये मान्यता दिलेली आहे.

(१) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प (MUTP-2) :

मुंबईमधील उपनगरीय रेल्वे सेवांमध्ये आणखी सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने मुंबई रेल्वे विकास महामंडळाने मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-२ (MUTP-2) चा आराखडा तयार केला आहे. महाराष्ट्र शासन व रेल्वे मंत्रालय यांनी या प्रकल्पास मान्यता दिली आहे. भारत सरकार व जागतिक बँक यांच्यामध्ये दिनांक २३ जुलै २०१० रोजी स्वाक्षऱ्या करण्यात आल्या. या प्रकल्पाचा खर्च राज्य शासन व केंद्र शासन ५०:५० या प्रमाणात करणार आहे. प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ५३०० कोटी (एमयुटीपी-२ अ रु. ३६६१ कोटी व एमयुटीपी-२ ब - रु. १६६९ कोटी) इतका आहे. एमयुटीपी-२ अ प्रकल्पासाठी जागतिक बँकेकडून रु. १११० कोटी कर्ज घेण्यात आले आहे. एमयुटीपी-२ अ प्रकल्पामध्ये रेल्वे डब्यांची खरेदी, रेल्वे गाड्यांची देखभाल व्यवस्था, ट्रेसपास कंट्रोल उपाययोजना, तांत्रिक सहाय्य, इत्यादी घटक प्रकल्पांचा समावेश असून एमयुटीपी-२ ब मध्ये सीएसएमटी-कुर्ला दरम्यान ५ वी व ६ वी मार्गिका, ठाणे-दिवा दरम्यान ५ वी व ६ वी मार्गिका, हार्बर लाईनचा विस्तार, रेल्वे स्थानकांची सुधारणा, ट्रेसपास कंट्रोल उपाययोजना इत्यादी घटक प्रकल्पांचा समावेश आहे. एमयुटीपी-२ अ अंतर्गत घटक प्रकल्पांची अंमलबजावणी कार्यवाही पूर्ण झाली असून एमयुटीपी-२ ब मधील काही घटक प्रकल्प पूर्ण झाले आहेत तर काही अंमलबजावणीच्या विविध टप्प्यात आहेत. सदर प्रकल्पावर प्रकल्प अंमलबजावणी संस्था, मुंबई रेल्वे विकास महामंडळ प्रथम खर्च करते, झालेल्या खर्चाच्या ५० टक्के खर्च महाराष्ट्र शासनाच्यावतीने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाकडून मुंबई रेल्वे विकास महामंडळास अदा करण्यात येतो व मुंबई रेल्वे विकास महामंडळ केलेल्या खर्चाचे प्रतिपूर्ती दावे जागतिक बँकेस खर्च केल्यानंतर सादर करते. जागतिक बँकेने सदर प्रतिपूर्ती दावे मंजूर केल्यानंतर तेवढीच रक्कम जागतिक बँकेकडून केंद्र शासनास वितरित केली जाते. तदनंतर, त्यामधील राज्य शासनाच्या हिश्याची म्हणजेच ५० टक्के रक्कम अतिरिक्त केंद्रीय सहाय्य म्हणून राज्य शासनास वितरित केली जाते व सदर रक्कम अर्थसंकल्पीत करून मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला वितरित करण्यात येते. सदर प्रकल्पाची आतापर्यंत एकूण ८५ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(२) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३ (MUTP-3) :

मुंबई उपनगरी रेल्वे सेवांमध्ये सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने भारतीय रेल्वेच्या सहभागाने मुंबई रेल्वे विकास महामंडळामार्फत मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-१ व टप्पा-२ च्या धर्तीवर रेल्वे मंत्रालय व महाराष्ट्र शासन यांचा ५०:५० टक्के आर्थिक सहभाग तत्वावर मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३ (MUTP-3) राबविण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पात विरार-डहाणू दरम्यान रेल्वे मार्गाचे चौपदरीकरण करणे, कर्जत-पनवेल मार्गाचे दुपदरीकरण करणे, ऐरोली-कळवा दरम्यान उन्नत रेल्वे मार्ग बांधणे. नवीन रेल्वे गाड्या खरेदी करणे, पश्चिम रेल्वे मार्गाच्या मध्य विभागात ट्रेस पास कंट्रोल बांधणे, तसेच तांत्रिक सहाय्य अशा कामांचा समावेश आहे. महाराष्ट्र शासन व रेल्वे मंत्रालय यांनी

या प्रकल्पास मान्यता दिली आहे. या प्रकल्पाचा खर्च केंद्र शासन व राज्य शासन यांच्यामार्फत ५०:५० टक्के या प्रमाणात करण्यात येणार आहे. प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. १०९४८ कोटी इतका आहे. सदर प्रकल्पासाठी रु. ३५०० कोटी रकमेचे एआयआयबी बँकेचे केंद्र व राज्य शासनाकडून समप्रमाणात कर्ज घेण्यात आले आहे व उर्वरित रु. ७४४७ कोटी रक्कम राज्य व केंद्र शासनाने वहन करावयाची आहेत. सदर प्रकल्पासाठी राज्य शासनाच्या ५० टक्के आर्थिक हिश्याचा भार काही प्रमाणात सिडको तर उर्वरित मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाच्या मार्फत सोसावयाचा आहे. सदर प्रकल्पाची आतापर्यंत एकूण १५ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(३) मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३अ (MUTP-3A) :

मुंबई उपनगरी रेल्वे सेवांमध्ये आणखी सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने भारतीय रेल्वेच्या सहभागाने मुंबई रेल्वे विकास महामंडळामार्फत मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-१, २, ३ च्या धर्तीवर रेल्वे मंत्रालय व महाराष्ट्र शासन यांचा ५०:५० टक्के आर्थिक सहभाग तत्वावर मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प टप्पा-३अ (MUTP-3A) राबविण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीस राज्य शासनाने माहे डिसेंबर, २०१८ मध्ये मान्यता दिली आहे. केंद्र शासनाने काही घटक प्रकल्प वगळून माहे मार्च, २०१९ मध्ये प्रकल्पास मान्यता दिली आहे. सदर प्रकल्पात सीएसएमटी-पनवेल, सीएसएमटी-कल्याण व चर्चगेट-विरार रेल्वे मार्गिकेवर सीबीटीसी प्रणाली लागू करणे, रेल्वे स्थानकांचा विकास व नव्या रेल्वे गाड्या खरेदी करणे, रेल्वे गाड्यांची देखभाल सुविधा, तांत्रिक सहाय्य, कल्याण-बदलापूर दरम्यान ३री व ४ थी मार्गिका टाकणे, बोरीवली-विरार दरम्यान ५वी व ६वी मार्गिका टाकणे, कल्याण व आसनगाव दरम्यान ४ थी मार्गिका टाकणे, गोरेगाव ते बोरिवली हार्बर मार्गिकेचा विस्तार, कल्याण जंक्शन येथे लांब पल्ल्याच्या व उपनगरीय रेल्वे मार्गिकांचे विभाजन करणे इ. महत्वाच्या कामांचा समावेश आहे. या प्रकल्पाचा खर्च केंद्र शासन व राज्य शासन यांच्यामार्फत ५०:५० टक्के या प्रमाणात करण्यात येणार आहे. प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ३३६९० कोटी इतका आहे. सदर प्रकल्पासाठी राज्य शासनाच्या ५० टक्के आर्थिक हिश्याचा भार काही प्रमाणात सिडको, मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण, बृहन्मुंबई महानगरपालिका व नवी मुंबई महानगरपालिका यांनी सोसावयाचा आहे. अंमलबजावणीस सोयीच्या दृष्टीने सदर प्रकल्प एमयुटीपी-३अ-१ (रु. १४२२० कोटी) व एमयुटीपी-३अ-२ (रु. १९४७० कोटी) असा विभागण्यात आला आहे. एमयुटीपी-३अ-१ व एमयुटीपी-३अ-२ करिता अनुक्रमे एआयआयबी व एनडीबी बँकेचे प्रत्येकी रु. ३५०० कोटी रकमेचे कर्ज घेण्याचे नियोजित आहे.

(४) मुंबई मेट्रो रेल्वे लाईन-२अ :

मुंबई मेट्रो मार्ग-२अ [दहीसर चारकोप-वांद्रे-मानखुर्द मेट्रो मार्गाचा टप्पा-अ दहीसर(पू.) डी. एन. नगर] या (लांबी १८.६ कि.मी. स्थानके-१७) प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ६४१० कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबवणार आहे. या प्रकल्पासाठी एडीबी व एनडीबी या आंतरराष्ट्रीय बँकांकडून कर्ज घेण्यात आले असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पासाठी एमएमआरडीएने स्वनिधीतून रु. १८९२ कोटी उपलब्ध करावयाचे

आहेत. केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य/स्थानिक करांसाठी मिळून प्रकल्प रु.७५७.५० कोटी राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाचे आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचा टप्पा-१ (दहिसर ते डहाणूकरवाडी) चे दिनांक २ एप्रिल, २०२२ पासून कार्यान्वयन सुरू करण्यात आले आहे. तसेच टप्पा-२ (डहाणूकरवाडी ते डी.एन.नगर) ची स्थापत्य व प्रणालीची कामे पूर्णत्वाच्या अंतिम टप्प्यात आहेत.

(५) मुंबई मेट्रो रेल्वे लाईन-२ब :

मुंबई मेट्रो मार्ग-२ब (डी.एन.नगर-मंडाळे) (लांबी २३.६ कि.मी. स्थानके-२०) या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. १०९८६ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. या प्रकल्पासाठी एडीबी व एनडीबी या आंतरराष्ट्रीय बँकांकडून कर्ज घेण्यात आले असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणाने स्वनिधीतून रु. ३७११ कोटी उपलब्ध करावयाचे आहेत. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य / स्थानिक करांसाठी मिळून एकूण रु. १२९० कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाची आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत २५ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(६) मुंबई मेट्रो रेल्वे लाईन ३ :

मुंबई मेट्रो लाईन- ३ (कुलाबा-बांद्रा-सिद्धा) या (लांबी ३३.५ कि.मी. स्थानके-२७) प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. २३१३६ कोटी आहे. सदर प्रकल्पाची अंमलबजावणी केंद्र व राज्य शासनाचा ५०:५० टक्के समभाग असलेल्या संयुक्त मालकीच्या मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. या विशेष हेतू वाहन (एसपीव्ही) कंपनीकडून राबविण्यात येणार आहे. मुंबई मेट्रो-३ प्रकल्पातील केंद्र शासनाचा आर्थिक सहभाग (इक्विटी) हा समभाग व दुय्यम कर्ज सहाय्य या स्वरूपात राहणार आहे. तसेच राज्य शासनाचा सहभाग देखील हा बिनव्याजी दुय्यम कर्ज स्वरूपात राहणार आहे. या प्रकल्पातील राज्य शासनाच्या समभागाची रक्कम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाने वहन करावयाची आहे. सदर प्रकल्पासाठी जपान आंतरराष्ट्रीय सहकार्य संस्थेकडून कर्ज सहाय्य घेण्यात आले आहे. असा प्रकल्पाचा सर्व निधी हा सदर प्रकल्पाच्या अंमलबजावणी करणाऱ्या मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. या विशेष हेतू वाहन कंपनीकडे सुपूर्द करावयाचा आहे. कर्जाची परतफेड या विशेष हेतू वाहन कंपनीने करावयाची आहे.सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पातील राज्य शासनाचा समभाग रु. २४०२.७ कोटी शासनाच्यावतीने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत उपलब्ध करून देण्यात येणार असून केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य शासनाचे कर (१०० टक्के) तसेच खाजगी जमीन संपादन व पुनर्वसन याकरिता एकूण रु. २४२१.१० कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाचे आहे. जपान अंतरराष्ट्रीय सहकार्य संस्थेकडून रु. १३२३५ कोटी इतके कर्ज सहाय्य घेण्यात आले आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत ७६ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

सदर प्रकल्पाच्या कामास केंद्र शासनाने जुलै, २०१३ व राज्य शासनाने जुलै, २०१४ मध्ये रु. २३,१३६ कोटी खर्चाच्या प्रकल्पास मान्यता प्रदान केली होती. सदरहु प्रकल्प डिसेंबर, २०२१ मध्ये पूर्ण करण्याचे नियोजित होते. तथापि, मुंबईची स्थानिक व भौगोलिक परिस्थिती पाहता प्रकल्प अंमलबजावणी दरम्यान

आलेल्या तांत्रिक अडचणी, जमीन अधिग्रहणामधील किंमतवाढ, पुनर्वसन तसेच कोविड-२०१९ व कारशेडच्या जागा निश्चितीबाबतचे असलेले प्रश्न विचारात घेऊन मूळ प्रकल्प किंमत रु. २३,१३६ कोटीमध्ये रु. १०,२६९.८२ कोटी इतक्या रक्कमेने वाढ झाल्याने प्रकल्पाच्या सुधारित सविस्तर प्रकल्प अहवालास रु.३३,४०५.८२ कोटी खर्चाच्या सुधारित वित्तीय सहभाग आराखड्यासह राज्य शासनाने दि. २५ ऑगस्ट, २०२२ रोजी तत्वतः मान्यता दिली आहे. यामध्ये Japan International Cooperation Agency वित्तीय संस्थेकडून अतिरिक्त कर्ज घेण्यास तसेच केंद्र व राज्य शासनाच्या वाढीव वित्तीय हिशशास मान्यता देण्यात आली आहे.

(७) मुंबई मेट्रो रेल्वे लाईन ४ :

मुंबई मेट्रो मार्ग-४ (वडाळा-घाटकोपर-मुलुंड-ठाणे-कासारवडवली) (लांबी ३२.५ कि.मी. स्थानके-३०) या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. १४५४९ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. सदर प्रकल्पातील खर्चामधील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य / स्थानिक करांसाठी राज्य शासनाकडून दुय्यम कर्ज या स्वरूपात निधी वितरित करावयाचा आहे. सदर प्रकल्पासाठीचे राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज हे परतफेड करावयाचे आहे. या प्रकल्पासाठी केएफडब्ल्यु या आंतरराष्ट्रीय बँकेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. ५९६१ कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य / स्थानिक करांसाठी मिळून एकूण रु.३६९३ कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाची आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत ४० टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(८) मुंबई मेट्रो मार्ग ४अ :

मुंबई मेट्रो मार्ग-४अ (कासारवडवली-गायमुख) (मेट्रो लाईन-४अ चा विस्तार) या (लांबी २.७ कि.मी. स्थानके-२) मेट्रो प्रकल्पास मा. मंत्रिमंडळाने दिनांक २७ नोव्हेंबर २०१८ रोजी मान्यता दिली आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पाची मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत अंमलबजावणी करण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाचा स्वतःचा निधी, राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज सहाय्य व उर्वरित निधी वित्तीय संस्थेकडून कर्ज सहाय्य या माध्यमातून निधी उभारण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ९४९ कोटी इतका आहे. या प्रकल्पासाठी केएफडब्ल्यु या आंतरराष्ट्रीय बँकेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पात मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत रु. ५१७.५१ कोटी, राज्य शासनमार्फत केंद्रीय कराच्या (५० टक्के) आणि राज्य शासनाच्या कराच्या (१०० टक्के) रक्कम व जमिनीचा खर्च याकरिता रु. १५७.७७ कोटी इतके दुय्यम कर्ज व उर्वरित आंतरराष्ट्रीय बँकेचे कर्ज अशा प्रकारे निधी उभारावयाचा आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत ४४ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(९) मुंबई मेट्रो मार्ग-५ :

मुंबई मेट्रो मार्ग-५ ठाणे-भिवंडी-कल्याण या (लांबी २४.९ कि.मी. स्थानके-१५) प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ८४१६.५१ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई

महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. या प्रकल्पासाठी आंतरराष्ट्रीय बँकेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. ४७०७ कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य शासनाचे कर (१०० टक्के) तसेच जमिनीची किंमत याकरिता एकूण रु. १३५२.२५ कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून राज्य शासनाकडून उपलब्ध करावयाची आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून टाणे-भिवंडी या टप्पा-१ मध्ये आतापर्यंत ६४ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(१०) मुंबई मेट्रो मार्ग-६ :

मुंबई मेट्रो मार्ग ६ (स्वामी समर्थ नगर-जोगेश्वरी-विक्रोळी) (लांबी १४.५ कि.मी. स्थानके-१३) या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ६७१६ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. सदर प्रकल्पातील खर्चामधील केंद्र शासनाचे कर ५० टक्के व राज्य शासनाचे कर (१०० टक्के) तसेच जमिनीची किंमत याकरिता राज्य शासनाकडून दुय्यम कर्ज या स्वरूपात निधी वितरित करावयाचा आहे. सदर प्रकल्पासाठीचे राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज हे परतफेड करावयाचे आहे. या प्रकल्पासाठी आंतरराष्ट्रीय बँकेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. ३१९५.०२ कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य शासनाचे कर (१०० टक्के) तसेच जमिनीची किंमत याकरिता एकूण रु. १८२०.५९ कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून राज्य शासनाकडून उपलब्ध करावयाची आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत ६० टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(११) मुंबई मेट्रो रेल्वे लाईन-७ :

मुंबई मेट्रो मार्ग- ७, अंधेरी (पूर्व)-दहिसर (पूर्व) या (लांबी १६.५ कि.मी. स्थानके-१३) प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ६२०८ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. सदर प्रकल्पातील खर्चामधील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य/स्थानिक करांसाठी राज्य शासनाकडून दुय्यम कर्ज या स्वरूपात निधी वितरित करावयाचा आहे. सदर प्रकल्पासाठीचे राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज हे परतफेड करावयाचे आहे. या प्रकल्पासाठी एडीबी व एनडीबी या आंतरराष्ट्रीय बँकांकडून कर्ज घेण्यात आले असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. २३२० कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहेत. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य / स्थानिक करांसाठी मिळून एकूण रु. ७३३.५० कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून राज्य शासनाकडून उपलब्ध करावयाची आहे व उर्वरित रक्कम ही आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून कर्ज रूपाने उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पाचा टप्पा-१ (दहिसर(पूर्व) ते आरे) चे दिनांक ०२ एप्रिल, २०२२ पासून कार्यान्वयन सुरु करण्यात आले आहे. तसेच टप्पा-२ (आरे ते अंधेरी(पूर्व)) ची स्थापत्य व प्रणालीची कामे पूर्णत्वाच्या अंतिम टप्प्यात आहेत.

(१२) मुंबई मेट्रो मार्ग ९ व ७अ :

मेट्रो मार्ग ९ (दहिसर ते मिरा-भाईंदर) पूर्णतः उन्नत (लांबी १०.४० कि.मी.) व मेट्रो मार्ग ७अ (अंधेरी ते छत्रपती शिवाजी महाराज आंतरराष्ट्रीय विमानतळ) (मेट्रो मार्ग ७ चा विस्तार) (लांबी ३.१७ कि.मी.) या प्रकल्पाची मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत अंमलबजावणी करण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाचा स्वतःचा निधी, राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज सहाय्य व उर्वरित निधी वित्तीय संस्थेकडून कर्ज सहाय्य या माध्यमातून निधी उभारण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ६६०७ कोटी इतका आहे. सदर प्रकल्पात मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत रु. ३३३६.५१ कोटी राज्य शासनामार्फत केंद्रीय कराच्या (५० टक्के) आणि राज्य शासनाच्या कराच्या (१०० टक्के रक्कम व जमिनीचा खर्च याकरिता रु. १६३१.२४ कोटी इतके बिनव्याजी दुय्यम कर्ज व वित्तीय संस्थेकडून रु. १६३९.२५ कोटीचे कर्ज प्राप्त होणार आहे. सदर प्रकल्पातील मेट्रो मार्ग ९ व मार्ग ७अ प्रकल्पांचे स्थापत्य काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत अनुक्रमे ४० आणि ८ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(१३) मुंबई मेट्रो मार्ग - १०:

मुंबई मेट्रो मार्ग- १० गायमुख ते शिवाजी चौक (मिरा रोड) या मार्गिकेची एकूण लांबी ९.२०९ कि.मी.(उन्नत - ८.५२९, भुयारी - ०.६८) असून यामध्ये एकूण ४ उन्नत मेट्रो स्थानके प्रस्तावित आहेत. प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ४४७६ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. या प्रकल्पासाठी बहुपक्षीय/आंतरराष्ट्रीय अशा विविध वित्तीय संस्थांकडून कर्ज घेण्यात येणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. ३५४.७७ कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य शासनाचे कर तसेच जमिनीची किंमत याकरिता एकूण रु. ७७६.७१ कोटी राज्य शासनाकडून दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाची आहे. सद्यस्थितीत सदर प्रकल्पासाठी सामान्य सल्लागार नियुक्ती करण्यात आली आहे.

(१४) मुंबई मेट्रो मार्ग-११ :

मुंबई मेट्रो मार्ग- ११, वडाळा ते छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस (लांबी १२.७७४ कि.मी., १० स्थानके) या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ८७३९ कोटी आहे. सदर प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण राबविणार आहे. सदर प्रकल्पातील खर्चामधील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य/स्थानिक करांसाठी राज्य शासनाकडून रु. ९३२ कोटी इतके दुय्यम कर्ज या स्वरूपात निधी वितरित करावयाचा आहे. सदर प्रकल्पासाठीचे राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज हे परतफेड करावयाचे आहे. या प्रकल्पासाठी आंतरराष्ट्रीय/आंतरदेशीय वित्तीय संस्थेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात प्राधिकरणामार्फत रु. ३१३३.३१ कोटी उपलब्ध करून देण्यात येणार असून मुंबई पोर्ट ट्रस्टचा आर्थिक सहभाग हा जमिनीच्या स्वरूपात राहणार आहे. सद्यस्थितीत सदर प्रकल्पासाठी सामान्य सल्लागार नियुक्तीची कार्यवाही सुरु आहे.

(१५) मुंबई मेट्रो मार्ग-१२ :

मेट्रो मार्ग १२ (कल्याण ते तळोजा) याची लांबी २०.७५६ कि.मी. (उन्नत) असून त्यामध्ये १७ स्थानकांचा समावेश केला आहे. या मेट्रो रेल्वे प्रकल्पाची मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत अंमलबजावणी करण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाचा स्वतःचा निधी, केंद्र शासनाचा सहभाग, राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज सहाय्य सिडको, एमआयडीसी यांचा आर्थिक सहभाग राहणार असून उर्वरित निधी आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थेकडून कर्ज सहाय्य या माध्यमातून उभारण्यात येणार आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ५८६५ कोटी इतका आहे. सदर प्रकल्पात मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत रु. ७९८.३८ कोटी (५०% केंद्र शासनाच्या करांकरिताच्या रक्कमेसह), सिडको मार्फत रु. ७०८.१२ कोटी एमआयडीसी कडून रु. २४८ कोटी, राज्य शासनामार्फत बिनव्याजी दुय्यम कर्ज सहाय्य रु. २६८ कोटी, केंद्र शासनाचा सहभाग रु. ७६५.५० कोटी व बाह्य वित्तीय संस्थेकडून रु. ३०७७ कोटीचे कर्ज असा आर्थिक सहभाग राहणार आहे. सद्यस्थितीत सदर प्रकल्पासाठी सामान्य सल्लागार नियुक्ती करण्यात आली आहे.

(१६) नागपूर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प टप्पा-१:

नागपूर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पांतर्गत मार्गिका क्र. १ ऑटोमोटीव्ह चौक ते मिहान (उत्तर-दक्षिण मार्गिका) व मार्गिका क्र. २ प्रजापती नगर ते लोकमान्य नगर (पूर्व-पश्चिम मार्गिका) अशा दोन मेट्रो मार्गिकांचा समावेश आहे. सदर प्रकल्प पूर्णत्वासाठीचा अपेक्षित खर्च रु. ८६८० कोटी आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (महामेट्रो) या विशेष हेतू वहन कंपनीकडून राबविण्यात येत आहे. नागपूर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पातील केंद्र व राज्य शासनाचा सहभाग हा गुंतवणूक/समभाग (Equity) व दुय्यम कर्ज सहाय्य या स्वरूपात राहणार आहे. तसेच या प्रकल्पात नागपूर सुधार प्रन्यास व नागपूर महानगरपालिका यांचे अनुदान देखील उपलब्ध होणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी केएफडुप्रन्यु व एफडी, जर्मनी या आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांचे कर्ज सहाय्य घेण्यात आले आहे. सदरचे बाह्य कर्ज केंद्र शासनामार्फत घेण्यात आले असून थेट महामेट्रोला वितरित करण्यात येत आहे. सदर कर्जाची परतफेड या विशेष हेतू वहन कंपनीने करावयाची आहे. नागपूर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पात सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पासाठी केंद्र शासनाकडून समभाग स्वरूपात रु. १११४ कोटी व केंद्रीय कराच्या ५० टक्के खर्चासाठी केंद्र शासनाकडून रु. ४४१ कोटी दुय्यम कर्ज स्वरूपात उपलब्ध करून देण्यात येणार आहेत. राज्य शासनाच्या वतीने समभाग म्हणून एकूण रु. १११४ कोटी व केंद्रीय कराच्या ५० टक्के रक्कम रु. ४४१ कोटी आणि राज्य/स्थानिक करांसाठीच्या रु. १८१ कोटी मिळून एकूण रु. ६२२ कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाची आहे.

सदर प्रकल्पाच्या एकूण ३८.२१५ कि.मी. लांबीपैकी दिनांक ०८.०३.२०१९ रोजी ३३.७० कि.मी. आणि दिनांक २८.०८.२०२१ रोजी आणखी १.६० कि.मी. लांबीच्या मेट्रो मार्गिकेचे कार्यान्वयन सुरू केले आहे. प्रकल्पाची उर्वरित ११.९ कि.मी. मार्गिका लवकरच कार्यान्वित होणे अपेक्षित आहे.

(१७) नागपूर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प टप्पा-२:

सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (महामेट्रो) या विशेष हेतू वहन कंपनीकडून राबविण्यास शासनाने मान्यता दिली आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ६७०८ कोटी इतका आहे. त्यामध्ये राज्य शासनाचा सहभाग हा समभाग रु. ९९८.२ कोटी व दुय्यम कर्ज सहाय्य रु. २१२ कोटी

असा असून केंद्र शासनाचा सहभाग हा समभाग रु. ९९८.२ कोटी व दुय्यम कर्ज सहाय्य रु. १९७ कोटी असा राहणार आहे. इतर भागधारकांकडून रु. ७१७ कोटी उपलब्ध होणार आहेत. तसेच, एफडी, जर्मनी या बाह्य वित्तीय सहाय्य संस्थेकडून रु. ३५८५.६ कोटी कर्ज घेण्याचे प्रस्तावित आहे. सदर प्रकल्पाची एकूण लांबी ४३.८० कि.मी. इतकी असून त्यामध्ये कॉरिडोर १A-मिहान ते एमआयडीसी ईएसआर, कॉरिडोर २A-ऑटोमोटीव्ह स्केअर ते कन्हान नदी, कॉरिडोर ३A-लोकमान्य नगर ते हिंगणा व कॉरिडोर ४A-प्रजापती नगर ते ट्रान्सपोर्ट नगर यांचा समावेश आहे. सद्यस्थितीत सदर प्रकल्पास केंद्र शासनाची अंतिम मान्यता प्रलंबित असून मंजूरी प्राप्त होताच प्रकल्प काम हाती घेण्यात येणार आहे.

(१८) पुणे महानगर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प :

पुणे महानगर मेट्रो रेल प्रकल्प टप्पा-१ मधील मार्गिका क्र. १ (पिंपरी-चिंचवड ते स्वारगेट) व मार्गिका क्र. २ (वनाझ ते रामवाडी) या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. ११४२० कोटी आहे. सदर प्रकल्प महाराष्ट्र मेट्रो रेल्वे कॉर्पोरेशन लि. या केंद्र व राज्य शासनाचा ५०:५० संयुक्त सहभाग असलेली विशेष हेतू वाहन कंपनीमार्फत राबविण्यात येत आहे. सदर प्रकल्पासाठी केंद्र शासनाकडून समभाग स्वरूपात तसेच केंद्रीय कराच्या ५० टक्के खर्चासाठी केंद्र शासनाकडून दुय्यम कर्ज या स्वरूपात निधी वितरित करावयाचा आहे. सदर प्रकल्पात केंद्र व राज्य शासनाचा सहभाग हा समभाग (इक्विटी) व दुय्यम कर्ज स्वरूपात आहे. या प्रकल्पासाठी आंतरराष्ट्रीय बँकेकडून कर्ज घेणार असून त्याची परतफेड प्रकल्पाच्या विशेष हेतू कंपनीकडून करण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो रेल्वे प्रकल्पासाठी केंद्र शासनाकडून समभाग स्वरूपात रु. १३१० कोटी व केंद्रीय कराच्या ५० टक्के खर्चासाठी केंद्र शासनाकडून रु. ६४४ कोटी दुय्यम कर्ज स्वरूपात उपलब्ध करून देण्यात येणार आहेत. राज्य शासनाकडून समभाग स्वरूपात रु. १३१० कोटी व प्रकल्पावरील केंद्रीय कराच्या ५० टक्के व राज्य/स्थानिक करांसाठी मिळून एकूण रु. ९४६.२० कोटी दुय्यम कर्ज सहाय्य म्हणून उपलब्ध करावयाचे आहेत. तसेच, आंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थांकडून रु. ५८३१.५ कोटी कर्जरूपाने उपलब्ध होणार आहे. प्रकल्पातील पीसीएमसी ते फुगेवाडी (७ किमी) आणि वनाज ते गरवारे (५ किमी) या प्राधान्य मार्गिका १ आणि २ वर दि. ०६ मार्च, २०२२ पासून मेट्रो सेवा चालू झाली आहे. सदर प्रकल्पाची एकंदर ८० टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(१९) पिंपरी-चिंचवड (पी.सी.एम.सी.) ते निगडी कॉरीडॉर क्र. १ए :

पिंपरी चिंचवड महानगरपालिकेने प्रस्तावित केल्यानुसार पुणे मेट्रो रेल्वे प्रकल्प टप्पा-१ मधील मार्गिका क्रमांक-१ (पिंपरी-चिंचवड ते स्वारगेट) च्या विस्तारीत "पिंपरी चिंचवड (पी.सी.एम.सी.) ते निगडी कॉरीडॉर क्र. १ए" उन्नत मेट्रो मार्गिकेची महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (महामेट्रो) मार्फत अंमलबजावणी करण्याबाबतच्या रु. ९४६.७३ कोटी प्रकल्प पूर्णत्व खर्चाच्या सुधारित प्रस्तावास मा.मंत्रीमंडळाने दि.१७.०२.२०२१ रोजीच्या बैठकीत मान्यता दिली आहे. सुधारित मान्यतेनुसार माहे मार्च, २०२१ रोजीच्या पत्रान्वये प्रकल्पाचा प्रस्ताव केंद्र शासनाच्या गृहनिर्माण व शहरी कार्य मंत्रालयास मान्यतेस्तव सादर करण्यात आला आहे. त्यावर केंद्र शासनाने सूचित केल्यानुसार, महामेट्रोने सादर केलेल्या सुधारित प्रकल्प खर्च व वित्तीय सहभाग आराखडा मान्यता देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन आहे. सदर प्रकल्पास केंद्र शासनाची अंतिम मान्यता प्राप्त झाल्यानंतर प्रकल्पाचे काम हाती घेण्यात येणार आहे.

(२०) स्वारगेट ते कात्रज (कॉरिडोर क्र. २ए) :

पुणे महानगरपालिकेने महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (महामेट्रो) मार्फत पुणे मेट्रो रेल प्रकल्प टप्पा-१ ची विस्तारीत मार्गिका स्वारगेट ते कात्रज (कॉरिडोर-२ए) या ५.४६४ कि.मी. लांबी, ३ स्थानके असलेल्या रु. ३६६८.०४ कोटी प्रकल्प पूर्णत्व खर्चाच्या पूर्णतः भूयारी मेट्रो रेल्वे प्रकल्पाची महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. (महामेट्रो) मार्फत अंमलबजावणी करण्यास दि. २०.०४.२०२२ रोजी राज्य शासनाने मान्यता दिली आहे. राज्य शासनाकडून प्रकल्पाचा प्रस्ताव केंद्रीय गृहनिर्माण व शहरी कार्य मंत्रालयाकडे पाठविण्यात आला आहे. सदर प्रस्तावावर MoHUA ने उपस्थित केलेल्या निरीक्षणांवर राज्य शासनाचे उत्तर पाठविण्यात आले आहे. सदर प्रकल्पास केंद्र शासनाची अंतिम मान्यता प्राप्त झाल्यानंतर प्रकल्पाचे काम हाती घेण्यात येणार आहे.

(२१) हिंजवडी ते शिवाजीनगर मेट्रो रेल्वे प्रकल्प :

हिंजवडी ते शिवाजीनगर या मेट्रो रेल्वे प्रकल्पाची सार्वजनिक खाजगी सहभागाने संकल्पना करा, बांधा, आर्थिक पुरवठा करा, वापरा व हस्तांतरित करा (DBFOT) तत्वावर पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणामार्फत अंमलबजावणी करण्याकरिता मा. मंत्रिमंडळाने दिनांक ०२ जानेवारी २०१८ रोजीच्या बैठकीमध्ये तत्त्वतः मान्यता दिली आहे. सदर बैठकीमध्ये मा. मंत्रिमंडळाने या प्रकल्पाची २३.३ कि.मी. छत्र मार्गावर संकल्पना करा, बांधा, आर्थिक पुरवठा करा, चालवा व हस्तांतरित करा DBFOT तत्वावर सार्वजनिक खाजगी सहभागाने (PPP) उभारणी करण्यास मान्यता दिली आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. ८३१३ कोटी इतका आहे. पीएमआरडीए व सवलतकार कंपनी, पुणे आयटी सिटी मेट्रो रेल मर्यादित (Consortium of TRIL Urban Transport Pvt. Ltd. And Siemens Project Ventures GmbH, Siemens AG, Germany) यांच्या दरम्यान दि. २१ सप्टेंबर २०१९ रोजी सवलत करारनामा स्वाक्षीकित करण्यात आला आहे. सध्यास्थितीत सदर प्रकल्पाची १३ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

(२२) नाशिक मेट्रो रेल्वे प्रकल्प :

नाशिक महानगर प्रदेश क्षेत्रात सार्वजनिक जलद परिवहन व्यवस्था प्रकल्प (MRTS) अंतर्गत मेट्रो प्रकल्प राबविण्यास मान्यता देण्यात आली आहे. सदर प्रकल्पांतर्गत नाशिक शहरात मुख्य उन्नत मार्गिका क्र. १ गंगापूर ते नाशिक रोड रेल्वे स्थानक (लांबी २२.५ कि.मी. उन्नत मार्ग व २० स्थानके) व मुख्य उन्नत मार्गिका क्र. २ गंगापूर ते मुंबई नाका (लांबी १०.५ कि.मी. उन्नत मार्ग व १० स्थानके) तसेच मुख्य मार्गिका व्यतिरिक्त दोन पुरक मार्ग-एक पुरक मार्ग मुंबई नाका ते सातपूर कॉलनी (११.५ कि.मी.) आणि दुसरा नाशिक स्थानकापासून नांदूर नाका मार्गे शिवाजीनगर (१४.५ कि.मी.) या दरम्यान अंमलबजावणी करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. सदर प्रकल्पाचा अंदाजित खर्च रु. २१०० कोटी आहे. सदर प्रकल्पात केंद्र शासन, राज्य शासन, सिडको, एमआयडीसी, नाशिक महानगरपालिका यांचा आर्थिक सहभाग राहणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी बाह्यसंस्थेकडून कर्ज सहाय्य घेण्यात येणार आहे. सदर मेट्रो प्रकल्पाची अंमलबजावणी करण्यास राज्य शासनाने दि.०९.०९.२०१९ रोजी मान्यता दिली असून सदर प्रकल्पाचा प्रस्ताव वित्तीय, तांत्रिक छाननी व मान्यतेकरिता केंद्र शासनास सादर केला आहे. केंद्र शासनाची अंतिम मान्यता प्राप्त झाल्यानंतर प्रकल्पाचे काम हाती घेण्यात येणार आहे.

(२३) ठाणे अंतर्गत वर्तुळाकार मेट्रो रेल्वे प्रकल्प :

ठाणे महानगरपालिकेमार्फत प्रस्तावित करण्यात आलेल्या ठाणे शहरांतर्गत वर्तुळाकार मेट्रो रेल्वे प्रकल्प (लांबी २८.८ कि.मी.) प्रकल्पाची अंमलबजावणी महामेट्रो या विशेष उद्देश वाहन कंपनीमार्फत करण्यास शासनाने मान्यता दिली आहे. ठाणे मेट्रो मार्ग या प्रकल्पाची अंदाजित किंमत रु. १०४१२.६१ कोटी आहे. सदर प्रकल्पात राज्य शासनाचा सहभाग हा समभाग रु.११८०.८८ कोटी व दुय्यम कर्ज सहाय्य- रु.३४३१.९२ कोटी तसेच केंद्र शासनाचा सहभाग हा समभाग- रु. ११८०.८८ कोटी व दुय्यम कर्ज सहाय्य- रु.२३७.२१ कोटी असा राहणार आहे. सदर प्रकल्पासाठी रु.४०५४.२५ कोटी चे बाह्य कर्ज घेण्यात येणार आहे. ठाणे महानगरपालिकेचा वित्तीय सहभाग रु.२०० कोटी इतका राहणार असून उर्वरित रु.१२७.४७ कोटी इतर माध्यमातून उपलब्ध होणार आहेत. राज्य शासनाकडून प्रकल्पाचा प्रस्ताव दि.११.०८.२०२१ रोजी केंद्रीय गृहनिर्माण व शहरी कार्य मंत्रालयाकडे पाठविण्यात आला आहे. केंद्र शासनाची अंतिम मान्यता प्राप्त झाल्यानंतर प्रकल्पाचे काम हाती घेण्यात येणार आहे.

(२४) स्व. बाळासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक :

स्वर्गीय बाळासाहेब ठाकरे यांच्या स्मृती जपण्यासाठी मुंबईतील शिवाजी पार्क, दादर येथील महापौर निवास स्थान परिसरातील जागेवर स्व.बाळासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक उभारण्यासाठी शासनाने दि. २८ फेब्रुवारी, २०२१ रोजी सुधारित मान्यता देण्यात आली आहे. सदर प्रकल्पाच्या सुधारित आराखड्याप्रमाणे स्मारकासाठी प्रत्यक्ष करावयाचे बांधकाम व पुरविण्यात येणारी सोयी-सुविधा यांनुसार कामाचे टप्पा-१ व टप्पा-२ असे वर्गिकरण करण्यात आले आहे. टप्पा-१ मधील कामासाठी रु.२५० कोटी व टप्पा-२ मधील कामासाठी रु.१५० कोटी असे एकूण रु. ४०० कोटी (सर्व करांसहीत) इतक्या रक्कमेचे ढोबळ अंदाजपत्रक तयार केले आहे. सदर प्रकल्पाच्या टप्पा १ मध्ये सर्व इमारतींची बांधकामे करणे प्रस्तावित असून, यामध्ये स्थापत्य, विद्युत, वातानुकूलितयंत्रणा उभारणी, इमारतीच्या अंतर्गत व बाह्य सजावट, वाहनतळ उभारणी, बागवगीचा तयार करणे, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग इत्यादी कामांचा समावेश आहे. सदर प्रकल्पाच्या टप्पा २ मध्ये तंत्रज्ञान, लेझर शो, डिजिटल मॅपिंग प्रोजेक्शन, कथा/गोष्टी सांगणे, चित्रपट, व्हर्च्युअल रियलिटी, ऑडिओ व्हिज्युअल आणि तांत्रिक घटक इत्यादी कामे इमारतीचे बांधकामाचे काम पूर्णत्वास येत असताना हाती ध्यावयाचे प्रस्तावित आहे. सदर प्रकल्पाच्या उभारणीकरिता एमएमआरडीएने सुरूवातीस खर्च करावयाचा असून अशा खर्चाची प्रतिपूर्ती शासनाच्या नगर विकास विभागामार्फत करण्यात येणार आहे. स्मारक प्रकल्पाचे काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत ५६ टक्के भौतिक प्रगती साध्य झाली आहे.

नागरी जमीन कमाल मर्यादा
Urban Land Ceiling

प्रकरण ६

नागरी जमीन कमाल धारणा

राज्यात नागरी क्षेत्रातील जमीन गृहनिर्माणाकरिता उपलब्ध व्हावी या दृष्टीने नागरी जमीन (कमाल धारणा व विनियमन) अधिनियम, १९७६ निरसित करून नागरी जमीन (कमाल मर्यादा व विनियमन) निरसन अधिनियम, १९९९ दिनांक २९ नोव्हेंबर २००७ पासून अंगीकृत केला आहे.

निरसन अधिनियम, १९९९ च्या तरतुदी अन्वये सदर अधिनियम अंमलात येण्यापूर्वी शासन ताब्यात घेण्यात आलेल्या जमिनीचे व्यवस्थापन करण्याची तसेच नाजकधा अधिनियम, १९७६ चे कलम २०(१) अन्वये अतिरिक्त जमिनीस विविध प्रयोजनांसाठी सूट दिलेल्या आदेशांच्या अंमलबजावणीची कार्यवाही सुरू आहे.

मंत्रालय (नगरविकास विभाग)
Mantralaya (Urban Development Department)

प्रकरण ७

नगरविकास विभाग

नगरविकास विभागामध्ये महानगरपालिका व नगरपालिका, नगररचना, नागरी जमीन कमाल धारणा अधिनियम, मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण, सिडको इ. महत्त्वाचे विषय असून विभागाचे कामकाज ३५ कार्यासनात विभागले आहे. विभागात १ अपर मुख्य सचिव व १ प्रधान सचिव असून त्यांना त्यांच्या कामात १ सहसचिव, १ संचालक नगररचना तथा सहसचिव, ७ उप सचिव, उप संचालक नगररचना तथा पदसिद्ध उप सचिव-१, ११ अवर सचिव, सहायक संचालक, नगररचना तथा अवर सचिव-२, १ अवर सचिव (विधि), १ लेखा अधिकारी, २४ कक्ष अधिकारी व २ नगररचनाकार सहाय्य करीत असतात. विभागात कार्यासनांच्या कामकाजावर देखरेख व नियंत्रण ठेवण्याचे काम सहसचिव/उप सचिव या दर्जाचे पर्यवेक्षीय अधिकारी करतात. या विभागात **राजपत्रित** अधिकारी व **अराजपत्रित** कर्मचारी मिळून २३३ असा कर्मचारीवृंद आहे.

नगरविकास विभागातील कामकाजाची विभागणी अपर मुख्य सचिव (नवि-१), व प्रधान सचिव (नवि-२) यांच्यामध्ये खालीलप्रमाणे करण्यात आली आहे :-

अपर मुख्य सचिव (नवि-१)

- (१) नगररचनाविषयक सर्व बाबी.
- (२) संचालक, नगररचना व मूल्यनिर्धारण विभाग, पुणे यांच्या आस्थापनाविषयक बाबी.
- (३) शहर व औद्योगिक विकास महामंडळाच्या बाबी.
- (४) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाविषयक बाबी.
- (५) पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (पी.एम.आर.डी.ए.)
- (६) नागपूर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (७) नाशिक महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (८) औरंगाबाद महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (९) कोल्हापूर नागरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण
- (१०) महाराष्ट्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड, नागपूर
- (११) मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड, मुंबई
- (१२) मुंबई रेल्वे विकास महामंडळ, मुंबई
- (१३) नागरी जमीन (कमाल धारणा व विनियमन) अधिनियम, १९७६ व निरसन अधिनियम, १९९९ अंतर्गत सर्व बाबी.
- (१४) विभागाची आस्थापना.

प्रधान सचिव (नवि-२)

- (१) राज्यातील सर्व महानगरपालिकेच्या प्रशासकीय बाबी.
- (२) राज्यातील सर्व नगरपरिषदेच्या प्रशासकीय बाबी.
- (३) नगरविकास विभागाशी संबंधित अर्थसंकल्पविषयक सर्व बाबी.
- (४) महानगरपालिका, नगरपालिका व नगरपालिका संबंधित अधिनियम, अधिनियमातील सुधारणाविषयक बाबी.
- (५) विधानमंडळाशी संबंधित सर्व बाबी.
- (६) अग्निशामक सल्लागार आस्थापना.
- (७) संचालक, नगरपालिका प्रशासन आस्थापना.
- (८) केंद्र शासन पुरस्कृत विविध अभियान.

नगरविकास विभाग

अपर मुख्य सचिव (नवि-१)

सह सचिव १
 संचालक, नगररचना तथा सहसचिव-१
 उप सचिव १
 उप संचालक, नगररचना तथा उपसचिव-१
 अवर सचिव ५
 सहायक संचालक, नगररचना तथा अवरसचिव-२
 कक्ष अधिकारी १०
 नगररचनाकार -२

प्रधान सचिव (नवि-२)

उप सचिव ०६
 अवर सचिव ६
 कक्ष अधिकारी १४

- (१) शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ (सिडको)
- (२) मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एम.एम.आर.डी.ए.)
- (३) पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (पी.एम.आर.डी.ए.)
- (४) नागपूर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (५) नाशिक महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (६) औरंगाबाद महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण
- (७) कोल्हापूर नागरी क्षेत्र विकास प्राधिकरण
- (८) महाराष्ट्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड, नागपूर
- (९) मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड, मुंबई
- (१०) मुंबई रेल्वे विकास महामंडळ, मुंबई
- (११) संचालक, नगररचना
- (१२) सक्षम प्राधिकारी (ULC)
- (१३) विभागातील (खुद्द) ची आस्थापना

- (१) महानगरपालिका (सर्व)
- (२) नगरपालिका/नगरपंचायती (सर्व)
- (३) पिंपरी-चिंचवड नवनगर विकास प्राधिकरण
- (४) नागपूर सुधार प्रन्यास
- (५) नगरपालिका प्रशासन संचालनालय
- (६) अग्निशमन सल्लागार कार्यालय

| अ.क्र. (१) | गट (२) | मंजूर पदे (३) | भरलेली पदे (४) | रिक्त पदे (५) |
|---------------|-----------|------------------|-------------------|------------------|
| १ | अ | ३१ | २७ | ४ |
| २ | ब | ९७ | ६२ | ३५ |
| ३ | क | ७४ | ४९ | २५ |
| ४ | ड | ३१ | १५ | १६ |
| एकूण... | | २३३ | १५३ | ८० |

नगरविकास विभागाकडील प्रमुख योजना व त्याचेसाठी सन २०२३-२४ मध्ये केलेली तरतूद

| अ.क्र. | योजनेचे नाव | अर्थसंकल्पित तरतूद (रु.कोटीत) |
|--------|---|----------------------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| १ | अमृत अभियान मनपा (केंद्र हिस्सा) | ०.०००१ |
| २ | अमृत अभियान मनपा (राज्य हिस्सा) | ०.०००१ |
| ३ | अमृत अभियान नगरपरिषद (केंद्र हिस्सा) | ०.०००१ |
| ४ | अमृत अभियान नगरपरिषद (राज्य हिस्सा) | ०.०००१ |
| ५ | अमृत अभियान राज्यअभियानावरील आस्थापना सहायक अनुदान | ०.०००१ |
| ६ | केंद्र पुरस्कृत अमृत २.० अभियानासाठी नागरी स्थानिक स्वराज्यसंस्थाना सहाय्य (केंद्र हिस्सा) | १३१७ |
| ७ | केंद्र पुरस्कृत अमृत २.० अभियानासाठी नागरी स्थानिक स्वराज्यसंस्थाना सहाय्य (राज्य हिस्सा) | १५०० |
| ८ | केंद्र पुरस्कृत अमृत २.० अभियानासाठी नागरी स्थानिक स्वराज्यसंस्थाना प्रशासकीय, कार्यालयीन व इतर खर्चासाठी सहाय्य (केंद्र हिस्सा १००%) | १०० |
| ९ | केंद्र पुरस्कृत अमृत २.० अभियानासाठी नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थाना भौगोलिक माहिती प्रमालीसाठी सहाय्य (केंद्र हिस्सा १००%) | ५० |
| १० | स्मार्ट सिटीज मनपा (केंद्र हिस्सा) | ०.०००१ |
| ११ | स्मार्ट सिटीज मनपा (राज्य हिस्सा) | ०.०००१ |
| १२ | स्मार्ट सिटीज अभियानांतर्गत विशेष उद्देश वाहनांसाठी प्रशासकीय व कार्यालयीन खर्च | ०.०००१ |
| १३ | स्मार्ट सिटीज (राज्य हिस्सा) | ०.०००१ |
| १४ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, ठाणे (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ४६.५० |
| १५ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, ठाणे (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | २३.२५ |
| १६ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, कल्याण-डोंबिवली (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | १८६ |
| १७ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, कल्याण-डोंबिवली (राज्य हिस्सा ५० टक्के) | ९३ |
| १८ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, नाशिक (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | १८६ |
| १९ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, नाशिक (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | ९३ |
| २० | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, पुणे (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ०.०००१ |
| २१ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, पुणे (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | ०.०००१ |
| २२ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, पिंपरी-चिचवड (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ०.०००१ |
| २३ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, पिंपरी-चिचवड (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | ०.०००१ |
| २४ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, सोलापूर (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ४६.५० |
| २५ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, सोलापूर (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | २३.२५ |
| २६ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, औरंगाबाद (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ९३ |
| २७ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, औरंगाबाद (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | ४६.५० |
| २८ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, नागपूर (केंद्र हिस्सा ५० टक्के) | ९३ |
| २९ | स्मार्ट सिटी अभियान स्मार्ट सिटी, नागपूर (राज्य हिस्सा २५ टक्के) | ४६.५० |
| ३० | स्मार्ट सिटी, ठाणे (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ५ |
| ३१ | स्मार्ट सिटी, ठाणे (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | २.५० |

| अ.क्र. | योजनेचे नाव | अर्थसंकल्पित तरतूद (रु.कोटीत) |
|--------|--|----------------------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| ३२ | स्मार्ट सिटी, कल्याण-डोंबिवली (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | १२.५० |
| ३३ | स्मार्ट सिटी, कल्याण-डोंबिवली (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | ६.२५ |
| ३४ | स्मार्ट सिटी, नाशिक (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | १२.५० |
| ३५ | स्मार्ट सिटी, नाशिक (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | ६.२५ |
| ३६ | स्मार्ट सिटी, पुणे (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ०.०००१ |
| ३७ | स्मार्ट सिटी, पुणे (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | ०.०००१ |
| ३८ | स्मार्ट सिटी, पिंपरी-चिचवड (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ०.०००१ |
| ३९ | स्मार्ट सिटी, पिंपरी-चिचवड (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | ०.०००१ |
| ४० | स्मार्ट सिटी, सोलापूर (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ५ |
| ४१ | स्मार्ट सिटी, सोलापूर (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | २.५० |
| ४२ | स्मार्ट सिटी, औरंगाबाद (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ५ |
| ४३ | स्मार्ट सिटी, औरंगाबाद (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | २.५० |
| ४४ | स्मार्ट सिटी, नागपूर (केंद्र हिस्सा ५ टक्के) | ७.५० |
| ४५ | स्मार्ट सिटी, नागपूर (राज्य हिस्सा ५ टक्के) | ३.७५ |
| ४६ | स्वच्छ भारत अभियान मनपा (केंद्र हिस्सा) | १२०० |
| ४७ | स्वच्छ भारत अभियान मनपा (राज्य हिस्सा) | ८०० |
| ४८ | स्वच्छ भारत अभियान नगरपरिषद (केंद्र हिस्सा) | ३०० |
| ४९ | स्वच्छ भारत अभियान नगरपरिषद (राज्य हिस्सा) | २०० |
| ५० | स्वच्छ भारत अभियान नगरपंचायत (केंद्र हिस्सा) | २२५ |
| ५१ | स्वच्छ भारत अभियान नगरपंचायत (राज्य हिस्सा) | २०० |
| ५२ | महाराष्ट्र नगरोत्थान महाअभियानांतर्गत मनपांसाठी सहायक अनुदान | २०० |
| ५३ | महाराष्ट्र नगरोत्थान महाअभियानांतर्गत नगरपरिषदांसाठी सहायक अनुदान | १२०० |
| ५४ | नगरपरिषदांना वैशिष्ट्यपूर्ण कामांसाठी विशेष अनुदान | ० |
| ५५ | महानगरपालिका क्षेत्रात पायाभूत सुविधांच्या विकासासाठी विशेष तरतूद | ११०० |
| ५६ | हद्दवाढ झालेल्या मनपांना नव्याने समाविष्ट क्षेत्रात नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी सहाय्य | ११० |
| ५७ | नगरपालिका/नगरपरिषदांना त्यांच्या नव्याने विस्तारलेल्या सीमाक्षेत्रामध्ये नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी सहाय्य | ११० |
| ५८ | नव्याने स्थापन केलेल्या नगरपालिका/नगरपरिषदांना नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी सहाय्य | १० |
| ५९ | नव्याने स्थापन नगरपंचायतींना नागरी सुविधा पुरविण्यासाठी सहाय्य | १२५ |
| ६० | नगरपरिषद क्षेत्रातील यात्रास्थळांच्या विकास कार्यक्रमासाठी सहायक अनुदान | १० |
| ६१ | तुळजापूर शहर विकास प्राधिकरणास सहाय्य | १ |
| ६२ | जेएनएनयुआरएम/युआरडीएसएसएमटी अंतर्गत प्रकल्पांची कामे पूर्ण करण्यासाठी मनपांना सहायक अनुदान | ०.५० |
| ६३ | जेएनएनयुआरएम/युआरडीएसएसएमटी अंतर्गत प्रकल्पांची कामे पूर्ण करण्यासाठी नगरपरिषदांना सहायक अनुदान | ०.०००१ |
| ६४ | पैठण-आपेगांव शहर विकास प्राधिकरणास सहाय्य | १२ |
| ६५ | पंढरपूर शहर विकास प्राधिकरणास सहाय्य | ०.०००१ |

| अ.क्र. | योजनेचे नाव | अर्थसंकल्पित तरतूद (रु.कोटीत) |
|--------|--|----------------------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| ६६ | राज्यातील नगरपरिषदांना अग्निशमन सेवा व आण्णबाणीच्या सेवांच्या बळकटीकरणासाठी सहाय्य | २० |
| ६७ | राज्यातील महानगरपालिकांना अग्निशमन सेवा व आण्णबाणीच्या सेवांच्या बळकटीकरणासाठी सहाय्य | १० |
| ६८ | जागतिक बँक व जागतिक पर्यावरण सुविधा या अंतर्गत कायमस्वरूपी नागरी परिवहन प्रकल्पाकरिता पुणे व पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिकांना कर्जे | ०.०००१ |
| ६९ | राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान (राज्य हिस्सा) | ८९ |
| ७० | राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान (केंद्र हिस्सा) | १३५ |
| ७१ | राज्य नागरी उपजीविका अभियान | ०.०००१ |
| ७२ | सिंहस्थ कुंभमेळ्याचे नियोजन व अंमलबजावणीवरील खर्चाकरिता सहाय्यक अनुदान | ०.०००१ |
| ७३ | राज्यातील नगरपरिषदांना संगणकीकरणासाठी अनुदान | ०.०००१ |
| ७४ | जागतिक पर्यावरण सुविधा अंतर्गत कायमस्वरूपी नागरी परिवहन प्रकल्पाकरिता पुणे इ. पिंपरी-चिंचवड मनपा सनियंत्रण सहाय्य | ०.०००१ |
| ७५ | राज्यातील मनपांना संगणकीकरणासाठी अनुदान | ०.०००१ |
| ७६ | पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील गिरीस्थान नगरपरिषदांना विशेष पर्यटन विकास अनुदान | १२ |
| ७७ | मनपा क्षेत्रातील यात्रास्थळांच्या विशेष कार्यक्रमासाठी सहाय्यक अनुदान | १० |
| ७८ | शासकीय कर्मचाऱ्यांना प्रशिक्षण | १ |
| ७९ | अभियांत्रिकी पदवीधरांना नगररचना या विषयातील प्रशिक्षण | १२ |
| ८० | बृहन्मुंबई पर्जन्य जलवाहिन्या प्रकल्प (ब्रिमस्टोवॅड) यासाठी सहाय्य | ०.०००१ |
| ८१ | राष्ट्रीय नागरी पद्धती अंतर्गत राज्याचे अंशदान | ०.०००१ |
| ८२ | ई-गव्हर्नन्स प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीसाठी तरतूद | ८ |
| ८३ | मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्पासाठी अतिरिक्त केंद्रीय सहाय्य | २५० |
| ८४ | पुणे मेट्रो प्रोजेक्ट | १ |
| ८५ | नागपूर मेट्रो राज्य शासनाची भाग भांडवली गुंतवणूक | २०० |
| ८६ | नागपूर मेट्रो राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज | १०० |
| ८७ | मुंबई मेट्रो लाईन-३ | १०० |
| | मुंबई मेट्रो लाईन-४ | १३५ |
| ८८ | श्री महालक्ष्मी जगदंबा संस्थान, कोराडी विकास आराखड्याच्या अंमलबजावणीसाठी नागपूर सुधार प्रन्यासला सहाय्य | २५ |
| ८९ | स्मारकाच्या बांधकामासाठी महानगरपालिकांना सहाय्यक अनुदान | ५ |
| ९० | स्मारकाच्या बांधकामासाठी नगरपालिकांना सहाय्यक अनुदान | ४ |
| ९१ | स्मारकाच्या बांधकामासाठी नगरपंचायतींना सहाय्यक अनुदान | ३ |
| ९२ | तेजस्विनी महिला बस सेवा चालविण्यासाठी मनपांना अनुदाने | ०.०००१ |
| ९३ | सॅटेलाईट शहरांसाठी पायाभूत सुविधा विकास योजनेंतर्गत महापालिकांना सहाय्य (केंद्र हिस्सा) | ०.०००१ |
| ९४ | सॅटेलाईट शहरांसाठी पायाभूत सुविधा विकास योजनेंतर्गत महापालिकांना सहाय्य (राज्य हिस्सा) | ०.०००१ |
| ९५ | मेट्रो रेल्व प्रकल्पांचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करण्याकरीता प्रकल्प अंमलबजावणी संस्थांना सहाय्यक अनुदान | ३ |
| ९६ | बाळासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारकाच्या बांधकामासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला सहाय्यक अनुदान | १५० |

| अ.क्र. | योजनेचे नाव | अर्थसंकल्पित तरतूद (रु.कोटीत) |
|--------|--|----------------------------------|
| (१) | (२) | (३) |
| ९७ | मुंबई मेट्रो रेल्वे प्रकल्प २अ, २ब, व ७ करिता मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला (एमएमआरडीए) एशियन डेव्हलपमेंट बँकेचे कर्ज | ५८६ |
| ९८ | मुंबई मेट्रो रेल्वे ४ व ४अ प्रकल्पासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला इंटीग्रेटेड ग्रीन अर्बन मोबिलिटी करिता केएफडब्ल्युचे कर्ज आरआयएल | १५० |
| ९९ | मुंबई मेट्रो रेल्वे प्रकल्प ४ व ४अ प्रकल्पासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला इंटीग्रेटेड ग्रीन अर्बन मोबिलिटी करिता केएफडब्ल्युचे कर्ज ओडीएप्लस | १५० |
| १०० | मुंबई मेट्रो रेल्वे मार्गिका ५ प्रकल्पाकरिता एमएमआरडीएला दुय्यम कर्ज | ६० |
| १०१ | मुंबई मेट्रो रेल्वे मार्गिका ६ प्रकल्पाकरिता एमएमआरडीएला राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज | ९० |
| १०२ | मुंबई मेट्रो रेल्वे २ब प्रकल्पाकरिता मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज (राज्य) | १३० |
| १०३ | मुंबई मेट्रो रेल्वे २अ प्रकल्पाकरिता मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज (राज्य) | ७० |
| १०४ | मुंबई मेट्रो रेल्वे ७ प्रकल्पाकरिता मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाला राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज (राज्य) | ७० |
| १०५ | पुणे मेट्रो रेल्वे प्रकल्पासाठी राज्य शासनाचे दुय्यम कर्ज (राज्य) | १ |
| १०६ | केंद्र शासनाकडून राज्यांना भांडवली गुंतवणूकीसाठी विशेष सहाय्य योजनेंतर्गत बिनव्याजी कर्ज (केंद्र हिस्सा १०० टक्के) संचालक नगर रचना | १००० |
| १०७ | केंद्र शासनाकडून राज्यांना भांडवली गुंतवणूकीसाठी विशेष सहाय्य योजनेंतर्गत बिनव्याजी कर्ज (केंद्र हिस्सा १०० टक्के) (योजना भाग -१) | २००० |
| १०८ | प्रधानमंत्री गती शक्ती संबंधीत गुंतवणूका (योजना भाग -) | १००० |
| १०९ | केंद्र शासनाकडून राज्यांना भांडवली गुंतवणूकीसाठी विशेष सहाय्य योजना भाग-६ अंतर्गत बिनव्याजी कर्जापोटि पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण व शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ (महाराष्ट्र) मर्यादितच्या प्रकल्पांकरिता तरतूद | ५०० |
| ११० | नागपूर हे उप राजधानीचे शहर असल्यामुळे शहराच्या सर्वांगीण विकासासाठी विशेष अनुदान | ०.०००१ |
| १११ | श्री. क्षेत्र महालक्ष्मी (करवीर निवासनी, अंबाबाई) मंदिर कोल्हापूर तीर्थक्षेत्र विकास आराखडा | ०.०००१ |
| ११२ | (००)(९१) क व ड वर्ग महानगरपालिका, सर्व नगरपरिषदा व नगरपंचायती यांच्या हद्दीतील मालमत्तांचे GISआधारीत सर्वेक्षण व मॉपिंग करिता सहाय्य अनुदान (२२१७ A१५४) | ४ |
| ११३ | (००)(४२) नगरपरिषदांना वैशिष्ट्यपूर्ण कामासाठी विशेष अनुदान (२२१७ १३०१) | ८२५ |
| ११४ | महानगर पालिका क्षेत्रात मुलभूत सुखसोयीच्या विकासासाठी विशेष (ठोक) तरतूद | ० |
| ११५ | श्री. क्षेत्र परळी-वैजनाथ ज्योतिर्लिंग तीर्थक्षेत्र विकास आराखडा | ०.०००१ |
| ११६ | रामटेक तीर्थक्षेत्र विकास आराखडा कार्यक्रमा अंतर्गत तीर्थक्षेत्र विकास | ०.०००१ |
| ११७ | पहिल्या राज्य वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार राज्यातील महानगरपालिका उत्कृष्ट कामांसंबंधी प्रात्साहनपर अनुदाने | ०.०००१ |
| ११८ | शाश्वत विकास ध्येय (ध्येय १५-जमिनीवरील सजीव) अंतर्गत वृक्ष लागवड व संवर्धन (१०० टक्के राज्य योजना) | ०.०००२ |
| ११९ | नगर विकास विभागाच्या प्रशासकीय कामकाजासाठी पायाभूत सोयी सुविधा | १५ |
| १२० | अमृत अभियान राज्य अभियानावरील आस्थापना खर्चासाठी सहाय्य अनुदान (१०० %केंद्र हिस्सा) | ०.०००१ |

शासकीय मध्यवर्ती मुद्रणालय, मुंबई
